

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

• 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 7, 1985 (अग्रहायण 16, 1907)
• 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 7, 1985 (AGRAHAYANA 16, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate pagination is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग खण्ड I (PART III—SECTION I)

जुं न्यायालयों, नियन्त्रक और महानिरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
Notifications issued by the High Courts, the Controller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 नवम्बर 1985

सं० ए० 12025(ii)/1/84-प्रशा०-III—सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा, 1984 (देखें—कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग का० जा० सं० 5/2/85-सि० से० (1), दिनांक 18 अक्तूबर, 1985) के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के रूप में मनोनीत किए जाने परिणामस्वरूप, राष्ट्रपति द्वारा इस कार्यालय के के० सं० स्टे० से० संवर्ग के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने यथा निर्दिष्ट, तिथि से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

क्र० सं०	नाम	रैंक	नियुक्ति की तिथि
1.	श्री टी० वी० दिनेश	06	30-10-85
2.	श्रीमती टी० वी० महालक्ष्मी	39	30-10-85

2. ये नियुक्तियां दिल्ली उच्च न्यायालय में लम्बित सि० रि० या० सं० 1194/78 के परिणाम और अन्तिम निर्णय के अधीन हैं।

1—356 GI/85

दिनांक 8 अगस्त 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के के० सं० से० संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री कैलाशचन्द्र को राष्ट्रपति द्वारा 1 अगस्त, 1985 से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उसका अधिकारी के पद पर नियमित आधार पर कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

श्री कैलाशचन्द्र कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग अब कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के का० जा० सं० 12/1/74-सि० एस० (1), दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के अनुसार रु० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

एम० पी० जैन
अवर सचिव (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक और प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार तथा लोक-
शिकायत और पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1985

सं० पी-3/70-प्रशासन-5—निवर्तन होने पर, श्री पी० सूर्यनारायण राव, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में

(40193)

31-10-85 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० 3/33/85-प्रशासन-5—श्री बी० एन० निगम, हिन्दी अधिहारी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली, का दिनांक 2 नवम्बर, 1985 को निवृत्त हो गया।

सं० 3/37/85-प्रशा०-5—राष्ट्रपति, श्री जी० सी० नन्दा, भा० पु० सेवा (उडीसा-1974) को दिनांक 18 अक्तूबर, 1985 (अपराह्न) से, अगले आदेश होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्त के आधार पर, पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० ए-19036/9/83-प्रशा०-5—निवृत्त होने पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त पर आए श्री एस० एन लाल, पुलिस उपाधीक्षक, की सेवाएं दिनांक 31 अक्तूबर, 1985 (अपराह्न) से बिहार सरकार को सौंप दी गई।

दिनांक 18 नवम्बर 1985

सं० आई०-2/72-प्रशा०-5—58 वर्ष की आयु होने पर, श्री आई० बापानय्या, पुलिस उपाधीक्षक, के० अ० ब्यूरो ने 31-10-1985 (अपराह्न) को पुलिस उपाधीक्षक, के० अ० ब्यूरो, विशाखापत्तनम के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 3/32/85-प्रशासन-5—राष्ट्रपति ने श्री अमित वर्मा, भा० पु० सेवा (तमिलनाडु-1978) को 4 नवम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, प्रतिनियुक्त पर, पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

सं० 3/38/85-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्-द्वारा, श्री ज्ञान चन्द, अपराध सहायक, के० अ० ब्यूरो को एक नवम्बर, 1985 (अपराह्न) से अगले आदेश होने तक के० अ० ब्यूरो में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर० एस० नागपाल
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
के० अ० ब्यूरो

मसूरी, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

सं० 2/5/85-स्थापना—श्री आर० एस० बाह्वी, सहायक प्रशासन अधिकारी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी, ने दिनांक 14 अक्तूबर, 1985 (पूर्वाह्न) से प्रशासन अधिकारी (लेखा), के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० 2/6/85-स्थापना—श्री शिवशरण, अधीक्षक, ने लाल बहादुर शास्त्री, राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी ने दिनांक 18 अक्तूबर, 1985 के अपराह्न से अपने वर्तमान पद के कार्यभार के साथ-साथ सहायक प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार भी ग्रहण कर लिया है।

अनुपम कुलश्रेष्ठ,
उप निदेशक

गृह मंत्रालय

महा निदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

सं० ओ० दो० 1441/79-स्था० (के० रि० पु० बल)—श्री टी० जी० एल० अय्यर, आई० पी० एस० ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप, दिनांक 1-11-85 (पूर्वाह्न) से महानिदेशक, के० रि० पु० बल का कार्यभार त्याग दिया है।

2. राष्ट्रपति जी, श्री एस० डी० पांडे, आई० पी० एस० (उ० प्र० : 1953) महानिदेशक, एस० एस० बी० महानिदेशालय सिक्युरिटी केबिनेट सचिवालय, को महानिदेशक, के० रि० पु० बल के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। तदनुसार श्री पांडे ने महानिदेशक, के० रि० पु० बल, के पद का कार्यभार दिनांक 1-11-85 (पूर्वाह्न) से सम्भाल लिया है।

दिनांक 6 नवम्बर, 1985

सं० ओ० दो० 1626/81-स्थापना—के० रि० पु० बल के नियम 43 (सी), (ii) के अन्तर्गत सेवा निवृत्त होने के फलस्वरूप, श्री सुभा चन्द ने पुलिस उप अधीक्षक, 27 वाहनी के पद का कार्यभार दिनांक 15-10-85 (पूर्वाह्न) को त्याग दिया है।

दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं० ओ० दो० 1942/84-स्थापना—महा निदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० (श्रीमती) जी० रतना कुमारी को दिनांक 16-10-85 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर केवल तीन माह अथवा इस पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

अशोक राज महीपथी
सहायक निदेशक (स्थापना)

महा निदेशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 14 नवम्बर, 1985

सं० ई-32015/1/78-कार्मिक-I—श्री टी० डी० पीटर पुत्र श्री टी० एम० देवासिया (सीधी भर्ती) की 7-10-85 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में स्थानापन्न रूप

से सहायक कमांडेंट की नियुक्ति की जाती है तथा उन्हें उसी तारीख से के० श्री० सु० ब० यूनिट, डी० एस० पी०, दुर्गापुर में तैनात किया जाता है।

सं० ई-32015(4)/72/85-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री ए० एस० जैलादुराई, निरीक्षक (कार्यपालक) को, प्रोन्नति पर, 30 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से 18 अगस्त, 1986 तक या इस समय तक नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, ग्रुप मुख्यालय, कलकत्ता में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/64/85-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री एच० एस० सिद्धू, निरीक्षक (कार्यपालक) को, प्रोन्नति पर, 30-10-85 (पूर्वाह्न) से 18 अगस्त, 1986 तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ आधार पर तथा अस्थायी तौर पर के० श्री० सु० ब० यूनिट, बी० एस० एल०, बोकारो में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

(ह०) अपठनीय

महानिदेशक/के० श्री० सु० ब०

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० 29-वा० ले० प० 1/214/69—महालेखाकार, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश तथा मिजोरम, शिलांग के श्री पी० के० वत्ता राय, लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) अपनी अधि-वाषिता आयु प्राप्त करने पर, दिनांक 31-10-85 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

सं० 28-वा० ले० प० 1/85-75—सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा (पेट्रोलियम और तेल), मद्रास, के श्री पी० पाल, लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) अपनी अधिवाषिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30-9-1985 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

के० पी० लक्ष्मण राव

महायुक्त नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक (वा०)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० प्रशासन-1/का० आ० सं० 290—श्रीमान् निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-I, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारियों अब महायुक्त लेखा परीक्षा अधिकारी का 6-11-85 (अपराह्न) से अगले आदेश

तक 840-1200 रु० के वेतन क्रम में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी नियुक्ति करते हैं।

क्रम
सं०

नाम

1. श्री एम० एल० नरुला (स्था० अ० अधिकारी)
2. श्री राम स्वरूप (अस्थायी अनुभाग अधिकारी)।

(ह०) अपठनीय

उप निदेशक, लेखा परीक्षा (प्रशा०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-1 बिहार

पटना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

सं० प्रशासन-1 (लेखा परीक्षा)-1-20-5-1291—महा-लेखाकार (लेखा परीक्षा)-1, बिहार, पटना ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को, अगले आदेश तक के लिए, लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में, दिनांक 7-11-85 के पूर्वाह्न से सहर्ष स्थानापन्न प्रोन्नति दी है।

1. श्री इन्द्र देव प्रसाद सिन्हा,
2. „ शिव पूजन प्रसाद नं० I,
3. „ मुद्रिका प्रसाद सिंह,
4. „ दिनेश नन्द बहादुर,
5. „ मो० बख्तियार अहमद,
6. „ अनिल चन्द्र हजारी

समर राय

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय आयुध निर्माणी मुख्यालय सिविल सेवाएं

आयुध निर्माणी बोर्ड

कलकत्ता-700 001, दिनांक 11 अक्तूबर 1985

सं० 11/85/ए/ई-1(एन०जी०)—महानिदेशक, आयुध निर्माणी महोदय, क्षेत्र लेखा कार्यालय, रक्षा लेखा नियन्त्रक फोर्ट सेंट जार्ज, मद्रास के स्थायी एस० ओ० (ए), श्री के० चन्द्रशेखरन को सहायक स्टॉफ अधिकारी (ग्रुप “ख” राजपत्रित) पद पर दिनांक 31-7-1985 (पूर्वाह्न) से नियुक्ति करते हैं तथा अपर महानिदेशक/ए० श्री० मुख्यालय के कार्यालय, मार्फत भारी वाहन निर्माणी, मद्रास-54 में तैनात करते हैं।

एम० दास गुप्ता

निदेशक/प्रशासन

कृते महानिदेशक, आयुध निर्माण्यां

कलकत्ता-1, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

सं० 45/जी/85—श्री डी० के० बासु, स्थानापन्न संयुक्त महा प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी सिनीयर डी० ए० डी० जी०/प्रबंधक) दिनांक 5 सितम्बर, 1985 (अपराह्न) से सर्वेच्छा-पूर्वक सेवा-निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता
उप महा निदेशक/स्थापना

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

आयात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण
(स्थापना)

सं० 1/16/83-प्रशासन (राज०)/1522—राष्ट्रपति, श्रीमती पी० स्वामीनाथन, (केन्द्रीय सचिवालय सेवा-चयन ग्रेड की प्रवर्ण सूची, 1983) को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात के कार्यालय, बम्बई में 21-8-85 से 1-9-85 की आगे की अवधि तक और 2-9-85 से अगले आदेश होने तक, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड में और संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात के रूप में स्थानापन्न क्षमता में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 नवम्बर 1985

सं० 1/16/83/प्रशासन (राज०)/1628—राष्ट्रपति, श्री एल० प्रसाद (केन्द्रीय सचिवालय सेवा चयन ग्रेड की प्रवर्ण सूची, 1983) को मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 2 सितम्बर, 1985 से, अगले आदेश होने तक, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड में और संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात के रूप में स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

राजीव लोचन मिश्रा
मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात

वस्त्र विभाग

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० 19001/32/83-डी० सं० एच०/प्रशासन-I—वस्त्र विभाग में उप सचिव के पद पर नियुक्त होने के फलस्वरूप, श्री ब्रह्म दत्त, भारतीय प्रशासनिक अधिकारी (कनिष्ठक: 73) ने 18 सितम्बर, 1985 के पूर्वार्द्ध से संयुक्त विकास आयुक्त, हथकरघा के पद के कार्यभार को छोड़ दिया है।

प्रवीर कुमार दत्त
उप विकास आयुक्त (हथकरघा)

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1985

सं० ए-32013(3)/85-प्रशासन-III—राष्ट्रपति, श्री बी० के० मेहन, सहायक निदेशक ग्रेड-II (तकनीकी) को 25 अक्तूबर, 1985 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनार सेवा केन्द्र, दिल्ली में सहायक निदेशक ग्रेड-1 (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

बी० के० अग्निहोत्री
अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

पूर्ति तथा निपटान महा निदेशालय

(प्रशासन अनुभाग प्रा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

सं० प्र-1/1(1219)—निरिक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय के अध्यक्ष, श्री के० राजेश्वर राव को "निदेशक पूर्ति तथा निपटान, मद्रास के कार्यालय में दिनांक 16 अक्तूबर, 1985 के पूर्वार्द्ध से पूर्णतः तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-2) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है। उनकी नियुक्ति अंशतः सं० एम० कार्सो बाई, सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-2) के स्थान पर की गई है जो सरकारी सेवा से निवृत्त हो गई है।

राजबंश सिंह
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महा निदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात, खान और कौयला मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 अक्तूबर 1985

सं० 4683 डा/ए-19011(1-एच०एस०आर०)/84-19ए—राष्ट्रपति जी, सिद्धार्थ शंकर राय को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 1-8-1985 के पूर्वार्द्ध से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 13 नवम्बर 1985

सं० 1028/बी/ए-32013(6-ख०नि०(कनिष्ठ))/85-19ए—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के खनिज विज्ञान (कनिष्ठ) डा० एस० राय को खनिज विज्ञान (कनिष्ठ) के रूप में, नियमानुसार 1100-50-1600 रु० के वेतनमान के वेतन पर, उसी विभाग में, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश

होने तक 12-9-1985 के पूर्वार्द्ध में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुमार/
निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो में, महायुक्त अपर प्रबंधन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 8 अक्तूबर, 1985 के अपराल्फ से नियुक्त किया गया है।

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 14 नवम्बर 1985

सं० ए-19011(382)/85-स्था० ए०—संघ लोक सेवा
आयोग की सिफारिश पर श्री एम० ए०० मानकर को

पा० पी० वादी
प्रशासन अधिकारी
कुंते महा नियंत्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 13 नवम्बर, 1985

सं० सी:6277/707—न्यूनतमलिखित अधिकारी, जो अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्त किए गए थे, अब प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किये जाते हैं:—

क्र० सं०	नाम	अधिसूचना की सं० और तारीख जिसके अन्तर्गत तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्ति की गई थी	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किये गए	पदोन्नति की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री प्रेम नाथ कौल	दिनांक 17-8-78 की अधिसूचना सं० सी-5403/707	सं० 68 (टाइडल) पार्टी (ज्यो० एवं अनु० शा०), देहरादून	29-1-1985
2.	श्री मोहनजीत सिंह	दिनांक 19-9-78 की अधिसूचना सं० सी-5420/707	सं० 64 (ए० एच० एम०) पार्टी, सर्वेक्षण (हवाई), नई दिल्ली	29-1-1985
3.	श्री विक्रम सिंह नेगी	दिनांक 12-7-82 की अधिसूचना सं० सी-5836/707	सं० 27 पार्टी (उ० सं०), मसूरी।	11-2-1985
4.	श्री मदननाथ कुमार	दिनांक 17-7-84 की अधिसूचना सं० सी-6099/707	सं० 42 पार्टी (पश्चिमोत्तर सर्किल), अम्बाला सिटी	11-2-1985
5.	श्री एन० सी० रे	दिनांक 4-11-78 की अधिसूचना सं० सी-5428/707	सं० 63 पार्टी (पूर्वी सं०); कलकत्ता	11-2-1985
6.	श्री महावीर सिंह रावत	दिनांक 21-12-78 की अधिसूचना सं० सी-5447/707	सं० 10 आ० का० (द० पू० सं०); भुवनेश्वर	21-6-1985
7.	श्री एम० आर० भिडे	दिनांक 19-3-79 की अधिसूचना सं० सी-5474/707	सं० 31 पार्टी, (द० म० सं०); पूना	18-2-1985
8.	श्री जयचन्द रेखी	दिनांक 28-11-78 की अधिसूचना सं० सी-5438/707	सं० 50 पार्टी (पी० एम० पी०) हैदराबाद	3-7-1985
9.	श्री प्रेम नाथ	दिनांक 19-4-79 की अधिसूचना सं० सी-5481/707	सं० 9 आ० का० (पश्चिमोत्तर सं०); चन्डीगढ़	11-2-1985
10.	श्री कश्मीरा सिंह गर्वा	दिनांक 3-9-82 की अधिसूचना सं० सी-5859/707	सं० 57 पार्टी (पश्चिमोत्तर सं०), चन्डीगढ़।	6-5-1985
11.	श्री एम० एस० पंजा	दिनांक 22-8-83 की अधिसूचना सं० सी-5992/707	सं० 76 (फोटो) पार्टी (द० पू० सं०), भुवनेश्वर	11-2-1985
12.	श्री ए० चन्दा केमन (अनुसूचित जाति)	दिनांक 22-8-83 की अधिसूचना सं० सी-5992/707	सं० 4 आ० का० (द० सं०), बंगलौर	3-5-1985

सं० सी-6278/707--निम्नलिखित अधिकारियों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप "बी") के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम तथा पदनाम	यूनिट/कार्यालय	तारीख
1.	श्री ललिता प्रसाद, सर्वेक्षक	सं० 85, पार्टी (द० म०स०) नागपुर।	25-3-85
2.	श्री एम० एस० वचनेट, सर्वेक्षक	सं० 13, पार्टी (पश्चिम) सतलुजा मसुरी।	28-5-85
3.	श्री प्रेम कुमार, (अनुसूचित जाति) सर्वेक्षक।	सं० 17, पार्टी (द० स०) बंगलौर	7-5-85

गिरीश चन्द्र अग्रवाल
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1985

सं० ए-12034/16/85-स्था०--निदेशक, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय एतद्वारा तदर्थ आधार पर नियुक्त सहायक उत्पादन प्रबन्धक, (मुद्रण प्रचार) के पद से श्री सतीश कुमार भारद्वाज, का त्यागपत्र 7 नवम्बर 1985 के अपराह्न में स्वीकार करते हैं।

बी० एस० लन्धु
उप निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं० ए० 12026/1/83-मैडि० (एफ० एंड ए०)---राष्ट्रपति ने श्री बी० बी० अदकोल को 9 अक्टूबर, 1985 पूर्वाह्न से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी, में सहायक प्रोफेसर, आक्र शैक्षिक प्रौद्योगिक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

पी० के० बर्ड
उप निदेशक प्रशासन (सी०एन्ड बी०)

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० ए-20012/183/73-स्था०--शर्करा निदेशालय, के तत्तत्तः सहायक (शर्करा तत्तत्तः) श्री आर० के० मित्तल को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 17 अक्टूबर, 1985 में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उक्त निदेशालय में कनिष्ठ तत्तत्तः अधिकारी (शर्करा तत्तत्तः) के पद पर नियुक्त किया गया है।

श्री आर० के० मित्तल ने दिनांक 17 अक्टूबर, 1985 के पूर्वाह्न से शर्करा निदेशालय में कनिष्ठ तत्तत्तः अधिकारी (शर्करा तत्तत्तः) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० ए-19012/87/85-स्था०--केन्द्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा के वरिष्ठ अनुवादक श्री कमल सिंह मेहता को शर्करा निदेशालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 20 सितम्बर, 1985 से राजभाषा विभाग द्वारा पद को नियमित रूप से भरे जाने तक के लिए तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

श्री कमल सिंह मेहता ने दिनांक 20 सितम्बर, 1985 पूर्वाह्न से शर्करा निदेशालय में हिन्दी अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

वी० लक्ष्मी रत्न
संयुक्त सचिव (शर्करा)

(नागरिक पूर्ति विभाग)

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1985

सं० ए-11013/1/79-स्था०--इस निदेशालय की 29 अगस्त, 1985 की इस सभा की अधिसूचना के क्रम में नागरिक पूर्ति विभाग में स्थानापन्न वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक, श्री पी० एस० रावत का वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में सहायक निदेशक (राजभाषा) के पद पर की गई नियुक्ति को पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर 1-9-1985 (पूर्वाह्न) से 31-10-85 (अपराह्न) तक और जारी रखा गया है।

के० एम० साहनी
मुख्य निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

नगरीय परमाणु विद्युत परियोजना

नवविप कालोनी, दिनांक 8 नवम्बर 1985

क्र० सं० ग० प० वि० प०/भर्ती/एम/1/29/अगस्त/85/21—
परियोजना निदेशक, नगरीय परमाणु विद्युत परियोजना अधो-
निर्माण वैज्ञानिक सहायक "सी" को, नगरीय परमाणु विद्युत
परियोजना में दिनांक अगस्त, 1, 1985 के पूर्वाह्न से अग्रिम
आदेशों तक के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० री०-
35-880-40-1000-द० री०-40-1200 रुपये के वेतनमान में
वैज्ञानिक अधिकारी/इंज नियर ग्रेड ए० बी० के पद पर स्थाना-
पन्न रूप में नियुक्त करते हैं—

क्र० सं०	नाम	वर्तमान पद नाम	ग्रेड जिसमें नियुक्त किया गया
1.	श्री रवेन्द्रपाल	वैज्ञानिक सहायक "सी"	वैज्ञानिक अधिकारी इंज नियर ग्रेड- ए० बी०
2.	श्री ए० आर्देन्द्रिका	—नदैव—	—नदैव—

आर० के० बाला
प्रशासन अधिकारी

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 11 नवम्बर 1985

सं० क्र० भ० नि०/2/1(11)/83-प्रशा०/7608—इस निदेशालय का दिनांक 29 जुलाई, 1985 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने निदेशालय के स्थायी भंडारों श्री ए० सी० शर्मा को इसी निदेशालय में और आगे दिनांक 31 दिसम्बर, 1985 तक अथवा आगे आदेश होने तक पहले समाप्त होने वाले अवधि के लिए सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

पी० गोपालन
प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 11 नवम्बर 1985

सं० प० ख० प्र०-2/3266/81-प्रशासन—दिनांक 27 मार्च, 1981 के नियुक्ति प्रस्ताव संख्या प० ख० प्र० 1/18/80 भर्ती के पैरा 1 (1) का शर्तों के अन्तर्गत में, ए० पदमनाभन वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, हैदराबाद एतद्द्वारा, श्री मोहम्मद रहमान जह्दर, दैलेवर, "ए" को सूचित करता है कि उनकी

सेवाएं भारत के राजपत्र में, इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तिथि से एक माह की अवधि समाप्त होने की तिथि से समाप्त हो जायेंगी।

ए० पदमनाभन
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारत पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 003, दिनांक 13 नवम्बर 1985

सं० भा० पा० प०/भ-4/8278—भारत पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी दूर संचार विभाग, संचार मंत्रालय के श्री टी० ए० शिवरामकृष्णन, वरिष्ठ लेखा अधिकारी को 14 अक्टूबर, 1985 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए भारी पानी संयन्त्र (तृती कीरीन) में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं

श्रीमति के० पी कल्याणीकुट्टी
प्रशासन अधिकारी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली -3, दिनांक 18 नवम्बर 1985

सं० ई० (1) 05413—राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान सेवा (समूह क), के श्री ए० डी० ए० अम्बी, निदेशक, को दिनांक 24 अक्टूबर, 1985 के अपराह्न से दो वर्ष की अवधि के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग में सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "क" (राजपत्रित) में मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (प्रशासन तथा भंडार) के पद पर नियुक्त करते हैं।

ए० के० दाव
मौसम विज्ञान के महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1985

सं० ए० 32013(मेट० 1)/7/83-स्था०-1—राष्ट्रपति भारत मौसम विज्ञान विभाग के श्री जी० ए० वर्मा, सहायक मौसम विज्ञानी को उसी विभाग में 18-7-1985 की अपराह्न से अगला आदेश मिलने तक स्थानापन्न मौसम विज्ञानी श्रेणी-1 के रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० डी० ए० अम्बी
मौसम विज्ञान के उप-महानिदेशक
(प्रशासन और भंडार)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1985

सं० ए० 32014/3/83-ई० एम०—महानिदेशक, नागर विमानन, नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भण्डार डिपो का कार्यालय, नई दिल्ली के श्री टी० आर० कुमार, भंडार सहायक को दिनांक 17-10-85 (अपराह्न) से छः मास की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, 650-1200 रुपए के वेतनमान में भंडार अधिकारी (ग्रुप "बी" पद) पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

वेद प्रकाश
उप निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० 16/20 7/72-स्था०-I—सेवा निवृत्ति की अवधि पूरी हो जाने पर श्री एम० पी० चंदोला, अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून दिनांक 31 अक्तूबर 1985 के अपराह्न में सेवा निवृत्त हो गये हैं।

जे० एन० मन्मथना
कुलमन्त्रि

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1985

सं० 3-718/85—मुख्य जल भू० (स्था०)—श्री हेमदेव श्रीधर सबरे का दिनांक 7-10-85 (पूर्वाह्न) में अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एम० समूह-ब (राजपत्रित) वेतनमान रुपए 650-30-740-35-810-३० रो०-35-880-40-1000-३० रो०-40-1200/- में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

बी० पी० सी० सिन्हा
मुख्य जलभूविज्ञानी एवं सदस्य

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्तूबर 1985

सं० 33/2/83-ई० सी०-9--राष्ट्रपति, सर्वोच्च लोक सेवा आयोग के श्री जय बी० शीरपागर, उपवास्तुक को अस्थाई पद पर (सामान्य सिविल सेवा ग्रुप "क") के० लो० नि० विभाग में रुपए 700-40-900-३० रो०-40-1100-50-1300/- के वेतनमान में (अतिरिक्त

भतों सहित सामान्य नियमों एवं शर्तों पर दिनांक 13-9-85 (पूर्वाह्न) नियुक्त करते हैं।

(2) श्री शीरपागर का वेतन 780/- आयोग द्वारा निर्धारित किया जाता है।

(3) श्री शीरपागर को नियुक्ति तिथि से 2 वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रखा जाता है।

दिनांक 4 नवम्बर 1985

सं० 33/2/83-ई० सी०-9--राष्ट्रपति सर्वोच्च लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित मामलों को उपवास्तुक के अस्थाई पदों पर (सामान्य सिविल सेवा ग्रुप "क") के० लो० नि० विभाग में रुपए 700-40-900-३० रो०-40-1100-1300/- के वेतनमान में (अतिरिक्त भतों सहित सामान्य नियमों एवं शर्तों पर परीक्षा के मामले दर्शायी तिथियों पर नियुक्त करते हैं:—

1. श्री अमल चन्द्र दास 11-10-1985

2. कुमारी उमा रातो 26-8-1985

इन दोनों अधिकारियों का वेतन 780/- आयोग के द्वारा निर्धारित किया जाता है।

(3) इन्हें नियुक्ति तिथियों से 2 वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रखा जाता है।

मनि मोहन दास
प्रशासन उप निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

राष्ट्रीय परीक्षण गृह अलीपुर

पूति विभाग

कलकत्ता-27, दिनांक 7 नवम्बर 1985

सं० जी०-318-ए०--महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता, श्री के० सी० मन्मथदास, प्रधान लिपिक (स्तर-II) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता को उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (स्तर-II) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं जो कि 1-11-85 से किसी अगले आदेश के जारी न होने तक प्रभावी होगा।

दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं० जी०-65/एम० ओ०--महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता के विज्ञान सहायक (विद्युत) श्री एम० के० माथुर को किसी अगले आदेश के जारी न होने तक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, गाजियाबाद शाखा कार्यालय में दिनांक 27-9-85 (पूर्वाह्न) से विज्ञान अधिकारी (विद्युत) के रूप में अस्थाई आधार पर नियुक्त करते हैं।

जे० एम० भट्टाचार्य
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महा निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता

उद्योग और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

कंपनी विधि बोर्ड

कंपनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कंपनी अधिनियम, 1956 एवं गोआ थिएटर्स

प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० 665/187/10560(ड)--कंपनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण मेंएतद्वारा सूचना दी जाती है कि गोआ थिएटर्स प्रायवेट
लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार में 'काट दिया गया है
और उक्त कंपनी विघटित हो गई है।वी० राधाकृष्णन्
कंपनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र, बम्बई

रायचिन्मय आयकर आयुक्त

आन्ध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 31 अक्तूबर 1985

आदेश

सी० आर० सं० 12/प्रकाश/85/960--अर्थात् आयकर अधिकारियों की पुष्टि आयकर अधिकारी समूह 'ख' के रूप में
उनके नाम के नामने अंकित तिथि से हुई है:-

क्रम सं०	आयकर अधिकारी का नाम, पदनाम और कार्यस्थान	पुष्टि की तिथि	विशेष कैसे हुई
	सर्व श्री		
1.	जी० यजनारायण, आयकर अधिकारी ए-वार्ड, सर्किल-II, हैदराबाद।	1-9-1984	श्री पी० वी० गोपाकृष्ण, आयकर अधिकारी की सेवा निवृत्ति से।
2.	ए० जे० नायडु, आयकर अधिकारी (मुख्या०) (न्यायिक-I) कार्यालय आयकर आयुक्त हैदराबाद।	1-9-1984	श्री अब्दुल रऊफ खान, आयकर अधिकारी की सेवा निवृत्ति से।
3.	जी० जगत मोहन राव, आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, भीमवरम।	1-9-1984	श्री शेक परत, आयकर अधिकारी की सेवा निवृत्ति से।
4.	एस० गोवर्धन राव, आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, सर्किल-I, हैदराबाद।	1-9-1984	श्री सुब्रह्मण्यम, आयकर अधिकारी समूह 'क' में पुष्टि होते से।
5.	एस० के० रहमान, आयकर अधिकारी ए-वार्ड, निजामाबाद।	1-9-1984	श्री मोदराव, आयकर अधिकारी समूह 'क' में पुष्टि होते से।
6.	वी० श्री राममूर्ति, आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, खम्मम।	1-9-1984	श्री सी० एच० सुब्रह्मण्यम, आयकर अधिकारी समूह 'क' में पुष्टि होते से।
7.	वी० कैलाशनाथ, कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि ए-बैंच, आयकर अपील अधिकरण, हैदराबाद	1-11-1984	श्री एन० राधाकृष्ण मूर्ति, आयकर अधिकारी की सेवा निवृत्ति से।
8.	श्री एस० छायापति, आयकर अधिकारी (मुख्यालय-I) कार्यालय, आयकर आयुक्त, हैदराबाद।	1-11-1984	श्री ए० तुलसी दाम, आयकर अधिकारी की सेवा निवृत्ति से।
9.	पी० वेंकटेश्वरलु, आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, नेल्लूर,	1-12-1984	श्री डी० वेंकट शास्त्री, आयकर अधिकारी की सेवा निवृत्ति से।

1	2	3	4
सर्वे श्री			
10. वी० चिन्ताराव,		1-2-1985	श्री एम० ए० के० नाथगेवर राव, आयकर सेवा निवृत्ति से।
आयकर अधिकारी, एच० वार्ड, मकिल-4, हैदराबाद।			
11. डॉ० नरसिंहा राव,		1-5-1985	श्री वी० वी० रमण राव, आयकर अधिकारी सेवा निवृत्ति से।
आयकर अधिकारी, वी०-वार्ड, करीमनगर।			
12. पी० मुन्बाराव,		1-8-1985	श्री सैयद अन्वर वाणा, आयकर अधिकारी की सेवा निवृत्ति से।
आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, मकिल-II, काकिनाडा।			
13. श्री वी० पी० नरसिंहुलु,		1-9-1985	श्री जे मंड्रेश्वराम, आयकर अधिकारी की सेवा निवृत्ति से।
आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, मकिल-4, हैदराबाद।			
14. एम० वेंकटरामन,		1-9-1985	श्री जी० नरसिंहुलु, आयकर अधिकारी की सेवा निवृत्ति से।
आयकर अधिकारी, वी०-वार्ड मकिल-II, काकिनाडा।			
15. टी० श्रीनिवास,		1-10-1985	श्री के० मुन्बाराव, आयकर अधिकारी की सेवा निवृत्ति से।
आयकर अधिकारी ए-वार्ड मकिल-III हैदराबाद-1			

पुष्टीकरण की तिथि पार्श्व तिथि में आशोधन योग्य है, यदि ऐसा करना आवश्यक समझा जाए।

दिनांक 15 नवम्बर 1985

सी०आर० सं० 12/स्थापना/85/977--अस्थापित आयकर अधिकारी की पुष्टी आयकर अधिकारी, वर्ग-II के रूप में उनके नाम के नामने सतम्भ संख्या 3 में अंकित तिथि से हुई है।

क्र० सं०	आयकर अधिकारी का नाम, पदनाम और कार्यरत स्थान	पुष्टी की तारीख	रिक्त कैसे हुई ?
1	2	3	4
सर्वे श्री			
1.	टी० चिट्टिराजू आयकर अधिकारी, एच-वार्ड-मकिल-II, हैदराबाद।	1-11-1985	श्री आर० पी० शैलेश्वर राव आयकर अधिकारी समूह ख के सेवानिवृत्त होने से।
2.	श्री रामाराव, आयकर अधिकारी एच वार्ड मकिल-III, हैदराबाद।	1-11-1985	श्री जी० यत्तनारायण, अधिकारी आयकर समूह ख के सेवानिवृत्ति होने से।

2. पुष्टीकरण की तिथि पार्श्व तिथि में आशोधन योग्य है, यदि ऐसा करना आवश्यक समझा जाये।

वी० वी० ए० शास्त्री

आयकर आयुक्त आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद-1

आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं० एफ० 48-ए० डी० ए० टी०-1985--अधि-
वर्षिता की आयु प्राप्त हो जाने पर श्री सी० पी० सन्तानम

सहायक पंजीकार आयकर अपील अधिकरण, कलकत्ता
न्यायपीठ, कलकत्ता दिनांक 31 अक्टूबर, 1985 (अप्रकाशित)
से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

टी० डी० शुक्ला
अध्यक्ष

प्रथम भाग, टी.एन.एस. ----

2. मेसर्स इंजीनियर कन्स्ट्रक्शन पाटनरः—

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एकुजीमान रेंज भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० एम० सी०/एकुजीमान/बी०वी०एम०
आर०-3/85-86/952-53—अतः मुझे, आर० सी० सेठी,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 2020 है, जो चन्द्रशेखरपुर में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीयरी अधिकारी के कार्यालय भुवनेश्वर में भारतीय
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 19-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाग की वास्तविक उक्त
वर्धनकर के अधीन कर देने के अन्तरक बाधित
में कमी करने या उचित करने के सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाता चाहिए या, छिपाने के सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नित्यानन्द बेज पिता आनन्द बेज गाँव लछीपुर
डाक—तेलेशा पेंठ थाना—कटक सदर जिला—
कटक। (अन्तरक)

- (1) श्रीमती तिरजरीणा महान्ती पती श्री नपन
कुमार महान्ती।
- (2) श्री प्रदोप कुमार दास (पिता मृत—उमां-
कान्त दास।
- (3) श्रीमती प्रणती महान्ती पती प्रमान कुमार
महान्ती।
- (4) डा० श्री प्राणबल्लभ दास पिता मृत—
जानकी बल्लभ दास।
- (5) डा० श्रीमती नीसेविता दास
पती श्री प्राणपनम दास

सबका वास्तविक गुरुप्रभा राजा

वगीया डाक—तेमोमा बाजार

थाना पुरीघाब जिला कटक।

- (6) श्रीमती मानसी पटनायक पती श्री प्रसांत
कुमार पटनायक गाँव—हाजीपुर, थाना
एरसमा जिला—कटक।
- (7) श्रीमती सरोजीनी पटनायक पती—श्री
प्रकाश चन्द पटनायक गाँव—श्री हाजीपुर
थाना एरसमा जिला—कटक।
- (8) श्रीमती मुनकटा सतपथी पती श्री खीरोज
चन्द, सतपथी गाँव पोस्ट मधुशसन थाना—
पावकुश जिला—कटक।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताकारी के बाध
निश्चित हो किन्तु या उक्तें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

श्री हॉल्ड खाली जमीन, जिला पुरी थाना नं० 23
महीठनगर भुवनेश्वर सब रेंजोस्टार के अन्तर, मोजा चन्द्रशेखरपुर
खाता नं० 412/7 प्लॉट नं० 329/1729 एरिया 3.52
रजिस्मिती भाड़ा रु० 17.60 पे० ये प्लॉट सबठीमा से सरकारी
प्लॉट के जरीए घर है।

आर० सी० सेठी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

एकप बाई. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भाउदा बडवानी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०, एक्यू०, 85-86/943-944--अतः

मुझे, आर० सी० सेठी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5928 है तथा जो गोपालपुर में स्थित है
(और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
29-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठग पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी भाग की वसूल, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ब) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जग्दाइन मिल एनेनसी 4 कनाईव रोड, कलकत्ता
(अन्तरित)

(2) जग्दाइन हैण्डरसन लिमिटेड 4-कनाईव रोड,
कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी जासोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान, एरिया 4 सेन्ट और 7 सेन्ट जो
हेलडीम नं० 30, डीड नं० 1 में स्थित है। जो लाभरल
हाउस में जाना जाता है जो गोपालपुर के ग्रन्थर स्थित है।
जिला गन्जाम (ओडिसा)

आर० सी० सेठी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भुवनेश्वर

दिनांक: 4-11-1985

मोहर:

रूप आर्.टी.एन.एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक: 4 नवम्बर, 1985

(1) श्री इन्द्र कुमार घोस 14/1, मण्डविला गार्डन,
कलकत्ता-700019

(अन्तरक)

(2) श्री नित्यान्द महापात्र वी० पी० श्री० बिरहरकृष्णपुर,
धाना पुरी उदर जिला पुरी (ओडिसा)

(अन्तरिती)

क) यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य
वाहिवां कटवा हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यता के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भायकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसूल, उक्त
अधिनियम के अधीन कटु देने के अन्तरक से
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भत-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा किया गया है—

जिला पुरी, धाना भुवनेश्वर मौजा भुवनेश्वर, खाता नं०
1002, प्लॉट नं० 1398 एरिया 0.956 बीसमील उसके साथ
दो मंजिला कोठी।

आर० सी० सेठी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भुवनेश्वर

दिनांक: 4-11-1985
मोहर:

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक: 12 अगस्त, 1985

निदेश सं० आर्.टी.एन.एस./अर्जन/भोपाल/5829---अतः मुझे,
एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, प्रथम मंजिल, अम्बर 13/2
जो एस० जी० रोड, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री अर्थात् अधिभार,
के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती लक्ष्मणी देवचन्दानी पत्नी केन्या उर्फ
कन्हैया लाल निवासी 22/7, न्यू पलामिया,
इंदौर ।

(अन्तरक)

2. श्री केदार श्याम प्रसाद (एच० यू० एफ०),
35, मुरलीधर, शर्मा रोड, गोंहाटी (आशाम)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कर्मवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

व्यवस्था

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वगेरे के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बिलिंग (फ्लैट नं० 3, प्रथम मंजिल) अम्बर 13/2,
एस० जी० रोड, इंदौर, में स्थित है।

एस० सी० शर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधिनियम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-8-1985

मोहर :

प्रकर जारी की गई है।

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, एरणाकुलम, कोच्चिन

कोच्चिन-16, दिनांक 28 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० एल० सी० सं० 772/85-86—अतः मुझे, बी० रविबालन,

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो निम्नलिखित देशों में स्थित है (और इनमें उल्लेख अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की प्राधिकारी के कार्यालय, तेल्लीशेरी, गहर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उक्त गणना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सबसे बड़े या सूचित के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के हिस्से भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषाकरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया था, छिपाने में सविधा

1. श्री बी० पी० अब्दुल रहीम,
पराल पाडीनहाल हसनान कुट्टी का बेटा,
निरुबान गेट, तेल्लीशेरी।

(अन्तरक)

2. श्री यू० मम्मट्टि, हाजी
उम्मान्नील हाउस, धरमेट्टम,
तेल्लीशेरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के नि कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधरो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

दिनांक 30-3-1985, उप रजिस्ट्री का कार्यालय, तेल्लीशेरी के दस्तावेज सं० 522, में संलग्न, अनुसूची के अनुसार निम्नलिखित देश के सर्वे सं० 199, वार्ड सं० 11, ब्लॉक सं० 5 में 13 गेट, मूमि और ए० मकान।

बी० रविबालन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेड्डी, एरणाकुलम, कोच्चिन

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 28-10-1985
मोहर:

प्रथम भाग, टी. एन. एस. ---

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० एल० सी० 773/85-86—अन: मुझे, बी०
रविबालन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसे सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री की प्राधिकारी के आयुक्त, एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए वस्तुस्थिति की गई है और मझे यह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का न्यून प्रतिफल से अधिक है और वस्तुस्थिति (वस्तुस्थिति) और वस्तुस्थिति (वस्तुस्थिति) के बीच ऐसे वस्तुस्थिति के लिए तय माना गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त वस्तुस्थिति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) वस्तुस्थिति से हुई किसी बाय की बायम उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के वस्तुस्थिति के कारण से कभी करने या उससे बचने में बायम के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वस्तुस्थिति को, जिसे भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ वस्तुस्थिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या जाना चाहिए या स्थिति में बायम के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिनियम में, म. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत, अधिनियम

1. मे लै उक्त अधिनियम, (मधुर), प्राइवेट लिमिटेड,
मद्रास-600002 ।

(अन्तरक)

2. एरनेन साचार पेपर, प्राइवेट लिमिटेड,
मद्रास-600002

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिनियम के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के सम्बन्ध में कोई भी बायम

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बायम में समाप्त होती है, को नीचे पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवर्धक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्वाधारी के पास लिखित में लिखा जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दिनांक 2-3-1985 उप रजिस्ट्री कार्यालय, एरणाकुलम, के दस्तावेज सं० 753/85 में एरणा, अनुसूची में के अनुसार एरणाकुलम विलेज में सर्वे नं० 338/2, 338/5 और 339/1 में 39.925 हेक्टेयर भूमि।

बी० रविबालन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 1-11-1985
मोहर:

प्रत्यक्ष बाजार, टी. एन. एल.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 7 अक्तूबर 1985

निदेश सं० एल० सी० 771/85-86-यतः मुझे, बी०
रविवालन,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो तेल्लि शेरी
शहर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेल्लिशेरी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 25-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत अधिक से अधिक है और अंत-
रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दृष्टिकोण से कमी करने या उससे बचने में सक्षमता
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षमता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3-356 GI/85

1. श्रीमती निवोति बीबी निवोति घर,
एम० एम० सड़क, तेल्लिशेरी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एन० डो० के० सुलेखा,
हाथी पिला, एम० एम० सड़क, तेल्लिशेरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दिनांक 25-3-1985 उप रजिस्ट्री तेल्लिशेरी, के दस्तावेज
संलग्न, अनुसूची के अनुसार तेल्लिशेरी, शहर में सर्वे सं०
29, वाड 16, ब्लॉक 3, में 25 सेंट, भूमि और इसमें मकान
(दो मंजिली इमारत) ।

बी० रविवालन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आय और आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 7-10-1985

मोहर :

प्रकट नाम टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 7 अक्टूबर, 1985

निर्देश नं० आय II सी/एस्वी०/29/23/85-86—प्रतः

मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्मय करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम.नं० 48 है, जो भूमि 1.53 एकड़
में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्री की अधिधारी
के कार्यालय, नागपुर में डाकुमेट सं० 1029) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 28-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गण्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में
नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

1. श्री जहीरबल अलीर सिद्दीकी,
सदर बाजार, नागपुर।

(अन्तरक)

2. उज्ज्वल रा० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
लक्ष्मी नगर, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सहस्रक

(क) अन्तरण का हूँ कि किसी अन्य को बाधना, उक्त
अधिनियम के अधीन कर यंत्रों के अन्तरक के
कार्यालय में कभी करने का उद्देश्य वर्चन में सूचना
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था कि या जाना जा रहा था, जिसने में सूचना
के लिए;

भूमि 1.53 एकड़ सर्वे नं० 48, सोमलवाडा, नागपुर
में स्थित है।

एम० सी० जोशी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, नागपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

दिनांक 7-10-1985
मोहर

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त, 1985

निदेश सं० ए० सी० 12/रेंज-4/कल०/1985-86—अतः

मुझे शंकर के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 163/141 है, तथा जो खालसानि बोसपारा में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्ययत्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सत्य चरन मुखर्जी

(अन्तरक)

2. सुजाता सानाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, या उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 3 का० 14 छ० 42 स्का० फीट जमीन का साथ मकान।

पता : 163/141, खालसानि बोसपाड़ा,

थाना, चन्दन नगर, हुगली।

दलिल सं० 1985 का 862

शंकर के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16

दिनांक 30-8-1985

मोहर :

सूचना जारी की गई है

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

कारण सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० ए०सी० 72/रेंज-4/कल०/84-85—अतः मुझे शंकर के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कारिसियाँ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के आय-कर का कार्य करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्खास्त :—

1. श्रीमती जमुनालाल तसनिवाल पा० लि० (अन्तरक)
2. श्री विरू टि० लि० । (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवस्थापकः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 489 एकर जमीन का साथ भूकान ।

पता : कारिसियाँ वार्जिलिंग ।

दलिल सं० 1985 का 37ईई-18/रेंज-4/84-85

शंकर के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16

दिनांक : 14-3-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एड.-----

1. श्री सुरेश चन्द्र राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. प्रभात कुमार जोहरी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 सितम्बर 1985

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निवेश सं० ए० सी० 49/रेंज-2/कल०/85-86—अतः मुझे
शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 36 वो है, तथा जो न्यू रोड, कलकत्ता-27
में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन दिनांक 25-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाबित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का प्रारूप और/वा

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

21 कट्टा, 40 वर्ग फुट, जमीन का 1/25 भाग, 36 बी,
न्यू रोड, आलिपुर, कलकत्ता-27 में अवस्थित है। दलित
सं० एस० आर० ए० कलकत्ता का 1985 का आई-4386।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक : 27-9-1985
मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एच. -----

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता I

कलकत्ता-16, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० ए० सी०-75/रेंज-2/कल०/85-86—अतः मुझे
शेख नईमुद्दीन,

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है, तथा जो बी० टी० रोड, कलकत्ता
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए०
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 29-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम समयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके
समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वास्तव में कमी करने या उसके पक्ष में दृष्टि
का लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमार जगदीश चन्द्र सिन्हा

(अन्तरक)

2. मैसर्स गोयल रोडएस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

27 कठा, 12 छटीक, 8 वर्ग फुट, जमीन का साथ मकान
15 बी० टी० रोड, कलकत्ता में अवस्थित है। दलिल सं० -
आर० ए० कलकत्ता, का 1985 का आई-4897।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक 6-11-1985

बोहर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० ए० सी०-76/रंज-2/कल०/85-86—अतः मुझे,
शेख नईमुद्दीन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 162 है, तथा जो दक्षिणदरि रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर०
ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 23-3-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यद्यपि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तर्गत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त अधि-
नियम में वर्णित कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दुर्गा देवी दागा

(अन्तरक)

2. श्रीमती पन्ना देवी डालमिया और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

5959 वर्ग फुट जमीन का साथ एक तल्ला मकान 162
दक्षिणदरि रोड, थाना लेक टाउन, कलकत्ता में अब स्थित है।
दलिल सं०-एम० आर० ए० कलकत्ता का 1985 का
आई-4332।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक : 6-11-1985

मोहर :

प्रमुख बाह्य टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० ए०स०-77/रेंज-2/कल०/85-86-प्रत मुझे,
शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 107 ए है, तथा जो हेम चन्द्र नस्कर रोड, में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय आर० ए०
कलकत्ता में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अर्जन दिनांक 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वस्तु प्रतीक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की शक्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कभी करने या करने बचने में सूचिका
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सूचिका
के लिए;

इस प्रकार उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
है, कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिपति :—

1. श्री कल्याण कुमार राय

(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार चौधुरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखावली के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3 कट्टा 6 छटांक, 19 वर्ग फीट जमीन का साथ-
तल्ला, मकान का अविभक्त 1/6 अंश, 107 ए, हेम चन्द्र
नस्कर रोड, कलकत्ता-10 में अवस्थित है। दलित सं०-आर०
ए० कलकत्ता का 1985 का आई-3411

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक 6-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. कल्याण कुमार राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. मंगेश कुमार चौधरी

(अन्तरिती)

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० ए० सी०-78/रेंज-2/कस०/85-86--अतः मुझे
शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
छात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
ताम्र संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

, 00,000/- रु. से अधिक है
और जिसका सं० 107 ए है, तथा जो हेम चन्द्र नस्कर रोड में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
निर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय आर० ए०
कलकत्ता में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मार्च, 1985

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
तेफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
र्गती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
तेफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
स्वीकृत रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एम्भी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
--356GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-
ही है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3 एका, 6 छत्ता, 19 वर्ग फुट जमीन का साथ 3 नल्ला
मकान का अधिभूत 1/6 भाग, 107, हेम चन्द्र नस्कर रोड
कलकत्ता-10 में अधिभूत है।

दस्तावेज नं०-आर० ए० कलकत्ता का 1985 का आर्डर-3410

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक 6-11-1985
मोहर:

प्रमुख आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सी०-79/रेंज-2/कल०/85-86—अतः मूखे
शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 107ए है, तथा जो हेम चन्द्र नस्कर रोड में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए०
कलकत्ता में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूखे यह विश्वास करने
का कारण है कि अधोपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का दायमान
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम
में कभी करने या उसके करने में सविधा के अधिनियम;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया गया चाहिए था छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधिनियम, निम्नलिखित व्यक्तियों के अधिनियम :—

1. श्री कल्याण कुमार राय ।

(अन्तरक)

2. श्री संदीप कुमार चौधुरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो श्री
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3 कट्टा 6 छटांक, 19 वर्ग फुट जमीन का साथ 3
तल्ला, मकान या अविभक्त 1/6 अंश, 107ए, हेम चन्द्र नस्कर
रोड, कलकत्ता-10 में अवस्थित है। दलिल संख्या आर० ए०
कलकत्ता, का 1985 का आई-3409 ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक 6-11-1985
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री कल्याण कुमार राय ।

(अन्तरक)

2. श्री सिवा हेमि चौधुरी ।

(अन्तर्गति)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सी०-80/रज-2/कल०/85-86—अतः मुझे

शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 107 ए है, तथा जो हेम चन्द्र नस्कर रोड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, आर० ए०
कलकत्ता में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिले में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-अ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

3 कठा 6 छटांक, 19 वर्ग फुट जमीन का साथ 3 तल्ला
मकान का अविभक्त 1/6 अंश 107ए, हेम चन्द्र नस्कर रोड,
कलकत्ता-10 में स्थित है। दलिल संख्या आर० ए० कलकत्ता का
1985 का आई-3408 ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, कलकत्ता

दिनांक : 6-11 1985
मोहर :

प्रथम आई.टी.एन.एच.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सी०-81/रेंज-2/कल०/85-86—अन. मुझे,
शेख नईमुद्दीन

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 107 ए, है तथा जो हेम चन्द्र नस्सर रोड
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, आर० ए०
कलकत्ता में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिष्ठ
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग में उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कल्याण कुमार राय।

(अन्तरक)

2. श्री बाल किशन चौधुरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3 कट्टा, 6 छटांक 19 वर्ग फुट जमीन का साथ 3 तला
मकान का अविवक्षित 1/6 अंश, 107 ए, हेम चन्द्र नस्सर रोड,
कलकत्ता-10 में अवस्थित है। दलिल संख्या आर० ए० कलकत्ता
का 1985 का आई-3407।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक 6-11-1985

मोहर :

प्रश्न भाई टि. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2,

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ए० सी० 82/रज-2/कल०/85-86-अतः मुझे,
शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० 107 ए है, तथा जो हेम चन्द्र नस्कर रोड
में स्थित है (ग्रोर इससे उपावद्ध अनुसू 1 में ग्रोर जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए०
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पुनः प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकी
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कल्याण कुमार राय ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राधा देवी चौधुरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 कटा, 6 छटाक 19 वर्ग फुट जमीन का साथ 3 तला मकान का अधिभक्त 1/6 भाग 107 ए, हेम चन्द्र नस्कर रोड, कलकत्ता-10 में अवस्थित है। दलिल सं० आर० ए० कलकत्ता का 1985 का आई 3406 ।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, कलकत्ता

दिनांक : 6-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सी०-83/रेंज-2/कल०/85-86—अतः मुझे,

शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौरजिसकी सं० 330/वी०एल०एम० है, तथा जो सी० आई० टि रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपायुक्त अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-3-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमलेन्दु घोषर मस्कर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सागरिक मजुमदार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1299 वर्ग फुट, प्लॉट 330/वी० एल०एम०, सी० आई० टी० रोड, कलकत्ता में अवस्थित है। दलिल सं० आर० ए० कलकत्ता का 1985 का आई-4604।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक 6-11-1985

मोहर :

राजपत्र, भा. राज. पत्र, 1985-86

1. श्री एस० भट्टाचार्य और अन्य।

(अन्तरक)

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री अजय कुमार घाट।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपे—

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० ए० सी०-84/रेंज-II/कल०/85-86—अतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य :

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है, तथा जो राज राजेश्वरी रोड, कलकत्ता-

30 में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और जो पूर्ण-रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिफल के लिए बन्धित की गई है, और यहाँ यह विचार करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पंख प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण निम्नलिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अधीन हवाई प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सर्ग्य व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित रूप में किया गया है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 कट्टा 2 छटांक 8 वर्ग फुट जमीन का साथ 2 तल्ला मकान 7, राज राजेश्वरी, रोड, कलकत्ता-30 में अवस्थित है।
दलिल सं० आर० ए० कलकत्ता का 1985 का आई-3535

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

दिनांक 6-11-85

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० 37ईई/3538/85-86—अतः मुझे अनिलकुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माणिक मोती अपार्टमेंट, फ्लैट नं० 5 ए सर्वे नं० 573 नं० 1 टू, 5, ए० बी० सी० डी० फ्लैट, नं० 12, पार्श्व नगर, धिवेक वाडी, पूना-9 है, तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विरवास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित कर्तव्यों, अर्थात् :—

1. मैसर्स के० गोमराज माणिक, एन्ड कंपनी 327/5, मूर्ती नगर, सोसायटी, टिम्बर मार्केट रोड, पूना-2।

(अन्तरक)

2. श्री शिवानन्द तम्मया पतंगी, एन्ड अन्य, स्वामी विवेकानन्द सोसायटी, बिल्डिंग नं० 27, डबके बिल्डिंग सहकार नगर, पूना-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/3538/85-86 जो अगस्त, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 22-10-85

मोहर:

प्रकाश आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 22 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 37ईई/3109/85-86—अनः मुसे अनिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसका सं० प्लॉट नं० 402 चौथा मंजला अनुपम अपार्टमेंट, ब्लॉक नं० ए-56, रूम नं० 334, उल्हास नगर, (क्षेत्र चौ० फुट) है, तथा जो उल्हासनगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वस्तु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की माहुर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कभी करने या उससे बचने में स्थिति के लिए; और/या

(ख) एनी किसी बाय या किसी पक्ष या अन्य शक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिति में स्थिति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—356 GI/85

1. कुमार यू० अलियानी
आराधना अपार्टमेंट, गोन मैदान के पास,
उल्हास नगर ।

(अन्तरक)

2. श्री जी० जे० चन्दनानी
बैरक नं० 844, रूम नं० 4, सेमथल 18,
उल्हास नगर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० सं० 37ईई/3109/85-86 जो अगस्त, 85 को सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पुना

दिनांक 22-10-85

मोहर

प्रकृष भाग'. टी. एन. एच. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

गर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 22 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 37ईई/3541/85-86—अतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अध्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कोयलड गाँव, किलोस्कर कमिन्स फैक्टरी
को जोड़ के ता० हवेली जिला पुना (क्षेत्रफल 35714 चौ०
फुट) है तथा जो पुना में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ज्ञात :-

(1) श्री वी० टी० खटसीर (एचयूएफ)
1170/20बी, शिवाजीनगर
पुना-5

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० डब्ल्यू धोंगरेकर
निर्माण एन्टरप्राइजेस,
ए-6, राजश्री शाहसोपायटी
पुना सतारा रोड, पुना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/3541/85-86 जो
अगस्त 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज
पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

(अनिल कुमार)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 22-10-85

मोहर :

प्रमाण जारी, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पुना

पुना, दिनांक 22 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० 37ईई/16603/84-85--यन: मुझे अनिल कुमार

(1) श्री रघुनाथ बिल्डर्स
पाकेट कुंज रेल्वे स्टेशन के सामने
घईसार (डबल्यू) बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एन० जयप्रकाश
केमर आफ प्रेसकास्ट इंजीनियरिंग प्रा० लि०
अशोक नगर
कांदिवली (ई) बम्बई

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 306, तीसरा मंजिला रोहिणी कुंज में पुष्प के विलेज, ता० वसई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/16603/84-85 जो मई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पुना के दफतर से लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 22-10-85
मोहर :

अथवा 'डी. ए. ए.' -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 37ईई/3277/85-86—यतः मुझे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस्० नं० 814-बी, एफ० जी० नं० 152-बी, टी० पी० स्कीम नं० 1, शिवाजीनगर पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बस्तारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दृश्य प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिणी (अंतरिणी) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुक्रम से उक्त अंतरक अधिक से अंतरक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) कारण से हुए किसी बात की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए किए गए

(ख) इसी किसी बात का किसी वष या अन्य वास्तविक को, चिन्ह बाण्डोव आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के अन्वयार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया गया बाण्डोव या, जियाने में अधिनियम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सूमा इंजीनियरिंग प्रा० लि०
वैध्या 93/2ए,
एरंडवणा, पूना-4

(अन्तरक)

(2) डेक्कन मेकानिकल एण्ड केमिकल इन्डस्ट्रीज प्रा
लि० 78, कोत्रा इन्डस्ट्रियल स्टेट पूना-26
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/3277/85-86 जो अगस्त 85 सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 21-10-85
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 21 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० 37ईई/12050/84-85—यतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. है अधिक है।

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1, गणेश कृपा, सर्वे नं० 128,
अर्ध, पुना (955 चौ० फुट) है तथा जो पुना से म्यिन है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज से, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
समिप्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स श्री गणेश कन्सल्टेशन
11/4, मोतो बिहार,
एन० एस० बी० रोड, मुलन्द (डब्ल्यू)
बम्बई (अन्तरक)
- (2) श्री अजोत एस० भावन्त और अन्य
मातृधारा बिल्डिंग,
महात्मा फूले रोड, मुलन्द (डब्ल्यू)
बम्बई (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र०-37ईई/12050/84-85 जो
अप्रैल 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज
पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 21-10-85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 21 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० 37ईई/2885/85-86—यतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या कृष्णानगर कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी
नं० 1 एटन्डवणा पुना-4 (क्षेत्रफल 780 चौ० फुट) है तथा जो
पुना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितीयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) अमिजीत बिलडर्स

122/7-8 प्रभात रोड,
गुरुकुषा पुना

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण एस० जोशी

कृष्णानगर कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी
सर्वे नं० 1, एटन्डवणा पुना-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/2885/85-86 जो
सितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज
पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 20-10-85

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/14512/84-85—यतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 310, गीता अपार्टमेंट फ्लैट
नं० 5 और 6 सर्वे नं० 44 (पार्ट) मनोरम नगर, वसई रोड,
थाना (क्षेत्रफल 760 चौ० फुट) है तथा जो थाना में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
निरीक्षण, अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सहाय्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबिल में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बचाव :-

(1) रामा कन्स्ट्रक्शन कंपनी,
प्लॉट नं० 29-30 आनंद नगर,
नवछर रोड, वसई (वेस्ट),
जि. थाना।

(अन्तरक)

(2) श्री के. एन. सगनगन,
401 आइ. जी. डी. अपार्टमेंट,
14वां रोड, कांडारा (वेस्ट),
वसई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति का अन्तरण के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सहाय्यताधारी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र०-37ईई/14152/84-85 जो
मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पूना
के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन रखता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/13426/85-86--यन: मुझे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 303, फ्लैट नं० 17, सेक्टर 17, डी० बी० सी० वासी, नई बम्बई लिबर्टी काम्प्लेक्स है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण परिष्करण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचानक में गुविषा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) लिबर्टी इन्वेस्टमेंट्स प्रा० लि०
302, दालमाल हाउस 206, भरिमन पार्क
बम्बई

(अन्तरक)

(2) गोपाल पी० पारमार एन्ड अन्य
चौल नं० 19/57, कम नं० 9,
सवेस्टा 21, नई बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्साहारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र-37ईई/13426/855-86 जो मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 7-11-85
मोहर :

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 37ईई/13422/84-85-यतः सुखे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट नं. 306, प्लॉट नं. 17, सेक्टर 17
डी वी सी बस स्टैंड नई बम्बई "लिबर्टी कॉम्प्लेक्स" है तथा
जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी भाव को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
बाद/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन वा अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—356GI/85

(1) लिबर्टी इन्वेस्टमेंट्स प्रा० लि०
302 दालमाल हाऊस,
206, नरिम्न पार्क, बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री इगनाट्स म्यानुल फर्नांडीस डोनाल्ड,
हाउस, पहला मंजला,
जे० ए० अल्लाना मार्ग,
इलेक्ट्रिक मार्ग के सामने,
बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिध्
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी को पात्र
निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र-37ईई/13422/84-85 जो मार्च
84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के
दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 7-11-85

मोहर :

प्रकृष आइ.टी.एन.एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/14335/84-85—यतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 47, हिस्सा नं० 3 (पी) ब्रह्मपुर
गाँव, ता० बमई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है

और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
व्यवस्था से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
गुनी किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुशीलाबाई के० खट्टेर और अन्य
711 लिंकिंग रोड खाट,
बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्रीकृष्णा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
अजीत क्लास वर्कस के सामने,
एस० वी० रोड,
जोगेन्दरी (डब्ल्यू) बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र-37ईई/14335/84-85 जो
मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जुन रेंज पूना
के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 7-11-85
मोहर :

प्रारूप भाग: टी. एम. प्रारूप:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 37ईई/14334/84-85—यतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 47 हिस्सा नं० 2, घर नं० 1
ब्रह्मपुर गाँव, ता० बरई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अतिरिक्त में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुशीलाबाई के० खट्टेर और अन्य
711 लिफ्टिंग रोड, खार बम्बई

(अन्तरक)

(2) मैसर्स श्रीकृष्णा कन्सट्रक्शन कम्पनी,
अजीत काम वर्कस के सामने,
एस० वी० रोड, जोमेयवरी (डब्ल्यू)
बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों से
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्तृताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

जैसा रजिस्ट्रीकृत क्र-37ईई/14334/84-85 जो मार्च
85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के
दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 7-11-85
मोहर :

प्रश्न नम्बर.डी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) में बर्धन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/14336/84-85-अतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 47, हिस्सा नं० 3 (पी) ब्रह्मपुर,
ता० वसई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इसमें
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिशारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन
रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित
के वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम में बर्धन कर देने के अंतरक के
हामिल होने करने या उससे बर्धन में सूचना
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
के, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती सुशी तामाई के० खट्टेर
और अन्य

711 निक्तिंग रोड, खार बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री दुर्गा कन्सल्टिंग कम्पनी

2 रोगनी, अजीत गलाम चर्क,

एन० बी० रोड, जोगेष्वरी बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्धन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्झौताकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 37ईई/14336/84-85 जो
मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पूना
के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख: 7-11-85

मोहर :

इस्य भाग की एच.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/14334ए/84-85—अतः सुले, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या सर्वे नं० 47, हिस्सा नं० 3 (पी) ब्रह्मपुर
गांव, ता० वसई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और
इसने उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक से हुई किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उक्त वचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
है या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० एन० खट्टर और अन्य
711, लिफ्टिंग रोड,
खार बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री श्री. लणा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
2 रोशनी, अजीत गलास बक्से के सामने
एम० वी० रोड जोगेश्वरी (बल्लू)
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र-37ईई/14334ए/84-85 जो
मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पूना
के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख: 7-11-85
मोहर:

प्रकाशक: श्री. एन. एल. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 37-ईई/13354/84-85—अतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), के धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 21, 22 और 23 वर्धमान मार्केट
प्लॉट नं० 75 सेक्टर नं० 17, बसर्नई बम्बई-4000703 है तथा
जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करन या उक्त करने के सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाए के सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के लिए :—

1. मेसर्स वर्धमान कन्स्ट्रक्शन 40-41 विशाल शापिंग
सेन्टर, सर एम० वी० रोड अंधेरी (ई) बम्बई-
69।

(अन्तरक)

2. श्री विशाल कल्लप्पा शेटी और अन्य प्लॉट नं० 5,
दूसरी मंजिल, लोक साईट कोआपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी लि० पोवई, बम्बई-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गढ़ों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ईई/13354/84-85
जो मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पुना

तारीख: 8-11-1985
मोहर:

राज्य आई.टी.एस.एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 37-ईई/13902/84-85—अतः सुसे, अमिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 18 एण्ड 19 सर्वे नं० 8 ए०, भवघर
बसई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक
आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कहा गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, विषयों में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वये
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक्ता :—

1. मेसर्स आर.ए. विल्डर्स बी-119, खैरनगर, एस०
वी० रोड, नांताभूज (डब्ल्यू०) बम्बई-54।

(अन्तरक)

2. श्री रामाणकर शिवराज यादव नामा चौक मारुवर,
रमेश भवन, कम नं० 2 ग्रांट रोड, बम्बई-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० 37 ईई/13902/84-85
जो मार्च 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अमिल कुमार
सक्षम प्राधिकाारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख: 8-11-85
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 24 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० 37-जी/8/84-85—आ: मुजें, अनिल कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 5812/ए-4, घर नं०
38 अहमदनगर में है तथा जो अहमदनगर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार अहमद-
नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी नाम की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चंद्रमहागबाई एस० सांगके कुम्भार गली,
अहमदनगर जि०—अहमदनगर।

(अन्तरक)

2. श्री पोपटलाल एम० भंडारी मुगसांव, ता० श्रीगोंद
जि०—अहमदनगर।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रार क्र० 37-जी/8/85-86 जो अप्रैल,
1985 को सब रजिस्ट्रार अहमदनगर के दफतर में लिखा
गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पुना

तारीख: 24-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 8 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 37-जी/108/85-86—अतः मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 692/1-13, प्लॉट नं० 13 (प्लॉट-
फल 5082 चौ० फुट) है तथा जो नासिक में स्थित है और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार नासिक में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
एसे समयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी जाब या किसी भन या अन्य जास्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

7 —356 GI/85

1. श्री वासुदेव विश्वनाथ सराफ चैरमैन राजकुमार
को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० पंपिंग
स्टेशन, नासिक।

(अन्तरक)

2. श्री दौलत पांडुरंग कावेड और अन्य राका कालोनी,
नामिक जि०- नासिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-जी/108/85-86 जो
जुलाई 1985 को सब रजिस्ट्रार नासिक के आफिस में
रजिस्ट्रीकृत किया गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 8-10-1985

[मोहर :

प्रकृष. भा. टी. एन. ए. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पुना

पुना, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 37-जी/1066/84-85—अतः मुझे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वालिहू में स्थित मालमत्ता जा० बेसिन जि—थाना सर्वे नं० 89, घर नं० 2 से है, तथा जो बेसिन में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार वसई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित करी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अभिलेखित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सबसे अधिक में दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी भू या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शामिल करने के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री एरक हारमस जी मार्कर और अन्य मैसर्स प्रॉटलस इन्डस्ट्रीज के भागीदार 29 बडाला उद्योग भवन बडाला, बम्बई

(अन्तरक)

2. श्री नरिम्न जेहोंगीरजी पालिया और अन्य 82, मालकोम, जोगेश्वरी, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन में संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथावृत्तावृत्त के बाब लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-जी/1066/84-85 जो मार्च 1985 को सब रजिस्ट्रार वसई के आफिस में दाखल किया गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, पुना

तारीख : 14-10-1985
मोहर :

प्रमाण पत्र टी. एन. ए. ए.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, पुना

पुना, दिनांक 25 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 37-जी/185/85-86—अतः मुझे अनिल
कुमार

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० 3707, एम० नं० 3998 अहमद
नगर है तथा जो अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सब रजिस्ट्रार अहमदनगर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन आय कर के अंतरक के
वास्तव में कमी करने या उच्च करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सतीश सी० बडवे 12 हरेकृष्ण अपार्टमेंट्स
शिवाजीनगर पुना-16

(अन्तरक)

2. श्री रसीकलाल डी० ओरा अन्य अन्य वर्सत निवास
गुमरेगल्ली, अहमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-जी/1985/86
जो आफिस 1985 को सब रजिस्ट्रार अहमदनगर के वक्तर
में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय,

तारीख : 25-10-1985

मोहर :

प्रकरण आइ.टी.एन.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 37-जी/60/85-86—अतः मुझे अनिल कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० सर्वे नं० 635, हिस्सा नं०
1 बी-ए, बिहववेवाडी गाँव ता. हवेली जि०

पुना है तथा जो पुना में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सब रजिस्ट्रार आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन
रेंज, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से ऐसे वर्तमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से अभिमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
द्वारिका में कमी करने या उक्त अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य भाषितों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, अर्थात् :—

1. डी०जी० पवैया प्लॉट सं० 9 के०, 29 आदोनाथ
सोसायटी पुना-9 ।

(अन्तरक)

2. मेसर्स कर्नाट बिल्डर्स 562/1 शिवाजी नगर पुना
5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-जी/60/85-86/ जो
जून 1985 को सब रजिस्ट्रार हवेली, पुना के दफ्तर में लिखा
गया है ।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पुना

तारीख : 29-10-1985
सोहर :

प्रमाण : भाग 2 टी 2 एन 2 एन 2

(1) अस्ले डिसेडना नं० 1 नया अप्सरा अपार्टमेंट्स बन्ड रोड
(अन्तरक)भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना(2) सुसन उषा जोसेफ और अन्य
गोकुल महल, डोबे पाटील रोड पुना
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 8 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 37-ईई/3167/85-86—अतः मुझे अनिल
कुमारभायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट नं० सी-8, नया अप्सरा अपार्टमेंट्स
को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० आखरी प्लॉट नं० 24
सब प्लॉट बी० बन्ड गार्डन रोड पुना (क्षेत्रफल 956 चौ० फुट)
है तथा जो पुना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज से रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उचित
नावा नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।सत्यापन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ईई/3167/85-86
जो अगस्त 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जुन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पुनातारीख : 8-10-1985
मोहर :

प्रारूप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 9 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० 37-ईई/11443/84-85—प्रतः मुझे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 681/2, ए1 बिखवेवाडी पुना 37 शेखफल 50572 चौ० फूट है तथा जो में पुना स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गणितीय रूप से लब्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती साराबाई नंदराम निवेस और अन्य 431 कस्बा पेठ पुना।

(अन्तरक)

2. मेसर्स यूनिटी बिजल्स 408/6, गुलटेकरा शास्त्री चम्बर्स पुना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यावहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किन्हीं बातों के।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

जिस की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ईई/11443/84-85 जो अप्रैल 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 9-10-1985
मोहर

बचन बाई.डी.एन.एच.

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 37-ईई/3402/85-86—अतः मझे अनिल

कुमार

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० में वासवानी नगर, बिल्डींग नं० 1 सब
प्लॉट नं० 1 एफ० पी० नं० 292, कोरेगांव पार्क सगमवाडी
पुना है तथा जो पुना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भू-
खुर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों
के कार्यालय सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए व्ययित की गई है और मूल्य यह विवक्षा
करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पंथ प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरक
(अन्तरिक) के बीच ऐसे अंतरक के लिए यह बात
यथा प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबन्धों के अन्तर्गत विवक्षित से
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक है वह किसी भाव की वस्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन यह धर्म के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उक्त धर्म के वृद्धि
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बाव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या बिना माना जाहिए या, छिपाने में वृद्धि
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों का कर्तव्य है—

1. श्री के० के० वासवानी 1736 आर० एस० केदारी
रोड पुना।

(अन्तरक)

2. श्री शेख मोहम्मद यूसुफ 12 विल्सन गार्डन, रेलवे
स्टेशन के सामने पुना।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कर्तव्यवाहियां करता हूँ।

उक्त धर्म के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने के किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
बाद निश्चित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तिकरण :—इसने प्रयुक्त धर्मों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तरिकी

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ईई/3402/85-86
जो अगस्त 1985 को सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 14-10-1985

मोहर

अध्यक्ष को एम.एस.-----

साक्षक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना, दिनांक 18 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० 37-ईई/12032/84-85—प्रतः मूखे

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 पहला मंजिल बिल्डिंग नं०
ए-3 एफ० पी० नं० 14 एरंडवना पूना है तथा जो पूना में
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
से वर्णित है) (रजिस्ट्रार अधिपति के कार्यालय सहायक आय-
कर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दायित्व
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीमें)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उल्लेख से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तर्गत
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेमर्स गणेश ट्रस्ट 2 शाहू कालोर्न साने गुरुजी रो,
पूना।

(अन्तरक)

3. श्री एन० डी० निमर 1145, सदाशिव पेठ, पेहगंट
पोलिस स्टेशन पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करनी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अन्तर्गत अन्तरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकरण क्र० सं० 37-ईई/12032/84-
85 जो अप्रैल 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, पूना

तारीख : 18-10-1985

मोहर :

प्रकृष जाई. टी. एम. एस्.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, पुना

पुना, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 37-ईई/3453/85-86—अतः मूद्य अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिम्मा सं० प्लेट नं० 6, बिल्डिंग डी० माय फेर
को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी नं० 4 दोलेपाटल रोड
पुना-1 (क्षेत्रफल 850 चौ० फुट) है तथा जो पुना में स्थित
है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
अधीन आयुक्त निरीक्षण अर्जन रोज में, रजिस्ट्रार अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख अगस्त
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव का बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

—356 GI/85

1. मोती देवडी इलेक्ट्रानिक प्रा० लि० 12/3, पबोट
क्लब रो, पुना ।

(अन्तरक)

2. मेमर्स अटलास कं.प्रकाशनस प्रा० लि० 96, टी० पी०
पुस 1 बय-1 शिवाजी नगर पुना-5 ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काह भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रार क० सं० 37-ईई/3453/85-86
जो अगस्त 1985 को उद्घाटित आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रोज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, पुना

तारीख : 14-10-1985

मोहर :

प्रारूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना, दिनांक: 25 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 34ईई/4104/85-86—अतः मुझे अनिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 54, 5 वी मंजिल, वन्द्यलैण्ड कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, एम० जी० रोड, पूना क्षेत्रफल 598 वर्ग फुट) है, तथा जो पूना में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दी जाए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थितियों, अर्थात् :—

1. श्री मईकुईंग, कुर्बान हुसैन परतापूरवाला फ्लैट नं० 54, वन्द्यलैण्ड, कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, एम० जी० रोड, पूना।

(अन्तरक)

2. मरीना फार्मीस फर्निचर,

"ग्रीन, व्हीला" बम्बई, पूना रोड, लोनाचला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उक्त सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि याव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि राजपत्र सं० 34ईई/34104/85-86 जो पंचम स्वर्ण, 85 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रंज, पूना, के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
अक्षय प्रताप राठी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, पूना,

दिनांक 25-10-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, पूना

पूना, दिनांक 24 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 3 ईई/791/84-85—अतः मुझे अनिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, माणिकनगर, कोम्पारेंटिव हाउसिंग सोसायटी, गंगापुर रोड, नासिक, तथा जो नासिक में स्थित है और इससे पावद्ध अनुबंधी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिशारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा से विपुल और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार यह है, कि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भार्गवणी बाई, व्ही० पानसे
फ्लैट नं० 5, माणिकनगर कोम्पारेंटिव हाउसिंग
सोसायटी, गंगापुर रोड, नासिक।

(अन्तरक)

2. श्री चिमनलाल ईश्वर लाल पटेल,
केम्बर आफ : पंचशील किरणा, लिम्बक रोड,
नासिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हूँ, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अवाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीत क्र० सं० 3ईई/791/84-85 जो
ईई, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन
रज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रज, पूना

दिनांक 24-10-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पूना

पूना, दिनांक 2 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० 3 ईई/11080/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० यूनिट सर्वे नं० 88-138-161/4, फ्लैट
नं० 47, कोथराड, पूना क्षेत्र फर 12116 वर्ग फुट) है तथा
जो पूना में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-धारी अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, में रजिस्ट्री-
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उक्त संपत्ति के दृश्यमान प्रतिफल से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित और वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :-

1. स्मायंड एन्टरप्राइजेज,
336/2ए, नवीपेट, भोज के चौक के पास,
पूना ।
(अन्तरक)
2. बी० के० पायगुंड और अन्य
42/2, यरन्डवना, यनपुरे सदन, पूना-4
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वादवा

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्री-धृत सं० सं० 3ईई/11080/84-85
जो मार्च, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, पूना

दिनांक 9-10-1985
माहूर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, पूना,

पूना, दिनांक 9 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० 3आई/3250/85-86- -रा: सुझे अनिलकुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, नारायण पेठ, 555/1, 2,
2. 4 नारायणपेट, पूना-30 महै तथा जो पूना में स्थित है
और इसे पात्र अनुसूची में भी दर्ज किया गया है (जिसे
रजिस्ट्री की अधिारी के अधीन आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जुन रज, में रजिस्ट्री रज नियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
इस, यों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दोशी प्रमोदसि,
कर्ता : पी० एन० दोशी, 555, नारायणपेट,
पूना-30
(अन्मेरक)
2. श्री वद्रीनाथ बुधच शेलवे,
द्वारा : श्री टी० यू० सेवले, तुलसी नगर,
चंदन नगर, पोस्ट खडाडी, मेहत हवेली, जिला पूना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैना कि रजिस्ट्री क० सं० 3आई/3250/85-86
जो अगस्त, 1985 को सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रज, पूना

दिनांक : 9-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० 37ईई/4470/85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 19, सर्वे नं० 86/2-ग, और
87/1-ग/2, + 1/बि/2 + 1 सं० कोथरुड, पूणे है, तथा जो पूना
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची म और जो पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिार के कार्यालय, सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में रजिस्ट्रार अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन दिनांक सितम्बर,
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री बलराम ब/० महाजन और अन्य
लक्ष्मी स्टोअर्स, 614 लाइन, राजारामपुरी,
कोल्हापुर ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स भाग्य श्री एसोसीएट्स, 474730 लोकमान्य
नगर पूणा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र०-37ईई/4470/85-86 जो
सितम्बर 85 की सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज
पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 24-10-1985

माह

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० 37ईई/2849/85-86—अ०: मूझे, अनिल कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 37/1/1सी पाषाण में है तथा जो
पूना में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्घरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जो मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 अ०: गुरूराज जा० पुराणिक,
856, बालकृष्ण आश्रम रोड, भंडारकर रोड,
पूना-4

(अन्तरक)

2 अ०: एन०, एन० पाटिल,
मनमुख 100/3, एरन्डवणा, 9 वीं लाईन,
प्रभात रोड, पूना-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/2849/85-86
जो सितम्बर, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 14-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० 37ईई/551/84-85- अतः, मुझे, अनिल कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सं० एन. नं० 187, भुक्कारपेट, पुना-2 है
तथा जो पुना में स्थित है (या जो इसके आवद्ध अनुसूच में और
जो पूर्णतः से अर्जित है) निम्नलिखित अधिपति के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण), अर्जन रेंज, पुना में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत दिनांक
जून, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिमियों) के बीच पूर्ण अन्तर का होना तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण अर्थात् किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक की
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया या किया जाना चाहिए या, निम्नलिखित
विषयों के लिए

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भुक्कारपेट, पुना-2 कासे और अन्य
187, भुक्कारपेट, पुना-2

(अन्तरक)

2. श्री पाले पुना-2, और अन्य
भामदास विथली प्रोपर्टी एण्ड बिल्डिंग,
187, भुक्कारपेट, पुना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्समन्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाह्वाकरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि निम्नलिखित सं० 37ईई/551/85-86
जो जून, 1985 में राजपत्र में आयुक्त (निरिक्षण),
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 16-10-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० 37ईई/11283/84-85—अतः मुझे अनिल कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 301, साई फुंज, 569 नारायणपेठ,
पूना-30 (क्षेत्रफल 685 चौ. वर्ग फुट), है तथा जो पूना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और जो पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रार अर्थिक अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधिनियम दिनांक 1 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—356 GI/85

1. श्री श्री. मल विल्डर्स
साई फुंज, 569, नारायणपेठ, पूना-30।

(अन्तरण)

2. श्री दिनेश शंकर दाना,
मोहन बंगला दाप बंगलो के पास,
शिवाजी नगर, पूना-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रार सं० 37ईई/11273/84-85 जो
मार्च, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 16-10-85

मोहर

प्रकाश बाबू, टी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० 37ईई/10780/84-85—अतः मुझे अनिल कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 430, नारायण पेठ, पूना-30
(क्षेत्रफल 590 वर्ग फु०) है, तथा जो पूना में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अंतरित हो गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में अस्थायिक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें घटने का सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आठ या किसी धन या अन्य आयों
और, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तर्गत्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी अन्य बाह्य या, विधानों से सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रेणु, ए.ए.ए.ए.
105, राममाधव, नारायण पेठ,
पूना-30

(अन्तरक)

2. गजानन पंदरीनाथ, नासोलकर,
884, रविचारपेठ, पूना-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करा गया है।

उक्त सम्पत्ति से अर्जित आय का अन्तरक का अन्तरक

(क) इस सूचना में राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि का अनुसूची व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति के हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में देकर या अन्य

स्वरूपेतरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अधिनियम में दिया गया
है।

अनुप्राणी

जैसा कि रजिस्ट्री नं० 37ईई/10780/84-85 जो
मार्च, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज पूना

दिनांक: 4-10-85
मोहर :

प्रकाश बाई, टी. एस्. एस्. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० 37-ईई/12/85-86 --अतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० ए-4, तथा जो सु.राम
134, रेलवे लाईन, सोलापुर में स्थित है,

अपार्टमेंन्ट्स, (और इसे अनावद्ध अनुपूर्वी में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-धी श्रमिकों के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कथ के अद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गढ़े हैं और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यमान प्रतिफल से, ऐसे अद्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अतिरिती
(अतिरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

तः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स राहुल, बिल्डर्स
134, रेलवे लाईन, सोलापुर।

(अन्तरक)

2. श्री नुमन जयचन्त पाटिल
संज्ञानं० 134, सुकाराम अपार्टमेंन्ट, फ्लैट
नं० ए-4, रेलवे लाईन, सोलापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
अर्जवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसाकि रजिस्ट्री सं० 37-ईई/12/85-86 जो जून,
1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
पूना के दफ्तर में लिखा गया।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 3-10-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० 37ईई/1572/85-86---अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लेट नं० 208, के० टी० नगर, अकोले रोड ल्लामोताम ई, जिन्हा थाता, है तथा जो धारा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपि में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स के० के० टी० एन्टरप्राइजेज,
खिड नगर, बिल्डिंग नं० डी 3, रूम नं० 31, सांताक्रुज,
(वेस्ट), बम्बई ।
(अन्तरक)

2. मोहम्मद आलिभाई अरब और अन्य
रूम नं० 53, नसरअली बिल्डिंग 25, धर्मेशी स्ट्रीट,
बम्बई-3
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/1572/85-86
जो जुलाई, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 3-10-85

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एच. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 37ईई/3698/85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० दुकान पहना मंजिला, 408/6, गुलटे डी रोड,
पूना-37 है, तथा जो पूना में स्थित है और इससे उपावद्ध
अनुचर्ची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री की अधिकारी
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के कारण, उक्त
अधिनियम की अधीन कर दान के अन्तरक के बाधत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जन

1. शेख ईशाख शेख गफूर,
1005, भवानी, पेठ, पूना-2

(अन्तरक)

2. फरीदुद्दीन, अल्लाउद्दीन खान
780, गुवार पेठ, पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/3698/85-86 जो
अगस्त, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 18-10-85
मोहर :

प्राकृत आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29, अक्टूबर 1985

निदेश सं० 37ईई/1344/85-86 - अतः मुझे, अनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सहायक प्राधिकारी का यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राप नं० 7 लाला अपार्टमेंट्स, सी० टी० एन० नं० 784, भवानी पेठ, पूना क्षेत्र फल 585 वर्ग फुट है, तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीधारी अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिक्रमण के लिए अस्तरित को पढ़ें हैं और पूर्व यह निश्वास करने का कारण है कि दृश्यपूर्विक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निर्मासित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में दृश्य-भिक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण के द्वारा किसी बात की बाधा, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के अधिकार में कमी करने या अन्तर्गत में सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया था और या अधिनियम में सूचना के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरक में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निर्मासित व्यक्तियों वर्णित है—

1. बाबानी बिल्डर्स।

3. लीला अपार्टमेंट्स, अप्रवाल बाबानी, पूना।

(अन्तरक)

2. जेठानन्द गोमल बाबानी,

1989, कानवेन्ट स्ट्रीट, सी/2, हर्म्स हाऊस, पूना।

(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 37ईई/1344/85-86 जो जुलाई, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 29-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० III/010/अर्जन/85-86—अतः, मुझे,
दुर्गा प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना, खाता सं० 240, 237, 366,
पुराना, प्लॉट नं० 372, 377, 138 नया प्लॉट नं० 514/
513 तौजी नं० 8/5, थाना नं० 100/1, है, तथा जो मौजा
अबदुला नगर, थाना सदर, जिला पूर्णिया में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय पूर्णिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय बाधा गया प्रांत-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में मातृविक
रण से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
निर्धारण में कभी बाधा या अड़थक नहीं पड़ेगा,
और अतः और/वा

(ब) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
है और जो उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के लिए
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थन :—

1. छागमल पे० स्व० नेत्रमल, सा० गुलाब बाग,
थाना सदर, जिला पूर्णिया ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उर्मिला देवी, श्रीजे, श्री विश्वनाथ अग्रवाल
मो०, गुलाब बाग, थाना सदर, जिला पूर्णिया ।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन से प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधि के
पश्चात् की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

बताव दिया :— इससे उक्त व्यक्तियों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के धारा 269-ब में परिभाषित
है, उक्त अधिनियम के उक्त अधिनियम में दिया
गया है

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 8 कट्ठा, साढ़े सोलह धूर है तथा जो
पुराना खाता नं० 240, 237, 366, पुराना प्लॉट नं०
372, 377, 138 नया प्लॉट नं० 514, 513 तौजी नं० 8/5,
थाना नं० 100/1, मौजा अबदुला नगर, थाना सदर, जिला
पूर्णिया, में स्थित है । एवं जो पूर्ण रूप से वर्णित सं० 3831,
दिनांक 29-3-85 है वर्णित है, तथा जिनका निबन्धन जिलाअवर
निबन्ध 5, पूर्णिया के द्वारा, संपन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

दिनांक 8-11-1985

अर्जन

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० III /1005/अर्जन/85-86—अतः मुझे,

दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं० 1, तौजी सं० 15/11, थाना नं० 94, होल्डिंग नं० 27, मौजा, भण्डारीडीह, थाना, व जिला-गिरीडीह है गिरीडीह में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय, गिरीडीह में तथा जो रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन दिनांक 25-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पद्ममा, तौजी, तेनु वेलीथ थोमस तंगाच्छन, मो० भण्डारीडीह, थाना व जिला गिरीडीह।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गिरी श्री गवातु, तौजी, मोहम्मद जजील गद्दी, टैक्सी, स्टैण्ड के नजदीक, देशदण्डु फिनेमा, झरिया, जिला-धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 2½ डी० है, तथा जो खाता नं० 1, तौजी सं० 15/11 थाना नं० 94, होल्डिंग नं० 27, मौजा भण्डारीडीह, थाना व जिला गिरीडीह में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वर्णित सं० 3596, दिनांक 25-3-1985 में वर्णित है तथा निम्नलिखित जिला अवर निबन्धन गिरीडीह के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

दिनांक : 8-11-1985

मोहर :

प्रकाश माई.टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाग
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निवेदन सं० III / 1014/अर्जन/85-86—प्रति: मुझे,
दुर्गा प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 633, तोजी नं० 5505, खसरा
नं० 1511, थाना नं० 2, मौजा मतपुरा, थाना फुलवारी,
है, तथा जो जिला पटना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 29-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि वहापूजायुक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के बिना सब पाया गया अति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अधिकतम नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
बायल्ट में कमी करने या उससे बढ़ने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहीए, या, जिसमें से
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
10-356 G1/85

1. श्रीमती शानुलान चन्दानी, जीजे श्री कन्हैया लाल
मो० डी-5, पीपुल्स, कां-आपरेटिव कार्लोनी,
कंठड़ाग, थाना, कांठड़ाग, जिला पटना।

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीण रंजन दास, पे० श्री महाकृष्ण दास,
सा० बंगरहुट्टा, थाना धनसयामपुर,
जिला दरभंगा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोदुस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसने प्रकृत दृष्टि और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही बर्ण होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा ए० 10 घूर है, तथा जो
खाता सं० 633, तोजी नं० 5505, खसरा नं० 1511,
थाना नं० 2, मौजा, मतपुरा, थाना फुलवारी, जिला पटना में
स्थित है। एवं जो पूर्णरूप से वर्णित सं० 209, दिनांक
29-3-1985 में वर्णित है, तथा जिसका निबन्धन जिला अवर
निबन्धन पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है?

दुर्गा प्रसाद

नक्षत्र प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

दिनांक: 8-11-1985

मोहर:

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० III-1009/अर्जन/85-86— अतः मुझे,
दुर्गा प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,60,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना खाता नं० 240मी०, 237मी०, 366
मी०, पुराना प्लॉट नं०-327मी०, 377मी०, 138 नया प्लॉट
नं० 514, 513, थाना नं० 100/1 तीजी नं०-8/5 नं० है, तथा जो
मौजा अम्बुला नगर, थाना-सदर जिला-पूर्णिया में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पूर्णिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 29-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री छागमल, पे०-तेजमल, सा०-गुलाबबाग,
थाना-सदर, जिला-पूर्णिया।

(अन्तरक)

(2) श्री रामकिशोर अग्रवाल पे० सत्यनारायण अग्रवाल,
सा०-गुलाबबाग, थाना-सदर
जिला-पूर्णिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 9 कठ्ठा, 4 1/2 धूर है तथा जो खाता
नं० 240मी०, 237मी०, 366 मी०, पुराना प्लॉट नं० 327मी०,
377मी०, 138, नया प्लॉट नं०-514, 513 थाना नं०-100/1
तीजी नं० 8/5, मौजा अम्बुला नगर, थाना सदर, जिला पूर्णिया में
स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से बसिका सं० 3832 दिनांक 29-3-85
में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक, पटना के
द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रत्येक भाग, टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० III-1011/अर्जन/85-86—अतः मुझे,

दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं० (पुराना) 240मी०, 237मी०, 366मी०, पुराना प्लॉट नं०-372, 377, 138, नया प्लॉट नं० 514, 513, थाना नं० 100/1 तौजी नं० 8/15, वार्ड नं०-21, नया-27 है, तथा जो मौजा-अम्बुला नगर, थाना-सदर, जिला-पूर्णिया में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूर्णिया, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसूचन में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री छागमल, पे० स्व० तेजमल,
मो० गुलाबबाग, थाना-सदर, जिला-पटना ।
(अन्तरक)

(2) श्री विश्वनाथ अग्रवाल,
पे०-सत्यनारायण अग्रवाल,
मो०-गुलाबबाग, थाना-सदर,
जिला-पूर्णिया ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 3 कठठा, 19 धूर है, तथा जो पुराना खाता नं०-240मी०, 237मी०, 366मी०, पुराना प्लॉट नं०-372, 377, 138 नया प्लॉट नं०-514, 513, थाना नं० 100/1 तौजी नं०-8/5, वार्ड नं०-पुराना-21, नया 27, अम्बुला नगर, थाना-सदर, जिला-पूर्णिया में स्थित है। एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं०-3828 दिनांक 29-3-85 में वर्णित है, तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पूर्णिया के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं. III/1015/अर्जन/85-86-- अतः मुझे,

दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. तौजी नं. 5755, थाना नं. 93, खाता नं.
106, प्लॉट नं. 2, मौजा-चिलबिली, थाना-फुलवारी, जिला-
पटना है, तथा जो पटना में स्थित है (और इससे उपाय अंशुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 25-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग क अनुसारण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शिवसुन्दर सिंह,
पे०बस्व० मोखा सिंह,
सा०-चिलबिली, डा०-बिसरपुरा, थाना-फुलवारी,
जिला-पटना।

(अन्तरक)

(2) वसन्त बिहार सहकारी गृह निर्माण समिति लि०,
पटना द्वारा, सचिव श्री माता प्रसाद सिंह,
पे० स्व० जगदम्बा प्रसाद,
56, एल० आई० सी० कालोनी, कंकड़बाग,
जिला-पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 6 कट्टा, 10 धूर, 4 धूरकी है। तथा
जो खाता नं. 106, तौजी नं. 5755, थाना नं. 93, प्लॉट नं.
2, मौजा-चिलबिली, थाना-फुलवारी, जिला-पटना में स्थित है।
एवं जो पूर्ण रूप से बसिका सं. 1977 दिनांक 25-3-1985 में
वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक, पटना के
द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रकाशक : टी. एन. एच. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 3-1012/अर्जन/85-86--अतः सुषो,
दुर्गा प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 83, तोजी नं० 5519, खसरा नं०-
53 है, तथा जो मौजा-जलालपुर, थाना-दानापुर, जिला-पटना में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-85,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण
में कमी करने या उसके बचने के दृष्टि से लिए;
बाब/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए रु, ज्ञान में अविज्ञा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

(1) श्री सुभाष कुमार सिंह,
पे० श्री राम गुलाम सिंह,
मो०-पूर्वी लोहानीपुर, थाना कबमकुआ,
जिला-पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री सदन कुमार,
पे०-लक्ष्मी प्रसाद,
मो०-मीठापुर, बी एरिया, थाना-जक्कनपुर,
जिला-पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शिकायत :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

व्यक्त

जमीन जिसका रकबा 4 कट्टा है तथा जो खाता नं० 83,
तोजी नं० 5519, खसरा नं० 53, मौजा जलालपुर, थाना-दानापुर,
जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसिका सं० 1983,
दिनांक 25-3-83 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवसर;
निबंधक, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पटना

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्राकृतिक भाषा, टी. एन. एस.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
कां धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० III/1016/अर्जन/85-86—अतः मुझे,

दुर्गा प्रसाद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसका सं० खाता नं० 184, खसरा नं० 178, तीर्ज नं०
139 मौजा, नौवतपुर, अशोकनगर, थाना-कंठडाबाग, जिला-पटना में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूच में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/वर्तमान अधिकारी के कार्यालय, पटना
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम
तारीख 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वारदात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार
में कमी करने या उक्त अधिनियम के अधिनियम के लिए;
और/या

(ख) एही किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक
को बिना भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, अधिनियम के अधिनियम
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सतरोहन महतो, श्री सहदेव महतो,
नौवतपुर, अशोकनगर, थाना-कंठडाबाग,
जिला-पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री धनंजय प्रसाद,
पे० स्व० जगतनन्दन प्रसाद,
मो०-भाखनपुर, थाना-कोतवाल,
जिला-भागलपुर ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादस्थानी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्मीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन में दो मंजिला मकान जिसका रकबा 9 घुर पांच धरकी है
तथा जो खाता नं० 184, खसरा नं० 178, तीर्ज नं० 139, मौजा,
नौवतपुर, अशोकनगर, थाना-कंठडाबाग, जिला-पटना में स्थित
है । जो पूर्णरूप से बसिहा सं०-1575 दिनांक 14-3-1985 में
वर्णित है । तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक, पटना
द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 8-11-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० III/1017/अर्जन/85-86—अतः मुझे, दुर्गा
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० थाना नं० 93, तौजी नं० 5755, खाता नं० 106,
प्लॉट नं०-2, है तथा जो मौजा-चिलबिल, थाना फूलवारी,
जिला-पटना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचों में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिभार के बायलिय, पटना
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 25-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के संस्करण के बायलिय
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मन अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शिवदास सिंह,

पे० मुख्यामिह,

सा० चिलबिल, डा०-किरपुरा,

थाना-फूलवारी, जिला-पटना ।

(अन्तरक)

(2) वरमंत बिहार सहकार गृह निर्माण समिति लि०,

द्वारा सचिव श्री मांसा प्रसाद सिंह,

पे० स्व० जगदम्बा प्रसाद,

56 एल०आई०सा० कालोनी कंकड़बाग,

जिला-पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 4 कट्ठा 10 धूर है तथा जो थाना नं०
93, तौजी नं० 5755, खाता सं० 106, प्लॉट नं० 2, मौजा-
चिलबिल, थाना-फूलवारी, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप
से वर्णित सं० 1978 दिनांक 25-3-1985 में वर्णित है, तथा
जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ
है ।

दुर्गा प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रकाशित: टी. एल. एल. - - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० III/1013/अर्जन/85-86—अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं० 633, खसरा नं० 1511, तौजी सं० 5505, थाना नं० 2, मौजा-मनपुरा, थाना-फुलवारी, जिला है, तथा जो पटना 1 में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिार के अधीन पटना में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, तारीख 29-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व से कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी भाव या किसी भव या अन्य जास्तिवों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1921 (1921 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लखैया लाल,
पे० स्व० श्री हरदास मल,
मो०-मरदार पटेल पथ उत्तरी श्री कृष्णापुरी,
थाना-श्री कृष्णापुरी, जिला-पटना ।
(अन्तरक)

(2) श्री अरविन्द रंजन दास,
पे० महाकृष्ण दास
सा०-बगरहट्टी, थाना-घनश्यामपुर,
जिला-दरभंगा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बगोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

जमोन जिसका रकबा 1 कट्ठा 10 धूर है तथा जो खाता सं० 633, खसरा नं० 1511, तौजी नं० 5505, थाना नं० 2, मौजा-मनपुरा, थाना-फुलवारी, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसति सं० 2095 दिनांक 29-3-85 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्रमाण नम्बर टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयसिध, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० I 1/अर्जन/85-86— अतः सुझे, दुर्गा प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० होलिंग नं० 488/664, प्लॉट नं० 48 टाईप,
ई, ब्लॉक नं० 3, वार्ड नं० 12, है, तथा जो मो० राजेन्द्र नगर,
थाना कदमकुआ, जिला पटना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारता अधिद्वारा
के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रारता अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 23-2-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक?) और
अन्तरेती (अन्तरेतियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी शाय की राशि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के समित्व
से कमी करने या उक्त अन्तरक में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरेती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लिपान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—356 GI/85

1. (1) सरदार सुरजलाल सिंह
पे० सरदार मेहर सिंह (2) सरदार मेहेन्द्रपाल सिंह
(3) सरदार कुलदीप सिंह (4) सरदार प्रतिपाल
सिंह (5) सरदार गोविन्द सिंह
पे० सुरजलाल सिंह,

मो० 11, एक राजेन्द्र नगर, थाना-कदमकुआ,

जिला-पटना :

(अन्तरक)

2. (1) डा० रामकृष्ण मोदी पे० वजरंगलाल मोदी,
(2) डा० प्रमिला मोदी, जोजे डा० रामकृष्ण मोदी,
रौड नं० 8वो, राजेन्द्र नगर, थाना-कदमकुआ,
जिला-पटना ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाठेस्ताधरी के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय सक्कान जिसका रकबा 760.78 वर्ग गार्ड है तथा
जो होलिंग नं० 488/664 प्लॉट नं० 48, टाईप-ई, ब्लॉक नं०
3, वार्ड नं० 12, मो० राजेन्द्र नगर, थाना-कदम कुआ, जिला पटना
में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से बसिका सं० 1929 दिनांक 23-3-85
में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक, पटना के
द्वारा समाप्त हुआ है ।

दुर्गाप्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 3-994/अर्जन/85-86—यतः, मुझे, दुर्गा प्रसाद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 31 (पार्टे) एवं नया होल्डिंग
नं० 38 (पार्टे); सकिल नं० 6, बार्ड नं० 2 (पुराना) 10
नया है, तथा जो मोहल्ला सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना—कोतवाली,
पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 12 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
का, जिसके अन्तर्गत आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची में उल्लिखित आय का प्रत्यक्ष करों के अन्तर्गत
आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तारा भूषण मुखर्जी
सा० सिन्हा लाईब्रेरी रोड, फेजर रोड,
थाना—कोतवाली, पटना

(अन्तरक)

2. कुमारी शकुन्ता देवी अग्रवाल,
राजेन्द्र नगर, थाना—कदम कुंआ,
पटना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्ष्यकारी के
पाम निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में
दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकबा 2297
वर्ग फीट है जो मोहल्ला, सिन्हा लाईब्रेरी रोड थाना
कोतवाली पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण
वसिका संख्या -1-3726 दिनांक 12 मार्च 1985
में वर्णित है और जिसका निबन्धन सब रजिस्ट्रार आफ
एस्पोरेंसेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 3-995/अर्जन/84-86—यतः, मुझे, दुर्गा प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० होलिडिंग नं०-31 (पार्ट) एवं नया होलिडिंग नं० 38 (पार्ट), सर्किल नं० -6, वार्ड नं०-2 (पुराना) 10 नया है, तथा जो मोहल्ला-सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना—कोतवाली पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पच्चीस प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री ताराभूषण मुखर्जी
सा० सिन्हा लाईब्रेरी रोड, फेजर रोड,
थाना—कोतवाली, पटना
(अन्तरक)
2. श्रीमती निर्मला देवी अग्रवाल
सा० आर्य कुमार रोड, राजेन्द्र, नगर
थाना—कदम कुआ, पटना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सूचना के अन्तर्गत के निम्न कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित या किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकबा 1378 वर्ग फीट है जो मोहल्ला-सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना—कोतवाली, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण बसिका नं० 1-3733 दिनांक 12-3-1985 में वर्णित है और जिसका निबन्धन सब रजिस्ट्रार आफ एस्योरेंसेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पटना

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

प्रकृष भार्. टी. एव. एस्.-----

- (1) श्री छागमल पे० स्व० तेजमल,
सा० गुलाबबाग, थाना-सदर, जिला-पूर्णिया ।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० III/1008/अर्जन/85-86—अतः मुझे, दुर्गा
प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसका सं० खाता नं० 240मी०, 237मी०, 366मी०,
प्लॉट नं० 372मी०, 377मी०, 138मी० तथा प्लॉट नं० है तथा जो
415, 513, थाना नं० 100/1, पुराना वार्ड नं० 21, नया सं०
27, मौजा अब्दुला नगर, थाना-सदर, जिला-पूर्णिया में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूर्णिया में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अर्जन, तारीख 29-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कद देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
का, जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किमा जाना चाहिए था, जिनके में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

- (2) श्री लक्ष्मण कुमार अग्रवाल,
पे० सत्य नारायण आवाला,
सा० गुलाबबाग, थाना-सदर, जिला- पूर्णिया ।
(अन्तरक)
(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 8 कट्ठा है तथा खाता नं०
240मी०, 237मी०, 366मी०, पुराना
प्लॉट नं० 372मी०, 377मी०, 138मी०, नया प्लॉट
नं० 514, 513, थाना नं० 3 2मी०, 377 मी०,
138मी०, नया प्लॉट नं० 514, 513 थाना नं० 100/1, पुराना
वार्ड नं० 21, नया नं० 27, मौजा अब्दुला नगर, थाना-सदर,
जिला-पूर्णिया में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 3833
दिनांक 29-3-85 में वर्णित है, तथा जिसका निबंधन, जिला
अवर निबंधक, पूर्णिया के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्ररूप आर्द.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जमरेंज, पटना

पटना दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० III/1001/अर्जन/85-86—अतः मुझे, दुर्गा
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 924, खाता नं० 13, तौजी नं०
18224 पुराना 5453 है, तथा जो वसन्त बिहार कालोनी, बोरिंग
पटना में स्थित है (और इससे उत्पादक अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीबत अधिकारी के बायें तय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच एवं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हनुमान प्रसाद भगत,
हिन्दू संयुक्त परिवार,
सा०-सब्जी बाग, थाना-पिरबहोर,
पटना-4।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक रंगता,
पिता श्री देव प्रकाश रंगता,
सा० थाना/जिला—बेगुसराय।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी धितियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय दो मंजिला मकान जिसका रकबा 4521 वर्ग
फीट है। तथा जो मोहल्ला वसन्त बिहार कालोनी, बोरिंग रोड,
पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका 1-4858
दिनांक 29-3-1985 में वर्णित है और जिसका निबंधन सब
रजिस्ट्रार आफ एस्टेरेन्सेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

प्रथम भाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पटना

पटना दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० III/1002/अर्जुन/85-86—अतः मुझ, दुर्गा
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 924, खाता नं० 13, तौर्जा नं० 18224 पुराना-5453 है, तथा जो वसन्त विहार कालोनी, बोरिंग रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/वर्ती अधिधारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रार/करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-85

ने पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिलफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास है कि यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिलफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिलफल का पन्ना प्रतिलफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिलफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) जहाँ जहाँ से कुछ किसी बात की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कट जाने के अन्तरक में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरित किया गया या वास्तविक रूप से कथित या अन्तरित के उद्देश्य के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री हनुमान प्रसाद भगत,
संयुक्त हिन्दू परिवार,
सा० सब्जी बाग, धाना-पिरवहोर,
पटना-4

(अन्तरक)

(2) श्री देव प्रकाश रंगता
सा०-धाना/जिला-बेगूसराय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करने के लिए।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योद्देश्यः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय दो मंजिला मकान जिनका रकबा 4521 वर्ग-फीट है। तथा जो मोहल्ला वसन्त विहार कालोनी, बोरिंग रोड, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं०-4857 दिनांक 29-3-85 में वर्णित है और जिसका निबंधन सब रजिस्ट्रार आफ एस्योरेन्सेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, पटना

तारीख : 4-11-85
मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एल.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० III 1000/अर्जन/85-86—अतः मुक्त, दुर्गा प्रसाद
आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 31 (पार्ट), एवं नया होल्डिंग
नं० 38 (पार्ट), सखि नं० 6, वार्ड नं० 2, (पुराना) 10 (नया)
है तथा जो मोहल्ला सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना कोतवाली, पटना
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 12-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अभिया भूषण मुखर्जी,
सां-सिन्हा लाईब्रेरी, रोड, फेजर रोड,
थाना, -कोतवाली-पटना ।

(अन्तरक)

(2) निर्मला देवी अग्रवाल
सां आर्य कुमार रोड, राजेन्द्र नगर,
थाना-कदम कुआ, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकबा 1378 वर्ग
फीट है तथा जो मोहल्ला-सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना-कोतवाली,
पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण बसिका सं० 1-3727
दिनांक 12-3-1985 में वर्णित है और जिसका निबंधन सब
रजिस्ट्रार आफ एस्थोरेन्सेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० III/996/अर्जन/85-86—अतः मुझे,

दुर्गा प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग न० 31 (पार्ट), एव नया होल्डिंग न० 38 (पार्ट), सकिल न० 6, वार्ड न० 2, (पुराना) 10 (नया), है तथा जो मोहल्ला सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना-कोतवाली, पटना में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा देना; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा देना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) तारा भूषण मुखर्जी
सा०- सिन्हा लाईब्रेरी रोड फ्रेजर रोड
थाना-कोतवाली पटना।

(अन्तरक)

(2) सुभद्रा देवी अग्रवाल
सा०-आर्य कुमार रोड राजेन्द्र नगर
थाना-कदम कुआ पटना।

(अन्त रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला जिसका रकबा 2297 वर्ग-फीट है तथा जो मोहल्ला-सिन्हा लाईब्रेरी रोड कोतवाली, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 1-3730 दिनांक 12-3-85 में वर्णित है और जिसका निबंधन सब रजिस्ट्रार आफ एस्योरेन्सेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

सक्षम बाई. टी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

पटना दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० III-993/अर्जुन/85-86---अतः मुझे, दुर्गा
प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० होल्डिंग सं० 31(पार्ट), एवं नया होल्डिंग
सं० 38(पार्ट), सखिल सं० 6, बार्ड सं० 2(पुराना) 10 (नया)
है तथा जो मोहल्ला सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना-कोतवाला, पटना
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रार की अधिवार की कार्यालय, पलकता में रजिस्ट्रार
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से, ऐसे हयमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित से बाध्य-
धिक रूप से अधिनियम नहीं किया गया है :-

(घ.) अंतरण से पूर्व किसी आय की वास्तविक उचित
प्रतिफल की वकील कर देने के लक्ष्य के लक्ष्य से
कभी करण या करण करने के लक्ष्य के लक्ष्य
को बा/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधीन अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या जिसका नामावली बा, डिपान में सूचना
की निश्च;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, व्यक्ति :-

12-356 GI/85

(1) तारा भूषण मुखर्जी,
सां-सिन्हा लाईब्रेरी रोड, फेजर रोड,
थाना-कोतवाला-पटना ।

(अन्तरक)

(2) अमती निभला देवी अभवाल,
सां आर्य कुमार रोड, राजेन्द्र नगर,
थाना-हदम कुंआ, पटना ।

(अन्तरित)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बातें :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:-इसमें प्रकृत सबों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकबा 2297 वर्ग-
फीट है । तथा जो मोहल्ला सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना-कोतवाला,
पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण सं० 1-3732 दिनांक
12-3-85 में वर्णित है और जिसका निबंधन सब रजिस्ट्रार आफ
एस्योरेन्सेज, पलकता के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पटना

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० III 997/अर्जन/85-86--अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या होलिडिंग नं० 31 (पार्ट) एवं नया होलिडिंग नं०-38 (पार्ट), मकिल नं० 6, वार्ड नं०-2 (पुराना) 10 (नया) मोहल्ला-सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना कोतवाली, पटना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-3-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित राजा गमन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री अमिया भूषण मुखर्जी,
सा०-सिन्हा लाईब्रेरी रोड, फ्रेजर रोड,
थाना-कोतवाली, पटना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुभद्रा देवी अग्रवाल,
सा० आर्ये कुमार रोड, राजेन्द्र नगर,
थाना-कदम कुआ, पटना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकबा 2297 वर्ग फीट है, जो मोहल्ला-सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना-कोतवाली, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसीका संख्या-1-3722 दिनांक 12-3-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन सब रजिस्ट्रार आफ एंय्यारेसेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र,
बिहार, पटना

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

प्रथम भाग: टी. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निवेश सं० III 1003/अर्जुन/85-86—अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या वार्ड नं० 2, सैकिल नं० 9 प्लॉट नं० 722 (पॉ), हॉलिंग नं० 2134 (पार्ट)/494 है, तथा जो एकजोबीसन रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं का जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार प, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निर्मला चन्द्रा,
स्कुमपुरा, बेली रोड, थाना-दानापुर
पटना

(अन्तरक)

(2) मैसर्स श्रीम कैरेईंग कारपोरेशन
इसके पार्टनर श्री अन्नपूर्ण देवी बंगौरह
गांधी नगर, पटना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके पश्चात् किसी व्यक्ति को यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बर्तमानाक्षेपों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 1 कठ्ठा 15 घुर है। जो मोहल्ला-एकजीबीसन रोड, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण बतिका संख्या-1-3099 दिनांक 9-3-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन सब रजिस्ट्रार आफ एस्पोरेसेज, कलकत्ता के द्वारा पटन द्वारा है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जुन परिक्षेत्र,
बिहार, पटना

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

राज्य आर्वा.पी.एन.एच.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आरक्षक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० 3 998/अर्जन/85-86—अतः मुझे, दुर्गा
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या होलिडिंग नं० 31 (पार्टे) एवं न
होलिडिंग नं० 38 (पार्टे), सकिल नं० 6-वार्ड नं० 2
(पुराना) 10 (नया) मोहल्ला-सिन्हा लाईब्रेरी रोड,
थाना कोतवाली पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
12-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिद्ध तब पाया गया
प्रतिफल अलीम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिए में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबो
को बिना भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्जन—

(1) अमिया भूषण मुखर्जी,
सा० सिन्हा लाईब्रेरी रोड, फैजर रोड,
थाना—कोतवाली, पटना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला देवी अग्रवाल
सा० आर्य कुमार रोड, राजेन्द्र नगर,
थाना—कदम कुआ, पटना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निवेश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बध्नाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस बध्नाय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकबा 2297
वर्ग फीट है, जो मोहल्ला सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना—
कोतवाली पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण
वसिका संख्या-1-3734 दिनांक 12-3-85 में वर्णित है
और जिसका निबन्धन सब रजिस्ट्रार आफ एस्योरेंसेज, कलकत्ता
के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र,
बिहार, पटना

तारीख : 4-11-1985
माहूर

प्रकाशित की गई है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० 3 999/अर्जन/85-86—अतः मुझे, दुर्गा
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या होलिडन नं० 31 (पार्ट) एवं नया
होलिडन नं० 38 (पार्ट), सकिल नं० 6, वार्ड नं० 2,
(पुराना) 10 (नया) मोहल्ला-सिन्हा लाईब्रेरी रोड,
थाना कोतवाली, पटना में स्थित है (और इसमें उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-3-85

का पंजीकरण सम्पन्न हो उचित बाजार मूल्य से कम की इस्मान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्मान प्रतिफल से, ऐसे इस्मान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय का बहिष्कार, उक्त
अधिनियम के अधीन के दंड के अन्तरक के
दायित्व से कमा करने या उक्त अन्तरण से लाभ
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से
संरक्षण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अमिया भूषण मुखर्जी,
सा०-सिन्हा लाईब्रेरी रोड, फेजर रोड,
थाना-कोतवाली, पटना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला देवी अग्रवाल,
सा० आर्य कुमार रोड, राजेन्द्र नगर,
थाना-कदम कुआ, पटना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी की जा रही है कि वे अपने-अपने नामों के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कार्य भी आरंभ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निम्नलिखित में लिखा जा रहा है।

स्पष्टीकरण:—इसमें उक्त सूचना और पत्रों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्तर्गत 269-ब में परिभाषित हैं,
बड़ी अर्थ होना या उस उद्देश्य से दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका एकबा 2297
वर्ग फीट है। जो-मोहल्ला-सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना-
कोतवाली, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण
वसिका संख्या-1-3724 दिनांक 12-3-85 में वर्णित
है और जिसका निबन्धन सब रजिस्ट्रार आफ एस्पोरेसेज
कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन परिक्षेत्र,
बिहार, पटना

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

हकूमत बाई, टी. एन. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 491/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, जो गोलापुडी जिले, विजयवाड़ा में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण तब तक किसी आय को बाधित, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा प्रदान करने के लिए किया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 11) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० एच० वैकुण्ठेश्वर राव,
पिता विरय्या और अन्य 6,
गोलापुडी, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) विजयवाड़ा होलसेल कार्मशियल कम्प्लेक्स,
मेम्बरस वेलफेयर सोसायटी
बाइ प्रेसिडेंट श्री जे० रामस्वामी गुप्ता और,
जनरल सेक्रेटरी श्री ए० आर० गोपाल राव,
11-50-37, गिवालयम लेन, विजयवाड़ा-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मजान के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मजान के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विस्तीर्ण भूमि 1.48, 3/4, एकड़, गोलापुडी जिले, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1711/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985

मोहुर ७

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 492/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या घट है, तथा जो गवर्नरपेट, विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3/85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० रामनिगेश्वर राव,
पिता जेठ श्री पी० आपराव
गवर्नरपेट, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सन्तोष इम्पेट प्रा० लि०
वाइ चायरमैन श्री टी० वैकटहानुमंतरा,
राजगोपालचारी स्ट्रीट, गवर्नरपेट
विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 24-252, प्रकाशम रोड, गवर्नरपेट, विजयवाड़ा
विस्तीर्ण, 922 चौ० गज, अपेसमेंट नं० 20804/ए, से
एफ०, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1732/85, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 493/85-86—अतः

महो, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या घर है, जो गवर्नरपेट विजयवाड़ा में स्थित
है (और इसी उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 6-85

को पक्की सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गृहपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पि० रामनिगेश्वर राव,
पिता लेट श्री पि० आपाराव,
गवर्नरपेट, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सन्तोष इस्टेट प्रा० लि०
वाई डायरेक्टर श्री टी० रेंकटहानमंतराव,
राजगोपालचारी स्ट्रीट, गवर्नरपेट
विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सत्यापन

घर नं० 24-252, प्रकाशम रोड गवर्नरपेट, विजय-
वाड़ा, विस्तीर्ण 922 चौ० गज., असेसमेंट्स नं० 20804/
ए से एक, रजिस्ट्रीकरण विवेक नं० 4258/85, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग.डी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 494/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या घर है, जो सुर्यारावपेट, कालेस्वर राव
रोड स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
13—356 GI/85

(1) श्रीमती के० सीतादेवी (अलीयास : विजयालक्ष्मी)
पति राघुनाथ,
कालेस्वर राव रोड, सुर्यारावपेट,
विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री आजमूलाखान,
पिता बसीरखान और अन्य 3,
डी० नं० 29-13-87 ए सुर्यारावपेट,
कालेस्वर राव रोड, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाक्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 29-13-87 ए, सुर्यारावपेट, कालेस्वर राव
रोड, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1426/85 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रकाशित की गई है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 495/85-86—अतः

मूछे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या घर है, जो वार्ड नं० 2 प्रतापनगर स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन निम्न 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मूल्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूछे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या डिमान के सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बी० सत्यवती पति,
श्री रामकृष्णाराव,
प्रतापनगर, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एच० सुर्यानारायणामूर्ति पति,
श्री वेणु सुब्बाराव,
63/19, ब्रारकानगर, काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए कार्यवाहियां करवा हों।

उक्त सूचना के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उक्त अन्वय में किया गया है।

अनुसूची

घर नं० 8-13 ए, वार्ड नं० 2, प्रतापनगर, काकीनाडा,
विस्तीर्ण 295 चौ० गज., रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3270/
85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1985

मोहर:

प्रथम भाग. टी. एन. एच. - - -

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 496/85-86—प्रतः

मूखे, एम० जगन मोहन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या घर है, जो 5-वार्ड पालकोल, वेस्ट गोदावरी जिला में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुधुषण में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, पालकोल में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धतः दिनांक 3/85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक या यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाषा की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के अन्तिम में कमी करने या उसके करने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी भाषा या लिखा बन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० वेंकट लिंगम,
पिता विरन्ता
बैंक एम्प्लायी, 17थ वार्ड,
पोलकोल वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ई० उदय भास्करम पति,
श्री भास्करराव,
गमलखिल, पोडरु यालक,
जिला वेस्ट गोदावरी।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुप्राणी

घर नं० 5-वार्ड, पालकोल, वेस्ट गोदावरी जिला,
विस्तीर्ण भूमि, 169 चौ० गज., असेसमेंट नं० 519 ए,
रजिस्ट्रारकी विलेख नं० 910/85, रजिस्ट्रारकी अधिकारी
पालकोल।

एम० जगन मोहन)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1985

मोहर।

अध्याय 20-क

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 497/85-86—अतः

मूझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या घर है, जो शांतापेट, एम० जी० रोड, विजयनगरम में स्थित है (और इससे उपावद्ध भू-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या तत्सम्बन्ध में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे या, जिन्हें में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बी० पार्वतीदेवी पति,

श्री रामय्या

डो० नं० 25-8-160, मेन रोड,

विजयनगरम

(अन्तरक)

(2) श्री शाहा देवीचंद पति,

श्री आसराजु और अन्य

डो० नं० 8-1-85, एम० जी० रोड,

विजयनगरम

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डो० नं० 8-1-84, शांतापेट, एम० जी० रोड, विजयनगरम, टी० एस० नं० 742, और असेसमेंट नं० 5014, विस्तीर्ण 234, चौ० गज., रजिस्ट्रीकृत विरेख नं० 2081/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयनगरम।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

ता 1-1985

मं...

सकल माध. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 498/85-86—अतः

मूछे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मंख्या भूमि है, जो बलंकीविला भीमूनपटनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिभार के कार्यालय वैज्ञान में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान तारीख 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मदद के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोक्षार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० साह प्रसाद राव पिता, श्री लेट रामा राव और अन्य 3, जी०पी०ए०, श्री डी० वेक्टर भास्कर राव, कालेम्पुडा लिम्पुडा, घर नं० 10-50-57, विशाखापटनम-3।

(अन्तरक)

(2) कुमारी डी० विजयालक्ष्मी कर्मा रमना पिता, डॉ० डी० वेक्टर रमना, 34, मंजीवयानगर, कालेम्पुडा लिम्पुडा, विशाखापटनम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तरण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

विस्तीर्ण 3.66 एकड़, बलंकी, भीमूनपटनम तालुक, वैज्ञान, जिला पटना नं० 463, रजिस्ट्रार विलेख नं० 2839/85, रजिस्ट्रार अधिभार वैज्ञान।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1985

मोहर:

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश संख्या आर० ए० सी० नं० 499/85-86—अतः

मुझ, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या घर है, जो 23-वार्ड सज्जापुरम स्थित
है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तनूकू में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 3/85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री व्ही मीराजू पिता बाडीराजू
के० यल्लंडालापारु, तनूकू ताजूक,
जिला वेस्ट गोदावरी

(अन्तरक)

(2) श्री पी० मरली कृष्णा पिता,
श्री रामराजू,
डी० नं० 23/41-2, 23 वार्ड,
सज्जापुरम, तनूकू जिला वेस्ट गोदावरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 23-51/2, वार्ड नं० 23, आर० एस०
नं० 18/1 बी 3, सज्जापुरम तनूकू, वेस्ट गोदावरी, रजिस्ट्री
कृत विलेख नं० 681/855, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तनूकू

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिका
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 500/85-86—अतः

मु.म. एम० जगन मोहन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या घर है, जो नरसीपट्टनम स्थित है (और
इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसीपट्टनम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अर्धम 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने की सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लका अच्यम्मा पति,
श्री सत्यम,
9-बाड, नरसीपट्टनम, जिला वैशाग

(अन्तरक)

(2) श्री के० अप्पालानायडू (अलीया: बूलीअयबाइ)
सराभवरम पी० ओ० वाडी सराभवरम,
नरसीपट्टनम तालूक, जिला वैशाग

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संघर्ष के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर न० 30-14, और 30-14(2) नरसीपट्टनम,
वैशाग विस्तीर्ण 288 चौ० गज., रजिस्ट्रीकृत विलेख न०
407/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नरसीपट्टनम।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष प्राप्ति, टी. एन. एच.,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1985

निदेश सं०

—अतः मन्त्रे

एस० बालसुब्रमनियम

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या

तथा जो

स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन ता०

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और नब्बे यह विश्वास
करने का कारण है कि बंधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उपबन्ध से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सम्बन्ध में नहीं करने या उत्पन्न करने में क्षति
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
क्षति के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरक
की, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नारायण नागप्पा मजुकर
शुक्रवार मेट, तेलकवल्ली
बेलगांव

(अन्तरक)

(2) श्री एन० जे० सिवकुमार
वाली बिल्डिंग II फ़ास अपोजिट
महाराष्ट्र बॉक बेलगांव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करवा दीं।

उक्त सूचना के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी मांगो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी
पूर्वोक्त बंधन से सम्बन्धित होगी, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किस्म या सर्वेक्षण।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
था है।

अनुसूची

(यस्तावेज संख्या 66/85-86 ता० अप्रैल, 85)
कुल्ला जगह आर० एस० न० 1416 सदासीब नगर
बेलगांव में है।

एस० बालसुब्रमनियम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 25-10-1985

मोहर :

प्रारूप भाग 1. टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

माइल बरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निदेश सं. नोटिस न. 47138/85-86-अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या 85 से 92 है तथा जो ओ० टी० पेट (पटनूलपेट), जी० पी० स्ट्रीट, बेंगलूर में स्थित है (और इस से उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 4-4-85

रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार धन, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगतों, अर्थात् 8—
14-356 GI/85

(1) श्रीमती जानकी चन्द्रा,
न० 497, 14 क्रॉस, शास्त्रीनगर,
बनकर II स्टेज, बेंगलूर-70

(अन्तरक)

(2) श्री पी० चन्द्राशकरा गुप्ता
(2) श्रीमती पी० त्रिलोक
(3) श्री के० वी० नरसिंहलु शेट्टि और,
(4) श्रीमती के० लक्ष्मिनरसम्मा,
न० 79, अप्पुशवप्पागल्लि, नगरपेट
क्रॉस बेंगलूर-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्तूची

(दस्तावेज सं. 61/85-86 ता० 4-4-85)

संपत्ति है जिसका सं. 85 से 91, जो ओ० टी० पेट (पटनूलपेट), जी० पी० स्ट्रीट, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 4-10-1985

माहुर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46802/85-86---अतः मुझे,
भार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 658/23(658) है, तथा जो 21
फ़ास, 2 ब्लॉक, राजाजिनगर, बेंगलूर में स्थित है (और
इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 15-3-85

रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय राजाजिनगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल गिनतिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
निर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री सी० जी० गोपालकृष्ण,
नं० 946/102, सेक्टर-I,
सी० जी० एम० क्वाटर्स, अनटापहिल,
बंबई-37

(अन्तरक)

(2) श्री ए० नागयण
नं० 17, मरिक्पानपाफया,
बेंगलूर-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 5519/85 ता० 15-3-85)।

सम्पत्ति है जिसका सं० 658(658/23), जो 21
फ़ास, II ब्लॉक, राजाजिनगर, बेंगलूर में स्थित है।

भार० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-10-1985
मोहर

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46846/85-86—अतः मुझे,

भार० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1070 है, तथा जो 3अ "डो" क्लास,
4 टी ब्लॉक जयनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
ता० 13-3-85

रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जयनगर

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्मासिद्ध उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कहे गये के अन्तरण के
बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में बाधना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्थियां
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भायकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवाक्य
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, क्लियर में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मासिद्ध व्यक्तियों, अधिनियम 1922

(1) श्री डी० सत्यनारायण
नं० 7, 36 क्रास, 9 ब्लॉक
जयनगर, बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नागरत्नम्मा
श्रीमती उमा नागराज
नं० 1075, 3अ डी क्रास,
4 टी० ब्लॉक, जयनगर
बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारा करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 5024.85-86 ता० 13-3-86)

सब सम्पत्ति है जिसका संख्या 1070 जो 4 टी०
ब्लॉक, जयनगर बेंगलूर में स्थित है।

भार० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश संख्या नोटिस नं० 46687.84-8म—अतः मुझे

भार० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 18 है, तथा जो वेटफील्ड मैन रोड बेंगलूर सौत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 85 रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंगलूर सौत तालुक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उम्मीद प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डेनिसल विन्सेन्टडी मान्टे
नं० 21, मडवक्कम टर्पाक रेंड,
मद्रास-12

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जमीला अमुवेकर
482, 100 फीट रोड इंदिरानगर,
बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 8044/84-85 ता० मार्च 85)
सब सम्पत्ति है जिसका सं० 18 जो वेटफील्ड मैन रोड वेटफील्ड बेंगलूर सौत तालुक में स्थित है।

भार० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 29-10-1985
मोहर :

स्व. आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46980/84-85—अतः मुझे,
श्री० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 706 है, तथा जो 7 फ़ास इंदिरानगर
2 स्टेज बेंगलूर-38 में स्थित है (और इस से उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अप्रैल 85

रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वर
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के नास्तिक में
कभी कटने या उतारने करने में सुविधा के लिए;
बोह/वा

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी वन या अन्य वास्तिकों
को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः धन उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हैं—

(3) श्री पी० आर० विश्वनाथन
34, द्रोहकाटप्पा रोड,
अलमूर बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री आर० लक्ष्मीनारायणा,
नं० 706, 7 फ़ास, इंदिरानगर
बेंगलूर-38

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन में किए
कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
पुचरा की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
सत लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 117/84-85 ता० अप्रैल 85)
सब सम्पत्ति है जिसका सं० 706 जो 8 फ़ास 2
स्टेज, इंदिरानगर बेंगलूर-38 में स्थित है।

श्री० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 29-10-1985
मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नॉटिस नं० 47160/84-85—अतः मुझे,

भार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 18 सी है, तथा जो I मैन रोड जयमहल एक्सटेंशन बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 26-4-85 रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती भारती देवी

9, जयमहल रोड,
बेंगलूर-6

(अन्तरक)

(2) मसर्स बेडी और बेडी प्राइवेट लिमिटेड

12/7, राजमहल विलास एक्सटेंशन
बेंगलूर-80

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 327/85-86 ता० 26-4-85)
सब सम्पत्ति है जिसका संख्या 18-सी० जो 1 मैन रोड, जयमहल एक्सटेंशन बेंगलूर में स्थित है।

भार० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 47159/84-85—अतः मुझे,
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 18 बी० है तथा जो 1 मैन रोड
जयमहल एक्सटेंशन बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
26-4-85

रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती भारती देवी

9, जयमहल रोड

बेंगलूर-6

(अन्तरक)

(2) मै० बेडी और बेडी प्राइवेट लिमिटेड

12/7, आर० एम० वी० एक्सटेंशन

बेंगलूर-80

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

यस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताधारी के पाद
लिखित में किसे या क्यों न।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में विधा
रखा है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में स्विधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(वस्तावेज सं० 320/85-86 ता० 26-4-85)
सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 18 बी जो 1 मैन रोड,
जयमहल एक्सटेंशन बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 29-10-1985
मोहर :

इसका नाम: टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46584/84-85—अतः मुझे,

श्री० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा
269-ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 8/ए है, तथा जो 1 मैन रोड, जयमहल
एक्सटेंशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन ता० 23-3-85

रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल
से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
में निहित;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती भारती देवी
नं० 9, जयमहल रोड,
जयमहल एक्सटेंशन
बेंगलूर-560006

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनुराधा बी० गंगाराम
(2) श्री भोजराज मंगाराम
443, राजमहल बलाम एक्सटेंशन
बेंगलूर-560086

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि कम से कम हो जाती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सन्सदी

(दस्तावेज सं० 3931/85-86 ता० 23-3-85)
नव सम्पत्ति है जिसका सं० 18/ए जो 1 मैन रोड,
जयमहल एक्सटेंशन जयमहल रोड, बेंगलूर-560006 में
स्थित है।

श्री० भारद्वाज
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 29-10-1985
मोहर :

प्रकृष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46583/84-85—अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 18/ए-1 है तथा जो 1 मैन रोड जयमहल रोड जयमहल एकाटेशन, बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० मार्च 85

रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
15-356GI/85

(1) श्रीमती भारती देवी,
नं० 9, जयमहल रोड,
जयमहल एकाटेशन
बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्रा बी० मंगाराम
(2) श्री भोजराज मंगाराम
443, राजमहल विलास एकाटेशन
बेंगलूर-560086

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्त

(दस्तावेज सं० 3930/84-85 ता० मार्च 85)
सब सम्पत्ति है जिसका सं० 18/ए-1, जो 1 मैन रोड, जयमहल रोड, जयमहल एकाटेशन, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 29-10-1985
मोहर :

प्रारूप आई.डी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46570/84-85-यतः मुझे,

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 33/2 है तथा जो हास्पिटल रोड, बंगलूर
53 में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अन्तर्गत तारीख 28-3-85 रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधी
नगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
सूचके से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में व्यक्त
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

इतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० श्रीनिवासा
नं० 33/2, हास्पिटल रोड
बंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्यारी कुमारी
वाईफ़ आफ़ हेमन्त कुमार
पदमश्री रजता काम्पलेक्स
चिक्कापेट बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में किसी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3988/84-85 ता० 28-3-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 33/2 जो हास्पिटल रोड,
बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख : 29-10-85

मोहर :

प्रकाशक टी. एन. एल. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46571/84-85-अतः मुझे
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 33/1 है, तथा जो हास्पिटल रोड, बंगलूर-3
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 28-3-85

रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधी नगर
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित के
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी नाम की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित न कमी करने या उससे बचने में सुविधा
में लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी नाम का किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरक
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वेण्णम्मा
वार्डफ आफ लेट वन्दम्मा
नं० 33/1 हास्पिटल रोड,
बंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्यारी कुमारी
वार्डफ आफ हेमन्त कुमार
पद्मश्री रजता काम्पलेक्स
चिक्कपेट, बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के द्वारा
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3989/84-85 तारीख 28-3-85)

सब सम्पत्ति है जिसका 33/1, जो हास्पिटल रोड,
बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 29-10-85
मोहर :

प्रमुख कार्य: सी.एन.ए.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस सं० 46597/84-85-यतः मुझे
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है, तथा जो 1ए फ्रांस रोड बिन्नी मिल के
पीछे गंगेनाहल्ली, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-3-85

रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधी नगर
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, की दृष्टि कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० जीनदिना राव
नं० 1ए, फ्रांस रोड,
नागप्पा ब्लाक
गंगेनाहल्ली, बंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री के० जानकीराजु
नं० 99/ई, 16 मेन विजयनगर
बंगलूर-560040

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3843/84-85 ता० 15-3-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 6 जो 1ए फ्रांस रोड, बिन्नी
मिल के पीछे, गंगेनाहल्ली, बंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

तारीख: 30-10-85

गोहर

प्रकाश बाई. डी. एन. एस.

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

प्रकाश बाई. डी. एन. एस.

भाषकर अधिनियम, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

(1) श्री एस० नारायण भट्ट
धानवीर, मंगलूर-575002

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० जयश्रीला
वाइफ आफ श्री एस० बालकृष्णन्
नं० 13, नरसिम्हा नायडु,
स्ट्रीट वेलूर रोड तिरुचेनगोड, सेलम डिस्ट्रिक्ट
तमिळनाडु (अन्तरिती)

निर्देश सं० नोटिफि नं० 46808/84-85-अतः मुझे
आर० भारद्वाज

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 51-7 है, तथा जो वैदमनाडि
जिलेज मंगलूर तालुक में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 14-3-85

रजिस्ट्रीकरी के कार्यालय गांधी नगर
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संघर्ष का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जगह या किसी भू-या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने के
सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारधारी के पर
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2269/84-85 तारीख 14-3-85)

सब सम्पत्ति है जिसे सं० सर्वे सं० 51-7 जो वैदमनाडि
जिलेज मंगलूर तालुक में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 29-10-85

मोहर :

प्रथम भाग, टी. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, मंगलूर

मंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46838/84-85-प्रतः मुझे
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास्त करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 90 है तथा जो बोलूर विलेज, बोलूर बोर्ड
मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 7-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्राप्तिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विस्वास्त
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितीकी) के बीच इसे अन्तरण के लिए तय बाका बचा प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुए किसी काम की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तर्गत
में कभी कतने या उतने कतने से बुनिया के बिना
की/वा

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य वास्तवों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुवर्तमान बर्णनीय हुआ प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, किन्तु से बुनिया
के बिना

। अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथास्त :-

(1) श्री अरून्धती रोनाल्ड सेक्वेरा
मटादाकानी I, कास रोड
मंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री बी० नारायण पुजारी
मटादाकानी I, कास रोड
मंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के बिना
कार्यवाही करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रिक्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के साथ
निश्चित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुमोदित

(दस्तावेज सं० 1933/84-85 ता० 7-3-85)

सब सम्पत्ति जिसका सं० 9051 जो बोलूर विलेज,
बोलूर बोर्ड, मंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, मंगलूर

तारीख : 29-10-85
मोहर :

प्रत्यक्ष कार्य, टी० एन० एस०-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिफ नं० 46825/84-85—अतः मुझे,
आर० भारद्वाज

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयवाक्य करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० नं० 318-ए1, टी० एस० नं०
161-ए है, तथा जो अत्तावर विलेज मंगलूर में स्थित है (और
इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
18-3-85

की पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और भूले यह विषयवाक्य करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का पक्का
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच होने वाले अन्तरक के लिए उचित-पक्का पक्का
प्रतिफल, निम्नलिखित संपत्ति से उक्त अन्तरक निश्चित में
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी नाम की वास्तविक वास्तविक अधि-
नियम के अधीन कट होने के अन्तरक की वास्तविक में
कमी करने या उक्त करने में सुविधा को मिले;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाम या किसी धन या अन्य वर्तमानों
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
की मिले;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
ए, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

- (1) श्री उमेश अत्तावर (उमेश मैथ्या)
- 2 श्रीमती कृष्णदेवी आर० मैथ्या
- वाईफ आफ रमेश मैथ्या
- उनके प्रतिनिधि श्री के० नरसिंहय्या
- सन/आफ नारायण मैथ्या
- पान्डेसवर रोड, मंगलूर

(अन्तरक)

- (2) (1) जनाब एम० ए० महमूद,
सन/आफ अब्दुल खादर वन्नेरा,
मजेश्वरा विलेज कंडोला
- 2 जनाब एम० मोहिदी सन/आफ एम० उरुमान
मंगलूर
- 3 श्रीमती सरियम्मा:
वाईफ/आफ एम० अहमद,
कंडोला
- 4 श्रीमती सरियम्मा, वाईफ/आफ के० हुसैन
कंडोला
- 5 श्रीमती बहुमिमा, वाईफ/आफ अब्दुल हमीद
कंडोला
- 6 श्री भारत कुमार
आर० कोशानी,
सन/आफ रमेश लाल कोशानी,
पान्डेसवर रोड, मंगलूर
- 7 श्रीमती जमीला,
वाईफ/आफ अब्दुल रेहमान,
कंडोला
- 8 श्रीमती यू० रोशा,
वाईफ/आफ के० महमूद बोलार,
मंगलूर

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ
निश्चित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण :—इसमें प्रकट किये गए और गये का, जो उक्त
अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्ण होगा, जो उस बध्याय में दिया
गया है।

अवसुधी

(दस्तावेज सं० 1987/84-85 ता० 18-3-83)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० 318ए-1, टी०
एस० नं० 161-ए, जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 29-10-85

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46742/84-85—अतः मुझे
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विद्यमान उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 15 है, तथा जो 19 काम मल्लेश्वरम बंगलूर
में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
घणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 8-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
अच्छ प्रतीक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पाया
पत्रा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अधि-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यह अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरक
में, कि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती पुष्पा जैन

वाईफ/आफ एल० पी० जैन

2. श्रीमती श्री जैन

वाईफ/आफ ए० जैन

3. श्रीमती गणवेति देवी बेड

वाईफ/आफ ए० एम० बेडे

17,1 आलि आस्कर रोड, बंगलूर 52

(अन्तरक)

(2) मि० सुमति कृष्णन

3, 14 मेन रोड मल्लेश्वरम

बंगलूर-55

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू कराई हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 5290/84-85 ता० 8-3-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 15 जो 14 काम, मल्लेश्वरम
बंगलूर-3 में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 29-10-85

मोहर :

अध्यक्ष आर. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिफ सं० 46787/84-85—अतः मुझे
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निर्णय करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है, तथा जो एच० ए० एल० 3 स्टेज
इंदिरानगर बंगलूर-38 में

स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
ता० 15-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की वसूल, उक्त
अधिनियम के अधीन का करने के अन्तरक के
प्रतिफल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या 1957
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—356GI/85

(1) श्री पमेल मुनाघाला
नं० 52, स्टीफन रोड
फेडर टाउन, बंगलूर

(अन्तरक)

(2) मैमर्स बंकका कौन्सिल कारपोरेशन
128-वी पूना स्ट्रीट
बम्बई-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के पश्चात् 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3941/84-85 ता० 15-3-85)

स्थित है जिसकी सं० 7, जो एच० ए० एल० 3 स्टेज,
बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 29-10-85

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एन.

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस सं० 46712/84-85—यतः मुझे
आर० भारद्वाज,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम अधिकारी का, यह विश्वास करने
का कारण है कि आधार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 485 टी० एस० नं० 37
है, तथा जो सासबा बाजार विलेज मार्केट वार्ड, मंगलूर टाउन
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यवमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गणपूज्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप में अधिन नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की वास्त., उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने की अंतरक की
व्यक्ति में कमी करने या उससे उबरने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाए में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अधिनियम

(1) श्रीमती/ सरिता

श्रीमती/ सुमना, श्री विप्रवनाथा भट
फील्ड स्ट्रिट, महामार्ग/ टेम्पल
मंगलूर-575001

(अन्तरक)

(2) श्री वं० विष्णु भंडारकर

वेंकटरमणा कामपौड कार स्ट्रीट
मंगलूर-575001

(अन्तरितियाँ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन की संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी
के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1891/84-85 ता० 1-3-85]

सब सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० नं० 485, टी०
एस० नं० 37 जो सासबा बाजार विलेज, मार्केट वार्ड, मंगलूर
में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

तारीख : 30-10-1985
मोहर :

प्रकाश भा. टी. एन. एच. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साक्षर सहायक

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46810/84-85—यतः मुझे

भार० भारद्वारा

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक भाषाकारी को, यह विनियमित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एन० नं० 23/1 है तथा जो तिरुवेल विलेज, बंगलूर तालूक है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में आने वाले पूर्ण रूप से पणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 25-3-85

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वस्थित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त अन्तर्गत प्रतिफल से, ऐसे अन्तर्गत प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिलेखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाविले या करी कर देने या उसमें अन्तर्गत या सूचना के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवर्धनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वास्तविकता बनाया जा चुका है, अन्तर्गत में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स जिनेन प्लाईवुड्स
वार्डनर्स (1) आ.एम.ए. महमद
(2) श्री एम.ए. नाजर
पोयिलिल हाउस
कोडियातुर पोस्ट,
मुक्कम, कालिकट

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम. शुभा एम. कामत
वाईफ आर.एम. माधव कामत
"शम चरन" मट्टादाकार्नी रोड,
मंगलूर

(अन्तरिती)

का यह सूचना धारा 269-ब के अधीन सम्पत्ति के अन्तर्गत में लिखित कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्पत्ति में कोई भी बाधकता—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2316/84-85 ता० 25-3-85]

सब सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एन० नं० 23/1 जो तिरुवेल विलेज, मंगलूर तालूक में स्थित है।

भार० भारद्वारा

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

तारीख : 30-10-1985

मोहर :

प्रकृष बाह्य. टी. एन. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46717/84-85—यतः मुझे
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 263/1 है, तथा जो एम०
जी० रोड, लालबाग मंगलूर में स्थित है (और इस में उपरोक्त
अनुच्छेद में प्रो० 1 में निर्दिष्ट है), निम्नलिखित अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधिनियम सं० 14-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिनियम बाजार
मूल्य उसके स्थान प्रतिफल में, ऐसे स्थान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोर्तरी
(अंतोर्तरीयों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम निहित में वास्तविक
रूप से अधिनियम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित किया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) 1. श्रीमती सी० बी० महालक्ष्मी;
2. श्री सी० बी० श्रीरामलु नायडु
3. श्री सी० बी० चिन्मिथुणा नायडु

लालबाग मंगलूर-3

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स सायबान काम्पलेक्स प्राईवेट लिमिटेड
उनके प्रतिनिधि श्रीमती बंकी रजिया ए० रेहमान
वार्डफ्र आफ एम० ए० रेहमान,
नं० 14, जमीला स्ट्रीट,
बटकल-581320

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के उद्देश्य में कोई भी बाधक:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1963/84-85 सं० 14-3-85]

सब सम्पत्ति है जिसका सं० टी० एस० नं० 263/1, जो
एम० जी० रोड, लालबाग, मंगलूर तालुक में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

तारीख : 30-10-1985

मोहर :

अध्याय 1. टी. एन. एड. -5-5-5-5-5

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिफ सं० 46786/84-85-अतः मुझे
आर० भारद्वाज

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 157 है, तथा जो बिन्नमन्गला 2 स्टेज एक्सटेंशन
बंगलूर-38 में स्थित है (और इसमें उक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), एम्प्लोयमेंट अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 29-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और
अंतरिणी (अंतरिणी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतर्गत के
बायल्ल में कमी करने या उसमें बढ़ने में बिबा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1921
(1921 का 11) या भाषाकर अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बिबा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,

(1) श्री सी० विद्वलिंगम
नं० 819, 13 कास जयनगर 7 ब्लॉक
बंगलूर-560082

(अन्तरक)

(2) श्री टी० ए० विजयकुमार
नं० 197, इन्दिरानगर 2 स्टेज
बंगलूर-560038

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाही शुरू करवा दी है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जहाँहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3937/84-85 ता 29-3-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 157 जो बिन्नमन्गला 2 स्टेज
एक्सटेंशन बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 30-10-85
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46829/84-85—यतः मुझ
एस० बालासुब्रामनियन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसका सं० 90-बी है, तथा जो बोलूर विलेज, मंगलूर में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुधुर्च में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन सा० 21-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
यह प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अन्जालिन डिबुन्हा

बी० लसराडो, कैम्प हाउस

निधर मारि गूडि, मंगलूर

(2) जूलैना सालडान्हा बी० लसराडो,

(3) जोलिम मिथैल लसराडो,

कोडिकल हाउस,

अशोकनगर, मंगलूर

(4) क्रेडिटया सलडान्हा बी० लसराडो

(5) जोसफ लसराडो

(6) लारेंस लसराडो

(अन्तरक)

(2) श्री जारलैस डिसेजा,

देवकृपा, कोडिकल रोड,

अशोकनगर, मंगलूर,

पी० ए० होलडर :—

श्री तामस डिसेजा,

बेज चार्च कम्पाउन्ड,

मंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2008/84 ता 21-3-85)

सम्पत्ति है जिसका सं० 90-बी, जो बोलूर विलेज, मंगलूर
में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 25-10-85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बासिब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 47418/85-86—यतः मुझे
एस० बालामुग्रमनियन

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क की अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 193 है, तथा जो स्वाकि रोड, प्यालेस अपार
आरचर्डस, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन क्रि. नि. सं. 1908
(1908 का 16) के अधीन ता. 8-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम की व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापारपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
कम से प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणीयों) के बीच एम्में अन्तरण के लिए तब प्राप्ता गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण स्थिति के
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह से उक्त अधि-
नियम की अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित होने
कभी कारण या उससे भयानक में सूचना के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहिष्णुता के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० एन० मान्ने,
नं० 31, 5 मैन रोड,
गांधिनगर, बंगलूर-9

(अन्तरक)

(2) श्री एस० वा० रमणि,
नं० 501, शशि किरण,
18 कास, मल्लेप्पवारम,
बंगलूर ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कारवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तरवर्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
कृत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसने प्रकृत व्यक्तियों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित
है, काी लक्ष्य होना, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 440/85 ता. 8-5-85)

सम्पत्ति है जिसका सं० 193, जो स्वाकि रोड, प्यालेस
अपार आरचर्डस, 2 मैन रोड, गांधिवानगर, बंगलूर, में स्थित
है ।

एस० बालामुग्रमनियन
महाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 25-10-85
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

वाणिज्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वाणिज्य अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर, 1985

नोटिस नं० 46826/84-85—यतः मुझे एस०

बालासुब्रमनियम

वाणिज्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 1485, आर० एस० नं० 192,

और इस से उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिनियम
ता 18-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मध्याह्नक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसके से वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक यहाँ किसी वास्तविक या काल्पनिक, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
कार्य में कमी करने या उसके करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वास्तविक या काल्पनिक या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय वाणिज्य अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वाणिज्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जा या किवा वाला चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

नोट: यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ऐनम्मा पात्तम्मा,
मुलरपट्टण, अरला पोस्ट,
बन्दाल तालुका, एस० के०

(अन्तरक)

(2) श्री एम० जकारिया,
कारवला रोड,
कुद्रोलि, मंगलूर
(2) श्री के० चायन्वा,
कारवला रोड,
कुद्रोलि, मंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या अन्तरक की अवधि में
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, को भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को या किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठाकारी के पास
निम्नलिखित में किष्ट जा सकेंगे।

न्यायिकरण:—इसके अन्तर्गत कमी की गई धारा 269-ब के अन्तर्गत
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(रजिस्ट्रेशन सं० 1988/84 ता 18-3-85)

संपत्ति है जिसका सं० टी० एस० 1485, आर० एस०
नं० 192, जो उक्त बाजार विलेज, कुद्रोलि, वार्ड, मंगलूर, में
स्थित है।

एस० बालासुब्रमनियम
सक्षम प्राधिकारी
मध्यम अर्थिक अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 25-10-85

मोहर :

इसका बाह. टी. एच. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46734/84-85—यतः मुझे
एम्० बालासुब्रमणियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 82 (46 II) है, तथा जो गंगेनहल्लि, बंगलूर
में स्थित है (और इस से उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
अर्जित है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 14-3-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अभावपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसको दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
बावत में कमी करने या उससे बचने में सूचना
की सिद्धि और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 1957 अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

17—356GI/85

(1) श्री एन० रंगज्जा

नं० 356, 8-ए-मैन,
मिन्ड, फालोनि,
बंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमता दिलशाद बेगम,

नं० 10, 3 फ़ास,
एच० विद्याच्चा रोड,
बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 3837/84 ता 14-3-85)

संपत्ति है जिसका सं० 82 (46 II), जो गंगेनहल्लि,
बंगलूर, में स्थित है।

एम्० बालासुब्रमणियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 25-10-85

मोहर :

प्ररूप अर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46847/84-85—यतः सुझे,
एस० बालासुब्रामणियन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि बंधापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 144 है, तथा जो केतमारनाहल्लि, बेंगलूर में
उत्तर तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन ता 1-3-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवहार
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्ली
(अंतर्लितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए हम बाधा प्रतिकूल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी भाग की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
के अन्तर्गत भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दोड्डाण,
नं० 142, 4 ब्राम रोड,
भागप्पा ब्लॉक,
श्रीरामपुरम, बेंगलूर-21

(अन्तरक)

(2) श्री ड० ने० रमेश,
नं० 32, जे० सी० एन्सटेशन,
कनकपुरा टाउन,
बंगलूर डिस्ट्रिक्ट

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन को फिर
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वादोप :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसके बाद की अवधि में
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति के हस्तगत
क्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अन्य किसी
को प्राप्त किया गया है कि नहीं।

स्पष्टीकरण:—इसने प्रकृत धाराओं की धारा, जो उक्त
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में प्रकृत है,
है, नहीं बर्त होता को उक्त अधिनियम में प्रकृत
नवा है।

अन्तर्ली

प्रस्ताव सं० 5221/84 ता० 1-3-85)
संपत्ति है जिसका सं० 144, सर्वे नं० 141/4),
जो केतमारनाहल्लि, बेंगलूर उत्तर तालुक, में स्थित है।

एस० बालासुब्रामणियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 25-10-85
मोहर :

प्रकाश बाबू, डी. एच. एच. —

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाषा संस्करण

कार्यालय, सहायक बावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 1134/85-86—मधु मूसे आर०
भारद्वाज

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 101 है, तथा जो पाजी पोडा मारगांवा गोवा
में स्थित है, और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन सा 26-5-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
कम से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) इगनोटाईस फनीडीस और
अमृतो मारिया भूइजा फनीडीज
कजीकोड मरगांव गोवा

(अन्तरक)

(2) श्री चल्लाघ सी० पाटिल
प्लॉट नं० 1,
3 फ्लोर, कोटालीता बंगोली
कजीकोड मरगांव गोवा

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाठ्यताधारी के पक्ष
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना या उस अर्थ में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 593 ता 26-4-85)

शाप नं० 101, ग्राउन्ड फ्लोर, काटरी कोड मरगांव गोवा
में है। इसका एरिया 22.38 स्केयर मीटर है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, बंगलूर

तारीख : 29-10-85

मोहर :

रक्षक महोदय, टी.एन.ए.ए.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० 1135/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21 और 22 है, तथा जो सकडेम अलोह मरगांव से स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता 1-3-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मूल्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सूचिका के लिए; और/या

(ख) इसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधाव (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती मरिया मेरुजा डी० मोरिया,
पिटो सोशियल बारडा,
मरगांव गोवा
2. श्री अंडोलियो अरलेंडो,
पीयाडुडो गोतियो पिटो सोंगिक
धाने, अरीतियो ओरलेंडो पिटो,
सोरोका, मरगांव गोवा
3. भुदस कालूम डी० गणजन पिटो अलेंगस, ४
मरगांव गोवा
- (4) श्रीमती मारिया देलमो डी० गोवाया
जी० टी० ग्लोरियस कोरिया

**अपनरो और मुराका पति जोका
जोपतीन टी० कद्रस्तीयो कंशया अफाल्डो
बेंतामिजिम**

**5. पेग्री सीलवेस्टो नागासीमो इमासिकी मोमिया
और पत्नी मारिमा मुडीबीला अगतीकरा जोसा**

मेडियाकोर वलमिला वेदिट्टो मारिमर गोरतागम

**6. श्रीमती मारिया अलेक्सा कारमदा सोरोसा
अब्रेंयसि और घाती जोमा लुइयो फीलोमीतो
अब्रंचीस पणजो**

**7. श्री जोक्तीय पीलीया डी० फीडीडो,
सीरीस और पत्री मारिया तुलीया सीथलो,
पीचाको, मरगांव गोवा**

**8. गोवा और जोशी डी० गोविन्दा पिटो सोरस
और श्रीमती मारिया सीलवारिया डी सोता सीहा
बारा ब्रेजील**

**9. श्री एवो ओक्कारडो गोवोया पिटो सौरिसा
मरगांव गोवा**

**10. श्री राम फर्मीसकल बेलारको डी० गोविन्द पिटो
सोरिया ब्रेजील (अन्तरक)**

**(2) श्री दामोदर नारायण नायक
ई-54, आवाड पेरिया रोड
मरगांव गोवा (अन्तरिती)**

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए कार्रवाहियां शुरू कराया है।

उक्त संपत्ति के बर्जनों के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अनुच्छेद 26-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 358 ता 1-3-85)

प्लॉट नं० 21 और 22 'मारमो हिल' डालटो मरगांव गोवा में है। इसका एरिया 1616 स्क्वेयर मीटर है।

**आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर**

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

प्रकृ. नार्. टी. एन. एड. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्जिसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 1136/85-86—यतः मुझे आर० भारद्वाज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओरजिसकी सं० 150/2 है, तथा जो सोडर में स्थित है (ओर
इससे उपायधन अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता 16-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजन से अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती टी० के० जानम्मा रानि सोमनाथि राव
2. टी० के० श्रीनिवास राव,
कोरलीस्कर कारवाता हरिहर

(अन्तर 5)

(2) श्रीमती बी० ए० अमरवा
पति डाक्टर बी० ए० नरवरान रतेडर
बेंफलासी जिला

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघर्ष के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया प्रस्तावित है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के गवर्नर में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गवर्नर में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 743 ता 16-3-85)

आर० सी० सी० मकान सोडर मद्रास में है। इसका
प्लॉट एरिया 2400 स्क्वियर मीटर है। और प्लॉट एरिया
1670 स्क्वियर फीट है।

आर० भारद्वाज

अक्षय रात्रि हारा

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 29-10-85

मोहर:

प्रमाण पत्र की एक प्रतः-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 1137/85-88—यतः मुद्रा
भार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रौरजिसकी सं० 32, 35, 36, 43 है, तथा जो चन्द्र ग्राम
सालकेट गाँव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाख्य अनुसूची
में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीनता० 7-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरूप के
कौटिल्य से कभी कटने या कटने कटने से बचने
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ, अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया गया बाह्य या, जिसमें से
इतिहास के लिए)

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1),
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अलवरो डी० ग्रीगोवा फेरीक्रा
चन्दर गोवा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुकांती यादव कामत
वास्को-डो-गामा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में संपादित होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 379 ता 7-3-85)

प्लॉट नं० 32, 35, 36, 42 और 43 चंदर ग्राम, सालकेट
गोवा में है। इसका एरिया 8139.12 स्केयर मीटर है।

भार० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 29-10-85

मोहर :

प्रकृष आर.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० 1138/85-86—यतः सुमे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन अधिनियम प्राधिकारी को यह विचार करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2026 है, तथा जो कारपोरेशन मालसलेट में
स्थित है (और इसमें उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 7-8-58

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यहाँ यह विचार करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पक्का
प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
वास्तविक, भिन्नान्वित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विहित के
वास्तविक रूप में अहित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक यह है कि किसी भाव का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने के। उससे पहले के सूचना
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता बाह्य था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती शुक्लती यादव कामत
वास्कोडीगामा गोवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री अलवोरो डी० ब्रिगेज। फ्रीश
चन्द्र गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों का
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(इस्तावेज सं० 379 ता 7-3-85)

लेख की तारीख कर्पोरेशन तासुक सालकोटगोवा में है।
इसका एरिया 125 स्केयर मीटर्स है।

आर० भारद्वाज
सहस्र प्राधिकरण
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 29-10-85
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एल. -----

आधार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 1133/85-86—यतः मुझे भार०

भारतवाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिपकी सं० 53 है तथा जो खानापुर रोड बेलगाम में स्थित
है (श्रीर इन्ने उपायुक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
ता० 8-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नाह उचित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप में अभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित वास्तविकता, अर्थात् :—

(1) श्री वीठल ए० अराफ
राम निवास खानापुर रोड,
टीकलवाडी, बेलगाम

(अन्तरक)

(2) श्रीमती: होराबाई दोडो देशपांडे
गोंदली गल्ली बेलगाम

(अन्तर रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 121 ता० 8-4-85)

प्लॉट नं० 53, खानापुर रोड टीकलवाडी बेलगाम में है।
आर० पी० सी० मकान इसका एरिया 2400 स्केयर मीटर
है।

आर० भारतवाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, बंगलूर

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

प्रारूप आदेश टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 1132/85-86—यतः मुझे

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका मं० 52 है, तथा जो खानपुर रोड, बेलगाम में
स्थित है और उस में उपाबद्ध अनुसूचन में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन ता० 6-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चगुणित
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया अन्तरक; निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कटित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
दे दिया और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के
लिए और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18—356GI/85

(1) श्री. राजेश महादेव सराफ

(2) वीरल महादेव सराफ

आमंत्रण: प्रत्यक्ष: पैसाण माफ़ खानपुर रोड,
बेलगाम ।

(अन्तरक)

(2) श्री.मन: एम० बलवि डीसौजा

भारत के० एम० सराफ खानपुर रोड

बेलगाम या बी० सी० 58, कॉप बेलगाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[राजपत्र सं० 109 का 6-4-85]

आर० भारद्वाज सं० मन्त्रालय खानपुर रोड, बेलगाम में है।

उसका पृष्ठ 80, स्केपर मॉडल है। इसका सर्वे नं० 219/
20/3, 219/1, 219/2/14 है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 29-10-1985

मोहर

प्रकृष भाई. डी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन मचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० डी० आर०-352/37-ईई०-यन: मुझे,
आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट न० टी-2 गैट मडगांव है, तथा
जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजी,
गोवा में धारा 269 क ख में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 19-3-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवर्तनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, उपान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात्

1. मेसर्स सतीश कस्टोमैजन्स
10-11 कुज सरसन
मडगांव गोवा।

(अन्तरक)

2. फ्रान्सोस्को जेसस फरनान्डिस
द्वारा ज० वि० फरनान्डिस
नियर काम्पस डमियल चेपल
पोस्ट कोनोलिम सलसेट गोवा।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावेस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज डि०-299 ता० 19-3-1985)

प्लॉट न० टी-2 जो बिल्डिंग "ई" निपौलैट हाउसिंग
काम्पलेक्स में 111 फ्लोर जो काटोरडा मारगोवा गोवा
में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज बंगलूर

तारीख: 29-10-1985
मोहर:

(अन्तरक)

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 25 अक्तूबर 1985

निर्देश स० डी० आर०-454/85-86/37-ईई०—

अतः मुझ, एस० बालसुब्रह्मण्यन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 21 से 23 है, तथा जो मडगांव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मडगांव में की धारा 269 क, ख में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० एस० एस० ऐंटरप्राईज
बल्ला वीस्ता बिल्डिंग
मडगांव गोवा।

(अन्तरक)

2. मै० नूतन बी योगि
बोडा बोलनलिसा रोड,
मडगांव, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज स० तारीख मार्च 85)

बिल्डिंग का नाम "अपोरामंदो" और लावरीलेम, मडगांव।
मडगांव।

एस० बालसुब्रह्मण्यन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 25-10-1985

मांहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1985

निदेश सं० डी० आर०-457/85-86/37-ईई०—

अतः मुझे, एस० बालसुब्रह्मण्यन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21 से 23 है, तथा जो मडगांव में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मडगांव
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय में प्राप्त प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत्—

1. मैसर्स यस० यस० एन्टरप्राइज,
बेल्ला वस्ता मडगांव गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री अंबोनि दाइस,
गल्प होटल मुस्कॉट रूवी, 4455,
सुल्तानेट आफ ओमान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 457/85, तारीख मार्च 85)
बिल्डिंग का नाम अपोरामेटो और तावरीलेम मडगांव।

एस० बालासुब्रह्मण्यन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 25-10-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1985

निदेश सं० डी० आर०-458/85-86/37-ईई०--

अतः मुझे एस० बालसुब्रह्मणीयन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21 से 23 है, जो तथा मडगांव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मडगांव रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 में धारा 269 क, ख में (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के क्रमशः प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक आयुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रमशः प्रतिफल से, ऐसे क्रमशः प्रतिफल का पट्टा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिकी (अन्तरिकी) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय बाधा का प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाध की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. एस० एस० एन्टरप्राइज,
बेल्ला बीस्ना मडगांव, गोवा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कोस्मीरा ले टाओ

बेल्ला बीस्ना मडगांव, गोवा।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पक्ष निश्चित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शर्तों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 458 तारीख मार्च 85)

बिल्डिंग का नाम अपोराभेंडो और तावरीलेम मडगांव गोवा में है।

एस० बालसुब्रह्मणीयन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 25-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मेसर्स एस० एस० ऐन्ट स्प्राईजस,
बेल्ला बीस्ता मडगांव, गोवा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना2. श्री बोरिसिआ गोनसाल्वस,
पो० ओ० वाक्स नं० 3217,
रवि मुस्त, मडगांव गोवा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1985

निवेश सं० डी० आर० 466/85-86/37-ईई०---

अतः मुझे एस० बालसुब्रमणीया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21 से 23 है, तथा जो मडगांव में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मडगांव
में धारा 269 क, ख, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है।—(क) अंतर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रणेत्रनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 466/85-86, ता० मार्च 85)

बिल्डिंग का नाम 'अपोरमेंटो' 'तवरिनेम' दुकान
नं० 14, मडगांव।

एस० बालसुब्रमणीय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 25-10-1985

मोहर :

प्रकृप भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1985

निदेश सं० डी० आर०-468/85-86/37-ईई०—

अतः मुझे, एस० बालसुब्रह्मणियन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 216-के० फ्लैट नं० 21 से 23 है, तथा जो मडगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मडगांव में धारा 269-क में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि वा बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

1. मैक्स एस० एस० ऐंटोप्राईजेस,
वेल्ला जीम्मा मरगांव, गोवा।

(अन्तरक)

2. डा० इमोटिअस जाडोजो,
पी० ए० बाक्स नं० 897,
मुस्ताट मुल्तनेट,
मडगांव, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निशान में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित हैं, इसी अर्थ में लिये जायेंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 468/85-86, तारीख मार्च 85)

ब्रिडिंग का नाम अपारमेंटों नाविलेम फ्लैट नं०
जी-4, मारगोवा, गोवा, मडगांव।

एस० बालसुब्रह्मणियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 25-10-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1986

निदेश सं० डी० आर०-476/85-86/37-ईई०-यतः

मुझे, एस० बालसुब्रह्मण्यन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21 से 23 है, तथा जो मडगांव में
स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मडगांव में
धारा 269 क ख में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर के लिए की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या सतसे बढ़ने में मतिभेद
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मतिभेद
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19-356GI/85

1. मैसर्स एस० एस० एन्टरप्राइजेस
वेल्ला वीस्ता, मडगांव गोवा।

(अन्तरक)

2. सी० ए० एफ० मोरजेरेल्लो,
वेटीम सलमेट,
गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 476/85-86, ता० मार्च 85)

बिल्डिंग का नाम "अपोरमेंट और "नवरीलेम" दुकान
नं० 6, मडगांव।

एस० बालसुब्रह्मण्यन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, बेंगलूर

तारीख : 25-10-1985

मोहर :

प्रारूप भाई.टी.एन.एस. -----

(1) मैसर्स एस.एस. इंटरप्राइजिज, बेलवा बिस्ता मझगांव
(अन्तरक)(2) श्री पीटर बारेटो पी० ओ० बाक्स 3258
दुबई यू० ए० ई०

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1985

मिशन सं० डी० आर० 482/85-86/37-ईई/—अतः

मुझे, एस० बालसुब्रमण्यन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21 से 23 है, तथा जो मझगांव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मझगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधोप ६—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज संख्या 482/85-86 दिनांक मार्च, 1985)
बिल्डिंग का नाम अपोरमेंटो और नावरीलेम
मरगांव।

एस० बालसुब्रमण्यन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर।

दिनांक: 25-10-1985
मोहर

प्रकाशित दिनांक 1985-12-07

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 अक्टूबर 1985

निदेश सं० डी० आर० 293/84-85/37-ईई—अनः

मुंबई, आर० भाद्राज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गोमला है तथा जो मडगांव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मडगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यय से कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लक्ष्मीबाई बसंत कार (2) वैकुण्ठ बसंत कार (3) शिवबल्लभ, बसंत कार अकुंम अल्टो, मरगांव गोवा

(अन्तरक)

(2) एल्कोन रियल इस्टेट प्राइवेट लि०, वलो बिल्डिंग पनजी, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि में उक्त सम्पत्ति के अर्जन पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 293/85-86 दिनांक अप्रैल, 85)

स्थावर सम्पत्ति का नाम "अंजुलिची गल्ली" "गोमोला" मरगांव।

आर० भाद्राज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 28-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आर० 1588/37-ईई—अतः सुते, आर०
भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी-31 है तथा जो 3/1, XIII फ़ास मल्लेश्वरम बेंगलूर-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-3-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सम्पत्त जी शाह ए-9, जै मोती, हीराचन्द जी रोड घाटकोपार (वैस्ट) बम्बई-86 (अन्तरक)

(2) श्री आर० एस० कालावर, 2023-ए, XIV मैन रोड, एच० ए० एल० II स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर-38 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1407/84-85 तारीख 8-3-85) ।
जयन्ती अपार्टमेंट बिल्डिंग, VI फ्लोर में प्लॉट नं० बी-31 जो 3/1 XIII फ़ास, मल्लेश्वरम, बेंगलूर-3 में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 30-10-1985.

मोहर:

प्रमुख भाई. टी. एम. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आर० 1590/37-ईई—अतः मुझे, आर०

भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी-2 है तथा जो मल्लीकटका कन्कमाडी बेंगलूर 575002 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी अथवा उक्त अन्तरण में अन्तरण के लिए कोर या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० सदाशिव राय, कविता इंटरप्राइजेज बालमट्टा, बेंगलूर-575001

(अन्तरक)

(2) श्री एम० प्रभाकर कामत और श्रीमती एम० जयश्री बेनदूर वेल के मजदीक, कन्कमाडी, बेंगलूर-57002

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त व्यक्तियों के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :-

(क) इस सूचना के एखपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के एखपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुषी

(वस्तावेज सं० 394/84-85 दिनांक 28-3-85)

कविता अपार्टमेंट्स में प्लॉट नं० बी-2 जो मल्लीकट्टा कन्कमाडी, बेंगलूर-57002 में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 30-10-1985

मोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आर० 1616/37ईई/—अतः, मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 15/41 है, तथा जो कैम्पिज रोड, बंगलूर
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी के कार्यालय बंगलूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 13-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1, वेंकटेश्वर इन्टरप्राइजेज,
लियो शापिंग कम्प्लेक्स,
44/45, रेमिडेन्डसी, रोड, बंगलूर।

(अन्तरक)

2, डाक्टर विजय आनन्द
द्वारा : डी० आर० रामचन्द्रन,
18/10, कैम्पिज रोड, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्पत्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस बध्याय में दिया गया
है।

अवधि

(दस्तावेज सं० 1405/84-85, दिनांक 13-3-1985)

प्रिमिसेस सं० 15/41, में 1065/15488 भाग, जो
कैम्पिज रोड, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 30-10-85

मोहर :

प्रश्न जाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

राज्य सचिव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० आर० 1619/37ई/-यन: मुझे, आर० भारद्वाज
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० आफिस नं० ई-2 है, तथा जो 84 जे० सी०
रोड, बंगलूर में स्थित है (और इनसे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 13-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
(अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया तथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भा-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मैक्स मनिश इन्टरप्राइजेज,
1/2 अंगार जयिग सेंटर,
80, एम० जे० रोड, बंगलूर-560001

(अन्तरक)

2 मैक्स मैकट्रांसिज,
13/85, जे० सी० रोड, बंगलूर-560002

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिमां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
बुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1401/84-85, दिनांक 13-3-85)
मनिश टावर के IV फ्लोर, में आफिस नं० ई-2, जो नं० 84
जे० सी० रोड, बंगलूर में स्थित है।

आर भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 30-10-1985
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

[अन्तरक]

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 30 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० आर० 1620/37ई/84-85-यतः सुसे

आर० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं०-1 है, तथा जो 84, जे० सी० रोड, बंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

1. मैसर्स मनिश इंटरप्राइसेस,
 1/2, शंभार गार्मिंग सेंटर,
 80, एम० जी० रोड, बेंगलूर-560001

(अन्तरक)

2. एन० बी० श्रीनिवास मूर्ति
 13/85, जे० सी० रोड, बेंगलूर-560002

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास अंकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1400/84-85, दिनांक 13-3-85)

मनिश टावर, के 4थे फ्लोर, में आफिस नं० ई-1, जो नं० 84, जे० सी० रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

आर भारद्वाज
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 30-10-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आर-1627/37 ईई/84-85--अतः मुझे, आर०

भारत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 502 है, तथा जो 18, एम० जी० रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचप में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
20-356GL/85

1. शब्बा आर० कृष्णन्दाजी,
प्लॉट नं० 502, सामरसेट अपार्टमेंट्स,
'ए' ब्लॉक, 18, एम० जी० रोड,
बेंगलूर-1

(अन्तरक)

2. चैतानी गची, और जुमास्टर अरुणा भागची,
प्लॉट नं० 203, सामरसेट अपार्टमेंट्स,
'ए' ब्लॉक, 18, एम० जी० रोड, बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्ते :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिखे या कथित :-

लक्ष्यीकरण:-इसमें प्रयुक्त कथों और तथों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1402/84-85, दिनांक 13-3-85)
प्लॉट नं० 502, जो 5वीं फ्लोर, सामरसेट, अपार्टमेंट्स,
'ए' ब्लॉक, नं० 18, एम० जी० रोड, बेंगलूर-1 में स्थित है।

आ० भारत

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बेंगलूर

दिनांक 28-10-85

मोहर :

मुख्य भाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आर-1624/378ई/84-85—अतः मुझे, आर०

भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 42 है, तथा जो 21, म्यूसियम रोड,
बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिभार के कार्यालय
बेंगलूर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 12-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर पड़े हैं और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एतद्विषय प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाधत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के विषय
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को अन्तर्गत भारतीय अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सीधे
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर. भारद्वाज रट्ट
नं. 16, नार्थ लैंक रोड,
उटकमन्ड।

(अन्तरक)

(2) इंदिरा आर. हगड
11/6, नन्दीवर्ग रोड, बेनसन टॉन,
बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
यह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1394ए/84-85 ता. 12-3-85)

मोहिनि अपार्टमेंट्स में 4 फ्लोर में प्लॉट नं. 42 और
ग्राउंड फ्लोर में कवरड पार्किंग स्पेस है और सं. 21 भूमि में
1/20वां भाग जो म्यूसियम रोड, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 30-10-85

मोहर :

प्रमुख कार्य: डी. एम. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 20 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आर-1633/37ईई/84- 5—अतः मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 है, तथा जो 18, एम० जी० रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन दिनांक 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायदश में कमी कटने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री विजय चौधरी,
10ए, सागर अपार्टमेंट्स
6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली-110001

(अन्तरित)

2. अयोगी इन्वेस्टमेंट्स, (प्रा०) लिमि०
ई-2/16, दरयागंज,
नई दिल्ली-110002

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वस्तावेज सं० 1395/84-85, दिनांक 12-3-85)
प्लॉट नं० 1, जो सामनेट अपार्टमेंट्स, सी० ब्लाक,
नं० 18, एम० जी० रोड, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, बेंगलूर

दिनांक 28-10-85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० आर० 1635/37ईई/84-85---अतः मुझे, आर०
भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० ई है, तथा जो 28 नं० स्यान्को रोड,
बेंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अतसूचः में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में
रजिस्ट्रार/कर्ता अधिनियम, 190 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 13-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. स्टर्लिंग एन्टरप्राइजेस,
नं० 1, स्टर्लिंग रोड,
नन्गमबाकम, मद्रास-600034

(अन्तरक)

2. अब्दुल मतीन इस्माईल और श्री अब्दुल मजीद इस्माईल
और बाबी फातिमा इस्माईल,
सीमा महल, सागर रोड, बटवल-58132,
नई केनरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1397/84-85, दिनांक 13-3-85)

गालफ लिंक आर्टेमेंट्स में 4 फ्लोर में प्लॉट नं० ई,
जो नं० 28, स्यान्को रोड, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 30-10-85
मोहर :

इसका नाम: डी. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० 1120/85-86—आ: मुझे, एस०

बालसुब्रामनियम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीदत्तसिंह सं० 163/50ए है, तथा जो देशगंडे नगर, हुबली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, हुबली में निम्नलिखित
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. अमरतः शरीरतः मुदाप्ता, अंटान,
महानेश नगर, बेलगाम।

(अन्तरक)

2. (1) शेवलिगप्पा,
(2) मल्लः अर्जुन, याने मल्लप्पा,
(3) बन्वराज,
(4) मल्लः अर्जुन, बाप मरः गेप्पा यंहमुरी,
देशगंडे नगर, हुबली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति या जिस-
बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 516, दिनांक 10-5-1985)

जगह और बंगला, बाई न० III देशगंडे नगर, हुबली में
है। इसका क्षेत्र जगह $39' \times 60 \frac{1}{2}"$ और 219.2 m^2
है।

एस० बालासुब्रामनियम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

मोहर

रूप आई टी एन ए

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 1121/85-86—अतः मुझे, एस० बालसुब्रामनियन
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 791 अलता सं० 47 है तथा जो पणजी में
स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्री तथा अधिकारियों के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच उसे, अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम के
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी भाव की वास्तविक अवस्था
विषय के अधीन कर देने के अन्तरक की वास्तविक अवस्था
कमी करने या उचित करने में सुविधा के सिद्ध;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन धन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मिस पुष्पावती याने पाबी बाई लाल जी
केफे रीयल के सामने अफलों अल्लुकरुं रोड
पणजी गोवा ।

(अन्तरक)

2. (1) शंकर रामचन्द्र बागले
(2) सदा नन्द दुर्गा बाडकर,
(3) रवीन्द्र शांताराम गायतोडे,
द्वारा : केफे सैट्रल, पणजी गोवा ।

(अन्तरिती)

3. एस० आर० बागले .
2. एस० डी० बाडकर
3. एल० एस० गायतोडे
केअर आफ केफे सैट्रल पणजी गोवा ।
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बंगलूर

(दस्तावेज सं० 234 दिनांक 11-3-1985)

यह सम्पत्ति 18th मैन रोड पणजी गोवा में है। इसका
एरिया 49 वर्ग मीटर है।

एस० बालसुब्रामनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक 22-10-1985
मोहर :

1 रमेश खीटल पाल देमाई और उनकी पत्नी श्रीमती स्मीता रमेश पाल देमाई, कैमर थाफ गोंडग्राम, झालकेण, गांवा ।

मायकेरु माथिरियन, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

२ श्रीमती भागवती ए. एनाथ माडकर,
निवासी वस्तीक घडे, मांथ्रीम अंबेगाल,
बीजोलीम, गांवा ।

कार्यालय, सहायक आयकर वाइस्त (विराजण)

को वह सुचना जारी करके सर्वोक्त सम्पत्ति को जपान के निरक्षर कार्यवाहियों पर करवा रहा है।

बंगलूर, दिनांक 22 अक्टूबर 1985

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :-

निर्देश सं० 1122/85-85—अतः मुखे, एम० बालामुष्मनियन
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब की अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 145 है तथा जो ओंछा शतारी गोवा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से
वर्णित है) रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय सतारी गोवा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 1-3-1985

का पब्लिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवयवान् प्रतिफल के लिए अन्तरित को यह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवयवान् प्रतिफल से, ऐसे अवयवान् प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, रिजर्विजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित से वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सप्ताहभर की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रांतर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस दृष्टान्त के उपपन्न के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति के श्रद्धांश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिग्रहण के माध्यम से लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(3) कर्मचारी को दूसरे किसी काम की वजह से काम कराने के बचीक कर देने के सम्बन्ध में वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँर/बा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(पस्तावेज सं० 21 , दिनांक 1-3-1985)
 म्नास्ति गोथा में है। इसका क्षेत्र 115 स्क्वायर मीटर है।
 इसका प्लॉट का एरिया, 600 स्क्वायर मीटर है।

एस० बालासुब्रामनियन,
सक्षम प्राधिकारी
कर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
 ४, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, बर्खास्त

दिनांक: 22-10-1985
मोहर :

रूप आई.टी.एन.एन. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० 1123/85-86—अतः, मुझे, एम० सुब्रामनियन जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० 4 है, तथा जो नुयेम गोवा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री - कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या यन्त्र-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः इस, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1 डाईमियो लुजागीयो कैशे,
बाटीको कैशे नगर, नुवेलीम भावफेटे,
गोवा।

(अन्तरक)

2 पेड्रीता अन्टीनिटरी फेरीश,
केशर आफ मेक्शी, हुनीश फलवेटडो सूलसो,
पोस्ट, कात्सीलम, आलाकेट गोवा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 360 दिनांक मार्च, 1985)

फ्लैट नं० 4, दायवे अपार्टमेन्ट्स, गोवा में है। इसका एरिया, 75 वर्ग मीटर है।

एम० बालासुब्रामनियन
मध्यम प्राधिकारी
सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 22-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० 1124/85-86—अतः मुझे, एस० सुब्रामनियन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3497/5A3 है, तथा जो बेलगाम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगाम में रजिस्ट्रारण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
29-4-1985

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वांछा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब को वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना
से लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बर्तस्त्रों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21—356GI/85

- 1 (1) हरप्पा महारुद्रप्पा, उप्पीन,
(2) सींद्राम एम० उप्पीन,
(3) तूसीदर मडीवालप्पा उप्पीन
(4) शिघ कुमार एम० उप्पीन
निवासी रीसालदार, गली, घरनं० 3536,
बेलगाम ।

(अन्तरक)

- 2 श्री यल्लसाप्पा, वीरूपाक्काप्पा सगाली,
निवासी नारवेकर, गाली, बेलगाम ।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्धन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(घस्तावेज सं० 453, दिनांक 29-4-1985)

नारवेकर गली, बेलगाम ग्राम में पुराना, मकान है।
इसका एरिया 800 वर्ग फीट है। मकान 1120 वर्ग फीट जगह
में बना हुआ है।

एस० सुब्रामनियन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० 1125/85-86--अतः मुझे ए० बालमुद्रा-

समिनयन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीरजिसकी सं० 'ए' है, तथा जो करीबोबीम, तीमल, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाव अनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईलहाप में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय नाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नाव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गीरिण ए० कीनी

दादा बैय्या रोड, पणजी, गोवा।

(अन्तरक)

2. बेंजामीन मार्टिन रोड्रीगास,

जी०पी०ए० कुः ईस्टर्न जीलो जोरडीडो,

हील्ल सोडें, अपार्टमेंट्स, बी-0 4,

फोन्टीन्हास, पणजी, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 189, दिनांक 1-3-1985)

यह घर नरॉबोटीम गोवा में है। इसका एरिया, 120 वर्ग मीटर्स है। मकान 1500 वर्ग मीटर्स का जगह में बना हुआ है।

एस० बालामुद्रामनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 22-10-85

मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० 1126/85-86—प्रतः मुझे एस० बाला सुभा-
मनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2917 है, तथा जो खडे बाजार, बेलगाँव में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 6-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
निबन्ध के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुहास समुद्रबीजय एकबोडे,
केअर आफ डी० ए० पाटिल,
बी० सी० 43, कदं, बेलगाँव ।

(अन्तरक)

2. द्रीपक अप्पासाद्रहेष, पाटिल,
बी, सी, 43, गेप, बेलगाँव ।

(अन्तरिती)

3. मंसर्स ए० बी० आर० कं०,
खडे, बाजार, बेलगाँव ।

(वस व्यक्ति जितने अभिनोग में सम्मति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 110, दिनांक 6-4-1985)

शेप बंगला खडे बाजार बेलगाँव में है। इसका एरिया
1483 वर्ग फीट है।

एस० बालासुबामनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

मोहर

प्रकाशित टी. एन. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० 1127/85-86--अतः मुझे एस० बालासुब्रामनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10.919/1 है, तथा जो ब्रमापुर, गुलबर्गा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुलबर्गा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच अंतरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धृत के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कटु देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्यावेनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार ध. म., उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ष 8—

1. श्री शंकर गोविन्दराव देशपांडे,
रिटायर्ड लेवे नौकर, ब्रमपुर गुलबर्गा। (अन्तरक)

2. श्री ए० बी० माली पाटील,
निवासी कुडलगु ग्राम, ताल्लुक जीवरगी,
जिला गुलबर्गा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2943, दिनांक मार्च, 1985)

यह मकान सम्पत्ति, ब्रमपुर गुलबर्गा में है। इसका एरिया 1325 स्क्वायर फीट है।

एस० बालासुब्रामनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 अक्तूबर, 1985

निवेदन सं० आई-3, 37-ईई, 17063/84-85--अनः मुसे,
एस० बालासुब्रामनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिरक सं० 101 है, तथा जो पणजी, गोवा में स्थित है

(और इससे उपावृत्ति अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलहास में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
5-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
युक्त यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
महँगी किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) एलिजीया फर्नान्डीस
(2) श्रीमती इशा मारीया फर्नान्डीस
निवासी मेख विव अपार्टमेंट्स, पणजी, गोवा,

(अन्तरक)

2. श्री राबुल डा० शील्वा बीगास,
श्रीमती बलयचि डी० शील्वा, बीगास
निवासी एका अरकेंडे, हिल्ला रोड,
बांद्रा, बोम्बे-4000500

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वतावेज, सं० 191, दिनांक 5-3-1985)

फ्लैट लेक विव अपार्टमेंट, शिशमार, पणजी गोवा में है।

इसका क्षेत्र 58 स्क्वायर मीटर है।

एस० बालासुब्रामनियम

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 22-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक ?? अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 1129/85-86—यतः मुझे एम० बालमुब्रमनियन
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 66 है, तथा जो V वार्ड दावणगेरे में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतर्गत के कवित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती देवीरम्ण पती एल० बी० नाडीगा,
वकील, पी० जे० बड़ावणो,
307 मैन रोड, दावणगेरे।

(अन्तरक)

2. श्री एल० प्रकाश यानी यल० बी० प्रकाश,
बाप माकषम्ण ईक भोल,
II-वार्ड, चीन्नगार गली,
दावणगेरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 7603 तारीख 15-3-1985)

खुली जगह, एम० सी० सी० ब्लाक,
दावणगेरे में है। इसका क्षेत्रफल ऐ.रया 40 × 20 फुट है।

एस० बाला सुब्रामनियम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख 22-10-1985

गोहर

प्रकाशित करने के लिए

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० 1130/85-86—यतः मुझे एस० बालासुब्रामनीयन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये
हो अधिक है

और जिसकी सं० 1/1 है, तथा जो ब्रमापुर गुलबर्गा में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुलबर्गा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
27-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
बाँट/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मन्दिता
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बंकटलाल गोपी कीशान,
किराना बाजार, गुलबर्गा।

(अन्तरक)

2. दी प्रेसीडेंट,
दी वीतुवरथ्या हीस बिल्डिंग को० प्रापेरेटिव
सोसायटी लिमिटेड।
मारवाडी गली, गुलबर्गा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाँच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 006 ता० 27-3-85)

खुला जगह ब्रमापुर गुलबर्गा, में है। इसका एरिया 5 एकड़
है।

बालासुब्रामनीयन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 22-10-1985

मोहर :

इसका आर्क.डी.एन.एच.-----

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त, 1985

निदेश सं० डी० आर० 44/37 ई०ई०—यतः मुझे एस०

बाला सुब्रमनीयन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उन्हें वर्णन में सूचना से लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी भूत या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सूचना से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णित :—

1. म० सीता असोसिएट्स,
फ०/2, इंदिरा अपार्टमेंट्स,
पणजि गोवा

(अन्तरक)

2. मिसेज मोनिका मेंडस,
सीता अपार्टमेंट्स
फस्ट फ्लोर, 33, झु रोड,
शांता क्रुज, बोम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डी०-292/37-ई०ई०-ता० 9-3-85)

प्लॉट नं० 4/एफ 1 अडमेरासित 110 वर्ग मीटर पणजि डोणो पाउल।

एस० बालासुब्रमनीयन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 22-10-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त, 1985

निर्देश सं० डी०आर०-3म9/37-ई०ई०—यतः मुझे एम०

बालासुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(1) अन्तरण का है किसी आय की भावना, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(2) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को अधिसूचित करता हूँ :—

22—356GI/85

1. मै० स्मीता एसोभिएट्स,
एफ०/2, इंदिरा अपार्टमेंट्स,
अल्बु करक रोड,
पणजि गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री परोरपरमपिल कोडी,
पो० ब० नं० 1244, मेजर 100 लैमशो,
(बाधा) सौशा साउथ अफ्रीका

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यस्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज डी० 293/37ई०ई० ता० 25-3-85)

प्लॉट नं० 23-म०-1, 110 वर्ग मीटर टोनका गोवा

एम० बालासुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 22-10-1985

मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रैंज-3 बम्बई,

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1985

निवेश सं० डी० आर०-349/37ई ई—अतः मुद्रा एस०
बालासुब्रमण्यम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है
और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
राजस्तीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजि गोवा में राजस्ती-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
25-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) सीता इस्टेट्स ।

एफ-2 इंदरा आर्टमेंट्स अनुसूचितारक रोड,
पणजि गोवा ।

(अन्तरक)

(2) मि० वास्टर्न ज० ज० बी० रोडोरेक्स

के०ओ उलास म० खालकेर,
सडीकेट बैंक, पणजि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० डी-294/37ईई तारीख 25-3-1985
प्लेट नं० 11/एफ-2 102, एस न्यू फीट टोन्का गोवा ।

एस० बालासुब्रमण्यम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज, बंगलूर

दिनांक 22-10-1985

मोहर :

इसका नाम टी. एच. एस. ----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयुक्त आयुक्त

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1985

निवेष्टी सं० डी आर-357/37ईई—अनः मल एस०

बालासुब्रह्मनियम

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजि गोवा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
18-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल का लिए अन्तर्गत का रहे है और भूत यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में
हासिल से कमी करने या उक्त सूचना में दूषित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
हासिल के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, के लिए :—

(1) अंजली एसोसिएट्स,
एफ-2 इंदिरा अपार्टमेंट्स,
अलबु करक रोड, पणजि गोवा।

(अन्तरक)

(2) डा० प्रियम कुमार परमार,
इ-8, अल्टोनी, पणजि, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादस्वरूप के
बाद लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी-295/37ईई तारीख 18-3-85)
प्लॉट नं० 4/51, 110 वर्ग मी० एड ईजास, गोवा।

एस० बालासुब्रह्मनियम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

मोहर :

इसका नाम: टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० डी० आर०-365/37ईई—अन: मुअ एस०

बालासुब्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० बाई० के० 7

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)

और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजी गोवा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16-1-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बराबर पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का
बराबर प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरांतियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय प्राप्ति
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बायल्व में करी कराने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) परस मारिया लेतिकुलो अंगन,
कारडूस गांता ईनिस पश्चिम गोवा।

(अन्तरक)

(2) मा० वस्को फिलोनेनो, फरनाडो,
पणजी, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ के विश्व
कार्यवाही करने हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्देशन में।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिये
गये हैं।

अनुसूची

(वस्तुतः सं० डी-295/37ईई तारीख 3-1-85)

प्लॉट न० बाई० के० 7 इन सखारबंजा अपार्टमेंट्स, 77
वर्ग मी०।

एस० बालासुब्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० डी आर-355/37ईई—अन: मुझे एस०

बालासुब्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में शामिल रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजी गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 10) के अधीन तारीख 18-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण न हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बांड/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) मे वि० सी० इन्वस्टमेंट एण्ड टी आर डि० प्रा० (पीप वी टी लि०) एक-2 इंदरा अपार्टमेंट्स, अलेब कर्क रोड, पणजी गोवा ।

(अन्तरक)

2) मती पार्वती डि० वाईक एण्ड अन्य सटि-इमक्ष टोनका अल्फानसो, अलेब कर्क रोड, पणजी गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में आई भी जांचें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(द० सं० डी-296/37ई, तारीख 18-3-1985)

चल्टा नं० 6, 7, और 8 सीट नं० 121 एड इल्लाम गोवा ।

एस बालासुब्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारणी में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रथम भाग, डी.एन.एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भाषा कर

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० डी० आर०/341/37ईई—अतः मुझे एस०

बालासुब्रमनियन

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजी गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विवक्षित करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पक्का प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन यह उद्देश्य के अन्तर्गत के आयुक्त से करी कराने या उसके अधीन में सूचना के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भव या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना नहीं था किताने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ष 1985—

(1) मेसर्स थॉमस कन्सट्रक्शंस,
मुम्बई बिल्डिंग, पणजी गोवा।

(अन्तरक)

(2) मि० नैटीन अल्मडा मुरज बहार,
प्लॉट न० 30ए एन सावत बिल्डिंग,
बम्बई-400005।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाही करने के लिए।

उक्त संघर्ष के अधीन के व्ययमान से कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के उद्देश्य से अन्तरण की तारीख से 45 दिन की अवधि या उक्त व्ययमान व्यक्तियों को सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक समय से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उद्देश्य से अन्तरण की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वशुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्थाधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

महसूस

(दस्तावेज सं० डी-228 /85 तारीख 14-3-85)
प्लॉट न० एफ 4 इन धार में टाईउन नियर डान बोरो
हाई स्कूल पणजी गोवा में मेजरिंग 93.27-99 वर्ग मी०

एस. बालासुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-10-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० डी आर-339/37ईई/—अतः मुझे एस०
बालासुब्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जवा कि अनुसूची में वर्णित है तथा जो
में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजि गोवा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सुपर ह्यिडार्स

हील कउन अपार्टमेंटम, नय्यर एस टी मेरिज हाईस्कूल
पोस्ट मापुसा ।

(अन्तरक)

(2) अर्थर कस्टेडियो रोडरिक्स,

अल्टीनो मापुसा गोवा :

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० मार्च/85 डी-287, तारीख 16-3-85)

प्लाट मेजरिंग 92.वर्गमी० एट अल्टीनो पास्ट लोक्यालिटी
मापुसा गोवा ।

एस० बालासुब्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज बंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

मोहर :

अक्षय भाट्ट, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० डी प्रार-350/37ईई-अतः मुझे एम० बाला
सुब्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अधीन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि आधार प्रमाणित, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजि गोवा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
25-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए धनराशि दी गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
व्यक्तिगत रूप से उचित रूप से विवरण दिया गया है

(क) अंतरक से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) पूर्ण भुगतान या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकट नहीं किया
गया है या किया जाना चाहिए था, विवरण के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जे० प्रार० तन्मदुक्कणम,
आर्माजेट बैंक आफ इन्डिया,
मीरामार, पणजि, गोवा।

(अन्तरक)

(2) मि० जे० एन० लुकी डिकास्टा,
के० ओ० मि० माक्स पिनो आनस्को टु डिकास्टा
नया बरन गार्डन।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि प्राद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेंगे।

व्यक्तिगत रूप से :—इसमें प्रत्येक व्यक्ति और पक्ष का, जो उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दफ्तारित सं० डी-286/पार्च/85 तारीख 25-3-85)

पणजि में जाकर पणजि गोवा में मीरामार पणजि,
पणजि 64 वर्ग फीट।

एम० बालासुब्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

मोहर :

प्रश्न बाई.टी.एन्.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० डी आर-358/37ईई/अतः मुझे एस०
बालासुब्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है
(और इसमें उपावृत्त अनुमृची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजी गोवा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
16-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सहित से कमी करने या उक्त करने के इच्छा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी भव या अन्य वास्तुके
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इस
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाया चाहिए था, जिसमें से सूचना
के लिए;

(1) प्रजलि एसोसिएट्स,
एफ-1, इन्दिरा अपार्टमेंट्स,
कास्टोनी.अलबुकर्क रोड, पणजी गोवा।

(अन्तरक)

(2) मि० अल्बर्ट सी अक्रान्सो और
मिस ललिता अक्रान्सो,
17 भारती अपार्टमेंट्स काजर रोड,
अंबेलि अंधेरी वेस्ट बम्बई (बम्बई)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्चन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्धारा 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होना जो उक्त अध्याय में दिया
जा है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी-297/मार्च/85, तारीख 16-3-85)
प्लॉट मेजरिंग 110.वर्ग मीटर कामत इस्टेट टोन्का
का राजामिन गोवा।

एस० बालासुब्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 22-10-1985

मोहर :

प्रश्न क्रमांक: टी. एन. एच.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सचना

1998

जीवाणुनाशक, सहायक मायकरो मायकरो (सुरक्षा)

अर्जन रेंज, बंगलें र

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० डी आर-३२३/३७ईई/—अतः मुझे एस०

लासूत्रमनियम

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
9-ख के अधीन पक्षपत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
है कि स्थान पर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
00,000/- रु. से अधिक है।

1. जमिनी संपत्ति का जवाब देना है तथा जो जमीन में स्थित है (और इससे उपायार्थ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजी गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जारी 5-3-1985

जो पूर्वीक सम्प्रतिष्ठ को अधिक व्यापक बनाने के काम के लक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और भूके यह निष्पात करने का कारण है कि यथापूर्वीक सम्प्रतिष्ठ का सचित बाजार मूल्य, उसके लक्ष्यमान प्रतिफल के लक्ष्यमान प्रतिफल का समूह प्रतिफल के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए बच गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बाधित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

ऐसी किसी त्राय या किसी भन या अन्य आस्तियों को चिन्ह भारतीय आचर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वाये चक्र नतीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपान यें सविभा के लिए;

अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
के अधीन, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेमर्स प्रोग्रेसिव फार्मर्स बिल्डर्स,
कार्टे डि० ओरीटर्स पणजि गोवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीधर ए० नाडकरणी ,
लोन्तीकर निवास अपोजिट को सं बे बिल्डिंग,
मा ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए निम्न कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उपगत सम्यग्ज्ञान के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना को प्राप्त करने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् अवधि की पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, का भी अवधि बाह में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हित-ग्रहण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अनोहताधारी की पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

समाधान :- इसमें प्रत्यक्ष बच्चों और बर्षों की, जो बच्चा अभियान के अन्तर्गत 20-क के परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगद्व्यापी

(वस्तावेज सं० डी-289/मार्च/85 तारीख 5-3-85)

प्लॉट नं० बी-4 फस्ट फ्लोर सर्वे नं० 67/2 2 प्लॉट
81 वर्गमीटर विलेज ग्राफ मांताकंज ।

एस० बालासूब्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

माहुर :

सूचना क्र. 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० डी आर-360/37ईई—अतः मुझे एस०

बालासुब्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन उक्त अधिकाारी को यह विज्ञापित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है
और इससे उपायय अन्तःसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजि गोवा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
25-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के निम्न अंतरित की गई है और मुझे यह विज्ञापित
करने का कारण है कि बंधनपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल की
उच्च प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी
(अंतरिकियों) के बीच से अंतरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विधित में
वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है—

(क) बन्धन से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दाखिल न करी करने या उक्त करने में बाधा
के निम्न; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रत्येकार्थ अंतर्ग्राही द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
बाधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
न, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बंधन है—

(1) कामन रीरल इस्टेट डेवलपर्स,
एफ/1, इन्विरा अपार्टमेंट्स कास्टीनो
अलबुर्क रोड, पणजि गोवा।

(अन्तरक)

(2) विस्वास राव बगल,
फेडरेशन फार रिसर्च एन्ड स्टडीज,
वासकोडा गामा गोवा।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियां कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्तत्तन्वी व्यक्तियों यह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि कम में कम हो जाती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के अन्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताकारी के पाठ
निहित में किसे या तर्कों।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी-291/मार्च/85 तारीख 25-3-85)
प्लॉट नं० एफ एफ/2 इन गामार अपार्टमेंट्स मेजरिंग
113 वर्गमीटर एट वास्कोडा गामा गोवा।

एस० बालासुब्रमनियम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

मोहर :

प्रश्न नं० टी.एन.ए.-----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बाबा लक्ष्मण

अध्यक्ष, सहायक बावकर बावक (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/2/एस० आर०-1/3-

85/860--अतः मुझे के० वासुदेवन

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी संख्या प्रो० नं० 3/65, है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और जिनमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विचार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिकी (अन्तरिकी) के बीच एक अन्तरक से लिए एक पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त या वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) बन्धुत्व से हुई किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसके बचने में सूचना के लिए और/वा

(ग) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तविक की जिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, जिनके में सूचना के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० लक्ष्मी कर्मा
तत्पश्चात् पत्नी श्री श्री पाल सिंह,
28, गार्डन पार्क,
आर० बी० धुनी चन्द रोड,
अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दिरा रानी,
पत्नी श्री राम गोपाल,
3/65, रूप नगर,
दिल्ली

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधियों पर सूचना की तारीख से 20 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें उक्त बाव और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 प्रेशन आफ प्रो० नं० 3/65, रूप नगर, दिल्ली, तादावी-19379 वर्ग गज

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 16-10-85

मोहर

प्रकाशित आर्.टी.एन.एल. 1985-86

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 17 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/2/37ईई/3-85/609

—अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी० आर०-26-ए, है तथा जो शालीमार
बाग, दिल्ली, डी० डी० ए० फ्लैट में स्थित है (आर० इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिपति के
कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम
1961, के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से,
ऐसे द्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्त-
रक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्त-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुनिता लिखा

पत्नी श्री रमेश सिंह,

निवासी बी-272, मजलिस पार्क,
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्दर कौर

पत्नी श्री भूपिन्दर सिंह,

बी० आर० 28-ए, शालीमार बाग,
दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष 4—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों यह
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी० आर० 28-ए, शालीमार बाग, दिल्ली
डी० डी० ए० फ्लैट एल० आई० जी० तादावी-45 वर्ग मज

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख 17-10-85

आह्वार

प्रकृत बाई.टी.एन.एस.-----

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

महायुक्त

कार्यालय, महायुक्त भाषाकरण (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/2/37ईई/3-85/610—

अतः मुझे के० वासुदेवन

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत
इसके पदवाचक 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 15/1416 है तथा जो मन्तरासन पहाड़
गञ्ज नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अतिसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय अर्जुन
रंज-2 नई दिल्ली। भारतीय आयुक्त अधिनियम 1961 के
अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्वान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायित्वान प्रतिफल से, ऐसे दायित्वान प्रतिफल के
पक्ष में प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्देशन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाय
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषाकरण अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
करण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाय चाहिए था, छिपाने में सहाय
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्रीमती विद्या देवी
तपनी श्री कस्तुरी लाल
निवासी आर-749 न्यू राजेन्द्र नगर
नई दिल्ली
कुमारी अल्का अग्रवाल
सपुत्री स्व० श्री कस्तुरी लाल सुरा
माता यू० जी० विद्या देवी

(अन्तरक)

(2) श्री रेश चड्ढा (पु)
श्री यशपाल
निवासी सी० वी०/1416
मन्तरासन पहाड़ गञ्ज दिल्ली

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हितवादी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाठकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एफ० वी०/1416 तादादी-88 वर्ग गञ्ज मन्तरासन पहाड़
गञ्ज नई दिल्ली

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त भाषाकरण आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख 17-10-85

मोहर

प्रकाशक: टी. एन. एच. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली तारीख 17 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-85/611—

अतः मुझे, के० वासुदेवन

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2 है तथा जो लाल कोटि 3830 पटोदी हाऊस दरिया गंज दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-पति अधि-कारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, उस व्यवसाय प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरण (अंतरणों) और अंतरण (अंतरणियों) के बीच एक अंतरण के लिए सब पक्का गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में पारस्परिक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के बावजूद भी कम कर देने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तिगो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रानी विद्या मेहरा
और श्रीमती रानी विद्या मेहरा
निवासी 9/18 माडन टाऊन
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जय चन्द जैन
और श्री सुमात प्रभाद
1619/12 उलदान पुरा
नवीन शाहदरा दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वसुदेवन

फ्लैट नं० 2 बरसाती फ्लोर लाल कोटि 3830 पटोदी
हाऊस दरिया गंज नई दिल्ली तादावी-312 वर्ग फिट

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 17-10-85

मोहर :

प्रमाण, आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-85/612--

अतः मुझे के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चय करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेस नं० जी-28, है तथा जो 3, ओल्ड
रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापेक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
बाधित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

24—356GI/85

(1) मै० एम० श्री० मेल्स प्रा० लि०,
बिन्डर्स एन्ड प्रोमोटर्स, यू० बी०-1, अन्मल भवन,
16, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कपिल राजपाल
सुपुत्र श्री सवदेश कुमार राजपाल,
निवासी-6/29, ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इन्डिस्ट्रियल स्पेस नं० जी-28, ग्राउन्ड फ्लोर, (प्रोपो-
जिड) सिन्डीकेट, हाऊस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली, तावादी
235 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-85
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकयु०/2/37ईई/3-85/613—

अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 112, प्लॉट नं० ए-2, है तथा जो शिवलोक हाऊस, नजफगढ़ रोड, मिलन सिनेमा, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आर्थिक की बावत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुनील नरला
पुत्र श्री के० आर० नरला
84, बस्ती हरफूल सिंह,
सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री इन्दरजित ठुकराल
पुत्र श्री हंशराज ठुकराल
8/42, मोती नगर,
नई दिल्ली।
2 श्री किशन चन्द पुत्र
श्री खुशी राम, निवासी एफ 260,
सुदर्शन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 112, प्लॉट नं० ए-2, शिवलोक हाऊस, नजफगढ़ रोड, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, विपरीत मिलन सिनेमा, नई दिल्ली, ताबादी 223.04, वर्ग फिट।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-85

मोहर:

सहायक आयकर अधिकारी (निराकरण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निराकरण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-85/614-

अतः मुझे के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 304 है तथा जो ए-5 और ए-6
रनजीत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके समान प्रतिफल से, ऐसे समान प्रतिफल का पक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरक के बिना तब बाधा का प्रति-
फल विनियमित होवे से उक्त अन्तरक विहित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी बात की बाधा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उक्त कमी से सुविधा के बिना
और/वा

(ख) किसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को; जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-
तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के द्वारा निर्धारित अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, विधान में
(सुविधा के बिना)।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० विष्वा प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०,
चौथी मंजिल, सटीला हाउस,
73-74, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राम प्रकाश अग्रवाल
और श्रीमती पुष्पा देवी,
23/145, जेमोनी मन्डी,
आगरा।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिना
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसके भी व्यक्तिगत पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्ध 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अन्ध में दिये
गये हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 304, ए-5 और ए-6, कम्युनिटी सेन्टर,
रनजीत नगर, नई दिल्ली तावादी-692 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 17-10-85

ओहोर :

प्रकाश नार्.टी.एन.एव-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
 भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आर्.टी.एन.सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-85/615—

अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेस नं० बी-8, है तथा जो 7, राजपुर
 रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन
 रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के
 अधीन तारीख मार्च-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल

के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
 अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित :—

(1) मै० अन्सल प्रोपर्टीज और इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०
 115, अन्सल भवन,
 16, कस्तुरबा गाँधी, मार्ग,
 नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री हेम चन्द महेश्वरी
 ए-डी/82बी, शालीमार, बाग, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

स्पेस नं० बी-8, बिल्डिंग नं० 7, राजपुर रोड, दिल्ली,
 तादादी—500 वर्ग फिट ।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 17-10-85

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 17 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/2/37ईई/3-85/616--

अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका स्पेस नं० बी-1, प्लॉट नं० 2, है तथा जो ओल्ड रोहताक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिवार के कार्यालय अर्जन रोज-2, नई दिल्ली, भारत में आयकर अधिनियम 1961 के अधिनियम तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिवार :—

(1) एलाई इन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
जो-5, 92, दिपासा, नेहरू पलेस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० आर० चावला,
6ए/34, उब्ल्यू ई० ए०, करोल बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेन्ट स्टोरेज स्पेस नं० बी-1, तादादी-295 वर्ग फिट,
एम्माईड हाऊस, प्लॉट नं० 2, ओल्ड रोहताक रोड, विपरीत
शाहजादा बाग, दिल्ली

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 17-10-85

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाउत सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 18 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-85/617--

प्रतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सख्या फ्लैट नं० ई-बी/172, है तथा जो राजोरी
गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूचि
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अंतर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
न्यून प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यवहार में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

नोट: क्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विरेन्द्रा कुमार सिंगल,
सी-14, ग्रेटर कैलाश इनक्लेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रविधीमान किशन कुशु
निवासी एच-64, कीर्ती नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करा जाता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उपलब्ध फ्लैट नं० ई-बी/172, राजोरी गार्डन, नई
दिल्ली।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-10-85
मोहर :

प्रमुख कार्य.टी.एन.ए.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, तारीख 18 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/3-85/618—

प्रति: मुझे के० वासुदेवन

भाषाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन तत्काल प्राधिकारी की यह विषयवस्तु करने का
कारण है कि स्वायत्त समिति, जिसका अधिनियम द्वारा मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मर्यादा स्पेस नं० जी-15 है तथा जो 3, ओल्ड
रोहताक, रोड दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयुक्त अधिनियम 1961
के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के अधिनियम द्वारा मूल्य से कम के अन्तर्गत
प्रतिफल के लिए मर्यादा की गई है और मुझे यह विचार
करने का कारण है कि वस्तुपूर्वक समिति का अधिनियम द्वारा
मूल्य, उसके अन्तर्गत प्रतिफल से ऐसे अन्तर्गत प्रतिफल के
एक प्रतिशत से अधिक है और संरक्षण (संरक्षणों) और संरक्षी
(संरक्षितियों) के बीच ऐसे संरक्षण के लिए इस बात का प्रति-
फल, निम्नलिखित अन्तर्गत से उक्त संरक्षण विधि में वास्तविक
रूप से अभिहित नहीं किया गया है।

(क) संरक्षण से हुई किसी बात की बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के संरक्षण के बाधित
में कमी करने या उक्त करने में अधिनियम के प्रा-
धान्य/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत मर्यादा द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया गया प्राप्ति या, जिन्हें के
अधिनियम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० एस० बी० सेल्स, (प्रा०) लि०,
बिल्डर्स एंड प्रमोटर्स,
यु० बी-1, अन्सल भवन,
16, कस्तूरबा गार्डें, मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० रोशन लाल खेम चन्द (एच० यू० एफ०)
और श्री राकेश कुमार गुप्ता
सी/प्रो मै० रतन लाल जगदीश चन्द,
ए० सी० सी०, सिमेन्ट, स्टाकिस्ट,
एन० यू० एच० जिला गुडगाव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वायत्त समिति में हिस्-
सद्वत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादकारी को
पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

सहायक—इसके प्रमुख कार्य और नवीं का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित
है, नहीं करे होता है यह अन्तर्गत के अन्तर्गत
गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल स्पेस नं० जी-15, प्राउन्ड फ्लोर, प्रोपोजिड
बिल्डिंग, सिन्डीकेट हाऊस 3, ओल्ड रोहताक रोड, दिल्ली,
तादावी-88 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-10-85

मोहर :

प्रकृत बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/37ईई/3-85/619---

अतः मूख के० वामुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका मूल्यांकन एफ० एफ०-17 है तथा जो 3, ओल्ड रोहतक दिल्ली में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधिनियम तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) मै० ए० बी० सेल्स (प्रा०) लि०
विल्डर्स एन्ड प्रोमोटर्स यु०-व० 1, अन्सल भवन,
16, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश अरोड़ा
पुत्र श्री बी० एस० अरोड़ा,
सां/प्रो कोमेट इलेक्ट्रॉनिक इन्डस्ट्रीज, ए-18,
जो० टी० करनाल रोड,
इन्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त अधिनियम के अधिनियम के लिए कार्यवाहियां कइवा हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके पश्चात् की अवधि में सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल स्पेस नं० एफ० एफ०-17, पहली मजिल प्रोपोजिड बिल्डिंग, 'सिन्डीकेट हाऊस' प्लॉट नं० 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली, ताबादी-320 वर्ग फीट।

के० वामुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-10-85

माहूर :

प्ररूप आई. पी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 18 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-85/620--

अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 307, ई तथा जो 3, ओल्ड
रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अतः, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
परिभाषा अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (2)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

25—356GI/85

(1) मै० ए० बी० सेल्स (प्रा०) लि०,
विर्जिन पन्ड प्रोमोप्स,
यू० बी०-1, अन्धल भवन,
16, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रानी महलोत्रा
और मास्टर अनून महलोत्रा,
मी०/ओ 320, कम्प्लेन्ट हाऊस,
प्लॉट पलेस, नई दिल्ली

(अन्तरास्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवाते हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाह्वनाक्षरी या
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

इन्सिस्टियुट फ्लैट नं० 307, प्रोपोजिड विलिङ्ग, 'मिन्डीत'
फ्लैट हाऊस, प्लॉट नं० 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली, तादादी-
335 वर्ग फिट

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 18-10-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/2/35ईई/3-05/621--

अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उद्देश अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० एफ० एफ०-4 ई तथा जो पी० टी०
करनाल रोड, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के
कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधि-
नियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वाका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मै० बीकेयू मार्केटिंग
सी०-12, फ्रेंड्स कालोनी,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

- (2) मै० पतवन्त सिंह एन्ड सन्स (एच० यू० एफ०)
35/71, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी० एफ० एफ०-4, दिलखुश इन्डस्ट्रियल इस्टेट,
जी० टी० करनाल रोड, आजादपुर, दिल्ली, तादादी-885 वर्ग
फिट

के० वासुदेवन
मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-10-85
मोहर

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-85/622-

अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या फ्लैट न० 103, ए-6 और ए-6, है तथा
जो कम्पनिटी सेंटर, रमजित नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० विश्वा प्रोपर्टिज (प्रा०) लि०;
चीथी मजिज, मटीला हाऊस,
73-74 नेहरू प्लेस,
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा डिंगरा और
जै० सी० डिंगरा (एच० यू० एफ०)
आर-523, न्यू राजेन्द्रा नगर,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट न० 103, मल्टी-मटोरी बिल्डिंग, ए-5 और ए-6,
कम्पनिटी सेंटर, रमजित नगर, नई दिल्ली, तादादी-497 वर्ग
फिट

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-10-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-85/623

—अतः मुझे के० वासुदेवन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे पहले इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या प्लेट न० जी०-30 है तथा जो 2, ओल्ड रोहतक रोड, शाहजादा बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य इसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक बाधा बना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आविर्भाव से कमी करने या उससे यथन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के, और उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1) मै० एलाईड कन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
5/92, बपाली, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री के० एस० सरीन
और श्रीमती पुष्पा सता,
निवासी 347, लाजपत नगर,
जालन्धर सिटी, पंजाब

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधनः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल प्लेट न० जी०-30, तादादी 278 वर्ग फट,
एलाईड हाऊस, 2, ओल्ड रोहतक रोड, बपरीत शाहजादा बाग,
दिल्ली

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-10-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 18 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/क्यू०/3/37ईई/3-25/624

—अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या 167, डी० डी० ए०, है तथा जो फ्लैट
एम० आई० जी० राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में दृष्टि
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनों के अंतर्गति हुआग धारा में सूचित किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
की लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री च० ल० गुप्ता
2ए, ए० जी० सी० आर०,
इकनलेव, आई० पी० एक्सटेंशन,
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विना घुमर,
16, एल० आई० जी०, मायापुरी,
दिल्ली गार्डन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करा रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

167ए, डी० डी० ए० फ्लैट (एम० आई० सा०)
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, तादादी-950 वर्ग फिट

के० वासुदेवन
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 18-10-85
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/2/37ईई/3-35/625---

अतः मुझे के० बासुदेवन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन संपत्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्या बी० जी० एफ०-5, अन्वय स है तथा जो
दिलखुश इन्डस्ट्रियल इस्टेट, जी० टी० कारनाल रोड, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई
दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख
मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्गमनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री एम० एन० कपूर,
श्री श्री एम० पी० ओबराय,
निवासी-24, फेज रोड,
कारोल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मै० अनुतक इलैक्ट्रॉनिक,
37-डी० एम० आई० डी० सी०, न्यू बजिर पुर
इन्डस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स,
दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
ही है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बी० जी० एफ० 5, अन्वय स, दिलखुश इन्डस्ट्रियल
इस्टेट, जी० टी० कारनाल रोड दिल्ली, तादादी-868, वर्ग
फिट

के० बासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 18-10-85

मोहर

प्रकाशित: टी. एन. ए. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-8/626—

अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 118, है तथा जो पहली मंजिल, प्लॉट नं० 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सूचना को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भारत में धर्म, विषयों में संबंधित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सै० एम० बी० मेहन 'म (प्रा०) लि०,
यू० बी०-1, अन्मल भवन,
16, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुशुम सुराना
पत्नी श्री चन्द्रा मिह सराना,
2, नार्थ एवेन्यू,
आई० आई० टी०, कैम्पस होज खाम,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अन्तर्गत क निर्णय कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल फ्लैट नं० 118, पहली मंजिल, प्लॉट नं० 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली, तादादी-320 वर्ग फिट ।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-10-85.

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. ए. ए. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/2/37ईई/3-85/627—

अतः मुझे, के० वासुदेवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 202, ए-37-38-39 है तथा जो कम्युनिटी सेन्टर, डा० मुकर्जी नगर, दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अभिलेखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद भी कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य भास्तिता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

(1) श्री कमलजित सिंह बाग्गा,

43, रे : बोम रोड,

देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनय कुमार अग्रवाल,

मास्टर रावीन अग्रवाल

यु/जी श्री विनय कुमार अग्रवाल,

कुमारी राधशी अग्रवाल

(यु/जी श्री विनय अग्रवाल)

कुमारी स्तुती अग्रवाल,

(यु/जी श्री योगीराज अग्रवाल)

मास्टर राघव अग्रवाल (यु/जी श्री योगीराज अग्रवाल), 7/18, रूप नगर,

दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाजोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ज़बोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्षा होगी जो उस अध्याय में बिना तब्दा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, दूसरी मंजिल, तादादी 566, वर्ग फिट, ए-37-38-39, डा० मुकर्जी नगर, दिल्ली, कम्युनिटी सेन्टर ।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 18-10-1985

माहूर :

मुख्य बाहरी टी. एन. एम. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा
भारा 269-ग (1) की अधीन सूचना

भाषा संरक्षण

कार्यालय, सहायक भाषाकार (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश नं० आई० ए० सं०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/3-
85/847-अन: मुझे के० वामुदेवन

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका मूल्यांकन नं० 496ए, ओल्ड है तथा जो
यु० नं० 917, कुचा काबिल अख्तर, चांदनी चौक, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपायद्व अनुधुवः में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार/ता अधिपति के कार्यालय नई दिल्ली में भारत.य
रजिस्ट्रार/करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन
तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि मध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-
रणी (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय बाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के
वास्तव में कमी करने या उसके करने में बाधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भाषाकार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरीती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
बाधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ग के अनुसार
जो, मैं, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

26-356GI/85

(1) श्री देवाचरण दास सेठ
पुत्र श्री राम चरददास सेठ,
निवासी कटरा नाल गली,
उज्जाना, चांदनी चौक, दिल्ली

(अन्तरिक)

(2) श्री प्रियाम लाल
पुत्र श्री गणेश दास,
निवासी 7/4, अशोक नगर,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राह्यताधारी के बाव
लिखित में किसे या सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

समूची

ए. उ. मलान लाल मजिना पुष्पा दरोवस्त बमय सहित आगजी
लगभग 85 वर्ग गज, बमय रुनेकशन नल बिजली प्रो०
भुतपूर्व नं० 396ए, वर्तमान नं० 917, जो गली तलेवा कटरा
नाल, कुचा काबिल अख्तर, चांदनी चौक, दिल्ली

के० वामुदेवन

सहायक प्राधिकारी

सहायक भाषाकार आयक (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-85

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निराक्षर)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एकमु०/2/एस० आर०/3-85/

848—अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आधिकारिक सख्ता प्लॉट न० 5, खसरा न० 490/68, है तथा
जो 40/78 और 401/77, माना इनके ग्राम धीरपुर
दिल्ली में स्थित है (और इसे उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिनियम के कार्यालय नई दिल्ली में
भातिय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधिनियम तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पूर्वोक्त दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एकांजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था रिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री नानक चन्द

पुत्र श्री दिवान चन्द,

निवासी एफ 252, न्यू राजेन्द्र नगर,

नई दिल्ली

(अन्तरण)

(2) श्रीमत् नॉरिन एम० मार्शीश

पत्नी श्री प्रताप चन्द मलिक,

229, कल्याण विहार,

दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 5, तादाद, 301 वर्ग मिटर, नानक इनक्लेव
ग्राम धीरपुर, दिल्ली, खसरा न० 490/68 400/70 और
401/71, प्लॉट न० 10/37 हडबक न० 19।

के० वासुदेवन

सहायक प्राधिकारी

उदाहरण आयकर आयकृत (निराक्षर)

अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-85

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० नं०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/-

3-45/849—आ: सुखे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्रौ० नं० 3601 से 3603, हैतवा जो
चावड़ी बाजार, दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपरोक्त
अनुपुत्र में पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नलिखित अधिधार के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय राजस्वकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधिनियम तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनिल माता जैन
(2) श्री रवि कुमार जैन पुत्र
श्री मेहतालाल राय जैन,
1223, मन्दिर भवन चलिस्त,
दिल्ली;

(अन्तरक)

(2) सरदार राम सिंह कोहलाल
और सरदारों हरनाम कौर दूस्ट,
11, अग्रत शोगिल मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बनी हुई प्रौ० नं० 3601 से 3603, चावड़ी बाजार,
दिल्ली-6, सादादा-175 वर्ग गज

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-85

मोहर :

प्रकाश नम्बर टी. एन. एन. ३३३३

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(ग) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर० 1/3-85/850—अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या प्रौ० न० क्यू०/63 (वी) है तथा जो राजौरी गार्डन, एरिया बसई दारापुर, दिल्ली-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) कदाचित्त कि किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को धारित में उनी करने या उचित करने में सविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसे किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तियों को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जिनमें से सविधा के लिए ।।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) कैप्ट० जर्मल बी० के० कोलि
पुत्र श्री देश राज कोहला,
क्यू/63, राजौरी गार्डन
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता हरनाल
पत्नी श्री जे० एम० हरनाल,
निवास: सं०-9, टैगोर गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।।

अनुसूची

प्रौ० न० क्यू०/63, (वी) तादादी 83-73 वर्ग गज,
कालोनी, राजौरी गार्डन, एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली,
स्टेट दिल्ली

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-85

मोहर :

एक्यू आर्.टी.एन्.एड.-----

जातकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/2/एम० आर०-1/

3-85/851—अनः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० सी०-139, है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधीकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंशक (अंशकों) और अंतरिती (अंतरितीतवों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए ठब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी अन्य की बाबत, उक्त अधिनियम में वर्णित कर वषों के अनुक्रम के अन्तर्गत में कभी कब्रों या उक्त वषों में वृद्धि के किसी अर्थ/या

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जिसमें से सूचना भी मिले;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :-

(1) श्रीमती प्रीतम कौर
पत्नी स्व० श्री राजेन्द्र द्वारा अटारनी,
श्री अजित सिंह मदान,
निवासी सी-139, कीर्ती नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री हरीश कुमार साधना
पुत्र श्री मदन गोपाल साधना,
निवासी 29/101, वेस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाकी :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाऊस एस० एस०, प्लॉट नं० सी० 139, तावारी 300 वर्ग गज, कीर्ती नगर, एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-85
मोहर :

प्रकाशक: डी. एन. ए. -----

आवक्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० आर-1/3-85-

852—अतः मुझे के० वासुदेवन

आवक्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन प्रत्येक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 150-ए, ब्लॉक जे० है तथा जो राजौरी गार्डन, एरिया बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल के पक्ष प्रविष्ट से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिणी (अंतरिणी) के बीच एक अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की राकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के अधिकार में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भूगर्भ या अन्य जाति की को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री (1) गुरुचरण सिंह
(2) श्री हरचरण सिंह
(3) गुरुदीप सिंह,
पुत्र श्री ठाकर सिंह,
निवासी जे/150-ए, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० प्रीत सिंह
पत्नी डा० प्रीत सिंह चावला,
निवासी एक 25 राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तक्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० एस० हाऊस, प्लॉट नं० 150ए, ब्लॉक जे०
तादावी 300 वर्ग गज, राजौरी गार्डन, एरिया ग्राम बसई दारा-
पुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली

के० वासुदेवन

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-85

मोहर

इसका बाई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/एन० आर०/-1/-

3-85/854—प्रतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिन्ते इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ओरजिसकी संख्या सी-31, है तथा जो मंजिल पार्क, दिल्ली में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुपूजो में पूर्ण रूप से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कभी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा की जाये; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जमा किया जा रहा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था अधिनियम में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शकुन्ता देवी
पत्नी श्री रमेश प्रकाश गुप्ता,
ग्राम और पोस्ट आरिफा गल्ला,
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विना दाहल
पत्नी श्री कृष्ण कमल दाहल,
निवासी-4/1 ए, विजय नगर,
दिल्ली

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां कराए गए हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नवीकरणः—इसने प्रयुक्त सबको और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुप्रा

प्रो० नं० सी-31, मंजिल पार्क, तादादो-111 वर्ग
गज, एरिया ग्राम भड़ोवा, खारा नं० 262/258/217/4,
दिल्ली

के० वासुदेवन
पञ्चम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-85

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्चू०/2/एस० आर-1/1-3-85/855—अतः मुझे के० वासुदेवन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 2, ब्लॉक 21, है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अविहार के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पुष्पा कपूर
पुत्र श्री पूरन चन्द मेहरा
पत्नी श्री मन मोहन कपूर,
निवासी 21/26, शक्ति नगर,
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार गुप्ता
पुत्र स्व० श्री पोद्दुकर मल गुप्ता
निवासी-13-13, शक्ति नगर,
दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 26, तादात्री 1493.24 वर्ग फिट, ब्लॉक 21, कालोनी शक्ति नगर, रोड-नारा एकवटेशन, स्कीम सक्की मन्डी, दिल्ली

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-85
मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/

3-85/856—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 26, ब्लॉक 21 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की, वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित हो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

27-356GL/85

(1) श्रीमती पुष्पा कपूर पुत्री,
श्री पुरन चन्द मेहरा,
पत्नी श्री मन मोहन कपूर
निवासी-21/26, शक्ति नगर,
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र प्रकाश अग्रवाल
पुत्र स्व० पोत्कर मल गुप्ता,
निवासी-बी-3/59-सी, चारेंस रोड,
दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिये गये हैं।

अनुसूची

प्लॉट नं० 26, तादादी-746.76 वर्ग फीट, ब्लॉक नं० 21, कालोनी शक्ति नगर, रोशनारा एक्स्पेंशन सकीम मन्जी मन्डी, दिल्ली।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

प्रकृष्य आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/एस-आर-1/
J-85/857—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 4596/7 है तथा जो 11, दरिया गंज,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गुण्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उचित करने में सुविधा
ने लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :—

(1) श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल,
पुत्र स्व० श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल,
4596/7, 11, दरिया गंज
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अमीर होटल्स लि०,
4830/24, अन्तारी रोड, दरिया गंज,
नई दिल्ली,
द्वारा डायरेक्टर श्री बी० एन० पेगारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बध्नाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस बध्नाय में दिया
गया है।

व्यसूची

दूसरी मंजिल, प्रो० नं० 4596/7, 11, दरिया गंज,
नई दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख : 16-10-1985]

मोहर :

प्ररूप वाक्य, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/

3-85/859—अतः मुझे, के० वासुदेवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या हाऊस नं० 18, ब्लाक ई है तथा जो,
गुरु नानक रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली, ग्राम भड़ौला, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च-85

का प्रकाश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल पर लागू करों के दायरे में आने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पया गया प्रति-
फल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्विपक्ष में कभी कल्प या उक्त कल्पों में दूविधा
के लिए; और/या

(ग) इसी किसी आय या किसी जन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों के नाम हैं—

(1) श्री सुशील कुमार महलोत्ता पुत्र
श्री नाथु राम महलोत्ता,
निवासी-ई-18, गुरु नानक रोड़, आदर्श नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह पुत्र
श्री भावा सिंह और,
श्री सुरजीत सिंह पुत्र,
श्री एस० प्रीतम सिंह,
निवासी डी० 48, लार्ड कृष्णा रोड़,
आदर्श नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बन्धन 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस बन्धन में दिया
गया है।

पनुसूची

हाऊस नं० 18, ब्लाक ई, तादावी-120 वर्ग गज,
खसरा नं० 262/258/217/4, गुरु नानक रोड़, आदर्श
नगर, दिल्ली-33, ग्राम-भड़ौला, दिल्ली।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख: 16-10-1985
मोहर:

प्रकाशित आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई-दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० जैसी०/एम्पू०/2/एस-आर-1/
3-85/860-ए-अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 3/65 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इसके उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मार्च-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डब्लू-बी कमलेश्वर अशोक कुमार तलवार रिटायर्ड
पुत्र स्व० श्री अमर नाथ तलवार,
निवासी 12/11, डबल स्टोरी, रमेश नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री घमेश कुमार
(2) श्री प्रदीप कुमार और,
(3) श्री संजय कुमार
पुत्र श्री राम गोपाल,
लोकल पता 3/65, रूप नगर,
दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही में करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

पोशन मकान नं० 3/65, रूप नगर, दिल्ली म्यूनिसिपल
नं० 11119, तादादी 193.79 वर्ग गज ।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख : 16-10-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई-दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/
3-85/860 बी०--अतः मुझे, के० वासुदेवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 3/65 है तथा जो रुप नगर
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
कोई/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित हूँ--

(1) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी,
स्व० श्री अमर नाथ,
निवासी-12/11, रमेश नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री घमेन्द्र कुमार
(2) श्री प्रदीप कुमार
(3) श्री संजय कुमार,
निवासी-3/65, रुप नगर,
दिल्ली।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी दावेदारी

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्भन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के साथ
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रोसन आफ प्रौ०प्लॉट नं० 3/65, रुप नगर, दिल्ली,
निसिपल कॉर्पोरेशन नं० 11119) तादादी-193.79
गज।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/
3-85/860-सी-अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 3/65 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरिन्द्र कुमार तलवार द्वारा विंग कमांडर श्री अशोक कुमार (रिटायर्ड) पुत्र स्व० श्री अमर नाथ तलवार, निवासी-12/11, डबल स्टोरी, रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री धमेन्द्र कुमार
(2) श्री प्रदीप कुमार
(3) श्री संजय कुमार
पुत्र श्री राम गोपाल,
निवासी-3/65, रूप नगर,
दिल्ली,।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हां, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोसन आफ प्रौ० लाट नं० 3/65, रूप नगर, दिल्ली,
(म्यूनिसिपल नं० 11119) तादादी-193.79 वर्ग गज।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 16-10-1985
मोहर:

प्रकृष आर्इ. टी. एन. एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आर्इ० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/

3-85/862--अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रो० नं० 483 (न्यू) है तथा जो 287 (ओल्ड) गली जिनत बारी काश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिम्मेदारी अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च-85

में प्रयुक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्गत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए था। अन्तरण से उचित बाजार मूल्य के लिए;

आ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मिलावर वार्डे पत्नी,
स्व० गोला राम,
निवासी 483, गली जिनत बारी,
काश्मीरी गेट, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार पुत्र
श्री श्याम लाल,
1250, छोटा बाजार, काश्मीरी गेट,
दिल्ली, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी धरके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्कालिकी व्यक्तिगत पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डबल स्टोरी प्रो० नं० 483 (न्यू) और 287 (ओल्ड) बार्डे नं० 1, तादादी-85 वर्ग गज, गली जिनत बारी काश्मीरी गेट, दिल्ली ।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आ० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/

3-85/863—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 30/37-ए है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

तब जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरनदिवाया मल,
30/37 ए, वेस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निलम भल्ला
30/37-ए, वेस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली-4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्वार्टर नं० 30/37-ए, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/

3-85/864—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 16/18 है तथा जो पंजाबी बाग, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मार्च-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे. में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा 1
के अधीन निम्नलिखित अ. नसब, अधिनियम :—
28—356GI/85

(1) श्री एस० अमरजीत सिंह,
श्री मुरजीत सिंह और,
श्री एस० नरिन्दर सिंह
पुत्र स्व० श्री श्रवन सिंह,
निवासी-16/19 पंजाबी बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री वलदेव राज गुलाटी पुत्र,
स्व० श्री चुन्नी लाल गुलाटी और,
श्रीमती सुजाना गुलाटी पत्नी,
श्री इन्दरजीत गुलाटी,
निवासी-16/19, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से सीव्या द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं०-16/19, एरीया ग्राम-बसई दारापुर, आबादी
पंजाबी बाग, नई दिल्ली

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-प्रार-1/

3-85/866—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या हाऊस नं० एस-10, है तथा जो शिवाजी पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च-

85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती कनवल भण्डारी पत्नी,
श्री भणोक कुमार भण्डारी,
एच-93/3, और एच-10, शिवाजी पार्क,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुम गोयल पत्नी,
श्री निरन्जन कुमार गोयल,
एच-94/8, शिवाजी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाऊस नं० एस-10, तावादी-45 बर्ग गज, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली-26।

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

अधिनियम 1985-ए. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर विभाग

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1,

3-85/887—प्रतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रो० नं० 12/8428-32 है तथा जो
रोशनारा रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम 1985-ए. ए. ए.

(1) श्री सन्तोष सिंह पुत्र,
श्री एस० गोन्डा सिंह,
निवासी-12, जैना बिल्डिंग, रोशनारा रोड,
दिल्ली, ।

अन्तरक

(2) श्री पला सिंह
(2) श्रीमती बसन्त कौर,
(3) श्री जनक सिंह और,
मन प्रीत सिंह
(4) श्रीमती मोहिन्दर कौर
(5) श्री जसवीर सिंह
(6) श्री सन्तोष कौर,
(7) श्री अमरजीत सिंह गार्डियन,
साईनर सन सोवियर सिंह
(8) श्री बलदेव सिंह
(9) श्रीमती सुशील कौर,
(10) श्री राजेन्द्र सिंह
(11) श्रीमती दिपिन कौर
(12) श्री जगबिन्दर सिंह,
आल निवासी-7/14, रूप नगर,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

बनी हुई प्रो० नं० 12/8428-32 (न्यू) तादावी-
379 वर्ग गज, रोशनारा रोड, दिल्ली ।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

प्रकाश नम्बर: सी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/

3-85/868—अतः मुझे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या शा. नं० 70, गोब्रला मार्केट, है नया
जो दिल्ली में स्थित है (यों-इन-डाक्ट अतुलनी में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), निम्नलिखित अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रयोग, तारीख मार्च-
85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-
स्ति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
पुस्तिक रूप से कांथत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधि-
नियम की अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरित किया प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री गुरुबैश सिंह ठारा,
जनरल स्टोरानो श्री बलदेव राज राहिजा,
पुत्र श्री मन्त राम
निवासी-गाँव नं० 3618, मोरी गेट,
राहिजा टेलर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी पत्नी
श्री पी० एल० बनरा,
निवासी सी-2/13, अशोक विहार फेज-2,
दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी बनी हुई शा. नं० 70, गोब्रला मार्केट,
दिल्ली, तादारी-508 वर्ग फीट।

के० वामुदेवन

प्रथम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 16-10-85

मोहर:

प्रकाश आइ.टी. ए.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/3-85/869—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन अध्याय अधिकांशों का जो विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 213, ब्लाक एफ है तथा मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में अंतर्गत किया गया है), एजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) को जैन के अपने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अन्तरित किया गया है—

अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायदश में कमी करने या उक्त अन्तरण में परिवर्धन के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्याय अन्तरिती द्वारा प्रकाश नहीं किया गया या किता जाता या हिण्डा, जिसमें से सूचिका के लिए।

(1) श्री यशपाल बतारा पुत्र श्री कुन्दन लाल बतारा, निवासी ए-20, कीर्तिका नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री कैलाश चन्द्र चड्ढा पुत्र श्री मदनलाल चड्ढा और श्रीमती सुतोष चड्ढा पत्नी श्री कैलाश चन्द्र चड्ढा, निवासी 331, प्रैस स्ट्रीट, सदर बाजार, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त संपत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्तोक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रकाशित प्रतीक और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 213, ब्लाक "एफ" तादादी-369 वर्ग मानसरोवर गार्डन, एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

के० वासुदेवन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक 16-10-1985
मोहर

प्रारम्भ भाग, बी.एन.एन.-----

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ०/2/एस० आर-1/3-85/

871—प्रतः मुझे, मे० वासुदेवन

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्रार्थिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाऊस नं० 4633 प्लॉट नं० 19 ए, अन्तारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख चार्ज, 3/

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्वय प्रतिकूल के लिए अस्तित्व की गई है और इसके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इसमान प्रतिकूल से, छोटे इसमान प्रतिकूल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरक (अन्तरक) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए सब पत्ता गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक अन्तरक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उसके करने में रुचि के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क किया जाना चाहिए था, जिसमें वे सूचना के लिए;

प्रतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० एस० चन्द एण्ड कम्पनी लि०, राज नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मे० वीरेन्द्रा पैस्ट्रीसोडस, प्रो० मे० ओम प्रकाश गुप्ता (ख० यू० एफ०) द्वारा वर्ता ओम प्रकाश गुप्ता, एक्स-54, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, श्री नरेन्द्रा कुमार, मास्टर सुमन कुमार, मास्टर सुरिन्द्रा कुमार गुप्ता (5) मास्टर वीरेन्द्र कुमार (6) मास्टर निरज कुमार, भाल मेन श्री ओम प्रकाश गुप्ता, माईनर, निवासी-एक्स-54, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरक के बिना कार्रवाई शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरक के संबंध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या या अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीष्टावारी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

पञ्जीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दूसरी मंजिल, प्रोशन नं० हाऊस नं० 4633, प्लॉट नं० 19-ए, अन्तारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली

मे० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रोज-2, दिल्ली।

दिनांक 16-10-1985

मोहर

प्रकृत आई.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/3-85/.

872—अतः मुझे, के० वासुदेवन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्री० नं० 4633, प्लॉट नं० 19-ए, है
तथा जो अम्सारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सममान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके सममान प्रतिफल से, ऐसे सममान प्रतिफल का
अल्प प्रविष्ट से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-
रिधी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के तयिस्व
में कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जवाब :-

(1) मै० एस० चन्द एण्ड वाम्पनी लि०, राध नगर,
नई दिल्ली, द्वारा डायरेक्टर राजेन्द्र कुमार
गुप्ता नेत्र श्री श्याम लाल गुप्ता।

(अन्तरक)

(2) मै० ईरासीयन चोआइस इन्टरनेशनल प्रा० लि०
32, नेतार्जी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-17,
द्वारा डायरेक्टर जे० सी० पाठक।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वायकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्री० प्री० नं० 4633, प्लॉट प्लॉट नं० 19-ए, अम्सारी
रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

दिनांक 16-10-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-1/3-
85/873--अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसके सं० 6174/ए, है तथा जो जवाहर नगर
नई दिल्ली में स्थित है (और इसी उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 23) के अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रानी (2) श्रीमती निर्मल सेठी
(3) श्रीमती रमणा देवी (4) कलश सिंह
(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमणा रानी पति श्री भीम सैन
(2) श्रीमती सरोज बन्सल पति श्री राम
कुमार, (3) श्रीमती मयू बन्सल पति श्री
सुनील बन्सल (4) श्रीमती अरुणा बन्सल
पति श्री विश्व बन्सल (5) श्री बलवीर
बन्सल पुत्र श्री भीम सैन, निवासी 36-यू०-ए,
जवाहर नगर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बनी हुई प्रौ० नं० 16, म्युनिसिपल नं० 6174/ए,
जवाहर नगर, दिल्ली तादादी-170.7 वर्ग गज।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली।

दिनांक 16-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० आई/ए०सी०/एक्यू०/2/एस आर-1/3-85/

874—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 188, ब्लॉक 'जे' है तथा जो
राजौरी गार्डन, ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया।
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

29—356GI/85

(1) श्री हरभजन सिंह पुत्र एस० इशाहर सिंह, निवासी
निवासी जे-188, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री एस० परमजोत सिंह पुत्र एस० गुरुद्वारा
सिंह, ई-156, नारायणा विहार, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में बिना
गया है।

अनुसूची

हाउस आन प्लॉट नं० 188, ब्लॉक 'जे' तादादी-
228-1/2 वर्ग गज, राजौरी गार्डन, एरिया ग्राम बसई
दारापुर, दिल्ली स्टेट।

के० वासुदेवन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985

मोहर :

आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/2/एस० आर-1/3-
85/875—अतः मुझे, के० बासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-53, है तथा जो बाली नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय
नई दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मार्च, 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
दे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुबमा बाली पत्नी श्री एस० सी० बाली
निवासी 27बी-11, न्यू रोहतक रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राम कक्कड, पुत्र स्व० श्री मनोहर लाल
कक्कड, एफ-54, बाली नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एफ-53, बाली नगर, नई दिल्ली।

के० बासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985

मोहर :

बन्धन बाई 30/30ए - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू/2/एस० आर०-1/3-85

876—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवक्षित करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिपकी सं० 30/30ए, है तथा जो वेस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
औ पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंटी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
के विषय भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से
अन्वेषणार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाता चाहिए था, डिपान में सुविधा
के लिए;

(1) श्रीमती भगवन्ती बाई 30/30ए, वेस्ट पटेल
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अन्जु वर्मा, 30/30ए, वेस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बायने :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सम्पूर्ण

30/30 ए, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बायने :—

दिनांक: 16-10-1985

मोहर:

रूप आई.डी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वाण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एम्पू०/2-एस० आर०-1/3-
85/877—अतः मुझे, के० वामुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाउस नं० सी-108, है तथा जो मोती
नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोध-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मेला राम कोचर पुत्र स्व० श्री सीता राम
कोचर, निवासी सी-15, अशोक विहार फेज-1,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भगवन्ती देवी पत्नी श्री राम चन्द,
निवासी-252, पाठक कारो, अजमेरी गेट,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हाउस नं० सी-108, तादादी 300 वर्ग गज, कीर्ती
नगर, नई दिल्ली।

के० वामुदेवन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

दिनांक: 16-10-1985

मोहर:

प्रकृष.आई.टी.एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

(1) श्री सतीश कुमार गुप्ता पुत्र श्री जवाहर लाल गुप्ता और श्रीमती मीना कुमारी गुप्ता पत्नी श्री विजय कुमार गुप्ता, निवासी एम-16, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री तिलक राज घई पुत्र श्री चुन्नीलाल घई निवासी ए-1/224, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आपत्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/3-85/878—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी प्लॉट नं० जे-58 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्-बिक रूप से अधिगत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

हाउस आन प्लॉट नं० जे-58, तादादी 240 वर्ग गज, राजौरी गार्डन, एरिया ग्राम बसई बारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985
मोहरः

प्रकृष माई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/3-
85/879--अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रो० नं० सी-5/5 है तथा जो माडल
टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इस्तेमाल
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापित पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री महावीर प्रसाद तान्तिया और श्रीमती
सरला देवी तान्तिया निवासी 427-लाजपत
राय मार्किट, चांदनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी (2) श्रीमती बीना रानी,
निवासी सी-6/3, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० सी-5/5, माडल टाउन, दिल्ली, तादावी
25486 वर्ग गज।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985
मोहर :

प्रश्न बाह्य टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-न(1) के अधीन सूचना

आयकर विभाग

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

3-85/880—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-न के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रौ० नं० जी-27, है तथा जो कीर्ती नगर
ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-
वद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है
और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंडे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाता चर्चित या, किमान में सुविधा
के लिए;

(1) श्री जयदेव कपूर पुत्र श्री सोबराज कपूर, जी-
27, विर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भीम सैन गोगिया पुत्र स्व० श्री ठाकुर
दास गोगिया, निवासी 11/3593-ए, रंगपुरा
कैरोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सा
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्तुष्टि :—इसके प्रकृत बच्चों और पत्नी का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, इसी वर्ष होगा जो 30 अक्टूबर में किया
गया है।

अनुसूची

प्रौ० नं० जी-27, तावादी 200 बगं गज, कीर्ती नगर,
नई दिल्ली एरिया बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

के० वासुदेवन

सख्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार
न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

दिनांक : 16-10-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एच. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आगत सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
3-85/881—प्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 948 है तथा जो फारोसा खाना दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
किए गए

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी वन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के नामों—

(1) श्री विनोद कुमार महलोत्रा पुत्र ईश्वर वता
और संजय मलिक पुत्र श्री राम लाल महलोत्रा
(अन्तरक)

(2) श्रीमती साफदर सुल्ताना पत्नी श्री फीरोज
अहमद, 948, फरास खाना, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी कार्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डबल स्टोरी बिल्डिंग न० 948 फरास खाना, दिल्ली
त दादी 180 वर्ग गज।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

दिनांक : 16-11-1985
मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एन. ---

1. म० एस० चन्ध एण्ड कम्पन. लि०, राम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० अ ई० ए० न०/एक्यू०/2/एम०-आर०-1/3-85/
/882--अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करो का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० राजेन्द्रा मनसेन 19-ए है तथा जो अन्सारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुत्पन्न में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधि-कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अर्पित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम में कभी करने या उससे बचने के सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

30-356G/85

2. मास्टर राजन बन्सल पुत्र श्री पी० डी० बन्सल, निवास:-5-एफ०, विश्वा एपार्टमेंट, 3 मेटकाफ रोड, सिविल लाईन, दिल्ली और मास्टर अमित बन्सल पुत्र श्री ए० के० बन्सल, निवास:-ड०-33, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति—इसमें प्रयुक्त सब्जों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ता०डी०-692 वर्ग फट, दुमरी मंजिल, राजेन्द्रा मनसेन 19-ए, अन्सारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-1985

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली:

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आर्डी-ग० से०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/

3-85/883—अन्त. मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्री० म०-26, ब्लॉक 'क्यू' है तथा जो राजौरा गार्डन, ग्राम बगई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिभार के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जन, तारीख मार्च 1985

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के समान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके समान प्रतिफल से, ऐसे समान प्रतिफल का पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कटने या उत्तर देने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हाशिका नाथ अरुण पुत्र श्री आगर नाथ सराफ
निवास:-क्यू०-26, राजौरा गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कुलविन्दर कौर पत्नी एस० राजेन्द्र सिंह,
निवासी-4500, मोहरा कोर्ट, पहाड गंज नई दिल्ली।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बर्तमानकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्री० नं०-26, ब्लॉक 'क्यू' तावादी-200 वर्ष गज, राजौरा गार्डन, परीया ग्राम-बगई दारापुर, दिल्ली। स्टेट, दिल्ली।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-1985

मोहर:

प्रकृत जाई. टी. एम. एस.-----

साधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/

3-85/884—अतः सूक्ष्म के वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० आई०/123, क्रि० नगर, नया जो नजफ-
गढ़ रोड, एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-
पत्ती अधिनियम के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख
मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूक्ष्म यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीषों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कभी कठुने या उससे सूचना के सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री एस० कल्याण सिंह पुत्र एम० चन्द्राकर सिंह,
निवासी-आई०-84, क्रि० नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती अरुणाश रानी आनन्द पत्नी श्री अर्जुन लाल
आनन्द, निवासी-ई-69, क्रि० नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रूप किसी व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आई०/123, तादादी-200, वर्ग गज, क्रि० नगर, आन
नजफगढ़ रोड, एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-1985

मोहर:

एक वाद' डी. एन. एन.-----

**भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आर्जे० ए० सं०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/

3-85/885---अत. मूक्त के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हममें
(सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 19 बलाक 'सी' है तथा जो सत्यावतः
कालोनी ग्राम-सारोदा कला, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूच में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रारण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
तय किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या य. किया जाना चाहिए या छिपाने के
सुविधा के लिए

1. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
के, नई, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि:—

1. श्री जगदीश चन्दर पुत्र राम दास सूरि, 3/27-ए,
विजय नगर दिल्ली।

(अन्तरक)

रामतः कुशुल गुप्ता पत्नी श्री राम गुप्ता 33-बी,
सत्यावतः नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के संबंध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि तोड़ाई-200 वर्ग गज, प्लॉट न० 19, बलाक 'सी'
खमरा न० 86, 88, 89, 92---99, 100, 101, से 107
कालोनी सत्यावतः नगर, एरिया ग्राम-सारोदा कला, दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-1985

मोहर:

प्रमुख भाग 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भाषाकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/
3-85/886--अतः मुझे, के० वासुदेवन

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 4, आपींग सेक्टर 1, है, तथा जो
ब्लॉक 'एफ' मानसरोवर गार्डन, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नलिखित
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्व
संरक्षण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए रय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी धन की वसूल उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किन्हीं कालों में लिखा जा, लिखित में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धर्म पाल बतारा पुत्र श्री कुन्दन लाल बतारा,
निवासी, एन-20, श्रितः नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्रीमती सर्वन पाहवा पत्नी श्री एस० पी० पाहवा,
आर-50, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के विश्व
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में सहाय्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4, आपींग सेक्टर नं० 1, ब्लॉक 'एफ' तादादी
166.7 वर्ग गज, मानसरोवर गार्डन, एरीया ग्राम—
बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-1985

आह्वार

प्रकृति आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आ.टी.ए. सी०/एक/०/2/एस० आर०-1/

3-85/888—अतः मुझे, के० वामुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आर. जिकें सं० प्लॉट नं० 3, ब्लाक नं० 'एक्स' है तथा जो नजफगढ़ इन्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (आर. इसमें उल्लेखित अनुभवों में आर. पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार आधिकार के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अन्तर्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्करण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स मेहता इन्डस्ट्रियल एण्ड इन्वेंट्रियल को-ऑपरेटिव रेटिव (प्रा०) लि०, आर-718, राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मेसर्स प्योर ड्रिक्स (न्यू इन्डिया) लिमिटेड, सरदार मोहन सिंह बिल्डिंग, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदत्त सबदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, ब्लाक नं० 'एक्स', नजफगढ़ इन्डस्ट्रियल एरिया नई दिल्ली, नादाब 2044.1 वर्ग मीटर।

के० वामुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

न रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

प्रकृष काई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सूचना

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक०/2/एस०-आर०-1/
3-85/889-आर० मुखे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 107 है तथा जो प्रॉ० नं०-38,
राजीव गाँव, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनुसूची में उर्ण का ने वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख मार्च 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान
प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
जाति से कमी करने या उससे बचने में व्यक्ति
के लिए बाँट/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में व्यक्ति
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री सुभाष सिंह पुत्र श्री भास्कर जोधा सिंह,
निरास-प्लॉट-18, नई दिल्ली राज्य एक-
टेशन, पार्क-2 नई दिल्ली जन्म अटार्नी

(1) श्रीमत्. विमल कुमारी पत्नी श्री गंगा
विश्वनाथ

(2) श्रीमत्. निर्मला देवी पत्नी श्री विश्वनाथ

(3) श्री महावीर प्रताप पुत्र श्री लाल राम

(4) श्री रत्न लाल पुत्र श्री लाल राम

(5) श्री सुभाष कुमार पुत्र श्री लाल राम

(6) श्री जयराज लाल पुत्र श्री लाल राम

(7) श्री गंगा विश्वनाथ पुत्र श्री लाल राम

पतिवत् आर० सं० विश्वनाथ एण्ड

पुत्र, निवास ई-38, राजीव गाँव,

नई दिल्ली, प्रॉ० नं० 38, राजीव गाँव,

नई दिल्ली, प्रॉ० नं० 38, राजीव गाँव,

नई दिल्ली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डाईम होटल (प्रा०) लि० ए-3, ग्रोव पार्क
नई दिल्ली, डाक्टर हरद्विप सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट विंग नं०-107, प्लॉट संजिले, प्रॉ० नं०-ई-
38, राजीव गाँव, नई दिल्ली, तारिख-1012 अर० फुल

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

इसका नाम टी. एन. एच.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० नं०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/
3-85/890—अतः मुझे, के० वामदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 108, ई-38 है तथा जो राजौरा
गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें अपावद्ध अनुसूचों
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिपति के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, भारतीय मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम को स्थावर
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
धरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसकी वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल से
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह
पता लगा गया प्रतिफल विनिर्दिष्ट उपरोक्त से उक्त अन्तरण
विनिर्दिष्ट से वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(ग) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाजिर में कमी करने या उक्त करने में सुविधा
के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या किया जाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिपति है—

1. श्री रघुवीर सिंह पुत्र सरदार जीवा सिंह, निवासी
एल०-18, अग्रिम एकसटाशन पार्क- 2, नई दिल्ली,
जनरल अटार्नी

(1) श्रीमती विमला कमल पता श्री गंगा
विधान ।

(2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री अधिपति

(3) श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री बाला राम ।

(4) श्री रतन लाल पुत्र श्री बाला राम ।

(5) श्री सुनील कुमार पुत्र श्री बाला राम ।

(6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री बाला राम ।

(7) श्री गंगा विधान पुत्र श्री बाला राम,

निवासी सं० गंगा विधान एण्ड सम्पत्ति,

निवासी ई-38, राजौरा गार्डन, नई दिल्ली।

और सं० टाईम बल्डर्स, राजौरा

गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 सं० टाईम होटलस प्रा० लि०, ए-3, प्रीत पार्क,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रक्ष किन्हीं अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादपूर्वक के
पात्र निहित हो किए या तर्कों।

स्पष्टीकरण:—इसमें उक्त व्यक्तियों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 108, पहली मंजिल प्रो० नं० ई-38,
राजौरा गार्डन, नई दिल्ली तमाम-1065 वर्ग फिट।

के० वामदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

प्रत्येक भाग की एक प्रत

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक सहायक

सहायक, सहायक भाषाकर भाषाकर (अध्याय)

अर्जन रोज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई० ए० सी०/एफ०/2/एस-आर-2/3-85/

891:—प्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्रतीकार की यह निम्नलिखित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 18 04, ई-38 है तथा जो राजोरी
गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरवाजा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्चित
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दसवहन प्रतिफल से अधिक है। इससे दसवहन प्रतिफल का
अनुमान प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए सब
समाप्त गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
निश्चित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुए किसी भी भाग की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के
अन्तरक में कमी करने या उसके अन्तरक में सूचना
की लिए कोई/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भाग का भाग अन्तरक
को किन्हीं भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किन्हीं भाग या भाग का भाग, किन्हीं में सूचना
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक
में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-356GI/85

(1) श्री रघुबीर सिंह पुत्र श्री जोधा सिंह, निवासी-एस-18
नई दिल्ली, साऊथ एक्सटेंशन, नई दिल्ली (जनरल
अटारनी (1) श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री गंगा
विश्व (2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री श्रीनिवास
(3) श्री महावीर प्रसाद नेत्र श्री काली राम, (4)
श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम (5) श्री सुशील
कुमार पुत्र श्री काली राम (6) श्री बजरंग लाल नेत्र
श्री काली राम (7) श्री विश्व पुत्र श्री कालीराम
पार्टनर में० टाईम ब्रह्मसं. राजोरी गार्डन नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) में० टाईम होटलस प्रा० लि०,
ए-3, ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली-4

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरक के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरक के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त सबको और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104, 1040 वर्ग फुट प्रा० नं० ई-38, तादावी-
2400 वर्ग गज, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, एरिया ग्राम-बसई
वारापुर, दिल्ली।

के० वासुदेवन,

सक्षम अधिकारी,

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख - 16-10-1985.

मोहर :

अधिनियम, टी.एन.ए.क.

भाषाकृत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकार प्रायुक्त (निरीक्षण),

प्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-ग्रा-1/3-85/

892:—प्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

भाषाकृत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 207B, ई-38, है तथा जो राजौरी
गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य के कम के समयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल के एवम् समयमान प्रतिफल के
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह
पता नवा प्रतिफल, निम्नलिखित सूचनाएं हैं उक्त अन्तरण
विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की भावतः, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या करने करने में सूचना
के बिना और/वा

(ख) एवम् किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय अन्तर-कार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का अन्तः अधिनियम, का
अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये या विधान में
के बिना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बताना :—

(1) श्री रजुबीर सिंह पुत्र सरदार जोधा सिंह निवासी—एल
18, नई दिल्ली, साऊथ एम्स्टेम्सन पार्क-2, नई दिल्ली
जनरल मटारनी (1) श्रीमती बिमला कुमारी पत्नी
श्री गंगा बिशन (2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी
श्री श्री किशन, (3) महावीर प्रसाद पुत्र श्री काली
राय (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम (5)
श्री सुशील कुमार पुत्र श्री काली राम (6) श्री बजरंग
लाल पुत्र श्री काली राम (7) श्री गंगा बिशन पुत्र
श्री काली राम फर्नेजर मै० यंग बिशन एन्ड कम्पनी
ई-38, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली और मै० टाईम
बुल्डस, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० टाईम होटलस प्रा० लि०,
ए-3, ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के मूल्य के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अधीन उक्त नई दिल्ली की संपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाठसाधरी के पक्ष
विधित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधनः—इसमें प्रयुक्त शब्दों की वह पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं०-207, सादाबी-1012 वर्ग फीट, प्रो० नं० ई-38,
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, एरिया ग्राम-बलेई दारापुर, दिल्ली।

के० वासुदेवन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भाषाकार प्रायुक्त (निरीक्षण);

प्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 16-10-1985

कक्ष 2

प्रमुख भाषा : हिन्दी, एम० कृष्ण

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशीबाब, सहायक भावेकर मजदूर (गिरुदियाग)

प्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आर्इ० ए० सी०/णक्षू०/2/एस-आर-1/3-85/

४९३:—प्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26B-ब की अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त ब्यापार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट नं० 7, ई-38 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपानंद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांरी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्णतः सम्पन्न की उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्णतः अर्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल में, ¹⁰ ह्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की वापस, कब
अधीनस्थ की अधीन कर देने के अन्तरण के
बादिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए। जीए/वा

(क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, बिना भारतीय नागरिक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भूपर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अर्थ : अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री रघवीर सिंह नेत्र सरस्वार जीष्वा सिंह, निवासी-
एल-18, नई दिल्ली, साऊथ एक्सटेन्शन पार्ट-2 नई
दिल्ली, जनरल घटारती (1) श्रीमती निमला कुमारी
पत्नी श्री गंगाबिशन (2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी
श्री श्रीकिशन (3) श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री काली
राम (4) श्री रतन लाल नेत्र श्री काली राम (5)
श्री सुशील कुमार पुत्र काली श्री राम (6) श्री बजरंग
लाल पुत्र श्री काली राम और (7) श्री गंगा बिशन
पुत्र श्री काली राम मै० गंगा बिशन एण्ड कम्पनी
ई-38, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, और मै० टाईम
सुलडर्स, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० टाईम होटलस प्रा० लि०,
ए-3, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली द्वारा
डाइरेक्टर श्री नरदीप पुत्र स्व० श्री कमल सिंह ।

(अन्तरिक्षी)

करी यह सूचना जारी करके पञ्चोक्त संपत्ति को वर्णन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

हृदय, तंत्रिका के मज्जा के संबंध में कोई भी वाक्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो कथत है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में बिना अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित रहा है।

महाराष्ट्र

फ्लैट नं०-7, ग्राऊड फ्लोर प्रो० नं० ई-38, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली, तादावी-1012 वर्ग फिट ।

के० वासुदेवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
भर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

प्रकरण 204-क टी. ए. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सञ्चालन

नगर निगम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अ. नि. रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अ.ई. ए. सी०/एक्यू०/2/एस०-घार-1/3-85/

894:—अ. नि. मु. के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 204, ई-38 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकृत अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबंध से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन यह रहे कि अन्तरक के वास्तव में कभी कहीं वा उक्त वक्तों में सुविधा के लिए, कोई/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों में प्रिन्सिपल भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्करण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री रघुवीर सह पुत्र सरकार जोधा सिंह, निवासी-एल-18, नई दिल्ली, साऊथ एक्स्टेंशन पार्ट-2, नई दिल्ली, जनरल अटारनी (1) श्रीमती बिमला देवी पत्नी श्री गंगा बिशन (2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री श्रीकिशन (3) महावीर प्रसाद पुत्र श्री काली राम (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम (5) श्री सुनील कुमार पुत्र श्री काली राम (6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम (7) श्री गंगा बिशन पुत्र श्री काली राम मै० गंगाबिशन एन्ड कम्पनी, ई-38, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, और मै० टाईम बुल्डर्स, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० टाईम होटलस प्रा० लि०,
ए-3, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही कराता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाद/वा

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वशु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताधारी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

सकीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 204, तादादी-1040 वर्ग फुट प्रो० नं० ई-38,
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अ. नि. रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 16-10-1985
मोहर :

दिनांक : 16-10-1985
मोहर :

इसका आई.डी.एन.एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कर्मचारियों, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2-एस० आर०-1/

3-85/896—प्रतः मुझे के० वासुदेवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिभार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 208, ई-38 है तथा जो
राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिभार मूल्य से कम के अद्यतन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिभार
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तब
बाधा बनी प्रतिफल निम्नलिखित अनुबन्ध से उक्त अन्तरण
निहित ने वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, भारत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

- (1) श्री रघबीर सिंह पुत्र श्री जोधा सिंह,
निवासी—एल-18, नई दिल्ली,
साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-2, नई दिल्ली,
जनरल अटार्नी (1) श्रीमती विमला कुमारी,
पत्नी श्री गंगा बिशन,
(2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री किशन,
(3) श्री महुबीर प्रसाद पुत्र श्री काली राम,
(4) श्री राज लाल पुत्र श्री काली राम,
(5) श्री सुशोल कुमार पुत्र श्री काली राम,
(6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम
(7) श्री गंगाबिशन पुत्र श्री काली राम
पार्टनर मै० गंगाबिशन एन्ड कम्पनी,
निवासी ई-38, राजोरी गार्डन नई दिल्ली, और
मै० टाई ब्रदर्स, राजोरी गार्डन नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती बिना भत्तेन, पत्नी एस० पी० भत्तेन,
निवासी-100-एम०, मिडिल सर्कस, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिभार के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिभार के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभारकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रकृत सूचना और यहाँ का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित
है, यही कार्य होना जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 208 दूसरा तल प्रो० नं० ई-38, राजोरी गार्डन,
नई दिल्ली।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985

मोहर :

इस प्राधिकार के अन्तर्गत

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अन्तर्गत

सहायक

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० प्रई० ए० सी०/एफ्यू०/2-एस०-प्रार०-1/
3-85/897—प्रतः मुझे के० वासुदेवन

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी को, वह निम्नांकित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्की सं० फ्लेट नं० 102, ई-38 है तथा जो
राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवमान
प्रतिफल के सिद्ध अंतरित की गई है और मुझे वह निम्नांकित
करने का कारण है
कि अध्यापनोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवमान
प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रदान गया प्रतिफल, निम्नांकित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से अधिक
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी कम की बावत, उक्त
अन्तरिकता की कमी कर देने के अन्तरक के अन्तर
में कमी करने या उक्त करने के अन्तरक के लिए
की/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषाकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येक-
वर्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया गया या नहीं या किया के अन्तरक के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नांकित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री रघवीर सिंह पुत्र श्री जोधा सिंह,
निवासी-एस-18, नई दिल्ली,
साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-2, नई दिल्ली,
जनरल अटार्नी (1) श्रीमती विमला कुमारी,
पत्नी श्री गंगा बिशन,
(2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री बिशन,
(3) श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री काली राम,
(4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम,
(5) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री काली राम,
(6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम,
(7) श्री गंगा बिशन पुत्र श्री काली राम,
पार्टनर श्री गंगा बिशन एन्ड कम्पनी,
निवासी, ई-38, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली,
म० टाईम बिल्डर्स, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्री प्रियम लाल जैन,
पुत्र श्री महेश्वर राय जैन और
श्री सुरेश चन्द जैन पुत्र श्री चाबील दास जैन,
निवा 7-7360, बी, प्रेम नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघर्ष के अन्तर्गत के सिद्ध
कारणों के लिए करके है।

उक्त अधिनियम के अन्तर्गत के संघर्ष के अन्तर्गत श्री भाषाकर—

(क) इस अधिनियम के अन्तर्गत की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवन्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि कम से समाप्त होती हो, के अन्तर्गत पूर्वोक्त
व्यक्तियों के के किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस अधिनियम के अन्तर्गत की तारीख से
45 दिन के अन्तर्गत उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
कम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यापनोक्त के
पक्ष विहित के लिए या अन्तर्गत।

अन्तरिकता—इसके अन्तर्गत अन्तर्गत और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क के अधिनियम
है, नहीं वर्ण होता, जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 102, पहली मंजिल, सहायी 1155 वर्ग फुट,
प्रो० नं० ई-38, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985

हः

प्रकृष बाई: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० आर०-1/

3-85/898—अतः मुझे के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विवाह करने
का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 202 ई-38 है तथा जो राजोरी
गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान
प्रतिकल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवमान प्रतिकल से, ऐसे अवमान प्रतिकल का
पन्ना प्रतिकल से अधिक है और अन्तरण (अन्तरणों) और अन्तरिकी
(अन्तरिकीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में
वास्तविक रूप से अधीन नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वास्तव में कभी करने या उक्त करने के वास्तव
में किया।

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
में किया।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रघवीर सिंह पुत्र श्री जोधा सिंह,
निवासी, एल-18, नई दिल्ली,
साउथ एक्सटेंशन पार्ट-2, नई दिल्ली,
जनरल अटार्नी (1) श्रीमती बिमला देवी,
पत्नी श्री गंगा बिशन,
(2) श्रीमती निर्मला रानी पत्नी श्री श्रीकिशन,
(4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम,
(5) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री काली राम,
(6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम,
(7) श्री गंगाबिशन पुत्र श्री काली राम,
पार्टनर मै० गंगा बिशन एन्ड कम्पनी,
ई-38, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, और
मै० टाईम बिल्डर्स, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरण)

- (2) श्री दलीप मलिक पुत्र श्री एच० एम० मलिक,
निवासी, फ्लैट नं० बी-54, माउन्ट फोर्ट स्कूल,
अगोक विहार-1, दिल्ली।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवा है।

उक्त सूचना के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में उदात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के
बात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अन्वय में दिया
गया है।

धनसूची

फ्लैट नं० 202, दूसरा तल क्षेत्रफल 1155 वर्गफुट, प्रो०
नं० ई-38, राजोरी गार्डन नई दिल्ली।

के० वासुदेवन
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-2

दिनांक : 16-10-1985
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू०/2-एस० आर०-1/
3-85/899—अतः मुझे, के० वामुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 301, ई/38 है तथा जो राजोरी
गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के
कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधिन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

32-356GI/85

- (1) श्री खबदार सिंह पुत्र सरदार जोधा सिंह,
निवासी-मूल-18, नई दिल्ली,
ताउथ एकतरेशन, पार्स-2, नई दिल्ली,
अंतरन अटारनी 1) श्रीमती विमला कुमारी;
पत्नी श्री गंगा विधान,
(2) श्रीमती निमला देवी पत्नी श्री श्रीविधान,
(3) श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री काली राम,
(4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम,
(5) श्री मुणोल कुमार पुत्र श्री काली राम,
(6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम,
(7) श्री गंगा विधान पुत्र श्री काली राम,
पार्टनर मै० गंगा विधान एन्ड एम्पनी,
ई-38, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, और
म० टाईन बिल्डर्स, राजोरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) म० कमफोर्ट लिविंग होटल्स (प्रा०) लि०,
डायरेक्टर सरदार हरदप सिंह,
ग्रान पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 301, वापरा मंजिल, तादादी 1207 वर्गफीट
प्रो० नं० ई-38, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

के० वामुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985

मोहर :

पञ्चम भाग टी. एन. एच. ---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(269-अ) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाधक सहायक आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एचयू/2/एम्० आर०-1/3-85/
900—अतः सूझे, के० वासुदेवन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सूचना अधिकारियों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वतंत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 106, ई-38 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक अथवा किसी अन्य की वजह से, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इससे में सूचना के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य वास्तव्यता का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अन्तरिती वक्तव्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सूचना के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रघवीर सिंह पुत्र सरदार जोधा सिंह, निवासी-एल-18, नई दिल्ली, पोस्ट एकाडेसन, नई दिल्ली, जनरल अटार्नी (1) श्रीमती बिमला कुमारी, पत्नी श्री गंगा बिशन,
- (2) श्री मती निर्मला देवी पत्नी श्री श्रीकिशन
- (3) श्री महावीर प्र . पुत्र श्री कली राम,
- (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री कली राम,
- (5) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री कली राम,
- (6) श्री वजरंग लाल पुत्र श्री कली राम,
- (7) श्री गंगा बिशन, पुत्र श्री कली राम, पार्टनर मै० गंगाबिशन एन्ड कम्पनी, निवासी, ई-58, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली और मै० टाईम बुल्डोज, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्री के० एम० पानिकर, पुत्र श्री एन० एन० पौडी 604, गगन दाप, राजन्ना प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनोहस्ताक्षरी के पाठ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितवृत्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 106, पहली मंजिल, प्रो० नं० ई-38, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, ताबादी 1400 वर्ग गज।

के० वासुदेवन

सूक्ष्म प्राधिकाारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985

मोहर :

एकल बाण्टी टो एन.एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० आर०-1/

3-85/901—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 6, ई-38, है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया अतिरिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रघबीर सिंह पुत्र सरदार जोधा सिंह, निवासी—ए-18, नई दिल्ली, साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-2, नई दिल्ली, जनरल अटार्नी (1) श्रीमती बिमला कुमारी, पत्नी श्री गंगा विशन,
- (2) श्रीमती नमंला देवी पत्नी श्री श्रीकिशन,
- (3) श्री महावीर प्रताप पुत्र श्री काली राम,
- (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम,
- (5) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री काली राम,
- (6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम,
- (7) श्री गंगा विशन पुत्र श्री काली राम, पार्टनर मै० गंगाविशन एन्ड कम्पनी, राजोरी गार्डन नई दिल्ली, और मै० टाईम बिल्डर्स, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती सुशीला साहनी, पत्नी स्व० श्री सी० पी० मैनी और
- (2) श्री एस० के० मैनी, पुत्र स्व० श्री सी० पी० मैनी, निवासी-25/2, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ.सू.

फ्लेट नं० 6, ग्राउन्ड फ्लोर, प्रो० नं० ई-38, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, तादात्री 1400 वर्गफिट।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० आर०-1/3-85/

902—अतः मुझे, के० वासुदेवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रो० नं० ई-38 का बेसमेंट है तथा जो राजोरी
गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बांध एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रघवीर सिंह पुत्र सरदार जोधा सिंह,
नवासी-एल-18, नई दिल्ली,
साउथ एक्सटेंशन पार्ट-2, नई दिल्ली,
जनरल अटार्नी (1) श्रीमती बिमला कुमारी,
पत्नी श्री गंगा बिशन,
(2) श्रीमती नर्मला देवी पत्नी श्री श्रीकृष्ण,
(3) श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री काली राम,
(4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम,
(5) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री काली राम,
(6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम,
(7) श्री गंगा बिशन पुत्र श्री काली राम,
पार्टनर मै० गंगा बिशन एन्ड कम्पनी,
निवासी ई-38, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली और
मै० टाईम बिल्डर्स, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली,
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती तरिन्द्रजीत कौर पत्नी श्री हरदीप सिंह,
नवासी-22, हेमकुन्द कालोनी,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग बेसमेंट फ्लोर, प्रो० नं० ई-38, राजोरी गार्डन
नई दिल्ली।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985

मोहर :

प्रारूप बाई. टी. एन. एन. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०/1/

3-85/903—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० ई-38, बेसमेंट है तथा जो राजोरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता, उक्त अधिनियम के अधीन धर इन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

- (1) श्री रघवीर सिंह पुत्र सरदार जोधा सिंह,
निवासी—एल-18, नई दिल्ली,
साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-2, नई दिल्ली,
जनरल अटार्नी (1) श्रीमती बिमला कुमारी,
रत्नी श्री गंगा बिशन,
(2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री श्रीकिशन,
(3) श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री काली राम,
(4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम,
(5) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री काली राम,
(6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम,
(7) श्री गंगा बिशन पुत्र श्री काली राम,
पार्टनर मै० गंगाबिशन एन्ड कम्पनी,
राजोरी गार्डन नई दिल्ली, और
मै० टाईम बिल्डर्स, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) कुमारी पम्पी पुत्री श्री सुरिन्द्र सिंह बिन्ना,
निवासी—ई-4, ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग, बेसमेंट, फ्लोर, प्रो० नं० ई-38, राजोरी गार्डन नई दिल्ली।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985

मोहर :

एक भाग टी एम एड.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
3-85/904—प्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) बिम्बे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4, भाग, ई-38 (बेसमेंट) है तथा जो राजौरा गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-कर्ता अधिपति के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के द्वारा किसी अन्य का अन्तरक के अधिनियम की धारा 20-क के अन्तरक के अधिनियम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बर्हिहू था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री रघवीर सिंह पुत्र श्री जोधा सिंह, निवासी एल-18, नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन, नई दिल्ली, जनरल अटारनी (1) श्रीमती बिमला कुमारी पत्नी श्री गंगाविशन (2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री श्रीकिशन (3) श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री काशीराम (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम, (5) श्री सुशील पुत्र श्री काली राम, (6) श्री बजरंग पुत्र श्री काली राम, (7) श्री गंगा विशन पुत्र श्री काली राम, पार्टनर, मी० गंगा विशन एण्ड कम्पनी, निवासी ई-38, राजौरा गार्डन, नई दिल्ली, और मी० टाईम बिल्डर्स, राजौरा गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री भगवन्त कौर पत्नी श्री रघवीर सिंह, एल-38, नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन पार्ट-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के लिए लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4, भाग, बेसमेंट प्रो० नं० ई-38, राजौरा गार्डन, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-1985

मोहर:

वस्तु बाई, टी. एन. एल.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
3-85/905—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 भाग, ई-38 (बेसमेंट) है तथा
जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा एकत्र नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री रघुवीर सिंह पुत्र श्री जोधा सिंह, निवासी—
एल-18, नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन-2,
नई दिल्ली, जनरल अटारन: (1) श्रीमती
विमला कुमारी पत्नी श्री गंगाविशन (2)
श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री श्रीकिशन (3)
श्री महावीर प्रताप पुत्र श्री काली राम (4)
श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम (5)
श्री सुशील कुमार पुत्र श्री काली राम (6)
श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम (7)
श्री गंगा विशन पुत्र श्री काली राम (पार्टनर)
म० गंगाविशन एन्ड कम्पनी, निवासी-ई-38,
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली और म० टाईम
बिल्डिंग, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रघुवीर सिंह (एचयूएफ), एल-18,
नई दिल्ली, साउथ एक्सटेंशन-2, नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग, बेसमेंट फ्लोर, प्रो० नं० ई-38, राजौरी
गार्डन, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 16-10-1985

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

3-85/906—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3188 (न्यू) 290 (ओल्ड) है तथा जो गली मुईवाला, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारत/य रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षमता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इन्दरजित पुत्र श्री लक्ष्मी भल निवासी—
3188 गली मुईवाला, मोरी गेट, दिल्ली;
(2) श्री जगदीश लाल पुत्र श्री लोकराज,
निवासी—2838 मोरी गेट, दिल्ली; (3) श्री
खराती लाल पुत्र श्री धारी लाल, निवासी
3188 मोरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मुनील कुमार पुत्र श्री देश राज, निवासी—
बो-2/3, अशोक विहार, फेज-2, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 अन-डिवाइडिड, प्रो० वैरिंग नं० 3188 (न्यू)
290 (ओल्ड) गली मुईवाला, मोरी गेट, दिल्ली, ताबादी
170 वर्ग गज।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-1/

3-85/907--अन: मुझे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3188 (न्यू) 290 (ओल्ड) है तथा
जो गली मुईवालान, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उगावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में मृत्तिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, रिश्तान में मृत्तिधा
के लिए;

इत. अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

33-356GL/85

1. श्री इन्दरजित पुत्र श्री लाध्या मल, निवासी—
3188 गली मुईवालान, मोरी गेट, दिल्ली
(2) श्री जगदीश लाल पुत्र श्री लेख राज,
निवासी-2838, मोरी गेट, दिल्ली, (3) श्री
खराती लाल पुत्र श्री धारी लाल, निवासी—
3188, मोरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मुनील कुमार पुत्र श्री देश राज, निवासी—
बी 2/3, अर्णाक विहार-2, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/3 अविभाजित प्रो० नं० 3188 (न्यू) 290
(ओल्ड) गली मुईवालान, मोरी गेट, दिल्ली, ताप्तावी—
170 वर्ग गज।

के० वामुदेवन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

प्रकृष जाह. टी. एन्. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

3-85/908—अतः मुझे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3188 (न्यू) 290 (ग्रोलड) है तथा जो गली सुईवालान, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पक्का नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की शक्ति से कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, के लिए :—

1. श्री इन्दरजित पुत्र श्री लाध्या मल, निवासी-3188 गली सुईवालान, मोरी गेट, दिल्ली, (2) श्री जगदीश लाल पुत्र श्री लेख राज, निवासी-2838 मोरी गेट, दिल्ली, (3) श्री खराती लाल पुत्र श्री धारी लाल, निवासी-3188 मोरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुनील कुमार पुत्र श्री देश राज, निवासी-बी-2/5, अशोक विहार-2, दिल्ली।

(अन्तरिनि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग, प्रो० नं० 3188 (न्यू) 290 (ग्रोलड) गली सुईवालान, मोरी गेट, दिल्ली, तादादी-170 वर्ग गज।

के० वामुदेवन
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-1985

गोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०-एक्यू०/2/एम० आर०-1/
4-85/909—प्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रो० नं० 686, क्षेत्र नं० 14, है तथा जो चौक बारा टुटी सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय थाया गया प्रति-जन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उलटने करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० इन्डो फोरीन कार्मशियल एजेंसी (प्राइव्यूस) प्रा० लि०, 22, हनुमान रोड़, नई दिल्ली द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर सरदार इकबाल सिंह पुत्र सरदार अर्जुन सिंह।

(अन्तरक)

2. मै० इन्दर मल बिश्मबर सहाय, पार्टनर (1) श्री बिश्मबर सहाय पुत्र श्री इन्दर मल (2) श्री रमेश चन्द गुप्ता पुत्र श्री इन्दर मल (3) श्री धरुन प्रसाद पुत्र श्री इन्दर मल (4) श्री रामलाल गुप्ता पुत्र श्री बिश्मबर सहाय, 685, हाउस चौक बारा टुटी सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जम्मेहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली, दूसरी, तीसरी मंजिल; प्रो० म्यूनिसिपल नं० 686, क्षेत्र 14, चौक बारा टुटी, सदर बाजार, दिल्ली।

के० वासुदेवन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

प्रमुख बाध: टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/2/85
910--अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रो० नं० 687/14, है तथा जो चौक बाड़ा टुटी, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण है कि किसी नाम की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० इन्डो फोरीन कॉमर्शियल एजेंसी (प्रोडैक्स) प्रा० लि०, 22, हनुमान रोड़, नई दिल्ली, द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर सरदार इकवाल सिंह पुत्र सरदार अर्जुन सिंह।

(अन्तरक)

2. मै० इन्दर मल विशम्बर सहाय पार्टनर (1) श्री विशम्बर सहाय पुत्र श्री इन्दर मल (2) श्री रमेश चन्द गुप्ता पुत्र श्री इन्दर मल सहाय (3) श्री धरुन प्रसाद सहाय पुत्र इन्दर मल (4) श्री रामलाल पुत्र श्री विशम्बर सहाय, 685, आई० बी० हाउस, चौक बारा टुटी, सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

यह वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी बाध:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

पहली, दूसरी और तीसरी फ्लोर, प्रो० म्यूनिसिपल नं० 687, क्षेत्र नं० 14, चौक बारा टुटी, सदर बाजार, दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-1985

मोहर:

प्रथम भाग टी. एन. एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-1/3-

85--प्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रो० नं० 688, क्षेत्र 14 है तथा जो
चौक बारा, टूटी, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाढ़ की वजह से, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
दायित्व में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय वा किसी फज इल अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० इन्डो फोरीगन कमर्शियल एजेंसी (प्रोजेक्ट) प्रा०
लि०, 22, हनुमान रोड़, नई दिल्ली, द्वारा
मनेजिंग डायरेक्टर मरदार इकबाल सिंह पुत्र
मरदार अर्जुन सिंह।

(अन्तरक)

2. मै० इन्दर मल विशम्भर सहाय पार्टनर (1)
श्री विशम्भर सहाय पुत्र श्री इन्दर मल (2)
श्री रमेश चन्द गुप्ता पुत्र श्री इन्दर मल सहाय,
(3) श्री धरुन प्रसाद पुत्र श्री इन्दर मल
(4) श्री रामलाल गुप्ता पुत्र श्री विशम्भर सहाय
685, आई० बी० हाउस, चौक बारा टूटी,
सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिद-
वादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

अर्थः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सन्तुष्ट

म्युनिसिपल नं० 688, क्षेत्र नं० 14, चौक बारा टूटी,
सदर बाजार, दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-1985

मोहर 3

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-1/
3-85/912—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रो० नं० 689, क्षेत्र 14, है तथा जो
चौक बारा टूटी सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० इन्डो फोरीगन कामर्शियल ऐजेन्सी (प्रोडक्ट)
प्रो० लि०, 22, हनुमान रोड, नई दिल्ली
द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर सरदार इकबाल सिंह
पुत्र सरदार अर्जुन सिंह।

(अन्तरक)

2. मै० इन्दर मल विशम्भर महाय पार्टनर (1)
श्री विशम्भर महाय पुत्र श्री इन्दर मल (2)
श्री रमेश चन्द गुप्ता पुत्र श्री इन्दर मल महाय
(3) श्री धरूत प्रसाद पुत्र इन्दर मल (4)
श्री राम लाल गुप्ता पुत्र श्री विशम्भर महाय,
685, आई० बी० हाउस, चौक बारा टूटी,
सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पहली, दूसरी, तीसरी मंजिल, प्रो० डिवाइडिड बाई
म्युनिसिपल नं० 689, क्षेत्र नं० 14, चौक बारा टूटी
सदर बाजार, दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-1985

मोहुर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2-एस-आर-1

3-85/913-अंतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िम्मे सं० प्रो० नं० 690, क्षेत्र नं० 14 है तथा
जो चौक बारा टूटी, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है और)
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
एकदश पात्रशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए एक पात्र
भवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में
यास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उद्देश्य बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० इन्डो फोरीगन कामशियल ऐजेन्सी (प्रोडक्ट)
प्रा० लि०, 22, हनुमान रोड, नई दिल्ली,
द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर सरदार इकबाल सिंह
पुत्र श्री सरदार अर्जुन सिंह।

(अन्तरक)

2. मै० इन्दर मल विश्वम्बर सहाय पार्टनर (1)
श्री विश्वम्बर सहाय पुत्र श्री इन्दर मल (2)
श्री रमेश चन्द गुप्ता पुत्र श्री इन्दर मल सहाय
(3) श्री धरुन प्रसाद पुत्र श्री इन्दर मल
(4) श्री रामलाल गुप्ता पुत्र श्री विश्वम्बर सहाय
685, आई० बी० हाउस, चौक बारा टूटी,
सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों या स किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताभारी के
पात्र निश्चित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुखी

पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल प्रो० म्यूनिसिपल
नं० 690, क्षेत्र नं० 14, चौक बारा टूटी, सदर बाजार
दिल्ली।

के० वासुदेवन

मक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. मै० जे० के० केमिकल्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मै० कल्पक डेवलपमेंट कार्पोरेशन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5839/84-85—अतः मुझे, पी० एन० दूवे,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करनी हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि उक्त में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जो, रावली हिल आगर गवर्नमेंट साल्ट पान डिवाजन, शेख मिसरी रोड़, बडाला, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-3-85

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रयत्न के लिए,

जमीन का हिस्सा, जो रावली हिल आगर, गवर्नमेंट साल्ट पान डिवाजन, शेख मिसरी रोड़, बडाला, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6445/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-11-1985

कोडर :

प्रकृ. बाई. टी. एन. ए. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6034/84-85—अतः सुभे,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 112, है जो, 11वीं मंजिल,
सोमरसेट हाउस, 61-जी, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई
26 में स्थित तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

34—356GI/85

1. श्री विनयचन्द्र उमदलाल शहा।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार डुगर, 2. श्रीमती मिला डुगर

3. श्री विपिन कुमार डुगर और 4. श्री विनोद
कुमार जैन।

(अन्तरिती)

3. श्री अशोक कुमार जैन और 3 अन्य।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन से निरा
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बचन के संबंध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वचनों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 112, जो, 11वीं मंजिल, सोमरसेट हाउस,
61-जी०, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5121/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
20-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-11-1985

मोहर:

“रूप धारण की गई है”

भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5997/84-85—अतः सुखे,
पी० एन० दूवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० ई-2, जो पालामयो, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-85

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिलेखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त करने के विधि के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के विधि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेडी फायनी धनजीभाय बोंमनजी।

(अन्तरक)

2. डा० फायनी इ० पालिया।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स हिंदुस्तान थाम्सन आसोसियेट्स लिमिटेड।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ई-2, जा, पालामयो, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6361/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. ए. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5859/84-85:—अतः मुझे,
पी० एन० हुबे,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फ्लैट नं० 53, जो, 3वीं मंजिल, वैभव अपार्टमेंट्स
को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, आगर बाजार के सामने,
म्युनिसिपल मार्केट, एस० के० बोले रोड, दादर, बम्बई-28 है
तथा जो बम्बई-28 में स्थित है (और हमने उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कगारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 259 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती मेरी बनर्जी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुचिता चक्रवर्ती।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी-बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधित उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सक्षम के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थितिया
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सक्षम
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० 53, जो, 3वीं मंजिल, वैभव अपार्टमेंट्स, को-ऑप०
हाउसिंग सोसाईटी लि०, आगर बाजार के सामने, म्युनिसिपल
मार्केट, एस० के० बोले, रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5566/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० हुबे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-11-1985.

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

(2) कमल एन० काठारी ।

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

(अन्तरक)

(2) निर्मला श्याम फेरवानी, शानू श्याम फेरवारवानी, और
सुविभा इन्वेस्टमेंट कंपनी प्रायवेट लि० ।

(अन्तरिती)

(3) ब्रिटानिया इंडस्ट्रिज लिमिटेड ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6031/84-85:—अतः मुझे,

पी० एन० दुबे,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 24-ए, जो, 2री मंजिल, "मेहेर अपार्ट-
मेंट्स" इमारत, अनोटी रोड, अल्टामाउंट रोड के सामने, बम्बई-
26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस मान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) वं बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसे कि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 24-ए, जो, 2री मंजिल, "मेहेर अपार्टमेंट्स"
इमारत, अनोटी रोड, अल्टामाउंट रोड के सामने, बम्बई-26 में
स्थित है ।अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37-ईई/6362/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-11-1985.

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5807/84-85:—अतः मुझे,

पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर माल जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, "रॉकडल", 16, एल० डी० रूपारेल मार्ग, मलबार हिल, बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मिनावेहेर फिरोजशाँ लेंडोन ।

(अन्तरक)

(2) हिन्दुस्थान लिबर लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अर्ज-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन व. संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो, "रॉकडल", 16, एल० डी० रूपारेल मार्ग, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5601/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-11-1985.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6040/84-85:--अनः मुझे,

पी० एन० हुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/3 हिस्सा, अविभक्त इंटरेस्ट जो, फ्लैट नं० 5, मनहर डाक, लिट्रल गिबज रोड, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री कमल कुमार कपूर और श्री नरिंदर कपूर।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कपूर (हि० अ० कु०)।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) विजय कपूर।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/3 हिस्सा अविभक्त इंटरेस्ट जो, फ्लैट नं० मनहर डाक, लिट्रल गिबज रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6040/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० हुबे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-12/7-ईई/5951/84-85--अतः मुझे,
पी० एन० दुबे,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० जमीन के साथ स्ट्रक्चर, जो, इमारत सं० 54-56-
ए, टैन्क स्ट्रीट, बम्बई-400008 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है
(और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसकी संरचनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल के
अनुप्राप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
प्राप्त करने के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्रीमती लतीफा बीबी उर्फ रबीया बीबी, गुलाम
मोहिंद्दीन की पत्नी, और इब्राहीम मोहम्मद कामकर
की पत्नी ।

(अन्तरक)

(2) श्री उस्मान अलीमिया सैरवांग ।

(अन्तरिती)

(3) भाइत ।

वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है ।

(4) अन्तरिती ।

वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है ।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन के साथ स्ट्रक्चर, जो, इमारत सं० 54-56-ए, टैन्क
स्ट्रीट, बम्बई-400008 में स्थित है ।अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37/ईई/5627/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 11-11-1985

माहिर :

प्रकाश बाई, टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

वार्ड सुदकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अट्ट-1/37 ईई/5212/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 267, जो, मायन (पूर्व), इमारत और
गैरेज के साथ, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तरीका 16-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरि
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सु पावा गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
किए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित किया गया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहीए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रत्नाबाई गोपाल चरदीकर।

(अन्तरक)

(2) मायन त्रिवयानन्दा को—आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० धाम०-1681/77 और जं०
उत्तरिस्ट्री, बम्बई द्वारा दिनांक 16-3-1985 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

पी० एन० दुबे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रश्न बाई. टी. एन. एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अवकाश, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5213/84-85—अतः सुने,
पी० एन० दुवे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका पुराना सर्वे० नं० 597, और नया सर्वे० नं० 3443, जो, स्टूकर्स के साथ, डिलाईट रोड, सी० एस० नं० 2028, भायखला डिलीवीजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारित्व से कभी करों या उद्देश्य करने के अधिन के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तिध को, जिन्हे भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भागभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

35—356GI/85

(1) श्री भैफदी अलीभाई लोखंडवाला, 2. शम्बर अलीभाई लोखंडवाला, 3. इतुनभाई अलीभाई लोखंडवाला, 4. निगीनवाई अलीभाई लोखंडवाला, 5. तारावाई अलीभाई लोखंडवाला, और (6) नफीसाबाई अलीभाई लोखंडवाला ।

(अन्तरक)

(2) मणिप एक्सपोर्ट प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(3) शाहून ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) ।

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियमों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें पर्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका पुराना सर्वे० नं० 597 और नया सर्वे० नं० 3443, स्टूकर्स के साथ, डिलाईट रोड, सी० एस० नं० 2028, भायखला डिलीवीजन, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉम०-2264/82 और जो, उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुवे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-11-1985.

सोहर

इसका अर्थ है—

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आदेश द्वारा

कानून, सहायक भाषाकरण अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 1/मार्च/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल्, भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आदेश है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 89, वेंकटेश पेरुमल कोईल स्ट्रीट, पलनीपेट, है, जो अटकोणम टाउन में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय, जे० एस० आर०-11, अटकोणम (द० सं० 459/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, उसे दरमान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बहिष्करण में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के अर्थ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को अन्तरित :—

(1) श्रीमती आर० सुन्दरमाल और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० वृण्णप्प चेटी ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के इस लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 89, वेंकटेश पेरुमल कोईल स्ट्रीट, पलनीपेट, अटकोणम—(द० सं० 459/85) ।

श्रीमती एम० सामुवेल्,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1, मद्रास ।

तारीख : 6-11-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

(1) किंवजी देवजी पटेल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 2/मार्च/85-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 19/1, है जो पेरूमूची गांव में स्थित है (और इसे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, अटकेशनम (द० सं० 257/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा सके या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) 1. रतन्की पटेल और किंवजी डी० पटेल,

2. सावजी डी० पटेल और मोहनलाल एम० पटेल,

3. रतन्की डी० पटेल और किंवजी डी० पटेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—आर० एस० सं० 19/1, पेरूमूची गांव (द० सं० 257/85)

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख : 6-11-1985.

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एच.-----

(1) श्रीमती सुलोचनामाल और प्रप्य ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दनबागम्माल और टी० अरुणाचलम ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० 14/मार्च/85--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह सूचना देने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० सं० 263/2 है, जो नामगिरीपेट गांव
में स्थित है (और इससे उपाग्रह में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामगिरीपेट (द० सं० 309/
85 और 311/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधःमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से एतद् द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी त्रास की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उच्च करने में सुविधा के लिए;
कॉड/क

(ख) ऐसी किसी त्रास या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) में उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

तत्संबंधी

कृषि भूमि—सर्वे० सं० 263/2, 271/1ए, 272/3,
नामगिरीपेट, सेलम जिला (द० सं० 309/85 और 311/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 6-11-1985.
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) श्री एम० पी० कासी चेट्टी,

(अन्तरक)

(2) श्री पी० नल्ल मुत्तु और ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 15/मार्च/85- अतः मजे, श्रीमती एम० सामुवेल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० सं० 212/1, वाटकूलपट्टी गांव है जो
मद्रास में स्थित है (और इसे अनावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिपति के कार्यालय तामिपेट्टे
(द० सं० 316/85) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम-1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एम० अन्तरक के और अन्तरक अन्तरक
कम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम अधिनियम में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, 'छपान' में सूत्रित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जो कि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दृष्टि भूमि—एस० सं० 212/1, वाटकूलपट्टी गांव रासीपुरम
तालुक, सेलम जिला (द० सं० 316/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख : 6-11-1985

मोहर :

प्रमाण आर्. टी. एन. एन.-----

(1) श्री पी० चिन्मयन और ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० पत्नीयम्मा ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 16/मार्च/85 -अनं मुझे, श्रीमती एम० नामुवेल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिनकी सं० आर० ए० सं० 314/1, 214/3, 315/1,
314/2, 313/1 है, जो ओमनूर गांव में स्थित है (और इन्होंने
उपरोक्त अधिसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की
अधिकारी के कार्यालय ओमनूर (द० सं० 324/85) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अर्धी, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पंख प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नामा नवा
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
निबन्ध के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यदि मूल में ए० सं० 314/1, 314/3, 315/2, 314/2
और 313/1, ओमनूर गांव (द० सं० 423/85) ।

श्रीमती एम० नामुवेल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारीख : 6-11-1985

मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. एस. -----

(1) श्री एम० सदरायन और ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ए० स्वयम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 24/मार्च/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
अध्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 94/6 वीं 1, 95/1 मीं,
95/2 मीं है, जो अन्नदानपट्टी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री प्राधिकारी के
कार्यालय टाडगपट्टी (द० सं० 136/85 और 975/85 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुधा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में विवरण जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

भूमि और निर्माण एम० सं० 94/6 वीं 1, 95/1 मीं अं
95/2 मीं, अन्नदानपट्टी गांव सेतम तालुका और जिला ।

एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अध., उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

तारीख : 6-11-1985
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एच. ---

(1) आर.एम.एम. सामुवेल और

(अन्तरक)

(2) आर.एम.एम. सामुवेल और

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 31/मार्च/85:—अतः मूसे, अमृत एम० सामुवेल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० मणिबिलनदास गांव है, जो मद्रास में स्थित है (और अपने उदाहरण सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारता अधिकारी के कार्यालय दलैवासल (द० सं० 224/85) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरमाना प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल, का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कड़ी करने या उच्च करने में भ्रम का संकेत; बीड़/बा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्दिग्ध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें पूर्वोक्त पदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

कुत्रि भूमि—मणिबिलनदास गांव अन्तर गांव, तेलम जिला, (द० सं० 224/85)।

अमृत एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जुन रोज-I, मद्रास।

तारीख : 6-11-1985.
मोहर :

प्रकाश बाबू. टी. एन. एच.-----

(1) श्री बालमुक्तामणि उडैयार ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० गेययम्पेरुमाल ।

(अन्तरिक्ष)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्तन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 40/मार्च/85--अंतः मुसे, श्रीमती एम० सामुवेल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- से अधिक है

और निम्नी सं० एम० सं० 267/1, 269/2, और 454/3 है,
जो बालमुक्तामणि गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिवार के
कार्यालय मेन्डमंगलम (द० सं० 315/85) में भारतीय रजिस्ट्रार
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 85
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विवरण
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षी) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए यह पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि का तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद

अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ब) अन्तरक से हुई किसी बात की शक्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
व्यक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी बात या किसी पद या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना बाह्य या छिपाने में सुविधा
के लिए;

नोट: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—
36—356GI/85

कृषि भूमि—एस० सं० 267/1, 269/2 और 454/3
बालमुक्तामणि गांव, सेलम जिला ।

श्रीमती एम० सामुवेल,

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेंट रेंज-I, मद्रास

तारीख : 6-11-1985.

मोहर :

प्राकृतिक अधिकार, टी.एन.एस.-----

(1) श्री पी. अस्तित्व गोन्डर और ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कं. राजगोपाल और ।

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 43/मार्च/85:—अतः मूझे, श्रीमती एम० सामुवेल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० एस० सं० 60/1, 61/3 है, जो मोलपालैयम गांव में स्थित है (और जिनमें उपावृद्ध में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिार के कार्यालय राक्षपुरम (द० सं० 392/85) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी याद की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर धारा के अन्तरक के वास्तविक के किसी अन्तरण के अन्तरण से कथित है तब; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि—एस० सं० 60/1, 61/3, मोलपालैयम गांव, सेलम जिला (द० सं० 392/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज-1, मद्रास।

तारीख : 6-11-1985.

मोहर :

प्रकाश माई. टी. एन. एड.

कानून अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

संलग्न उपपत्र

कानून, कानून अधिनियम अधिनियम (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 45/माई/85:—अतः भूमे, आमतः एम०
सामुवेन,

कानून अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विचार करने का अधिकार है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० सं० 38/2 बा, आनैकट्टीपालेयम गांव है,
जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचि में और
पूर्व का 1 सीमा है), अधिस्तु अति अधिकारी के नियमित, रास पुरम
(द० सं० 397/85) में भाग्यवा राजस्वकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मूल्य यह विचार
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्तावेज प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज प्रतिफल का दस्तावेज
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक
(अन्तरिक) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में
वस्तुस्थिति रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दस्तावेज में कमी करने या उक्त करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी धन या अन्य जातिवों
का, जिन्हें भारतीय कानून अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधीन, अस्तित्व की बाधा प्रकट नहीं किया गया
या कि जिस भाग का लिए या, जिसने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० अन्तरायाणा गोव्दर और ।

(अन्तरायाणा)

(2) 1 श्री एम० सुब्रमणियम,

श्री के० सुब्रमणियम,

श्री आर० बालसुब्रमणियम,

श्री ए० के० रामन ।

(अन्तरायाणा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

। सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछितकारी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि—एम० सं० 38/2 बा, आनैकट्टीपालेयम गांव,
सेलम (द० सं० 397/85) ।

एम० सामुवेन,

सशम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारीख : 6-11-1985

मोहर :

अध्याय 1, टी. एच. एच.

(1) श्री आर० चिन्तु गोन्डर और ।

(अन्तरक)

बाबूबाबू अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० इन्दुसामी ।

(अन्तरितो)

सहायक आयकर अधिकारी

अध्याय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 47/मार्च/85:—अतः मुझे, श्रीमता एम० सामुवेल,
बाबूबाबू अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० एम० सं० 4/2, अमानि अमानि कोट्टायपट्टी
गांव है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिधारा के कार्यालय रास पूरम
(द० सं० 404/85) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधिन, तारीख मार्च, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरितो
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तम पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाबू की बाबू, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में
रायत्व में कमी करने या उसके बचने में सविधा
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी बाबू या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय बाबू-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
गार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किसी बाबा चाहिए या छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को अर्जित है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया
गया है ।

अनुसूची

कुवि भूमि और घर—एस० सं० 4/2, अमानि कोट्टायपट्टी
गांव, सेलम ।

श्रीमता एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 6-11-1985
मोहर :

प्रकट नम्बर: टी. एन. एस.-----

(1) श्री मतो एम कोटिला और ।

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मादन टॉ एम० आनन्द और
मादन टॉ एम० मनोहर

(अन्तरक)

भारत सरकार

आयलिय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य का एक
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

निर्देश सं० 57/माच/85: -- अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,09,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 205/2, 205/1 और 139/2
है, जो थम्पपट्टे में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), एलिस्ट्रॉन अविश्वसनीय के तालुक, थम्पट्टी (सं० सं०
169/85) में मातृत्व एलिस्ट्रॉन अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अन्तर्गत, तालुक माच, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मालमूल्य सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्तावेज प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज प्रतिफल के
पत्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित में वास्तविक
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुए किसी भी बात, उक्त
अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत के
दस्तावेज में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एम० किसी भी या किसी भी या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या
धारा 269-ग अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या अन्य किसी भी वास्तविक या, निम्नलिखित में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधारक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पार
निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
र्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि-एम० सं० 205/2 205/1 और 139/2
थम्पपट्टे गांव, आतुर तालुक, मेसम जिला सं० 169/85

श्रीमती एम० सामुवेल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 6-11-1985

मोहर :

प्रकृष माई. टी. एम. एत.-----

(1) श्री अब्दुल कादर साहिब

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० 59/मार्च/85—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन तत्काल प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 293/2ए है, जो मोहनूर गाँव में स्थित है (और इससे उपाय में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, माहूर (द० सं० 149/85) से भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि कथित पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वारदात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कभी कल्पों या उचित वर्णों में स्पष्टीकरण के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें कर्तव्य आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकवार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उचित में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

(2) श्री बाबू (उप नाम) डालथ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निम्न वर्णनार्थों पर कर लगाया है।

उक्त वर्णन के वर्णन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्तन्मन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किन्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

बगुलूची

भूमि और निर्माण --एस सं० 293/2ए, मोहनूर गाँव, नामकल तालुक, सेलम जिला (द० सं० 149/85)

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 6-11-1985

मोहर :

रूपक आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री मुत्तु गोण्डर

(अन्तरक)

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० कुमरेमन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा—

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० 63/मार्च/85—अनः मुझे, श्रीमती एम०
सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जमकी सं० एम० सं० 207/1के, 207/1बी, 207/1क
207/1एच आई, 206/10, 207/1एम, 207/1एन
है, जो गजकोम्बे गाँव में स्थित है (और इससे उपावृद्ध में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एडमैण्ट्री (दम० सं० 248/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन मार्च, 1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निर्मासिद्ध उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
गोपनीय रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किया जा सके।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्ध्या 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उन शब्दों के लिए
रखा है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में बाधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवर्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा-किंचा आया चाहिए था, रूपान में संशोधन
के लिए।

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मासिद्ध व्यक्तियों, अर्थात् 2—

कृषि खेती और घर—एम० सं० 207/1के, 207/
1बी, 207/1एन, 207/1आई, 206/10, 206/8, 207/
1एम, 207/1एन, कण्डुसैपट्री गाँव, नामकल तालूक, सेलम
जिला (द० सं० 248/85)

श्रीमती एम० सामुबेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 6-11-85
मोहर :

प्राकृतिक अर्थ.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भाषा सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 71/मार्च/85—प्रतः मुझे, श्रीमती एस०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'अर्थ अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारों को यह विज्ञापन करने का
आग्रह है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जमकी सं० आर० एम० सं० 153/2ए, एकट्टे गाँव
है, जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एकट्टे (द०
सं० 65/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 15 मार्च 1985

का पूर्वोक्त अर्पण के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्पत्ति
प्राप्तियों के लिए अर्पण की गई है और मुझे यह निश्चय
करने का आग्रह है कि अधोपरोक्त संपत्ति का अर्पण अक्षर
सत्य, उसके सम्पत्ति प्रतिफल से, ऐसे सम्पत्ति प्राप्ति का
पंख प्रतिफल से अधिक है और अक्षर (अक्षर) और अक्षर
(अक्षर) के बीच ऐसे अक्षर के लिए सब सब नया प्रवि-
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्षर लिखित में वास्त-
विक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अक्षर से हुई किसी बाय की बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अक्षर के
राशिय में करी करने या उसके करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति का
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अक्षर द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० एम० ओ० चोक्किलिंगम और
(अन्तरक)

(2) श्री पी० आर० जी० गोविन्दराजन
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अर्पण के अर्जन के लिए
कार्यवाही करने होंगे।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई कार्य :—

(क) इस सूचना के अक्षर में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसके बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के अक्षर में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्नलिखित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोपरोक्तों के पार
लिखित में लिख जा सकेंगे।

संक्षेपः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्वये 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिए
गये हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण आर० एम० सं० 153/2ए, एकट्टे
गाँव और तालुक, सेलम (बद० सं० 65/85)

श्रीमती एस० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2 मद्रास

दिनांक : 6-11-85

मोहर :

प्रकृष भूमि, टी. एन. एस.

(1) श्री एम० सुब्रमण्य श्रीर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती डी० पेरुमाई

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 75/मार्च/85—अतः मुझे श्रीमती एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० सं० 41/1 40/2 41/1 3/4, 53/5
53/2 है जो पेरीटसी पगपाडी गाँव सेलम में स्थित है (और
इससे उपावृद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय वीरपाण्डी (द० सं० 350/85) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मार्च 1985

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल के
पेरे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वसूल, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्य में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

कृषि भूमि —एस० सं० 40/1 40/2 41/1 53/4,
53/5, 53/2, पेरीयसीगपाडी गाँव सेलम (द० सं० 350/
85) ।

श्रीमति एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I (1/सी), मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित :—
37—356G1/85

दिनांक : 6-11-85

मोहर :

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाकोफ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० 172/मार्च/85—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वाप्त करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 127/2बी3, 127/2बी4, 127/2बी2,
आवलनाईवैकलपट्टी गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सेन्दमंगलम (द० सं० 421/85) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिबो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कुरुप्पा गोण्डर और

(अन्तरणः)

(2) श्री पी० सुब्बुलक्ष्मी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि—एस० सं० 127/2बी3, 127/2बी4 और
127/2बी2, आवलनाईवैकलपट्टी गांव, सेलम (दि० सं 421/
85)।

श्रीमती एम० सामुबेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I (आई/सी), मद्रास

दिनांक : 6-11-85

मोहर :

इसका नाम टी.एन.ए.-----

(1) श्री ए० जगन्नाथन

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती डी० सरस्वती ।

(अन्तरिक)

भारत सरकार

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० 173/मार्च/85—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए० सं० 29/3, चिदम्बरपट्टी गांव में स्थित
है (और इससे उपाय में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिभारी के कार्यालय, सेन्दमंगलम (द० सं० 354/
85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिकूल से, ऐसे इसमान प्रतिकूल का
एक प्रतिकूल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक) और
अन्तरिणी (अन्तरिक) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
सबका नया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावत
में कभी करने या उसके करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भू या अन्य मास्तिवा
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में यह भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण --ए० सं० 29/3, चिदम्बरपट्टी
गांव, सेलम (द० सं० 354/85)

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 (1/सी, मद्रास)

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन १--

दिनांक : 6-11-85

मोहर :

प्रकट्टांक टी.एन. एस.-----

(1) श्री एस० सुन्दराजन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोहन राजेस

(अन्तरिती)

भाषा संस्करण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० 177/मार्च/85—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1/14, बार्ड "सी", ब्लाक 1 है, जो अलागपुरम पुदुर से सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरमंगलम (द० सं० 618/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—टी० एस० सं० 1/14, ब्लाक 1, बार्ड "सी",
अलागपुरम पुदुर गांव, सेलम (द० सं० 618/85)

श्रीमती एम० सामुवेल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 (आई/सी), मद्रास

दिनांक : 6-11-85

मोहर :

प्रमुख कार्य, टी. ए. ए. —

(1) श्री एम. तंगवेल और

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती के. देववाने आदि और

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं. 175/मार्च/85—अतः मुझे, श्रीमती एम.

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसमें परिवर्तन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. ए. सं. 1/21सी, 1/25, 1/27, ब्लॉक 2, वार्ड सी है, जो अलगपुरम पुदुर गांव, सेलम में स्थित है (अर्थात् इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, सुरमंगलम (दं सं. 610 और 611/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985, का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीया) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बाजार में हुई किसी भाव की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के वास्तव में कभी करने या उसके करने के सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत व्यापक नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वये 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुरागी

भूमि और निर्माण — टी. ए. सं. 1/21सी, 1/25, 1/27, ब्लॉक 2, वार्ड 'सी', अलगपुरम पुदुर गांव, सेलम (दं सं. 610 और 611/85)

एम. सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1 (आई/सी, मद्रास)

दिनांक : 6-11-85

मोहर :

प्रधान न्यायाधीश, एच. एच. ए.-----

(1) श्री के. वेंकटराघन

(अन्तरक)

न्यायिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती के. एम. प्रदेवकम्मै ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 34/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम. सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12, नयावार्ड सं० 15 प्लॉट सं० 2—सं० 56, 57 राजा अण्णा मलै चेट्टियार रोड है जो संगनूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम (लेख सं० 1425/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाका गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त वचन में सूचना के बिना; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाकी 5—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्तपत्रकारी के बाब निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान —56, 57, राजा अण्णा मलै चेट्टियार
 ड, संगनूर गांव, गांधीपुरम (लेख सं० 1425/85) ।

श्रीमती एम. सामुवेल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 29-10-85

मोहर &

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पी० सुब्बैया

(अन्तरक)

(2) श्री एस० पी० एन० भागप्प जेट्टियार और अन्यो

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयसल, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निवेश सं० 43/मार्च 1985—अंतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 1014-डोर सं० 11/409, मेप्पालयम है, जो कोयम्बतूर तालुक में स्थित है (और इसने उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 933/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करवा रहा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—मेट्रोलपालयम रोड—टी० एस० सं० 1014-डोर सं० 11/409—कोयम्बतूर—कोयम्बतूर लेख सं० 933/85।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 4-11-85

हस्ताक्षर :

अध्यक्ष, टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 47/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुष्णरपालयम् गांव टी० एस० सं० 1/919/
हिस्सा है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाय
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 1079/85 में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त को गड़ है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निम्न तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित
में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरित किया गया प्रकट नहीं किया ग-
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति :—

(1) मेसर्स विनायक कन्स्ट्रक्शन्स डिस्ट्रिक्ट कन्ट्रोलाल
सबलदास प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सुगुणा आटोमोबिल्स, को पार्टर्स एम०
पोतुस्वामी और आर० शिवकुमार
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्रवाई शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुष्णर

भूमि और मकान—टी० एस० सं० 1/919/17, हिस्सा—
अनुष्णरपालयम् गांव कोयम्बतूर टाटा कोयम्बतूर लेख सं०
सं० 1079/85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 29-10-85

आह्वार

प्रकरण आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 62/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 2271/1ए 2सी 3 ए और आर० एस० सं० 2270/4 है, जो कूनूर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर लेखमसं० 415/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब में अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जे० किशोरीनाल पारेख

(अन्तरक)

(2) डा० जार्ज मेथ्यूज और दूसरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कोई किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबबंद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि आर० एस० सं० 2271/1ए 2सी 3ए और आर० एस० सं० 2270/4, कूनूर लेख सं० 415/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-II, मद्रास)

दिनांक : 30-10-85

मोहर :

प्रधान कार्य-टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कानूनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 63/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
कुछ परिवर्तन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
'क' अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 ठीक म्यू नीलगिरीस में स्थित है (और
इससे उपाय में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, कूनूर लेख सं० 480/85 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल के
लिये प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उचित
आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में मासिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी काले या उक्त अधिनियम में उचित के लिए;
कोई/का

(ख) देखी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-
तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लूसी कोन्चुवरीड

(अन्तरक)

(2) ई० जे० वरकीच्चम अलैयास वरगीस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में बराबर होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योद्देश्य :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 4 ठीक प्रयु दी० नीलगिरीस कूनूर
कूनूर लेख सं० 480/85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 29-10-85

मोहर :

प्रश्न आई.डी.एम.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज— मद्रास

मद्रास, दिनांक अक्टूबर 19 85

निदेश सं० 67/माच 85--अन: मुजे। श्रीमती एम०
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लेख सं० 503 और 505/85 की श्रृंखला में
दी हुई सम्पत्ति है जो में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
द्वारा पुरम् लेख सं० 503 505/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा :-

(1) श्री रामदास और अन्यो ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० कुप्पुस्वामी गौडर और अन्यो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लेख सं० 503, 505/85 की श्रृंखला में दी हुई सम्पत्ति
द्वारा पुरम् ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 4-10-85

मोहर :

प्रत्यक्ष आर्द्र 21. एन. एस. -----

(1) श्रीमती एम० रबीदा बेगम

(अन्तरक)

बाल्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० कृष्णराज बेगम और दूसरे

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 70/मार्च 85 —अतः मुझे श्रीमती एम०

सामुवेल,

बाल्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसकी वजह से 'नवम अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विषय यह करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उल्लेख बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड सं० 5-टी० एम० सं० 36/2, गस्पा
पोल्लायी, जो तिरुत्तूर पोल्लायी में स्थित है (और इससे
उपाय में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पोल्लायी लेव सं० 620-652/85 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गामी की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थतः सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
फल प्रत्यक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तर्गामी (अन्तर्गामी) के बीच एंटे कन्ट्रिब्यू के लिए उन
पास एक प्रतिफल विनिर्दिष्ट अनुपात से ऊपर अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुए किसी भी प्रकार का भय, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के कारण के
कारण से कभी करने या करने करने के सूचना
के लिए; और/या

(ख) एंटी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या छिपाने में सूचना के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के साथ
कार्यवाही करने का है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बयान :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में इनाम होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकृष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् साक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

नियोजक :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, नहीं अर्थ होना, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और सकान वार्ड सं० 5 टी० एम० सं० 36/37
गस्पा पोल्लायी पोल्लायी-तिरुत्तूर पोल्लायी लेव सं०
620, 652/85

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 29-10-85

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री ए० एस० बा दुलहक ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० सारलहमीद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 72/मार्च 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लेख सं० 854/85 की शैड्यूल में दी हुई
संपत्ति है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दारापुरम लेख सं० 854/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रामाण्य

भूमि लेख सं० 854/85 की शैड्यूल में दी हुई संपत्ति
दारापुरम लेख सं० 854/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, मद्रास

दिनांक : 29-10-85

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स निज्जु तामम ट्रस्ट ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स होटल प्रोब्लेट
(नीलगिरी) प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 79/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सलम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 479/17, उट्टी गोलब है, जो
उदगमण्डलम् लेख सं० 218/85 में स्थित है (और इससे
उपावृत्त में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, उदगमण्डलम् लेख सं० 218/85 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूरा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उचित करने में बिना
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जीवितधन
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि और मकान आर० एस० सं० 479/17 उट्टी
रुल गोल उट्टी लेख सं० 218/85 ।

एम० सामुवेल
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 29-10-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 81/मार्च 85-प्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं०कृषि खेती कोण्डैयम्पालयम् गांव
पेरियनायकनपालयम् है, जो कोयम्बतूर तालुक में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियनायकन-
पालयम् एस० एफ/सं० 13/3 कोयम्बतूर लेख सं०
509 तथा 510/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधी, दिनांक मार्च 1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिधों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री ए० जे० स्वामी नायडू और श्रीमती बी०
बी० जगिस्वामी ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स हैब्रिड सीड्स कम्पनी लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि खेती--एस० एफ० सं० 123/3, कोण्डैयम्पालयम्
पेरियनायकन पालयम् कोयम्बतूर पेरियनायकनपालयम् लेख
सं० 509 तथा 510/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, मद्रास

दिनांक : 29-10-85

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) दी मलबार प्राविन्स आफ़ दी कांग्रेसेशनस
आफ़ कामैलिटीस आफ़ मेरी इम्माकुलेट सेंट
श्री जेरामन और दूसरे

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

- (2) श्री जे० रवी और जे० सुरेश ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 83/मार्च 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 6/3/8/3-9/1-227/
1-273/1, 465 जाकानरे गांव है, जो कोट्टिगिरी
कोणवाक्कोरे नीलगिरीस में स्थित (और इससे उपाय
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय उट्टी लेख सं० 267, 268, 269 तथा 296/85
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
(16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
विवरण में कमी करने या उससे बढ़ने में सविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिक्य
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों संपत्ति :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि—आर० एस० सं० 6/3, 8/3, 6/3, 9/1, 273/1
तथा 465 कृषि खेती—जाकानरे गांव कोसगिरी—कोण-
वाक्कोर गांव, नीलगिरीस उट्टी लेख सं० 267, 268, 269,
296/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 29-10-85

मोहर :

प्रश्न आर्.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 84/मार्च 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 273/3, कोणवाक्कोर गांव
है, जो नीलगिरी में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
ऊट्टी लेख सं० 297/298/85 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च 1985,

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गुणोत्प्रेक्षित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाय प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मलबार प्राविन्स आफ दी कांग्रेसशन्स आफ
कामेलिटीज आफ मेरी ईम्माकुलेट, सेंट तामस
प्राविन्स केरला ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जे० कण्णम्माल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्थाधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सूचना

भूमि आर० एस० सं० 273/3, 16.14 एकर्स, कोण-
वाक्कोर गांव नीलगिरीस ऊट्टी लेख सं० 297/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- I, मद्रास-6

दिनांक : 30-10-85

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस-----

(1) श्री आर० शेलवराज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चिजन्नस्वामी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 87/मार्च 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी० एम० सं० 686/3, कल्लाघट्टी गांव
गांधीपुरम है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गांधीपुरम लेख सं० 943/85 में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया गया बाह्य या छिपाव में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पदांश सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि जी० एम० सं० 686/3, कल्लाघट्टी, गांव गांधीपुरम,
कोयम्बतूर गांधीपुरम, लेख सं० 943/85 ।

श्रीमती एम० सामुबेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 29-10-85

मोहर :

अध्यक्ष, टी. एम. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 130/मार्च/865—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वेंकटपुरम गांव (लिटिल मौंठ) टी० एस० सं० 2 ब्लाक 4 की हिस्सा है, जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अडयार लेख सं० 660 तथा 661 85, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्ववर्त सम्पत्ति के लक्षित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववर्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्गत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कांथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक के लिए किसी भी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लक्षण में कमी करने या उसके बचने में सुविधा में दिव्य; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कदा जाना चाहिए या छिपाने में साक्ष्य के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती तेरेसा वुडमान और दूसरे (अन्तरक)

(2) मेसर्स विश्वशांति की मनेजिंग बिल्डर्स पार्टनर (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्तांतरण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें उक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हाया जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि वेंकटपुरम गांव (लिटिल मौंठ) टी० एस० सं० 2 ब्लाक सं० 4, वेंकटपुरम गांव अडयार लेख सं० 660/661/85।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 30-10-85
मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 19/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनका सं० 908, पी० एच० रोड, और 9ए, अलगप
चेट्टियार रोड है, जो पुरशवाक्कम मद्रास में स्थित है (और इससे
उत्पन्न अनुसूची में और पूरे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार
अधिनियम के अधिनियम, पुरशवाक्कम लेख सं० 508/85 में
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधिनियम, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित संकेतों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अधिनियम:-

(1) श्री सी० शिवशंकरन ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० रंगीट्टियन्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा किया गया

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकर्ता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

समूची

भूमि और मकान 908, पी० एच० रोड और 9ए,
डाक्टर अलगप चेट्टियार रोड, पुरशवाक्कम, मद्रास पुरशवा-
क्कम लेख सं० 508/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

प्रकृष बाह्य टी.एन.एस. :-----

(1) श्री बां० आर० स्वामीनाथन

(अन्तरक)

(2) श्री एम० गुणन

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 225 मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० बाई सं० 6, सं० 114 बैलठ वट्टम, छुम्ब-कोणम श्रीनगर कालनी एक्स्टेंशन है, जो टी० एस० सं० 2284 2279/1 तथा 2283 में स्थित है (और इससे उपावृत्त में पूर्ण रूप से वृत्ति है), रजिस्ट्रार जमीन अधिकारी के कार्यालय, तंजावुर लेख सं० 479/85 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधिनियम मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक आयुक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का बंध प्रत्यक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित से वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर वर्ष के अन्तरक के दायित्व से जमा करने या उक्त अन्तरण से सूचना के लिए कर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मेरे, मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान टी० एस० सं० 2284, 2279/1 तथा 2283, बाहु सं० 6, सं० 114 बैलठ वट्टम श्रीनगर कालनी, कुम्बकोणम तंजावुर—तंजावुर लेख सं० 479/85

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 5 नवम्बर 1985

रोमहं

(अन्तर ५)

(2) श्रमता: एम० एम० ए० रहिला और दूसरे (अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

संस्कृत समाजिक के जीवन के सम्बन्ध में कोई भी बातें —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निविदा में किए जा सकेंगे।

संशोधन :— इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण न हूँ किसी आय का बावत, उसका नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(५) एसी कि या जाह या किसी नया या अन्य जातिवा
को, बिना भारतीय नागरिक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसार जन्मिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी जाना चाहिए था, किया न
के लिए:

मणि प्रौढ मंडल -गुणना सं० 15, तथा सं० 6, प्रैक्रा-
पट्ट, गार्डन रोड, तुंगभवािकुम मद्रास थौसन्डलेठस लेख
सं० 85/1985 ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)

प्राप्तः एम० सामवेल

तत्तम प्राधिकारः

प्रायश्चित्त आचरण आधृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनां 5 : 5-11-85

मोहर :

प्रकट बाई. टी. एन. एच. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 126/मार्च 1985—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० टी० एम० सं० 108, पट्टा सं० 65, 121,
ईक्काठु तंगल है, जो स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधीकार के
कार्यालय, मद्रास दक्षिण में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अन्तर्गत प्रतिफल से, ऐसे अन्तर्गत प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
मासिक रूप से कबिद नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तर्गत के
कार्य में कमी करने या उचित करने के निर्दिष्ट
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तिवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभावनाश्व अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

40—356GI/85

(1) ई० सुन्दरेशन और अन्यो

(अन्तरक)

(2) श्री एस० संजय और अन्यो ।

(अन्तरित)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताकारी के पत्र
निम्नलिखित में किए जा सकेंगे ।

सन्निहित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और श्यों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुप्राणी

भूमि 121, ईक्काठु तंगल आर० एम० सं० 951
टी० एम० सं० 108, पट्टा सं० 65 दक्षिण मद्रास लेख सं०
636/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ए० एम० दस्तगिर बैग

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निवेश सं० 127/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 338, अण्णा शालै, मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ (दक्षिण) लेख संख्या 655/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ने प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच-एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से करीब नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के नाम :-

(2) श्री पी० सत्यनारायणन्
और पी० मणि कठेन (मैनेर्स)
रिप्रेसेन्टिड बाई बी० पद्मनाभन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रदत्त बम्बों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये गए हैं ।

अनुसूची

भूमि और मकान टी० एस० सं० 88, ब्लॉक सं० 10, डोर सं० 338, अण्णा शालै, मद्रास मद्रास दक्षिण लेख सं० 655/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

अध्यक्ष, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास,

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निवेदन सं० 131/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन प्रथम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, जो अडयार में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अडयार लेख सं० 412
85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मार्च 85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से की जा नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्त, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जिनकी है—

(1) श्रीमती गज लक्ष्मी और गोपिकाम्बाल
(अन्तरक)

(2) मैसर्स तमिलनाडू सेन्ट्रल एक्साइज
एण्ड कस्टम्स एम्प्लॉईज को-ऑपरेटिव
हाउस बिल्डिंग सोसाईटी
(अन्तरिणी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आयकराधिकारों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि-अडयार (1.37 एकड़) अडयार लेख सं० 712/
85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल
प्रथम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985
मोहर

प्राकृतिक आर्.टी.एन.एल.-----

(1) श्री पी० के० नंदगोपाल और अन्यो
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री कालीलाल एम० मेवा और अन्यो
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रासकी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

उक्त सम्पत्ति के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निवेश सं० 137/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 4, केसन्ड पार्क स्ट्रीट, टी० नगर है,
जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 364/85 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के
बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए छय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है।—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने की अन्तरक को वास्तव में
कमी करने या उसके बतने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि और मकान सं० 4, केसन्ड पार्क स्ट्रीट, टी० नगर
मद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 364/85।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

प्रारूप नोट : टी. एन. ए. ए. ए.

(1) श्री विनय कुमार सी० परेख

(अन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चंद्रकांत एम० टोलिया और दूसरे

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

निर्देश सं० 138/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,
जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 7, (पुराना सं० 14) अरुलम्मा ल
स्ट्रीट है, जो टी० नगर मद्रास-17 में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं०
370/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मार्च 85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रमाणित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; नोट/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तवा
को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किना जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अनुसूची

भूमि और मकान-7, (पुराना सं० 14), अरुलम्मा ल
स्ट्रीट, टी० नगर मद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 370/
85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षादि

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एच. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 139/मार्च 85—अन: मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या टी० एस० सं० 6120/2, -57 बेंकट-
नारायणा रोड, टी० नगर है, जो मद्रास-17 में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख
सं० 375/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्मातृकित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
बाधित में करी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
के अधीन या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मातृकित व्यक्तियों, बर्तते :—

- 1) श्रीमती वी० रमणी बाय और 4 अन्यें
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती एन० सावित्री
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनाधिकारिक रूप से या
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-टी० एस० सं० 6120/2, 57,
बेंकटनारायणा रोड, टी० नगर, मद्रास-17 टी० नगर लेख
सं० 375/85।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राविहारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

प्रमुख आर्ज. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

- (1) श्रीमती बी० रमणी बाई और 4 अन्यो
(अन्तरक)
- (2) श्री आर० नारायण स्वामी
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 140/मार्च 85—ततः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या टी० एस० सं० 6120/2/57 वेंकट-
नारायणा रोड है, जो टी० नगर मद्रास में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय, टी० नगर लेख सं०
376/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पत्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

कल्पुची

भूमि और मकान टी० नगर, मद्रास 57, वेंकटनारायणा
रोड, मद्रास टी० नगर लेख सं० 376/85

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रश्न. आई. टी. एन. एस.

(1) श्री एम० नटराजन और 5 अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० वी० आर० जम्बुनिगम्

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्देश सं० 141/मार्च 85-अन : मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 6, वेंकट स्वामी स्ट्रीट, टी० नगर
है, जो मद्रास-17 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 384/85 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 85

समाप्ति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्ण्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित अक्षेप है उक्त अंतरण निश्चित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

भूमि और मकान-6, वेंकटेशन स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-
17, टी० नगर लेख सं० 384/85।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अन : अ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस.

(1) श्री वी० बी० जान

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जिल्ली सामम

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 144/मार्च 85-अन : मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 13, (पुराना सं० 46) रसूल ओमरा
बहादुर 6 स्ट्रीट में, जो मद्रास 14 में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिलिकेन लेख सं०
229/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निमित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुछ किसी आय को गणत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 —356GT/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

संक्षेपितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-13, रसूल ओमरा बहादुर 6 स्ट्रीट,
रायपेट्टा-मद्रास 494, ट्रिलिकेन लेख सं० 229/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रकट बाई.टी.एच.एच.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

सारक्य सूचना

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 162/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 11, 8वां स्ट्रीट, डा० राधाकृष्णन रोड,
है, जो मैलापुर-मद्रास-4, आर० एस० सं० 1902/10
और 11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 259/84 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूरा
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीवो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए अब बाधा बना
प्रतिफल, विप्लवविधित उपरोक्त से उक्त अन्तरण विधित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाध की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साधित्व में कमी करने या उद्धृत करने से विधित
के लिए; और/वा

(ख) किसी किसी बाध या किसी वन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में
सूचिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति :—

(1) श्री आर० के० सिंगमपाल राज और
श्रीमती के० मुत्तम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री जे० वी० गोविंद राव और,
श्रीमती जी० वी० बाई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए
कार्यवाहियां कराया है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के दृश्यमान से कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या उत्पन्न की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बर्तव्यकारी के पास
स्थित में किए जा सकेंगे।

समाधानकर्ता :—इसमें प्रयुक्त सबों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही बर्तव्य होना जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि और मकान-11, 8वां स्ट्रीट डाक्टर राधा कृष्णन्
रोड मैलापुर मद्रास-4 आर० एस० सं० 1092/10 और
11 मैलापुर/लेख सं० 259/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.ए. -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

नगर नगर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निवेश सं० 164/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या 193 सेंट मेरीस रोड आलवार पेठ
है जो मद्रास 13 में स्थित है (और इसमें उपाध्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मलापुर लेख सं० 267/85 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च
85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
सम्बन्धित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उसके करने में सुविधा
के लिए। और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एम० वेंकट सुब्रह्मण्यम
(अन्तरक)
- (2) श्री के० सुब्रह्मणियन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठाकारी के पास
लिखित में प्रेषित जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

नगर

भूमि और मकान-193, सेंट मेरीस रोड आलवार-
पेठ मद्रास-18 मलापुर लेख सं० 267/85।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

प्रकृप आई.डी.एन.एस.-----

(1) श्री के० मणि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० मणि और अन्यो

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 165/मार्च 85—अतः मुझे श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 17 जेत नगर 3 स्ट्रीट आर० ए०
पुरम है जो मद्रास 28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय मेलापुर लेख सं० 274/85 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च
85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-17 (पुराना सं० 10) जेल नगर
3 स्ट्रीट राजा अण्णामलैपुरम मद्रास-28 मेलापुर लेख सं०
274/85।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एच. - - -

(1) श्रीमती ए० सीताक्षी सुंदरी

(अन्तरक)

(2) श्री बी० आर० शिवराज

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 178/मार्च 85—अनः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट सीर-अपार्टमेंट्स-2 भीमण-
मुदली स्ट्रीट है जो मद्रास-18 में स्थित है (और इससे
उपाधुत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर लेख सं० 276/85
में 'रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अर्जागत की गई है और मूल यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
रूप से अभिमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना का तामील में 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
पक्ष किसी आय व्यक्तियों द्वारा उपाधुताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहां अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट-सी-2, सुमन्त अपार्टमेंट्स-2, भीमण मुदली
स्ट्रीट, मद्रास-18 मैलापुर लेख सं० 276/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

(प्रन्तरक)

(अन्तरिती)

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ग्रहण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

मोहर

प्रकृत जाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एम० गणपति सुब्रह्मण्यम्
(अन्तरक)

(2) श्री स्टीवन मेन
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के बिना
कार्यवाहियों शुरू करता है।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 184/मार्च 85--अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 81, लाल चर्च रोड, मैलापुर है, जो
मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 298/85 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च
85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबिष्ठ नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी जाच की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायिब्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी जाच या किसी धन या अन्य जास्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

साक्षर

प्लेट 1/16 अभिन्न हिस्सा 4161 स्केअर फीट में और
प्लेट 81, लाल चर्च रोड मैलापुर, मद्रास-4, मैलापुर लेख सं०
298/85

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जगन मुरी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० अबूबकर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघर्ष के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

उक्त संघर्ष के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 185/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सहायक आयुक्तों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या आर० एस० सं० 1692/30 की
ब्लॉक सं० 35, 18, बालैया अधिनियम है, जो लम चर्च रोड
मैलापुर मद्रास 4 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 299/85 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85
को पूर्वोक्त संघर्ष के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
विहित में वास्तविक रूप से विहित नहीं किया गया है :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
विहित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसूल, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उक्त करने में विवका
न किए; और/वा

अवस्यी

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय बाण-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में विवका
न किए;भूमि 18, बालैया अधिनियम, लम चर्च रोड मैलापुर मद्रास-4
मैलापुर लेख सं० 299/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सहायक आयुक्त

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

ततः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एम० पार्थसारथि ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० विश्वनाथन् ।

(अन्तरिणी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 157/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिपकी सं० 6, III मेडन रोड टेलीपोस्ट कालोनी
वेस्ट माम्बलम है, जो मद्रास 33 में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 315/
85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन अन्य वास्तविक
यदि किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
42—356GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादों—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र-
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और महान-6, III मेडन स्ट्रीट टेलीपोस्ट कालोनी
वेस्ट माम्बलम मद्रास-33, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 315/85
85

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-11-1985
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 192/मार्च 85--अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसका 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
आवर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 19, नरसिंहपुरम मैलापूर है, जो मद्रास
4 में स्थित है (और इससे उपायध अनुमूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मैलापूर लेख सं० 327/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च
1985

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
निफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वृद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
लिखित रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री एन० श्रीनिवासय्यर और अन्यो
(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० मीना राव
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-मैलापूर 19, नरसिंहपुरम मद्रास 4
मैलापूर लेख सं० 327/85।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

राज्य भाग: टी. एन. एल.

(1) श्री के० ए० गोल्ल मुत्तु

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० एल० चिवम्बरम

(अन्तरिती)

माइल बरकाट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निवेस सं० 198/मार्च 85—प्रतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या 46, सर सी० पी० रामस्वामिअय्यर
स्ट्रीट है, जो अभिरामपुरम मद्रास 28 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 359/
85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में दृष्टि
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची में वर्गीकृत होकर प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिवों, बर्नात है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के जिस
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं हैं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में दायर होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि—मैलापुर गांव डोर सं० 46, सर सी० पी० राम
स्वामी अय्यर रोड, अभिरामपुरम मैलापुर लेख सं० 359/
85

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985
मोहर

प्रकाश बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती डी० नागभूषणम और अन्यो

(अन्तरक)

(2) मेस्सर्स वी० जी० पी० हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 205/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 174/1 हिस्सा 173/3 हिस्सा, 173/5 है जो एण्णूर गांव में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय मद्रास दक्षिण लेख सं० 729 से 732/85 तक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम की व्यवधान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या कमी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आरोप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि— सर्वे सं० 174/1 हिस्सा, 173/3 हिस्सा, 173/5 एण्णूर गांव 729 से 732 तक मद्रास दक्षिण

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

रूप आई.टी.एन.एन. 3-----3333333

(1) श्री एस० एम० बोंस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० बालु नायडू

(अन्तरिती)

प्राप्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 209/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 52, जस्टिस रामस्वामी रोड कामराज
अविन्यू है, जो मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मद्रास साउथ लेख सं० 887/85
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह से, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
से कमी करने या उसके करने से सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादोंः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमी और मकान-52 जस्टिस रामस्वामी रोड, कामराज
अविन्यू मद्रास 20 मद्रास साउथ लेख सं० 887/85

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 214/मार्च 85--अन: सुखे, श्रीमती एम० सामुवेल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
श्रीर जितेन पं० अय्यप्पन त्रिगल गांव, श्री पेरम्बूटुर तालुक
है, जो चेंगलपट डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर उसमें उपावद्ध
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधि-
कार के कार्यालय, मद्रास (दक्षिण) लेख सं० 944/85
में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधिनियम 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कट्टे के अन्तरक के
कारण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
की लिए।

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
नहीं, न ही उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० वी० गजपति।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० सत्यनारायणा और अन्यो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख :
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-अय्यप्पन त्रिगल गांव, श्री पेरम्बूटुर तालुक चेंगलपट
डिस्ट्रिक्ट (मद्रास दक्षिण) लेख सं० 944/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, मद्रास

तारीख: 5-11-1985

मोहर:

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

(1) श्री भार्थीभारत ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री ए० डी० केशवन ।

(अन्तरिती)

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 217/मार्च 84—अनः मुझे, श्रीमती एम०

सामूवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या 114, वेंकटरंगम स्ट्रीट है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लिकेन लेख सं० 176/85 में रजिस्ट्रार/करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का गन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा नवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बाध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाध का किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि का समय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकाश व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरों के पास लिखित में लिखा जा सकता है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-अ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमस्तुमी

भूमि और मकान-114, वेंकटरंगम स्ट्रीट मद्रास ट्रिप्लिकेन लेख सं० 176/85

श्रीमती एम० सामूवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती एम० एम० ए० अलमेलू आर्चि।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० बी० मनोहरन।

(अन्तरिता)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 219/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामूवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तिरुक्कुरगावुर है, जो शोरकाली में स्थित
है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, शोरकाली लेख
सं० (3 नम्बर) 217/84 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च
85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
आधारे में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों की सूची—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और महान-तिरुक्कुरगावुर, शोरकाली, शोरकाली
लेख सं० 217/85 (3 नम्बर)

श्रीमती एम० सामूवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-11-1985

मोहर:

प्रमुख बाईं टी. एन. ए.-----

(1) श्री ए. ए. के. रत्तिनवेल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी. के. रंगस्वामि ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं. 220/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम.

सामूवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'नया अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन गलत प्रार्थिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि गलत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीमती एम. 5/58 5/59 ए, कोलकाता वीथी है, जो सत्यमंगलम् में स्थित है (श्रीमती एम. उपर्युक्त अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की दायिदारी के अन्तर्गत, सत्यमंगलम् लेख सं. 816/85 में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से यह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक को बाधित करने या उससे बचने से सुविधा के लिए : और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

43—356GI/85

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन की सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रीमती एम. 5/58, 5/59 ए, कोलकाता वीथी, सत्यमंगलम्, सत्यमंगलम् लेख सं. 816/85 ।

श्रीमती एम. सामूवेल

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्ररूप नार्ड, टी. एच. एस. -----

(1) श्रीमती दिवपुरसुंदरी चम्माल ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मुहम्मदवेरीफ़ ।

(अन्तरिती)

साम्प्रत संनकीर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 226/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामूवेल,
भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 408/5, शोरकाली वदुम् है,
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिहारे के कार्यालय शोरकाली लेख सं०
176/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतर्क के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, संपत्ति :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त भव्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि :- शोरकाली (आर० एस० सं० 408/5) शोरकाली
लेख सं० 176/85 ।

श्रीमती एम० सामूवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

अधिनियम सं. 43, 1961

(1) श्रीमती सी० पी० ताराबाई और अन्यें ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती के० पेंगवावल्ली और के कृष्णन् ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 227/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामूवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 61, ईश्वरदास लाला स्ट्रीट ट्रिप्लिकेन है जो मद्रास-5 में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारती अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लिकेन लेख सं० 182/85 में रजिस्ट्रारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 2—
मोहर ७

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और मकान ईश्वरदास लाला स्ट्रीट ट्रिप्लिकेन ।
मद्रास 182/85— ट्रिप्लिकेन ।

श्रीमती एम० सामूवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रारूप बाई-टी. एन. एस. नं. २

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 1/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हल्के पक्षार्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० टी० एन० सं० 2 (हिस्सा) दण्डायुक्तपाणि
नगर है, जो अड्यार मद्रास में स्थित है (और इससे उपाब्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिवारा के
कार्यालय, उत्तर मद्रास लेख सं० 705 और 706/85
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधिन मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का
बहु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाद/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० आर० एन० चोरा और अन्य ।

(अन्तरित)

(2) श्रीमती एम० कला रेडॉ और दूसरे

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के बिना
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि-टी० एन० सं० 2 (हिस्सा) दण्डायुक्तपाणि नगर,
अड्यार मद्रास उत्तर मद्रास लेख सं० 705 और 706/
85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

उपस्थित अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष भाषा टी. एन. एच.-----

(1) श्री. के. विजयभुवनार।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री. कठिलाल और अन्यो

(अन्तरगत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 76/मार्च 85—अ३: मुझे, श्रीमती एम० सामूवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० कुमारपालयम गाँव, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इस) उन्नावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिारों के कार्यालय कोयम्बतूर लेख सं० 1104, 1103/85 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कट देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-कुमारपालयम गाँव, कोयम्बतूर तालुक कोयम्बतूर जिला सं० 1103, 1104/85।

श्रीमती एम० सामूवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० 128/मार्च, 1985—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि खेती सर्वे सं० 193/2, 258,
174/1, 195, 194/5, 173/2, 173/7 है तथा जो
एण्णूर गांव में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दक्षिण मद्रास लेख सं० 668 से 760 तथा
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख मार्च, 1985

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० नागमूर्णम् और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मैं बी० जी० पी० होसिंग प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा अप्राप्तताभूती के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि खेती—सर्वे सं० 193/2, 258, 174/1

एण्णूर गांव— दक्षिण मद्रास।

लेख सं० 668, 7669, 670/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ए० बी० एम० जाफरजीन और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० 152/मार्च 1985--अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० 1/5 हिस्सा अभिन्न भूमि आर० एस० सं० 2/17 और 2/41 (सं० 7, 7 ए और 7 बी) है तथा जो कोडम्बायम हाई रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 251, 252 और 253/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बयति :-

(2) कुमारी बफीरा भानू और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि--1/5 अभिन्न हिस्सा-- आर० एस० सं० 2/17 और 2/41 (सं० 7, 7 ए और 7 बी) कोडम्बायम हाई रोड, मद्रास, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 251, 252 और 253/85 है।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 1-11-1985

मोहर:

प्रकृष आइ.टी.एन.ए.-----

(1) श्रीमती ललिता कुमारी और यमुना देवी।

(अन्तरक)

(2) श्री मुहम्मद हाजी और अबूबकर हाजी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 158/मार्च, 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० रामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 174 एलडाम्प रोड, सेनाम्पेट है तथा जो मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरता अधिारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल सेनाम्पेट लेख सं० 329/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के तयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि धारा में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्त को

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिारिताधीन के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम और मजान-174, एलडाम्प रोड, सेनाम्पेट मद्रास-18 मद्रास सेन्ट्रल।

लेख सं० 329/85।

एम० रामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री गिरीन असरफ हुसैन।

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जयन्ती ज्यांनि।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 187/मार्च, 1985—अनः मुक्त श्रीमती
एम० सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जम्को सं० 146 इजम्बाक्कम गांव शैदापेट तालूक
है तथा जो मंगलपेट डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी
अधिकारी के कार्यालय, अड्यार लेख सं० 521/85 में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख मार्च, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और उन्हें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के नियम पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
गन्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वार्षिक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
साक्ष्य में खोज करने या उसमें बदलने के साक्ष्य
से किए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
नायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किसी बात या धन या, जिसमें से
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
न, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—356GI/85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सहस्र

खेती—सं 43, इजम्बाक्कम गांव शैदापेट
मंगलपेट अड्यार लेख सं० 521/85।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3823/2/85-86--अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तीन मंजला बिल्डींग नं० 4, इन्डिया टैक्सटाइल
है, तथा जो मारकेट, सुरत में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार-
कर्ता अधिनियम के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रार-
अधिनियम 37 EE के अधीन, दिनांक 28 फरवरी, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापस
में कमी करने का उद्देश्य करने में सुविधा के लिए
की/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मं० संजीव बिल्डर्स प्रा० लि०।
रिंग रोड,
सुरत

(अन्तरक)

(2) श्री हर गोपाल महोन्ता
85, नेताजी रोड,
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताधरी के पाद
लिखित में किहू जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्धत्व 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 28 फरवरी,
1985 को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-1985

तेहर :

प्रकृत बाह्य. टी. एन. एस. ५ - ५

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

निदेश सं० जी० आर० नं० 3824/2/85-86—अतः
मुझे, जी० के० पंड्या

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तीन मंजिला बिल्डिंग नं० 4, इण्डिया
टेक्सटाइल्स है तथा जो मार्केट, सुरत में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रार—
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जन
तारीख 28-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
साथ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

(1) म० संजोव बिल्डर्स प्रा० लि०,
रिंग रोड,
सुरत।

(अन्तरक)

(2) म० विमला सागरी,
31 बी, एटलस अपार्टमेंट,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ
लिखित में किया गया है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 28-2-85
को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-1985

मोहर :

प्रारूप बाई. टी. एन. एन. ---

भायकट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3825/2/85-86—अतः
मुझे जी० के० पंड्या

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डुकान नं० 4, इण्डिया मार्केट, सूरत
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिवारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रारकी अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधिन, तारीख 25-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तुक्त के
रायित्व से कमी करने या तससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० संजीव बिल्डर्स प्रा० लि०,
रिंग रोड,
सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मिसेस निर्मला भट्टार,
31 बी, एटलास अपार्टमेंट्स,
बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 25-2-85
को पेश किया गया है ।

जी० के० पंड्या

सक्ष प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुनी रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3826/2/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन दक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तीन मंजिला बिल्डिंग नं० 4, इण्डिया टेक्स्टाइल्स मार्केट, भुरत में स्थित है (और इससे उपायुक्त अफ़सुवा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश के तालिका, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई का 16 के अधीन तारीख 26-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने की सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) म० संजीव बिल्डर्स प्रा० लि०,
रिंग रोड,
सुरत ।

(अन्तरक)

2) मिसस उमिला डगा,
31-बी, एटलस अपार्टमेंट्स,
बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 26-2-85 को पेश किया गया है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुनी रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3827/2/85-86--अतः

मुद्रा, जी० के० पंढ्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनका सं० तीन मंजिला बिल्डिंग इण्डिया टेक्सटाइल मार्केट,
है तथा जो दूरत में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की कार्यालय
अहमदाबाद में 37 ईई० के अधीन तारीख 18-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
नौ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) संजीव बिल्डर्स प्रा० लि०
रिंग रोड,
सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री शिव कुमार एल० बगला
श्री विनोद एल० बगला,
वरली,
बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 18-2-85
को पेश किया गया है।

जी० के० पंढ्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-1985

मोहर :

प्रमुख भाई: टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3828/2/85-86---अतः
मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० तीन मंजला बिल्डिंग, इण्डिया टेक्स-
टाइल्स है तथा जो मार्केट, सुरत में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुपूर्व में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रार-
अधिनियम, 37 ईई का 16 के अधीन तारीख 26-2-
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित करी गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रयत्न
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० संजीव बिड्स प्रा० लि०,
रिंग रोड,
सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार बागरी,
31-बी, एटलस अपार्टमेंट,
बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सावधानी:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुपूर्व

37 ईई का फार्म पर कार्यालय में दिनांक 26-2-85
को पेश किया गया है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर दरकांड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3829/2/85-86---अंतः

मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तीन मंजिला बिल्डिंग नं० 4, इण्डिया टेक्स्टाइल्स है तथा जो मार्केट मूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रार करण अधिनियम, 37 ईई का 16 के अधीन तारीख 26-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विद्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) संजीव बिल्डर्स प्रा० लि०
रिंग रोड
मुरत ।

(अन्तरक)

(2) मिहिर मंजु सागरी,
31-बी, एटलस अपार्टमेंट,
बम्बई-6 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 26-2-1985 को पेश किया गया है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3830/2/85-86—अतः

मूले, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे-102, इण्डिया टेक्स्टाइल्स मार्केट
सूख में स्थित है (और इसमें उतावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम, 37 ईई का 16
के अर्जन तारीख 4-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
45—356GI/85

(1) मैं० संजय प्रमिसेस
की० आपरेटिव सोसाइटी,
सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेमांजिनी टिटुभाई पटेल,
नानपुरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

37 ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 4-2-85
को पेश किया गया है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 11-10-1985

मोहर

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आ० नं० 3881/2/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे०-707, 708 इण्डिया टेक्स्टाइल
मार्केट है तथा जो सुप्रा में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम,
37 ईई का 16 के आगत तारीख 23-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विहित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक में कोई किसी बात की भावना, उक्त
अधिनियम के अधीन करने की भावना के अन्तरक में
कार्यवाही में कभी करने या उनसे बचने में अधिभार
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किता वाता चाहिए था, डिपाने में सूचना
के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मी० संजय प्रिमिसेस को०
आन्टरेटिव सोसाइटी,
रिंग रोड,
सुरत ।

(अन्तरक)

(2) मी० जे० के० सिंथेटिक्स,
देसाई रोड,
बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 23-2-85
को पेश किया गया है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 11-10-1985

मोहर :

प्रकृष बाई टी.एन.एच. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3832/2/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे-104, इण्डिया टेक्सटाइल मार्केट है
तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई का 16
के अधीन तारीख 4-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रयुक्त नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनि :-

(1) मैं० संजीव प्रिमिलेज को०
आपरेटिव सोसाइटी,
सूरत।

(अन्तरक)

(2) पटेल कंकु सरन अंसालान,
हरिपुरा मुख्य मार्ग,
सूरत।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 4-2-85
को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 11-10-1985

मोहर :

प्ररूप. भाई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निदेश सं० सं० पी० आर० नं० 3833/2/85-86—

अतः मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० जे-605, इण्डिया टेक्सटाइल मार्केट है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 137 ईई का 16 के अधीन तारीख 4-2-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

[(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन - निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० संजीव त्रिमितेस को०
आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,
सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मै० सुरेखा टेक्सटाइल,
63/71, डेडी रोड अगिनारी,
भुवनेश्वर,
बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 4-2-85 को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 11-10-1985
मोहर :

प्रमुख भाग : भाग 1, अनु. 1, अनु. 1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3834/2/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे०-103 इण्डिया टेम्पलाइल मार्केट है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपर बड़े अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई का 16 के अधीन तारीख 8-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से यह किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयत्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० संजीव प्रिमिसेस को०
आपरेटिव सासाइटी,
रिंग रोड,
सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री कमला देवी जे० अग्रवाल,
अग्रवाल नगर,
महाराष्ट्र।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 8-2-85 को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 11-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3835/2/85-86-अ३, मुझे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और निम्नलिखित सं० फ़ैट नं० 5-सी, रवि छाया अपार्टमेंट है, तथा
जो सूत्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 37-ई ई के अधीन,
तारीख 26 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितीया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसूची निर्धारित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुए किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत को
साक्ष्य में करने या उससे बचने की सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मे० रवि इंटरप्राइज तान परा, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री माणो जेवन्द मोतीलाल

L-1064 सूरत टेक्सटाइल मार्केट, रिंग रोड,
सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सं० 37-ई ई का फॉर्म यह कार्यालय में दिनांक 26-2-85
को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 11-10-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मै० रवि इण्टरप्राईज नानपुरा, सूरत

(अंतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

7. श्री सीताराम भाई आर० गोयल
302, राधिका टेरेस, नानपुरा,
सूरत

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3836/2/85-86-अज.; सुसे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फॉर्म नं० 4-ए, रविताल, अहमदाबाद है, तथा जो सूत्र-अन्वया लाइन में स्थित है (अर्थात् से उत्पन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिारी के कर्तव्य, अहमदाबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम, 37-ई के अधीन, तारीख 26 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का वास्तविक बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की जागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्रमिका के लिए; और या/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निताओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रमिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिख जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त 'शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37-ई ई.आ.फॉर्म यह कार्यालय में दिनांक 26-2-85 को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख 11-10-1985
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3837/II/85-88—यतः, मुझे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 613, रविछाया अन्तर्द्वैत है तथा
जो मूल में स्थित है (और इसे उतावले अनुसूची में और पूर्ण रूप से
घण्टित है), रविछाया अन्तर्द्वैत के कार्यालय, अहमदाबाद
में 37-ई के अधीन, तारीख 26 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री रवि छ्वाया अन्तर्द्वैत, तानपुरा,
अम्बुर स्ट्रीट, सूरत

(अन्तरक)

2. श्री शशिकान्त छोटालाल पटेल द्वारा
मनुदाई पटेल
तानपुरा, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुचो

37-ई का फॉर्म इस कार्यालय में दिनांक 26-2-85 को
पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 11-10-1985

मोहर

प्रकाशक, श्री. एच. एच. - - -

(1) श्री. रवि इन्दरप्राईत नानपुरा, सूरत

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मधितावदूत रविन्द्र आर्य,
बुन्दारापन अगार्टमेंट, घांछ दौड़ रोड,
सूरत

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1985

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
राज्यपालिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

निर्देश सं० पी० आर० सं० 3838/II/85-86-यंतः, मुझे,
जी० के० पंडया,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6-सी, रवि तेज अपार्टमेंट है तथा
जो सूरत में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में 37-ईई के अधीन, तारीख 26-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के द्वारा अन्तरिक की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय थाया गया
अधिकतम निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित
में आसक्तिपूर्ण रूप में स्थापित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन की
गयी लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्तरिक अन्तरण के अन्तर्गत अन्तरण और अन्तरण का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में गण्य श्रेष्ठिक
है, रहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी बाध की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण
को अन्तरण करने में अन्तरण के अन्तरण के अन्तरण
की वजह

(ख) किसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनके भारत में आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्तरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा अन्तरण नहीं किया
गया या या किसी जाय या धन या, जिसने में
अन्तरण के लिए

अन्तरण, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

46—356GI/85

37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 26-2-85 को पेश
किया गया है।

जी० के० पंडया
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 11-10-1985

मोहर :

प्रारूप आइ.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3839/II-86-85—यतः, मुझे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शेड, पी० आई० डी० सी० गारेया है तथा जो
बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची से और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बराबर प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, अर्थात्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेश भाई नाथा भाई पटेल और अन्य
हरिकृपा, अलकापुरी, बड़ौदा
(अन्तरक)
2. श्री डाहूया भाई काशीभाई पटेल,
इन्डस्ट्रीयल शेड, गारेया, बड़ौदा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाकीय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शेड जो शाखा में स्थित है जिसकी कुल कीमत 155000
रुपए है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 28-10-1985
मोहर :

प्रमुख भाग टी. एन. एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3840/II/85-86—यतः, मुझे,
जी० के० पंडया,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन और मकान एस० नं० 479/2-3 है
तथा जो पादरा रोड़, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उक्त
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विहित में वारंवारिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वारंवार, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशिय में कमी करने या उक्त करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को जिनमें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना बाँझ था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री यशवंतराव नाना साहेब शिंदे,
पादरा रोड़, बड़ोदा।

(अन्तरक)

2. मै० दीपशरण सोसायटी
जुल पादरा रोड़, बड़ोदा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
अवरोधकियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यादेशाक्षरों के पास
लिखित में लिखा जा सकता है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य
10,50,000 रुपए है और 19-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 24-10-1985

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3841/85-86—यतः मुखे,
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसका
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन और महान आनन्द नगर मोपायटी
है तथा जो जतेसपुर, बड़ौदा में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मणीबहन मेधाजी राजा चौहान
रेस कोर्स रोड, बड़ौदा।

(अन्तरक)

1. श्री मणीबहन आशा राम शाह
58, संपतराव कालोनी, अलकापुरी,
बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलकियत बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 5,00,000
रुपए है और मार्च, 85 में रजिस्टर्ड की गई है।

पी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 24-10-1985
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3842/II/85-86—यतः मुझे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शास्त्री नगर, सोसाइटी, 46 है तथा जो
बड़ौदा में स्थित है (आर.एस. उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारता अधिकाारी के कार्यालय, बड़ौदा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1985

में पूर्वावक्त समर्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत दलाल के अनुसार अन्त-
रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वावक्त समर्पित के उचित बाजार मूल्य
इसके व्यवहार प्रतिफल से एक व्यवहार प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरक के लिए तम पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य 8 उक्त अंतरक लिखित
में वास्तविक रूप से स्वीकृत नहीं किया गया है :—

(क) व्यवहार से हुई किसी धन की वावजू, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के व्यवहार को
व्यवहार से कभी करने या उसके बचन में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मणोहरन छगनभाई पटेल .
शास्त्री नगर सोसाइटी०, निजामपुरा,
बड़ौदा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती दमयंती बहन नंदिन चन्द्र सोनी,
छाजी, जिला—बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावक्त समर्पित के अधिनियम के अधिनियमों शुरू करता हूँ ।

अवकाश सम्पत्ति के अधिनियम के अधिनियम में कोई भी अन्तरक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकयत जो बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य
2,25,000 रुपए है और मार्च 1985 में रजिस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 24-10-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष धारा 20. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3843/II/85-86—यतः, मुझे,
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 547 चौ० मी० है तथा जो रावपुरा,
बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1985

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी धन की राशि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; धन/रा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कमलाबेन कमलाकर पागेदार
मटरछाया, बम्बई ।

(अन्तरक)

2. गिरिजा रीयल इस्टेट डवलपर्स
तरसाली, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो बड़ौदा में स्थित है जिसकी कुल मूल्य
5,21,000 रुपए है और मार्च 85 में रजिस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 24-10-1985

मोहर

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3844/II/85-86—यतः, मद्र,
जी० के० पंड्या,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 905, बम्बई मार्केट है तथा
जो उमरवाड़ा, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अहमदाबाद 37ईई के अधीन, तारीख 2 फरवरी,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में
के लिए;

उक्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अं०, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बोम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को-ओ सोसायटी,
उमरवाड़ा सुरत ।

(अन्तरक)

2. मै० राम टेक्सटाइल
आर० ए० मक्कर,
चांदनी चौक, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाह
में प्रकट जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फॉर्म नं० 37-ईई इस कार्यालय में 2-2-85 में पेश किया
गया है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 24-10-1985
मोहर :

प्रकाशित आदेश, एच.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3845/II/85-86—यतः, मुझे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 1003 बोम्बे मार्केट है, तथा
जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में 37-ईई के अधीन, तारीख 2 फरवरी, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक हैं
जिनसे कोई कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए और/वा

(ख) दूसरी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत सन्निहित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया है या किया गया वास्तविक था, छिपाने में
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बोम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को-ऑप० सोसायटी,
उमरवाड़ा, सूरत
(अन्तरक)
2. श्रीमती बीजावती रमण लाल और अन्य
रामपुरा रोड,
सूरत।
(अन्तरितियाँ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त सम्पत्ति में विलंबित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

37-ईई का फॉर्म इस कार्यालय में 2-2-85 को पेश किया
गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 14-10-1985

मोहर :

प्रकट नार्. टी. एन. एन. -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

सादात सहायक

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3846/II/85-86—यमः, मुझे,

जी० के० पंड्या,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ओफिस नं० 508, बाम्बे मार्केट है तथा
जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में 37-ईई०के अधीन, तारीख 2 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-
रक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण न हुआ किसी भाष की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(घ) एसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
47—356GI/85

1. बाम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को-ओ सोसायटी,
उमरवाड़ा, सूरत।

(अन्तरक)

2. मै० श्रीकान्त सीता राम शारदा
एम० जे० मार्केट,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

37-ईई का फॉर्म इस कार्यालय में दिनांक 2-2-85 को पेश
किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 14-10-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मै० संजीव प्रिमाईसील को-अर्ज० रजि०,
रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना2. श्री संदीप कुमार लोहिया,
कलकत्ता-37।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3847/II/85-86—अतः मुझे,
जी० के० पंडयाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लेट जे, 505, इंडिया टैक्सटाइल मार्किट,
है, तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अहमदाबाद में 37-ईई० के अधीन,
तारीख 4 फरवरी, 1985को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

37-ई ई का फॉर्म इस कार्यालय में दिनांक 4-2-85 में
पेश किया गया है।जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबादतारीख : 24-10-1985
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3848/2/85-86—यतः मुझे,

जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० टी-2115, बोम्बे मार्केट है, तथा
जो सूरत में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11 मार्च, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती सरस्वती बेंन मोहन लाल

अथवा लाईन्स, सूरत

(अन्तरक)

2. श्री बमंती लाल रोशन लाल

सलाबतपुरा, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अक्षर

दुकान जो सूरत टैक्सटाईल्स मार्केट सूरत में 2176 नम्बर
पर 11-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-10-1985

मोहर :

अन्वय भावः टी.एन.एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3849/2/85-86--प्रतः सुझे,

जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान, गोधरा है, तथा जो गोधरा में स्थित
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोधरा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
13 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वभा.पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
बावत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किता जाना चाहिए था, स्थानों में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरेन्द्र कुमार रतीलाल सूबे
गोधरा (पंचमहल)

(अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद हुसैन कुरबान हुसैन मीठीबोरवाला
गोधरा (पंचमहल)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
1 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

मकान जो 6 गोधरा में स्थित है जिसका कुल मूल्य
2,50,000 रुपए है और दिनांक 13-3-85 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1, अहमदाबाद

मोहर : 15-10-1985

मोहर :

प्रकरण 4/1, टी. एन. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3850/2/85-86---यतः पुंमुसे,
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 415/24, गांधीनगर है, तथा जो
गांधी नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 मार्च 1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक
रूप से अभिमत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बाबत में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यवस्थाएं करता हूँ :-

1. परीक्ष कुबेरदास प्रभुदास
कापड बाजार,
कपड़वज

(अन्तरक)

2. श्री गिरीश मधुकर गुप्ता
सेक्टर—22
गांधीनगर

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो गांधीनगर में स्थित है जिसका कुल मूल्य
2,15,000 रुपए है और 28-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-10-1985

मोहर :

प्रकाशित: टी. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयोजक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 14 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० पी०आर० नं० 3851/II/85/86—अतः

मुझे, जी० के० पंडगा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब में अधीन सूचना प्रधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० बुकान नं० एल-19, बाबू मार्केट, है तथा जो
उमरवाड़ा, सूरत में स्थित है (जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीद्वारा अधिपति के वायव्य, सूरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22-3-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी वाय को वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के वायव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ष 1—

(1) शाह मोहनलाल दानमल
भट्टी,
जिला—सूरत।

(अन्तरक)

(2) उपासरन जी० बग्गा
सहयोग सोसाइटी
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बुकान नं० एल-19 जो उमरवाड़ा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार
सूरत में 6252 नं० पर दिनांक 22-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडगा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 14-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3852/II/858/6— अतः
मुझे, जी०के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 20, बाम्बे मार्केट है तथा जो उमर
वाडा सूरत में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की दायिदारी के अन्तर्गत, सूरत
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22-3-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नष्ट पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी कारण या उसमें बचत में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जा सकता था, छिपाने के
उद्देश्य के लिए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मेरे, मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० हरिहर सिल्ल ट्रेडर्स,
रामपुरा, मुख्य मार्ग,
सूरत।

(अन्तरक)

(2) खमानभाई सोहनलालजी,
बाम्बे मार्केट,
उमरवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान जो उमरवाडा, सूरत में स्थित है, सबरजिस्ट्रार, सूरत
में 2593 नं० पर दिनांक 22-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी०के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 14-10-1985
मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एच.

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3853/11/85-86 अतः मुझे,
जी० के० पंड्या,
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 93, जमानपारा, नवसारी है, तथा जो नवसारी,
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28-3-85

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समान
प्रतिफल के लिए बन्धनशुल्क की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बंधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दृष्टमान प्रतिफल से, अपने समान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल किस्मिकृतिक उन्मुख से उक्त अंतरण लिखित में
रास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरक से हुई किसी जाय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
खतिर से कमी करने या उचित करने में सुविधा
के लिए और/या

(ग) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या
वायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
का प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, सम्बन्धित व्यक्तियों, यथातः :-

(1) अहमद ईशा : जोगी और अन्य,
नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) शिवप्रभातीकृपा को० आप० हाउसिंग सो०
रामनाथ दह्यालाल पंड्या,
नवसारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के बर्तन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अर्ज या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की अधीन से 30 दिन की अवधि को भी
किसी एक से कम होनी है, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किस्म का सबूत।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलत जो जमानपारा जि० नवसारी में स्थित है 736/85
दिनांक 28-3-85 में रजिस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 14-10-1985

मोहर .

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3854/11/85-86—अतः

मुझे, जी०के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नी सं० महान बापी नं० 482, वार्ड नं० 2, है तथा जो बापी में स्थित है उससे (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), (रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाण्डी, में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवांग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

48--356GI/85

(1) मुमताज सुल्तान
प्रधान नैऋतमन
जंपा बाजा
बड़ोदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री शाहजादा हाजी मोहम्मद बापीवाला,
बहार रोड,
बापी,
जिला—सलसाढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलित जो बापी में स्थित है । सब रजिस्ट्रेशन पंजी में 201 नं० पर दिनांक 26-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 14-10-1985
मोहर

प्रथम भाग : टी. एन. एन. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 14 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3855/11/85-86— अतः

मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विस्वागत करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन और मकान वापी 2344 है, तथा जो
वापी में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीन, तारीख
15-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और सभी यह विषयों करने
का कारण है कि अध्याप्योक्त गणित का अधिकतम बाजार मूल्य,
जिसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणीयों) के लिए ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाशिर्वाह में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 17) का उपाध्याय अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिणी सुधार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, रिपार्मेंट में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
जे. एम्. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शाहशीकरलाल वैनामी
वापी
सा० पारडी ।

(अन्तरक)

(2) शाह मूलचन्द मिश्री लाल
वापी
सा० धलसाड ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कर्मबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी को
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मिलकत जो वापी में स्थित है । सब रजिस्ट्रार, पारडी में
390 सं० पर दिनांक 15-3-1985 को रजिस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 14-10-1985

माहर :

प्रकृषः भारः टी. एन. एस्. - - - -

(1) धनमुखलाल आत्माराम जरीवाला
नवापुरा, सूरत।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना(2) टेक्सटाइल्स ट्रेडर्स एसोसिएशन,
रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3856/II/85-86— अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० उमरबाडा, रिंगरोड, टी० पी० एस्० नं० 8,
है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन,
तारीख 25-3-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित सङ्ख्येय है उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।मिलकत जो उमरबाडा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में
2825 नं० पर दिनांक 29-3-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 24-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 अक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3857/II/85-86— अतः

मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 पैकी, 138 प्लॉट नं० 10 है तथा जो सूरत में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 2—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि 5-6

(1) कीरीट दयाराम जरीवाला
गोलमण्डी, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) टेक्स्टाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन,
सूरत टेक्स्टाइल मार्केट
रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 3—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 10, जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत
में 2829 नं० पर दिनांक 29-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 24-10-1985
मोहर 4

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II; अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3858/II/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० मकान-गोदरा एन० पी० नं० 233/1 है तथा
जो 33/2/1 गोदरा में स्थित है (और इसे उदाहरण अनुपुर्वों में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गोदरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 13-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्र
रहित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दुर्बला के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती श्यामलाल बहन लखुभाई दूबे,
कलोल, गोदरा।

(अन्तरक)

(2) मोहम्मद हुसेन कुरमान हुसेन माडीबारे वासा,
गोदरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो गोदरा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, गोदरा में
597 नं० पर दिनांक 13-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 24-10-1985

मोहर :

प्रमुख नोट, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1985

निशर्दे सं० पी० आर० नं० 3859/II/85-86—प्रतः मुझे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बुकान नं० 3126, सूरत टैक्सटाईल मार्केट,
है, तथा जो सूरत में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कटने के अन्तरक को
हासिल में कभी कटने या उद्धृत करने में प्रविष्ट
के लिए; जोड़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, लिखाने में प्रविष्ट
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) मैं दीपक टैक्सटाईल,
आर० एम० जरीवाला,
खरादी शेरी,
झापा बाजार,
सूरत।

(अन्तरक)

(2) जूनेजा, टैक्सटाईल,
एम० टी० जूनेजा,
रामनगर,
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है [1]

अनुसूची

दुकान नं० 17, जो सूरत टैक्सटाईल मार्केट में स्थित
है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 2137 नं० पर दिनांक 8-3-85 को
रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 24-10-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3860/II/85-86—यतः
मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्की सं० दुकान नं० 3086, सूरत टेक्सटाईल मार्केट,
है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में
श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 18-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इच्छमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इच्छमान प्रतिफल से, ऐसे इच्छमान प्रतिफल का
उन्मुख प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए भय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चिमनभाई मदान भाई, जरीवाल,
मोटी शेरी,
सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मे० एल० के० सिल्क,
कीरीटमल लाल चन्व,
बेंगमपुरा,
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान जो सूरत टेक्सटाईल मार्केट में स्थित है। सब-
रजिस्ट्रार, सूरत में 2426 नं० पर दिनांक 18-3-85 को
रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 24-10-1985

मोहर :

प्रकाशक: टी. ए. ए. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आरुत नगरपालिका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० 3861/II/85-86—यतः सुश्री,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी है, तथा जो उधना, उद्योगनगर
उधना, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 22-3-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्खास्त :-

(1) पल्लवार्जुन मेटलस, :
भागीदार : श्री भूपेन्द्र गुणवंत भाई पटेल और अन्य,
उधना उद्योगनगर,
सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेशचन्द्र उमया शंकर पंड्या, और अन्य
उधना, उद्योग नगर, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो उधना, उद्योगनगर में स्थित है। सब-
रजिस्ट्रार सूरत में 1664 नंबर पर मार्च, 1985 में
रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 24-10-85
माहूर :-

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अस्मदावाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3862/II/85-86—यतः मुझे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० बंगलानं० 39, शांतिनिकेतन सोपायटी है,
तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्व अनुमूची में श्रीर
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्यन्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित स्पष्टिकरण, करता हूँ :—

49—356QI/85

(1) मणीबहन, हरिभाई,
शांतिनिकेतन सोसायटी,
सूरत ।

(अन्तरक)

(2) छोटुभाई रणछोड़जी बशी,
मुमुल डेरी रोड,
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के अक्षर
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में
2134 नंबर पर दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, अहमदाबाद

दिनांक : 24-10-85

मोहर :

प्रकरण भाई, टी. एम. एम.

मानक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासिद्ध, सहायक नायकर भायूक्त (निर्देशिका)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

મહમદાબાદ, દિનાંક 24 અક્તૂબર, 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3863/II 85-86—यतः मुझे,
जी० के० पंड्या;

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० बाईं नं० 5. नॉव नं० 384/ए०, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बाधित नहीं किया गया है :-

(क) बल्लभना से हटकर किसी भाव को भावत, स्वतः परिनिवस को अभीष्ट करके देने के बल्लभना से रागिण्य से कभी करके या उससे बल्लभना से परिणाम के लिए; जीव/वा

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से प्रतिषेध के लिए;

जयः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कोकीलाजहन दसपतराम कुबेरदास,
वाडी फलीया,
सुरत ।

(अन्तरक)

(2) आयशाब्बीबी अब्दुल रहमान,
हरिपुरा,
सुरत ।

(अभ्युक्ति)

को यह सूचना पारौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सभ्यता के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि श्राव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोध्यकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 2420 नंबर पर दिनांक 18-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या,

तक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 24-10-85

सोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3864/II 85-86—यतः मुझे;
मुझे जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डमरवाडा, रिग रोड, प्लॉट नं० 11 है, तथा
जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 29-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री रतीलाल बल्लभमाई जरी वाला,
वाडी फलीया
सूरत ।

(अन्तरक)

2. टैक्सटाईल ट्रेडर्स, एसोशियेशन,
सूरत टैक्सटाईल मारकेट,
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11, जो सूरत में स्थित है । सब-रजिस्ट्रार,
सूरत में 2827 नंबर पर, दिनांक 29-3-85 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

जी० के० पंडया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 24-10-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3865/II/85-80-यतः मुझे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8, प्लॉट नं० 13 है, तथा जो रिंग रोड,
सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत से
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1985 (1985 का 16) के अधीन
दिनांक 29-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आवधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से है कि किसी आधारी बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री अजय मानिकलाल रेशम वासा,
सूरत।

(अन्तरक)

2. टैक्सटार्गल ट्रेडर्स एसोसिएशन,
सूरत टैक्सटार्गल मार्केट,
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 13, जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत
से 2828, नंबर पर दिनांक 29-3-85 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 24-10-1985

मोहर :

प्रासूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पो० आर० नं० 3866/II/85-86—अतः मुझे,
जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० प्लॉट नं० 15, अमरवाडा, रिंग रोड, है;
तथा जो सूरत में स्थित है (और इसे उगावड़ अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से बोंगा है) रजिस्ट्रार की कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 29-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
राज्य में कमी करने या उसे बढ़ाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तु
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री प्रदीप रतोलाल जरीवाला,
मुख्य मार्ग,
सूरत ।

(अन्तरक)

2. टैक्सटाईल ट्रेडर्स एसोसिएशन,
श्री डी० जी० शाह,
सूरत टैक्सटाईल मार्केट,
सूरत ।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धित व्यक्तियों पत्र
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया
गया है।

अपसूची

प्लॉट नं० 15, जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है। सज-
रजिस्ट्रार सूरत से 2824 नंबर, पर दिनांक 29-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 24-10-85
माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3867/II/85-86—अतः मुझे,
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 8, पेकी 14 है, तथा जो
उमरवाडा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वीणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 29-3-1985

का पूर्वांश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भरत कुमार, रतीलाल जरीवाल,
सूरत ।

(अन्तरक)

2. टेक्स्टाईल ट्रेडर्स एसोसिएशन,
देवी लाल शाह,
रिंग रोड,
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 14, जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्टार
सूरत में, 2826 नंबर पर दिनांक 29-3-1985 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

जी० के० पंडया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, अहमदाबाद

दिनांक 14-10-85
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3868/II/85-86—अतः मुझे,

जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 2, नोड नं० 4614 है, तथा जो
सगरामपुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 15-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उन अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. तारा बेंन, दयालजी देताई और अम्ब
32-ए-श्रीजंग सोतादटी
नवरंगपुरा,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री कीमतवाही, जैठानन्द, लाल बानी,
9-ए गोकुल नगर तिंदी सोतादटी
मकरपुरा,
बडोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
वर्धवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

घनसूची

मकान जो सूरत में, स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में
2334 नंबर, पर दिनांक 15-3-1985 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

जी० के० पंड्या,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 29-10-85
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3869/II/85-86—अतः
मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिसकी सं० दुकान नं० 3218, सूरत टेक्सटाईल मॉरिट,
है, तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावह अनुसूची में
श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय में, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एकद्विगुण प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
बीच ऐसे अंतरण के लिए हट पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उपदोष से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत,
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महेश्वर शान्तीलाल तथा अन्य
मंगलदास मार्केट,
बम्बई ।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार भोमप्रकाश भाटिया,
रिंग रोड,
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिनी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान जो सूरत में स्थित है । सब रजिस्ट्रार सूरत में
2112, नंबर पर दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया
गया है ।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक 29-10-85
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन जर्जन-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3870/11/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंडाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० सी-3022, सूरत टैक्सटाईल मार्केट, है, तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) में द्रष्टव्य निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

50—356G1/85

1. नरेंद्र उद्योग, प्रा० लिमिटेड,
डाईरेक्टर, आर० सी० जैन,
नरीमन प्वाइन्ट,
बम्बई ।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश्वरप्रसाद के० गुप्ता,
केअर आफ शोभा ट्रेडर्स,
रिंग रोड,
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवम् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्यान :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जो सूरत में स्थित है। सबरजिस्ट्रार सूरत में 2132 नंबर, पर दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडाया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन जर्जन-II, अहमदाबाद

दिनांक 29-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3871/II/85-86—अतः मुझे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आई नं० 1, नौध नं० 864/ए/1, प्लॉट नं०
601 है, तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गिरीश ट्रेडिंग कं०,
60, किरलोस्कर रोड,
बम्बई-400028

(अन्तरक)

2. मैगर्स यूनाइटेड इंडिया, इन्स्युरेंस कं०,
सूप्रीम चैम्बर्स रिंग रोड,
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 801, जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार
सूरत में 2320 नंबर पर दिनांक 14-3-1985 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

जी० के० पंड्या,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 29-10-1985

मोहर:

प्रकट बाई.डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

श्री कंचन बेन, मांतीवाल दाशी,
दोशीबाडी,
बिजापुर ।

(अन्मरक)

आवृत्त दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3872/II/85-86—अतः मुझे,
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट 151399, चौ० मी० मंडाली है, तथा
जो जिला मेहसाना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से घणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मेहसाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
में आम्पविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्राधान्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. निरमा प्रा० लिमिटेड,
पोपुलर हाउस,
आश्रम रोड,
नवरंगपुरा,
अहमदाबाद-9 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही कराती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो मंडाली, जिला मेहसाना में स्थित है। सब-
रजिस्ट्रार, मेहसाना में 648 नंबर पर दिनांक 31-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 30-10-85

मोहर :

प्रत्येक भाग में दो भाग हैं।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3872/II/85-86—अतः मुझे,
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 166, मंडाली है, तथा जो जिला
मेहसाणा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मेहसाणा में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 29-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत की
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में रुचि
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवियों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा किन्हीं नामों बाहिए था, जिन्होंने
रुचि के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लीलावती देवी जयतीनाल शाह,
दोपरी बाडा,
बिजापुर ।

(अन्तरक)

2. निरमा प्रा० लिमि०
70 पोपुलर हाउस,
आश्रम रोड,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्युत्साहरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः :—इसमें प्रयुक्त भागों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

प्लॉट जो मंडाली जिला मेहसाणा में स्थित है । सब-
रजिस्ट्रार मेहसाणा में 29-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है
जिसका कुल मूल्य, 1,12,750/- रुपये है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-10-1985

मोहर :

(अन्तरः)

(अन्तरिती)

मांहर :

पं.जा.टी.ए.ए.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मायक सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3875/II/85-86—अतः

मुझे जी० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट दहेगाम है। तथा जो जि० अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीयता अधिनियम के कार्यालय, दहेगाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-3-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मासिधित उद्देश्य में उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी कभी वा उक्त वर्चन में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्तिवों का, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शास्त्रीनगर की० ओ० हा० सोसायटी
कान्तीभाई बालाभाई
दहेगाम।

(अन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र कुमार परशोत्तम दास दोशी
महीयल,
जि० सायड।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति से वर्चन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, उक्त सूचना के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो दहेगाम में स्थित है। जब रजिस्ट्रार दहेगाम में 625 नम्बर पर दिनांक 22-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-10-1985

मोहर :

प्रमुख कार्य, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक: 30 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3876/II/85-86---अतः
मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन और मकान, गोदी, है। तथा जो
बड़ीदा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक मार्च 1985

आ प्रत्यक्ष संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
गुन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनाय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किण
गना जातिष्ठ था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :-

(1) संजय कारपोरेशन
पालावीबेन भूपेन्द्र पटेल
फतेहपुरा,
बड़ीदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री रजनीकान्त मनुभाई पटेल
6-कृष्णकुंज जेठलपुर,
बड़ीदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे 3--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अन्तरिती के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो गोदी बड़ीदा में स्थित है। सब-
रजिस्ट्रार बड़ीदा में मार्च 85 में रजिस्टर्ड की गयी है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरी
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3877/II/85-86---

अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० आर० एम० सं० 79 है। तथा जो सुमान-
पुरा, बड़ौदा में स्थित है (और इनके उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुनीलकुमार ईन्दुबाल शाह
रेमलोन,
बड़ौदा

(अन्तरक)

(2) श्री भरत ए० दिजीन
नेपियन्मी रोड,
बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सितकत जो सुमानपुरा में स्थित है, द्वारा,
बड़ौदा में मार्च 85 में रजिस्टर्ड की गयी है। जिसका कुल
मूल्य 6,00,000/- रुपया है।

जी० के० पंड्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, अहमदाबाद

दिनांक : 30-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3878/II/85-86—प्रतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 2066, 2067, नवसारी है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-3-85,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित का गृह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवक्तारों अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धार्मिक था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

51—356GI/85

(1) श्री हिरालाल छोटालाल शाह
मे० एच० सी० शाह एण्ड कं०,
स्टेशन के सामने,
मुरत ।

(अन्तरक)

(2) मे० सयना बिल्डर्स,
एम० पी० रोड,
बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो नवसारी में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 3,74,321/- रुपए है। सक्षम-रजिस्ट्रार नवसारी में 8-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक 30-10-1985
मोहर

प्रत्येक भाग में दो पृष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3879/11/85-86-अतः मुझे,

जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का आदेश है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 518 चौ० मी० नवसारी है। तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-3-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का संशुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वास्तव में कभी कल्पना या उचित कल्पना से सूचना न मिले; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों के बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) श्रीमती कल्पनाराय नारायणी देसाई
आशा नगर,
नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) नारायण अपार्टमेंट
पी० डी० देसाई,
नवसारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो नवसारी में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, नवसारी में 29-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है। जिसका कुल मूल्य 2,36,721/- रुपए है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रैंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-10-85

मोहर :

प्रकाश बाई.टी.एच.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3880/II/85-86—

अतः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन और मकान नवसारी है। तथा जो
नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
का 16) के अधिन, दिनांक 26-3-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
ध. में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गणवन्तराय नारायणी देसाई
आशानगर,
नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) एस० जी० देसाई,
आशानगर अपार्टमेंट
नवसारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो नवसारी में स्थित है। जिसका
कुल मूल्य 515,879/- रुपए है। सब रजिस्ट्रार नवसारी में
751 नम्बर पर दिनांक 26-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया
है।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-10-85

मोहर : अहमदाबाद

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3881/II/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 21-ए, चरोत्तर को० ओ० हा० सोसायटी है तथा जो पादरा रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे घटाने में बाधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री छोटुभाई गोपालजी

होल्डर

ता० नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री सकुलावरन मनुभाई पटेल

बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या शतसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो बड़ौदा में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 56782/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 2257 नम्बर पर 19-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-10-1985

मोहर :

प्रकरण भाग-टी.एन.एफ.-----

वाचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3882/II/85-86--

अतः मुझे, जी० के० पंडया,

वाचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 615, जाम्मुआ, ता० डभोई, है। तथा जो
डभोई में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
विफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में
वस्तुविक्रय में व्यय में व्ययित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वर्षाव में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी भू या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय वाचकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किसी वास्तव वास्तव, जिन्होंने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री काशीभाई गोविंदभाई पटेल,
मुमुआ,
ता० जि०—बड़ोदा ।

(अन्तरक)

(2) युमुफभाई चाँदभाई मलाईवाला
चुनीटी वाहन व्यापार सहकारी मंडली
दाभोई ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

मिश्रकियत जाम्मुआ में स्थित है। अब रजिस्ट्रार, बड़ोदा में
26-3-85 को रजिस्टर्ड की गयी है। जिसका कुल मूल्य
2,25,000/- रुपए है ।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-II, अहमदाबाद

अतः यह, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अन्तरण
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्जित :—

दिनांक : 30-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3883/II/85-86--

अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 1156, 280 चौ० मी० है, तथा जो कलोल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985,

को उक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक-रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्यों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य जास्तिधों को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जेवियर्स केसवजी मंडल प्रा० लि०
फार्वर अन्तोन डोसोजा
नवरंगपुरा।

(अन्तरक)

(2) नेशनल ट्रेडिंग कं०
कलोल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिद्ध कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में हितग्रहण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलकियत जो कलोल में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, कलोल में 297 नम्बर पर मार्च 85 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्रारम्भ सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3884/2/85-86—अतः सुप्त
जी० के० पंढया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० क्रमशः सं० नं० 42, प्लॉट नं० 3 है, तथा जो
सूरत में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 28-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की बाधत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
चिन्तन भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शाह एन्टरप्राईस
अंबीका सदन पीटर मोहल्ला,
नानपुरा, सूरत,

(अन्तरक)

(2) बैंक आफ बड़ौदा
सैयदपुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो उमरा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में
2728 नंबर पर 28-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंढया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-10-85

मोहर :

प्रकट भाई. टी. एन्. एस्. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3885/2/85-86—अतः मु
जी० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9 है तथा जो सिलवसा में स्थित
है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 37ईई के अधीन 19-1-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दख्तान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दख्तान प्रतिफल से ऐसे दख्तान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच होने अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के आयत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) साबुविन हबिब सयानी
78 नारायण धुरु स्ट्रीट
बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री मकरगुरी टेक्सटाईल प्रा० लि०
नवरोजी रोड,
बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वास्तव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो सिलवसा में स्थित है। 37ईईके फार्म पर कार्यालय
में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-10-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अस्तूबर, 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3886/2/85-86—अतः
सूजे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 475, दिष्टानं० 1, सूरत है। तथा जो सूरत
में स्थित है (श्री राजेंद्रनाथ शास्त्री में श्री पूर्णेश से वर्णित
है) रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अनुबन्ध 22-3-85
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि उक्त पंक्ति सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरित्य) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
सूचक से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित
होने किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के लक्ष्य के
साधन से बगी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अध्याय (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
52—356 GI/85

(1) श्री राजेंद्रनाथ शास्त्री देसाई
खडिर रोड, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबूभाई विठ्ठलदास सूरतवाला
दर्पण सोसायटी
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संरति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। अब रजिस्ट्रार सूरत में
1751 नम्बर पर दिनांक 22-3-85 को रजिस्टर्ड की गई
है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-10-85

मोहर :

अर्थशास्त्र, टी. एन. एम्. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3887/2/85-86—अतः
मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदार्थ 'सूचना अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना अधिनियम की गड़ जिम्मा करने का
कारण है कि सूचना अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा
1, 00, 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट, नर्मदनगर, अटवा लाईन्स है। तथा
जो सूरत में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 2-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए नोट किया गया है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपायर्व्यक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपायर्व्यक्त प्रतीक में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
प्रतिफल के लिए नोट किया गया है और मुझे यह विश्वास
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए नोट किया गया है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपायर्व्यक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपायर्व्यक्त प्रतीक में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
प्रतिफल के लिए नोट किया गया है और मुझे यह विश्वास

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
जो अधिनियम द्वारा उक्त नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री नवीन वीरमणिशंकर दवे
खड़िया चकला,
सूरत।

(अन्तरक)

(2) स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र
दरगारठ, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिनी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फलैट जो नर्मदनगर में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में
2037 नंबर पर दिनांक 2-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया
है।

जी० के० पंड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 30-10-85
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3888/2/85-86—अतः मुझे
जी० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सुलतानाबाद डुमास है। तथा जो जिला
सूत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूत में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थों 2-3-85
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसि-
फ्त अभिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भू या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) या उक्त अधिनियम, का
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजन के लिए प्रकट नहीं किया गया
था या न जाना जाता था, छिपाने में सुविधा
के लिए

(1) हंसमुखभाई, लक्ष्मणभाई
गोर्धन भाई लक्ष्मणभाई
सूत ।

(अन्तरक)

(2) श्री डाकोरभाई प्रभुभाई पटेल
सूत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से कोई भी व्यक्ति सूत में

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अंतरण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में प्रकट किया गया

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सुलतानपुरा, सूत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार
सूत में 2058 नंबर पर दिनांक 2-3-85 को रजिस्टर्ड
की गई है।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अधः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 30-10-85
माहिर

प्रमुख बाब: टी. एन. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3889/2/85-86—अज्ञः

मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारों को यह निरास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 5, हरिपुरा है तथा जो सूरत में
स्थित है (और इससे उमाजद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जो 11-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वचुबेनपत्नी बाबूभाई मंगलाल
हरिपुरा, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री चंदाजील धेलाभाई
रानीमालाव, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकर हरिपुरा सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत
में 2171 नंबर पर दिनांक 11-3-85 को रजिस्टर्ड की गई
है।

जी० के० पंडया

सजान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-10-85

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 मार्च 1985

विज्ञापन नं० पी० आर० नं० 3005/2/85-8 —अतः

मुझे जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मकसद प्राधिकारी को यह निश्चय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नलिखित प्लॉट नं० 11, बाग नं० 11, उद्यान है।

एताजी उद्यान सूरत में स्थित है (प्रोपर्टी उद्यान अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रार अखिलेश, 1903 (1903 का 16) के अन्तर्गत 26-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्मूलित की गई है और मुझे यह विश्वास को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचद प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री राजेन्द्र वाडालाल गोखी
लाल जहादुर कारवा रोड,
बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री भवसमल जयलालजी जैन
उद्यान उद्योगधर, सरकारी संघ
उद्यान, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11, जो उद्यान में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 2274 नंबर पर दिनांक 26-3-85 को रजिस्टर्ड गई है।

जी० के० पंड्या
सहज प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-10-85
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3891/2/85-86—अतः मुझे

जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० दुकान नं० के-1289, रिंग रोड है तथा जो
सूरत में स्थित है (और इतने उदात्त अनुभवों में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय सूरत में
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० सागरलाल एम०
कलजाबाद, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्रीचन्द्र मेधराज केजवानी
श्रीमन्मन्मन् मेधराज केजवानी
अश्विनी अवाटमेंट
सूरत।

(अन्तरिती)

यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में
2419 नम्बर पर 18-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-10-85

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एन. -----

(1) श्री अवेरभाई हीराभाई वेसाई
ईन्द्राल, ता-कणी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(2) पटेल मेटल इन्डस्ट्रीज
आर० जे० पटेल,
नारणपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 अक्टूबर, 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3892/2/85-86—अतः मुझे
जी० के० पंडयाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पास, जो निम्नलिखित कारणों
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट सं० नं० 750/1, ईन्द्राल है। तथा जो
तादड़ी में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में श्रेणी पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय कड़ी में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
14-3-85को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम की दृष्टिमान
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
सुदृढ़ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाता गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गणना, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और
कार्यत्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निता
को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो ईन्द्राल में स्थित है सब रजिस्ट्रार, कड़ी में
14-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबादतारीख : 31-10-85
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री गणेशदाई हीरामाई देताई
ईन्द्राल, ता० कडी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) पटेल रेलिंग मिल
अनूपलाल गोमताराम पटेल
कजोल ।

(प्रतिस्ती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 अक्तूबर, 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3893/II/85-86—अजः
मुझे जी० के० पंढरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 770, 15578 चौ० मी० है तथा जो ईन्द्राल ता० कडी में स्थित है (और एत० उदाहरण अनुसूची में श्रीः पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय कडी में रजिस्ट्रार के अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जन 14-3-85

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एत० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दत्त परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो ईन्द्राल में स्थित है । सब रजिस्ट्रार, कडी में 275 नंबर पर 14-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंढरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 31-10-85

मोहर :

(अन्तरक)

॥ (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वादोप ८—

का पार्थोक्त सम्प्रति के उचित बाह्य मूल्य से कम के अन्तरिक्ष के लिए अन्तरिक्ष की यह है, और मुझे यह करने का कारण है कि पार्थोक्त सम्प्रति का उचित बाह्य मूल्य, उसके अन्तर्गत प्रतिफल से ऐसे अन्तर्गत प्रतिफल का पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तर (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरिक्ष के लिए एक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुक्रम से अन्तर्गत अन्तरिक्ष निम्नलिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

आम सची

(क) अगर एक वंश में किसी व्यक्ति की वापस उक्त व्यक्ति-
विषय से वापस कर देने के अंतरक के दाविले में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
बीर/वा

फॉर्म नं० 37ई यह कार्यालय में जनवरी 85 में पेश किया गया है।

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, बिना भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविचा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचन
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगणों, अर्थात् :—

तारीख : 31-10-85

मोहर :

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, अहमदाबाद

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

(1) श्री ईकबाल दुआ हसनमियाँ
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 अक्तूबर, 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3895/II/85-86—अतः मुझे
जी० के० पंडयाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० मस्तानपुरा भरुच है तथा जो सर्वे० नं० 385
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरुच में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-85को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण हैकि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए दिये गये गये प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना अहितकर था, छिपाने में सहायता
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तर्गण निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्(2) गाला एण्ड कं०
ईब्राहीम हाजी ईस्माईल
नानजी चाली,
फतेहगंज, बडौदा।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची I

मिलकत जो मस्तानपुरा, भरुच; स्थित है। सब रजिस्ट्रार
भरुच में 419 नंबर पर दिनांक 14-3-85 को रजिस्टर्ड
की गई है।जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबादतारीख : 31-10-85
मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.

(1) श्री आदाजी मुजाजी पटेल
ओलपाड ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) दुर्गोतनगर कीर्त्तियों सोसायटी
हिरामोदीनी शेरी
रिंगरोड, सूरत

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 अक्तूबर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
अवकाशियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश नं० पी० आर० नं० 3896/2/85-86—अतः मुझे,
जी० के० पंडयाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं० ओलपाड बना नं० 210, है तथा जो जिला
सूरत में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओलपाड में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-3-85को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निर्मासित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निहित थे वास्तविक
रूप से अधिक नहीं किया गया है।—(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
30 दिनों के अन्तर में उक्त संपत्ति की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्त व्यक्ति द्वारा, अवाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेंगे।व्याख्या:—इस सूचना के अन्तर्गत यह पता था, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, उही पता होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
व्यक्ति के अन्तर्गत करने का उद्देश्य अर्जन में सुधार
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य
के लिए;सिलकत ओलपाड में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, ओलपाड
में 3774 नंबर पर दिनांक 23-3-85 को रजिस्टर्ड की गई
है।जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबादअतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब में अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निर्मासित व्यक्तियों, यथा:—

तारीख : 31-10-85

मोहर :

नरकनाथः, टी., एच., एच.

सावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

एडमंड संपत्तिका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

અર્જન્ટ રેન્જ-2, અહમદાબાદ

अहमदाबाद, दिनांक 31 अक्टूबर, 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० ३८९७/२/८५-८६--अतः मुझे,
जी० के० पंड्या

भाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) पिछे रहने इसके बन्नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भाय 269-अ के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ़ैलट नं० 2 पुष्पाजली अपार्टमेंट है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 37ईई वे: अधीन 10-1-85

क्यों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे लक्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्तावेजिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय को वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) बोली किसी भाषा या किसी धन या अन्य बास्तियों को, बिना भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अनुबोधार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा में बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
नं०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेन्सर्स मेहर सोली मेसानीया
भानके मेन्यात
डी-लक्षकर लेन,
सुरत ।

(अन्तरक)

(2) लोहिया मशीन लिमिटेड,
नरीमान पार्क,
बम्बई-21।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मातृशिक्षण

फार्म नं० 37ईई पर कार्यालय में दिनांक 10-1-85 को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 31-10-85

मोहर :

प्रमुख आई. टी. ए. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 अक्तूबर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3898/2/85-86—अन: मुझे,
जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान—आनन्द टी० पी० ए० नं० 2 है।
तथा जो आनन्द में स्थित है (और इसमें उपादक अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय आनन्द
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
14-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
अ, य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बाबुभाई परपोतमभाई
आनन्द।

(अन्तरक)

(2) श्री रामनारायण रामदत्तमल शरोरा
सरदारगंज,
ता० आनन्द।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितना
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बंधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो आनन्द में स्थित है। सब रजिस्ट्रार आनन्द में
1073 नंबर पर दिनांक 14-3-85 में रजिस्टर्ड किया गया
है।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 31-10-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/797/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिम्मेदारी सं० मकान नं० 378 सी० है तथा जो फेज I अरबन इस्टेट, ढंडारी कलां लुधियाना में स्थित है (और इसमें, उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भरत भूषण

पुत्र श्री वीर भानगुप्ता,
निवासी 1157/1, सामने डेरा कलसीया,
मिलनर गंज, लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्री बलवीर सिंह

पुत्र श्री संहन सिंह,
बी-22, कोकल प्वाइंट,
ढंडारी कलां,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

मकान नं० 378 सी० का 1/3 भाग जो कि फेज I, अरबन इस्टेट, ढंडारी कलां लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 13304 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985
माहुर

प्रकाशित टो. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/713/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० XX-1166/3 का 1/2 भाग है तथा जो करतार सिंह सराफा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरा-धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) ब्रिगेडियर इन्द्रपाल सिंह बराड़
पुत्र श्री गुरबक्श सिंह बराड़,
निवासी मकान नं० 1884/4, पीली सड़क,
रघुमाजरा, पटियाला द्वारा जी० पी० ए०,
श्री मुख्तियार सिंह सोडी
पुत्र श्री राम सिंह निवासी कोठी नं० : 96,
नार्थ विजय नगर कालोनी,
आगरा

(2) श्री सुखदेव सिंह
पुत्र श्री मुख्तियार सिंह
निवासी गांव सेखा, सब तहसील पलोध,
जिला लुधियाना अब कोठी नं० : 96,
नार्थ विजय नगर, कालोनी, आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप-—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं०: बी 20/1163/3 का 1/2 भाग, करतार सिंह सराफा नगर, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो वि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 1448 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रकाश आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/780/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिनकी सं० मकान नं० बी 19/174 है तथा जो मेजर
गुरदियाल सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मजीब अग्रवाल

पुत्र श्री किशोर लाल अग्रवाल,

वरजना अग्रवाल

पुत्री श्री किशोर लाल अग्रवाल,

निवासी 124 दीवान, लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पद्मा देवी

पत्नी श्री भगवानी दत्त,

श्रीमती अरुणा गोयल,

पत्नी श्री हरद्वारी लाल,

निवासी मंडी केसर गंज,

लुधियाना

(अन्तरिती)

(3) श्री मन्जन लाल

निवासी मकान नं० बी 19/174, मेजर गुरदियाल

सिंह रोड लुधियाना

वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबबूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-19/174, मेजर गुरदियाल सिंह रोड
लुधियाना। (अर्थात् वह जाददाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
लुधियाना के चिलेख संख्या 1323 माह मार्च, 1989 के तहत
दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-11-1985

महंजर :

प्रकाशक: डॉ. एन. एच. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधि/683ए/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसमें सं० मकान नं० बी-8-219 का भाग, है तथा जो मोचपुरा बाजार, लुधियाना में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्री-तर्ती अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य जास्तियों को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

54—356GL 85

(1) श्री मती जसवंत कौर
पत्नी श्री बीर सिंह
श्री बीर सिंह पुत्र श्री राम सिंह
श्रीमती परमजीत कौर
पत्नी श्री कुलवन्त सिंह
श्री देवा सिंह
पुत्र श्री गनपत राय
निवासी बी 8—219, मोचपुरा बाजार
लुधियाना

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री राम नारायण
सीता राम, अर्थात् कुमार
पुत्र श्री नन्द लाल
निवासी 1836 बस्ती अमृतपुर लुधियाना,
सर्वश्री प्रकाश जन्द,
केसो राम, पुत्र श्री हंस राज तथा
सर्वश्री गेवा राम बनारसी दास
पुत्र श्री राम गोपाल, निवासी 494/19
हरपाल नगर लुधियाना

(अन्तरिती) ज

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि या तत्समधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-8-21 का हिस्सा जो कि मोचपुर बाजार लुधियाना में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-तर्ती अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 12147 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 1-11-1985

शेडर :

राज्य बाढ़-डी.एन.एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/827/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके बहाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 33 का 1/2 भाग है
तथा जो सरमानगर, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि बहालपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का समुचित
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक व अन्तरिती किसी काम की वस्तु, उक्त
संपत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
नहीं/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में शिर्षा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं के बर्णन :—

(1) श्री तरनजीत सिंह
पुत्र श्री दर्शन सिंह,
निवासी 124सी, माइल हाऊस
लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्द्र कीर
पत्नी श्री तजेन्द्र सिंह
निवासी पास सराया नगर,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तिओं पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
में लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उन
का है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 33 का 1/2 भाग, सरमानगर,
लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
लुधियाना के विलेख संख्या 135.64 माह मार्च 1985 के
तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/683/84-85—अतः मुझे जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बूथ नं० 38 तथा 39, है तथा जो भादौड़ हाऊस, लुधियाना में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापेक्षित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) तभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स नवयुग लैड

भादौड़ हाऊस, लुधियाना द्वारा

श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री ध्यान सिंह

निवासी सलीम टाबरी,

लुधियाना तथा बतौर अटार्नी

श्री महेन्द्र सिंह

पुत्र श्री ध्यान सिंह,

श्री दया सिंह पुत्र श्री जमाल सिंह,

तथा श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह

तथा श्रीमती रिणपाल कौर पत्नी

बलबीर सिंह तथा

श्रीमती महेन्द्र कौर पत्नी श्री अमरजीत सिंह

निवासी सलीम टाबरी लुधियाना

तथा श्री बलवन्त सिंह

पुत्र श्री अर्जुन सिंह निवासी मोती नगर

लुधियाना तथा

तथा श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री अमर सिंह

निवासी खड़ मोहल्ला लुधियाना

तथा श्री उत्तम जीत सिंह

पुत्र श्री सन्तान सिंह निवासी रमेश

(अन्तरक)

(2) श्री हरभजन सिंह सोहल

पुत्र श्री प्रीतम सिंह, निवासी 164ए,

सराय नगर, लुधियाना

(अन्तरि

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बूथ नं० 38 और 39, भादौड़ हाऊस, लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 12/35 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज) है।

जोगिन्दर सिंह

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना।

तारीख : 11-11-1985

मोहर :

वक्तव्य नम्बर: डी. एन. एच. 1-1985-1907

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/759/84-85—अतः मुझे जोगिन्दर सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेचित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 4 कनाल है तथा जो गांव फागला तहसील तथा जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थगित प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त के स्थगित प्रतिफल से ऐसे स्थगित प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय राशि नवा प्रति-कृत गिम्पिनिवित उक्त के उक्त अन्तरक अन्तरक के वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की आय से उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, जिसने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कुष्णा रानी
पत्नी श्री राज कुमार
निवासी 363, गुरु नानक पुरा,
सिवल लाईनज लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री विक्रमजीत सिंह
पुत्र श्री अमृतार सिंह,
निवासी 1-28, पंजाब एगरीकलचरल यूनीवर्सिटी
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तविक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 4 कनाल जो कि गांव फागला तहसील तथा जिला लुधियाना में स्थित है (अर्थात् वह जयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 13021 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्दर सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० सोलन/12/84-85—प्रतः मुझे जोगिन्दर सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० चार मंजिला बिल्डिंग है तथा जो कि 'अंजी मशरूम फार्म' के नाम जानी जाती है, अंजी तहसील तथा जिला सोलन में स्थित है (और इस उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसूचना में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अवशनी कुमार प्राशर
पुत्र श्री ज्ञान चन्द प्राशर
निवासो मणरो जिला सोलन (हि० प्र०)
(अन्तरक)
- (2) श्री जगजीवन लाल सूद (व्यष्टि)
श्री जगजीवन लाल सूद
(हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब)
श्री जतिन्द्र कुमार सूद (व्यष्टि)
श्री जतिन्द्र कुमार सूद
(हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब)
श्री बलवीर सूद तथा
श्रीमक्षी रंजना सूद द्वारा मैसर्ज दी
टरैक्टर्ज जी० टी० रोड
तरन तारन जिला अमृतसर ।
(अन्तरिती)
- (3) मैसर्ज राघव इलेक्ट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड,
सोलन-173211 (हि० प्र०)
(वह व्यक्ति, जिसके अभिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कराई हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

चार जिला बिल्डिंग जो कि 'अंजी मशरूम फार्म', के नाम से जाना जाती है तथा जो कि अंजी तहसील तथा जिला सोलन में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सोलन के विलेख संख्या 102 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना 689/84-85—अतः मुझे जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 464 है) तथा जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम की दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती तरिपता नय्यर
पत्नी श्री इकबाल नय्यर
निवासी 464 माडल टाउन
लुधियाना
- (2) श्री गुरदियाल सिंह
पुत्र श्री प्रेम सिंह,
श्रीमती अमृत गौर,
पत्नी श्री गुरदियाल सिंह,
श्री कुलवन्त सिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह,
श्रीमती भूपिन्दर कौर पत्नी श्री दलजीत सिंह
निवासी 4/49 डब्ल्यू ई० ए० करोल बाग,
नई दिल्ली
श्रीमती बलवन्त कौर
पत्नी श्री इन्द्र सिंह, श्री सुरिन्दर पाल सिंह
पुत्र श्री हरबन्त सिंह, श्री मनी मुरेन्द्र कौर
पत्नी सुन्दर पाल सिंह निवासी 15/ए, 39 डब्ल्यू
ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

- (3) श्री मोहन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह
श्रीमती मोहिन्दर कौर पत्नी श्री कद बाल सिंह
दोनों निवासी 464, माडल टाउन, लुधियाना
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 464 माडल टाउन लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 12293 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्दर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-11-85

मोहर :

प्रकट नम्बर: टी. एच. एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/736/84-85--अतः मुझे जोगिन्द्र
सिंह

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० जी-20-3260 का भाग है तथा
जो गुरुदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पंजीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
बाबिल में कमी करने या उक्त अन्तरक से सुविधा
के लिए कीट/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, धियान के
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत, यथाः :-

(1) श्रीमती चम्पा रानी
पत्नी श्री बोर भान
निवासी गांव शहीर
बोपा राम, तहसील पट्टी
जिला अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरजीत कौर
पत्नी जसवंत सिंह,
215 म्यू साइल टाऊन,
लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पंजीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पंजीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XX-3260 का भाग, गुरुदेव नगर,
लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
लुधियाना के विलेख संख्या 12635 माह मार्च, 1985 के तहत
दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 11-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एच. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना 5728/84-86—अतः मुझे जोगिन्द्र

सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-XX-3260 का हिस्सा है
तथा जो गुरुदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित
वामनाधिक रूप में अधिनियम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, व्यक्ति :—

(1) श्रीमती चंपा रानी
पुत्री श्री शीर भान,
निवासी गाँव शहीद बोधा राय,
तहसील पटटी जिला अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरजीत कौर
पत्नी श्री जयवन्त सिंह,
215, न्यू माडल टाऊन,
लुधियाना

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्तु

मकान नं० बी-XX—3263 का भाग, गुरुदेव नगर,
लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
लुधियाना के विलेख सं० 11608 माह मार्च 1985 के
तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

सोहर :

प्रकृष्ट भाषा टी. एन. एल. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/741/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजित्री सं० सतान नं० बी-20--3260 का भाग, है
तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इनसे उपायुक्त
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कथित :—
55—356G1/85

(1) श्रीमती चंदा रानी
पुत्री श्री बीर भान,
निवासी गाँव शहीद बीरा राय,
तहसील पट्टी जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरजीत कौर
पत्नी श्री जगजन्त सिंह,
215 न्यू माडल टाऊन,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के द्वारा
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सतान नं० बी-20--3260 का भाग, गुरदेव नगर,
लुधियाना। (प्रतीति वृद्धावस्था जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
लुधियाना के त्रिनेत्र संख्या 12775 माह मार्च, 1985 के
सहित वर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985
मोहर :

बहुप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. महापंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/738,84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
अर्थ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-20—3260 का भाग, है
तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में कोई भी किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अर्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आण या किसी धन या अन्य आस्तियों
को किसी भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत्, अधिनियम :—

(1) श्रीमती चंपारानी
पुत्री श्रीवीर भान,
निवासी गांव शहीद बोना राय,
तहसील पट्टी, जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरुजीत कौर
पत्नी श्री जसवंत सिंह,
215 न्यू माडल टाऊन,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-20—3260 का भाग, गुरदेव नगर
लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
लुधियाना के विलेख संख्या 12700 माह मार्च 1985 के तहत
दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 11-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/707/84-85—अतः मुझे, जोगिन्दर
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-XX—1195/21 का हिस्सा है तथा जो
सरामा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इसे उपाख्य अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
कारण का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरेण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोड बहादुर प्रसाद
पुत्र श्री जे० बा० प्रसाद,
निवासी 21-आई, सरामा नगर,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र कौर
पत्नी श्री मनजीत सिंह,
श्री मनजीत सिंह
पुत्र श्री बचन सिंह,
निवासी 7-ई, सरामा नगर,
लुधियाना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखित की पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान सं० बी-XX—1195/21 ल. भाग, सरामा नगर,
लुधियाना। (अर्थात् जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी,
लुधियाना के विलेज संख्या 12455 नमूने, 1935 के तहत
दर्ज है)

जोगिन्दर सिंह
प्रधान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-11-1985
मोहः

प्रारूप. भा. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/818/84-85—अतः मुझे, जोगिन्दर
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-XX-1195/21 का भाग
है तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाएँ) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

**1. अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यापक में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा**

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जो, यहाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोढ़ बहादुर प्रसाद पुत्र,
श्री जे० बी० प्रसाद,
निवासी 21-आई, सराभा नगर,
लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र कोर पत्नी,
श्री मनजीत सिंह,
श्री मनजीत सिंह पुत्र
श्री धवन सिंह,
7 ई, सराभा नगर,
लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, बहुहस्ताक्षरी के पास बिचित्र
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XX-1195/21 का भाग, सराभा नगर,
लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 13521 माह मार्च,
1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्दर सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/720/84-85—अतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० बी-20-1195/21 का भाग,
है तथा जो सरायवा नगर, लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्गीकृत है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
जया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिक में कमी करने या उससे बढ़ने से लुधियाना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधात—

(1) श्री गोढ़ बहादुर प्रसाद पुत्र,
श्री जे० बी० प्रसाद
निवासी 21-आई, सरायवा नगर,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र कौर पत्नी,
श्री मनजीत सिंह,
श्री मनजीत सिंह पुत्र,
श्री बचन सिंह,
निवासी 7-ई सरायवा नगर,
लुधियाना

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-20-1195/21 का भाग, सरायवा नगर,
लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी, लुधियाना के दिल्द संख्या 12560 माह मार्च, 1985
के दस्त दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/740/84-85—अतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० बी-20-3387 का 1/2
भाग है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (और
इस उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्णित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

(1) श्रीमती लक्ष्मी कुमारी पुत्री,
श्री बलदेव कृष्ण
निवासी मकान नं० बी-20-3387,
गुरदेव नगर, लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्री मरेन्द्र कुमार पाठक पुत्र,
श्री बलदेव कृष्ण,
निवासी मकान नं० बी-20-3387, गुरदेव नगर
लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
व्यक्तियों के द्वारा या उक्त स्थावर सम्पत्ति के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है,।

अनुसूची

मकान नं० बी-20-3387 का 1/2 भाग, गुरदेव नगर,
लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी, लुधियाना के दफ्तर संख्या 12738 माह मार्च, 1985
के दस्तावेज दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/747 ए/84-85--अतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० बी-20-3387 का 1/2
भाग है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
शास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरसेम कुमारी पुत्री,
श्री बलदेव कृष्ण,
निवासी मकान नं० बी-20-3387;
गुरदेव नगर, लुधियाना

(अंतरक)

(2) श्रीमती रमा पाठक पत्नी;
श्री गुरेन्द्र कुमार,
निवासी मकान नं० बी-20-3387,
गुरदेव नगर, लुधियाना

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-20-3387 का 1/2 भाग, गुरदेव
नगर लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेज संख्या 12828 माह
मार्च, 1985 के तहत वर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-11-1985

माहुर

सूचना नं० टी. एन. एफ. १०० - १००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

11 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/737/84-85—प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 17 का 1/2 भाग, है तथा जो जवाहर नगर कैम्प, माडल टाउन रोड लुधियाना में स्थित है (और इससे उपरि उल्लेखित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री अजय सिंह पुत्र,
श्री मणपाल,
बेरी भवन, कालेज रोड,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री अमर नाथ पुत्र,
श्री सुन्दर सिंह,
142, माडल टाउन रोड,
लुधियाना।

(अन्तरिणी)

(3) श्रीमती गुरप्रीत कौर पत्नी,
डा० मनवीर सिंह,
निवासी लुधियाना रोड, रायकोट,
तहसील जलराओ, जिला लुधियाना
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 7 का 1/2 भाग, जवाहर नगर कैम्प, माडल टाउन रोड, लुधियाना। अर्थात् वह [जयराज जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के जिलेख संख्या 12681 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-11-1985

मोहर:

प्रकट बाई, टी. एच. एच. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राइम सरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/717 ए/84-85—अतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० सी० एफ० नं० 7 का 1/2 भाग,
है तथा जो जवाहर नगर कैप, माडल टाऊन रोड, लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
होने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अधिक से बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में से उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

56 —356 GI/85

(1) श्री राजबीर सिंह पुत्र,
श्री यशपाल,
निवासी बेरी भवन, कालेज रोड,
लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरजीत कौर पुत्री,
श्री वरयाम सिंह,
मकान नं० 1007, इस्लाम गंज,
लुधियाना

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती हरनाम कौर पत्नी,
श्री खजान सिंह,
516 एल० माडल टाऊन,
लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यायिकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 7 का 1/2 भाग, जवाहर नगर
कैप, माडल टाऊन रोड लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद
जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या
12541 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहर :

प्रकाशक: डी. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/742/84-85—अंतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० सी० एफ० न० 7 का 1/2 भाग,
है तथा जो जवाहर नगर कैम्प, माडल टाऊन रोड, लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्र
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री अमर सिंह पुत्र
श्री सुन्दर सिंह,
निवासी 142, न्यू माडल टाऊन,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरप्रीत कौर पत्नी
डा० मनबीर सिंह,
निवासी लुधियाना रोड, रायकोट,
तहसील जगराओं, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० न० 7 का 1/2 भाग, जवाहर नगर
कैम्प, माडल टाऊन रोड, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद
जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या
12778 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-11-1985
मोहर:]

प्रारूप आदेश टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/732/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० सी० एफ० नं० 7 का 1/2 भाग, जवाहर नगर कैप, माडल टाऊन रोड लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुरजीत कौर पुत्री
श्री वरयाम सिंह,
निवासी मकान नं० 1007, इस्लाम गंज,
लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरनाम कौर पत्नी
श्री खजान सिंह,
516 एल माडल टाऊन,
लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 7 का 1/2 भाग, जवाहर नगर कैप, माडल टाऊन रोड लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 12628 माह मार्च, 1985 के तहत वर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985
मोहर

प्रथम भाग टी. एन. एस.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधि०/753/84-85—असतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/4 हिस्सा मकान नं० बी-18, 339 (641-आर०) है तथा जो माडल टाऊन लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रार कर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के भीषण ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के संबंध में कमी करने या उलटने करने में सुविधा हो सके और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिमों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तर्गत् द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाता आदि या विधाय में सुविधा हो सके।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री पुष्पिन्द्र कुमार पुत्र
श्री हरबंस लाल,
निवासी 641-आर माडल टाऊन,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री बलवीर सिंह आनन्द पुत्र
श्री आनन्द सिंह
निवासी 158-आर० माडल टाऊन,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपांश :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति से हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा मकान नं० बी-18-339 (641-आर०) माडल टाऊन लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रार कर्ता अधिकारी के विलेख संख्या नं० 12923 मार्च 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/754/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० बी-18-339 (641-आर)
का 1/4 भाग है तथा जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार/उत्ती अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रार/उत्ती अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1) श्री पुष्पिंदर कुमार पुत्र
श्री हरबन्स लाल,
निवासी 641 आर, माडल टाऊन,
लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलवीर कौर पत्नी
श्री बलवीर सिंह,
158 आर, माडल टाऊन,
लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-18-339 (641-आर) का 1/4
भाग माडल टाऊन, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो
रजिस्ट्रार/उत्ती लुधियाना, लुधियाना के विलेख संख्या 12951
माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985
मोहर :

प्रारूप भाई: टी. एन. एस.-----

भाषकृत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

बाजार सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लूधियाना/778/85-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० बी-1-1216 का हिस्सा है तथा जो बिन्दरावन रोड़ तथा बैंक रोड़, सिवल लाईनज लूधियाना में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में से वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकताओं, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों [] अधिति:—

(1) श्री गुरदास राम गुप्ता पुत्र,
श्री राय बहादुर लभु राम,
लूधियाना अथ 2-डब्ल्यू;
अपधरा को-ऑपरेटिव हार्डवेयर सोसायटी,
61 बी, पाली हिल रोड़, बांदरा, बम्बई-50
(अन्तरक)

(2) श्री मनोष गुप्ता पुत्र
श्री पुरन चन्द गुप्ता
70 आई सराया नगर,
लूधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-1-1216 का हिस्सा, बिन्दरावन रोड़ तथा बैंक रोड़, सिवल लाईनज लूधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लूधियाना के विलेख संख्या 13197 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-लूधियाना

तारीख: 11-11-1985
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/792/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जायदाद नं० बी-1-1216 है तथा जो
बिन्दरावन रोड़ तथा बैंक रोड़, सिविल लाईनज लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री गुरदास राम गुप्ता पुत्र

श्री राय बहादुर लक्ष्मी राम,

निवासी बी-1-1216, चौके कैलाश सिनेमा

लुधियाना अब डब्ल्यू अपसरा कोआपरेटिव

हाऊसिंग सोसायटी,

61 बी, पाली हिल रोड़, बाँदरा,

बम्बई-50

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री अरविन्द जैन,

श्री राजेश जैन,

श्री रजनीश जैन,

पुत्र श्री मोहन जैन,

निवासी 1243/किचलू नगर, लुधियाना तथा,

श्री मनीश गुप्ता पुत्र

श्री पुरण चन्द गुप्ता,

निवासी 70 आई, सरया नगर, लुधियाना तथा

श्री विजय कुमार पुत्र

श्री दियाल चन्द गुप्ता,

निवासी 81 आई, सरया नगर,

लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० बी-1-1216, बिंदरावन रोड़ तथा बैंक
रोड़, सिविल लाईनज, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद
जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विवेक संख्या
13307 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहर :

सक्षम बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निवेश सं० लुधियाना/805/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० बी-I-1216 है तथा जो
बिन्दरावन रोड़ तथा बैंक रोड़, सिवल लाईनज लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
आधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल अलीमतिवित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित के
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हानित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरदास राम गुप्ता पुत्र
श्री राय बहादुर लभू राम गुप्ता,
लुधियाना ग्राम 2 डब्ल्यू०,
अपसरा को० आ० हार्जिसिंग सोसायटी,
61 बी पानी हिल रोड़, बाँदरा
बम्बई-50

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री अरविन्द जैन,
श्री राजश जैन तथा
श्री रजनोय जैन,
पुत्रान श्री मोहन लाल,
निवासी 124 डी० किचलू नगर,
लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

कनुपूर्वी

मकान नं० बी-I-1216 का भाग, बिन्दरावन रोड़
तथा बैंक रोड़, सिवल लाईनज लुधियाना। (अर्थात् वह
जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विज्ञेय
संख्या 13422 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना 700/84-85--प्र. : मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मजान नं० बी-1-1216 का 1/20
भाग है तथा जो विन्दावन रोड़ तथा वैठ रोड़ निम्न लाइन्स
लुधियाना में स्थित है (और इसे उस्ताद अशुबुको में और
पूर्ण रूप से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को प्रत्येक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधित, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
संश्लेष में लगी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

57—356 GI/85

(1) श्री गुरदास राम गुप्ता पुत्र
श्री राम चन्द्र लाल राम,
निवासी बी-1-1216, चौक कैलाज सिनेमा,
लुधियाना और डम्पर्स आगरा
को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,
61-बी, पानो हिल रोड़, बोंदरा,
बम्बई-30।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोज गुप्ता पुत्र
श्री पुरण चन्द गुप्ता,
70-मई, सरावा नगर,
लुधियाना।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावस्था सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मजान नं० बी-1-1216 का 1/20 भाग, विन्दावन
रोड़ तथा वैठ रोड़, निम्न लाइन्स लुधियाना। (प्रतीत
वह जानकारी जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के विवेक संख्या 13389 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज
है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहर :

मुख्य भाग टी. एन. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/785/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूकान नं० बी-1-1216 का 1/20 भाग है, तथा जो बिन्दावन रोड़ तथा बैंक रोड़ त्रिवल लाईन्स लुधियाना में स्थित है (प्रौर इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक व ह्रास किसी आय को दाख, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थतः—

(1) श्री गुरदास राम गुप्ता पुत्र
स्व. श्री राय बहादुर लम्भू राम,
निवासी बी-1-1216, चौक कैलाश त्रिमे
लुधियाना श्रव डब्ल्यू०
अरसरा कोआ० हाऊसिंग सोसाईटी,
61-बी, पाली हिल्स रोड़ बांदरा,
बम्बई-50

(अपराध)

(2) सर्वश्री अरविन्द जैन,
श्री राजेश जैन,
श्री रजनीश जैन पुत्रान,
श्री मोहन लाल,
निवासी 124, डा० किवजू नगर,
लुधियाना

(अपराध)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूकान नं० बी-1-1216 का 1/20 भाग, बिन्दावन रोड़ तथा बैंक रोड़, त्रिवल लाईन्स, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 13272 माई मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयुक्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/794/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र

सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० बी-7-579/1 का भाग है तथा जो केसर गंज रोड लुधियाना में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुपूर्वों से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचत या अन्य वास्तविकता को चिन्तित भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विषय में जातिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लीला बन्ती विधवा,
तथा श्री सुभाष चन्द्र पुत्र,
श्री ज्ञान चन्द अपने लिए तथा बतौर,
जीपीए श्री रमेश चन्द्र,
श्री सतीश कुमार
श्रीमती कैलाश रानी तथा,
श्रीमती परमिला रानी,
निवासी मकान नं० 579/1, केसर गंज रोड,
लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्री मन्तोष कुमार पुत्र,
श्री सुन्दर दास,
निवासी 974/1, राजपुरा रोड, सिवल
साईनज लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियाँ कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों को यह सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वावक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी या वास्तविक में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० बी-7-579/1, का भाग जो कि केसर गंज रोड, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 13349 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/779/84-85--प्र.ग. मुने, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० बी-7-579/1 का भाग है तथा जो केनर गंज रोड़ लुधियाना में स्थित है (प्रो. इससे उदाहरण अनुसूची में प्रो. पूर्ण का ये प्रमाण है), रजिस्ट्रार-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लोला दत्तो विपना लाल,
श्री तुषार चन्द्र पुत्र,
श्री ज्ञान चन्द्र अरुने लिए तथा बतोर,
जी० पो० ए० श्री रंज चन्द्र,
श्री लतीफ कुमार,
श्रीमती कैलाश रानी,
श्रीमती परमिता रानी,
निवासी मकान नं० 579/1 केनर गंज रोड़
लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्री मंजोत कुमार पुत्र,
श्री तुषार दास,
निवासी 974/1 राजपुरा रोड़,
डिबल लाईन, लुधियाना

(अन्तरिती)

(3) मैजर् गनेव टी० कानो,
केनर गंज रोड़,
लुधियाना

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लक्ष्यस्थ व्यक्तियों पर सूचना को तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० बी-7-579/1 का भाग, जो कि केनर गंज रोड़ लुधियाना में स्थित है (प्रमाण यह जानकार जो कि रजिस्ट्रार-कर्ता अधिकारी, लुधियाना के त्रिनेत्र संख्या 13228 भादू मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहर :

प्ररूप माह, टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० जगराओ/2/कन/84-86--अतः मुझे,

ओगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि 5 कनाल 16 भरला है तथा जो गांव अगवार लोपो कलां तहसील जगराओ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगराओ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक सम्पत्ति निम्न के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिना और या/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-आय कोष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चान्द सिंह पुत्र,
श्री कुर सिंह, निवासी
गांव अगवार लोपो कलां तहसील जगराओ
जिला लुधियाना

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री हरमजन सिंह,
श्री बलदेव सिंह,
श्री अमरजीत सिंह पुत्रान,
श्री फगन सिंह,
निवासी गांव अगवार लोपो कलां,
तहसील जगराओ, जिला लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कनाल 16 भरला जो कि गांव अगवार लोपो कलां तहसील जगराओ जिला लुधियाना में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जगराओ के विलेख संख्या 5061 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

ओगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० जगरामों/3/कम/84-85—अतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि 6 कनाल 16 मरला है तथा जो
गांव अगवार लोपों कलां, तहसील जगरामों में स्थित है
(और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगरामों में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गृह्य इतिहास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चांद सिंह पुत्र,
श्री कपूर सिंह,
निवासी अगवार लोपों कलां,
तहसील जगरामों, जिला लुधियाना

('अन्तरक')

(2) श्री कमल सिंह पुत्र,
श्री अर्जुन सिंह,
निवासी गांव अगवार लोपों कलां,
तहसील जगरामों जिला लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 6 कनाल 16 मरला जो कि गांव लोपों कलां,
तहसील जगरामों जिला लुधियाना में स्थित है। (अर्थात्
यह जखबद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जगरामों के
विलेख संख्या 5062 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री हरविन्द पाल सिंह पुष्प,
श्री संतोष सिंह,
निवासी 185, ग्रीन फील्ड
माडल ग्राम,
लुधियाना

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/690 ए/84-85—अतः मुझे

ओगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिरकी संस्था संस्थान नं० बी-18-3652/5 एच०

3 का 1/4 भाग है तथा जो ग्रीन फील्ड माडल ग्राम,
लुधियाना में स्थित है (श्रीर इसस उपायुक्त इन्टरचेंज के अधीन
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती मनजीत कौर पत्नी,
श्री तरलोक सिंह,
निवासी मकान नं० बी-18-3652/
5 एच०/3, ग्रीन फील्ड, माडल ग्राम,
लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-18-3652/5 एच०/3 का भाग जो
कि ग्रीन फील्ड, माडल ग्राम, लुधियाना में स्थित है (अर्थात्
यह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
विलेख संख्या 12328 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज
है)।

ओगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

विदेश सं० लुधियाना/704/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मजान नं० बी-18-3652/5 एच
3 का 1/4 भाग है तथा जो ग्रीन फील्ड माडल ग्राम
लुधियाना में स्थित है (यौंग इन्फेन्स उपायुक्त अनुसूची में
अंतर्गत पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-अधिकारी के
कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
शर्तों तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियंत्रण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए;

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरविन्द पाल सिंह पुत्र
श्री संतोष सिंह
जिसकी 185 ग्रीन फील्ड माडल ग्राम
लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मानजीत कौर पत्नी
श्री तरजीत सिंह
जिसकी मजान नं० बी-18-3652/5 एच/3
ग्रीन फील्ड माडल ग्राम
लुधियाना

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मजान नं० बी-18-3652/5 एच/3 का भाग माडल
ग्राम लुधियाना अर्थात् यह जानकारी जो कि रजिस्ट्री-अधिकारी
लुधियाना के लिखित संख्या 12438 म.ह. मार्च
1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/694/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० बी-18-3652/5 एच/3 का भाग है तथा जो ग्रीन फील्ड, माडल ग्राम, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

58—356 01/85

(1) श्री हरविन्द पाल सिंह पुत्र,
श्री मंतोत्र सिंह,
निवासी 185, ग्रीन फील्ड, माडल ग्राम,
लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्री मति बलजीत कौर पत्नी,
श्री तरलोक सिंह,
निवासी मकान नं० बी-18-3652/
5 एच/3 ग्रीन फील्ड, माडल ग्राम,
लुधियाना

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-18-3652/5 एच/3 का भाग जो कि ग्रीन फील्ड, माडल ग्राम, लुधियाना में स्थित है। अर्थात् वह आपदाद जो कि राजस्त्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 12363 मार्च मार्च, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

माहूर :

प्ररूप आर्ट. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निवेश सं० लुधियाना/760/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसमें परिवर्तन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक आयुक्तों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० बी-XV/959 का भाग
है तथा जो इंडस्ट्रियल एरीया 'बी' लुधियाना में स्थित है
(और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
आधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सहायक आयुक्त को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
वर्तमान प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
प्रतिफल को प्रत्येक रूप से उचित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
हायत में करी करे या उससे बचने में सुविधा
के लिए: और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
किसी अधिनियम 1957 (1957 का 27) से
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिनमें से मूल्य
के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री उत्तम सिंह पुत्र,
श्री सुन्दर सिंह,
निवासी प्रताप हाउस, प्रताप नगर,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) मैमंज मैपको इंडस्ट्रीज,
61 बी, इंडस्ट्रियल एरीया ए एकाटेन,
लुधियाना,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
या है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XV/959 का भाग जो कि इंडस्ट्रियल
एरीया बी लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद
जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या
13031 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

उत्तम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-11-1985

मोहर:

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० लुधियाना/798/84-85--अतः मुन्ना, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० बी-XV/959 का भाग
है तथा जो इंडस्ट्रियल एरीया बी, लुधियाना में स्थित है
(और इसमें उपाध्वज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री उत्तम सिंह पुत्र,
श्री सुन्दर सिंह,
निवासी प्रताप हाऊस, प्रताप नगर,
लुधियाना

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मैपको इंडस्ट्रियल,
61 बी इंडस्ट्रियल एरीया ए' एक्सटेंशन,
लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XV/959 का भाग जो कि इंडस्ट्रियल
एरीया बी लुधियाना में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद
जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या
13367 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-11-1985]

माहूर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/758/84-85—यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ख्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 40 का 1/2 भाग है, तथा जो भादौड़ हाऊस, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम लुभाया जोशी पुत्र श्री रिषी राम जोशी,
निवासी 49/70, हरपाल नगर, लुधियाना
(अन्तरक)

2. श्रीमती मोहनी कुलवन्त पत्नि श्री कुलदीप सिंह,
घई, श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह,
श्रीमती भूपिन्द्र कौर पत्नि श्री रजिन्द्र सिंह,
निवासी 290 अग्रनगर, लुधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 40 का 1/2 भाग जो कि भादौड़ हाऊस लुधियाना में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विनंख सं० 12990 माह मार्च, 1985 के सहित दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहता

इसमें बाई. टी. ए. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/758-ए/84-85—प्रतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 40 का 1/2 भाग है,
तथा जो भादौड़ हाउस, लुधियाना में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गत से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी भाग या किसी भाग या अन्य वास्तवों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम लुभाया जोशी पुत्र श्री रिखी राम जोशी
निवासी 49/70, हरपाल नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मोहनी कुलवन्त पति श्री कुलदीप सिंह घई,
श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह,
श्रीमती भूपेन्द्र कौर पति श्री रजेंद्र सिंह,
निवासी 290 अग्र नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सत्यापन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 40 का 1/2 भाग जो कि भादौड़
हाउस, लुधियाना में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 13009
माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

कोड : ५

प्राख्य आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/807/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी के यह विचार करने का कारण है कि उक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-19-327-सी का 1/4 भाग, है, तथा जो डा० शाम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में आरंभ पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे सम्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्माणादि उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित के कारण-विक्रय से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की भावना, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण से नहीं करने या उक्त अन्तरण से अधिक के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों का, जिसमें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी नामा बाहिए या विधानों में उल्लिखित है।

1. श्री मोहिन्द्र कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल,
निवासी 327-सी, 350 शाम सिंह रोड, लुधियाना।
(अन्तरक)
2. श्रीमती राज बाला पत्नि श्री सतपाल;
निवासी 757, मोचपुरा, लुधियाना।
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-19-327-सी का 1/4 भाग, डा० शाम सिंह रोड, लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 13425 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985
मोहर :

नम. अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसूची में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णित हैं :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/797/84-85—अन: मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-19-327-सी का 1/4 भाग
है, तथा जो डा० शाम सिंह रोड़, लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिनारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रेशन अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल,
निवासी मकान नं० 327-सी, डा० शाम सिंह रोड़,
लुधियाना

(अन्तरक)

2. श्रीमती पवन जैन पति श्री सतिन्द्र जैन,
मकान नं० 757 मोचपुरा, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशुद्धताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-19-327-सी का 1/4 भाग, डा० शाम
सिंह रोड़, लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिनारी, लुधियाना के विनियम सं० 13360 माह मार्च,
1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहर :

प्रभु आइ. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/786/84-85—अतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-19-327-सी का 1/4 भाग है, तथा जो डा० शाम सिंह रोड़, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उलट बचत से हविषा से किए गए/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से हविषा से किए गए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति है—

1. श्री मोहिन्द्र कुमार पुत्र श्री पद्मा लाल,
मिवासी मकान नं० 327-सी, डा० शाम सिंह रोड़,
लुधियाना

(अन्तरक)

2. श्रीमती जैन पति श्री पुष्प जैन,
मकान नं० 757, मोचपुरा, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वादों है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

पानुसूची

मकान नं० बी-19-327-सी का 1/4 भाग, डा० शाम सिंह रोड़, लुधियाना (अर्थात् वह आयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 13278 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहर :

अर्थ: भाग 1 के अन्तर्गत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० लुधियाना/777/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र

सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेकास करने का कारण है कि यथावत् संघित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- में अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-19-327-सी का 1/4 भाग है, तथा जो डा० शाम सिंह रोड़, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देय के अन्तर्गत के व्यय में कमी करने या अन्यथा इसमें प्रयुक्त व्यय के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकबाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया है या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए

1. श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री पं० लाल,
निवासी, मकान नं० 327-सी, डा० शाम सिंह रोड़,
लुधियाना

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रवेश जैन पत्नी श्री गोबिंद लाल,
निवासी 757, मोचपुरा, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाध में सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-19-327-सी का 1/4 भाग, डा० शाम सिंह रोड़, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदादा जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 13213 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—356GI/85

तारीख : 11-11-1985
हर मो :

प्रथम भाग—बी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/712/84-85—अतः, मुझे; जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-XVI-1-042/बी का 1/4 भाग,
है, तथा जो मुरादपुरा, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाधुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल के बड़े
प्रतिफल से अधिक है

और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
व्यवस्था से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
कही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी मात्र की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सावधान में कमी करने या उतरे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी मात्र या किसी भन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अमर कौर पत्नी श्री राम सिंह,
मिवासी 96, न्यू जनता नगर, गली नं० 6,
लुधियाना

(अन्तरक)

2. मैसर्स ऐकटिव साइकल इंडस्ट्रीज (रजिस्टर्ड)
1042-सी, मुरादपुरा, कलसीयां गली,
लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण:—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XVI-1042-बी का 1/4 भाग, जो कि
मुरादपुरा, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद
जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 12479
माह मार्च, 1985 के तहत वर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्रकृष माह.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/721/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-XVI—1042/बी का 1/4 भाग
है, तथा जो मुरादपुरा, लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से पहले किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अमर कौर पत्नि श्री राम सिंह,
निवासी, 96, न्यू जनता नगर, गली नं० 7,
लुधियाना

(अन्तरक)

2. मैसर्स एक्टिव सार्जिकल इंडस्ट्रीज (रजिस्टर्ड),
1042-सी, मुरादपुरा, कलसीयां गली,
लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XVI—1052/बी का 1/4 भाग जो कि
मुरादपुरा लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 12585
माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

आरूप आई.टी.एन.एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/735/84-85—अत, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-XVI--1042/बी का 1/4 भाग है, तथा जो मुरादपुरा, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कहा गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति अमर कौर पत्नि श्री राम सिंह,
निवासी 96, न्यू जनता नगर, गली नं० 6,
लुधियाना

(अन्तरक)

2. मैसर्स ऐक्टिव साईकिल इंडस्ट्रीज (रजिस्ट्रड)
1042-सी, मुरादपुरा, कलसीयां, गली,
लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XVI--1042-बी का 1/4 भाग जो कि मुरादपुरा, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 12653 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रकाशित न्यायिक आदेश

भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/183/84-85—अतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 156 है, तथा जो सैक्टर 402, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायय अतुल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसवमां प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि वधायुक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दसवमां प्रतिफल से, ऐसे दसवमां प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब तक नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दसवमां से कमी करने या उक्त अंतरण से सूचना के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी वन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकधर्मा अंतर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, किया जाने से सूचना के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री नन्द किशोर सेठी पुत्र श्री हरि चन्द सेठी,
निवासी मकान नं० 548, सैक्टर 20-ए,
चण्डीगढ़

(अन्तरक)

2. श्री रघु प्रकाश सिंह तथा श्री हर प्रकाश सिंह
पुत्रान, श्री गुरुमुख सिंह जी,
निवासी मकान नं० 154, सैक्टर 40-ए,
चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतः सूची

मकान नं० 156 सैक्टर 40-ए, चण्डीगढ़। अर्थात् यह आयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 1346 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, लुधियाना

तारीख : 31-10-1985

मोहर :

प्रकाश भाई. टी. एम. एच. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/185/84-85—यतः, मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विस्वास्त करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्की सं० प्लॉट नं० 1229 है, तथा जो सेक्टर 33-सी,
चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपायय अनुसूची में श्रीर पूर्ण
रूप से वसित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के सममान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास्त
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके सममान प्रतिफल से, ऐसे सममान प्रतिफल का
मूल्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अधिक नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण है और किसी बात की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लिखित
में नहीं करने या उक्त करने में सूचना के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, लिखित में सूचना
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. श्री एस० आर० दुग्गल पुत्र श्री मेहर चन्व दुग्गल,
निवासी मकान नं० 10161, उपकार नगर, फेक्ट्री
एरिया, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री आर० एस० भुटानी पुत्र स्व० श्री सुन्दर सिंह,
निवासी मकान नं० डी-72, मालवीय नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय
कार्यवाहियां शुरू करा हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के उपरान्त प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपरान्त प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1229 सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ (अर्थात् यह
जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विसेल
सं० 1349 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 31-10-1985
मोहर :

प्रमुख भाई. टी. एम. एल. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/190/84-85-अतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, लुधियाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 9-10 है, तथा जो सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री/अधिलेख के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवक्षा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बंधू प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियम अर्पित —

1. श्रीमती हृदयरा और विवक्षा श्री मेन्ता सिंह,
निवासी कुरावो जिला रायड़ पंजाब)
(अन्तरक)

2. श्री गुरुमो सिंह पुत्र श्री बलविन्द्र सिंह,
निवासी गांव खेरी गौड़ा तहसील राजपुरा,
जिला पटियाला।
(अन्तरिती)

(3) सेण्ट्रल बैंक आफ इंडिया
एस० सी० नं० 9-10, सैक्टर 22-सी,
चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 9-10, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।
(अर्थात् वह जायदाद जो रजिस्ट्री/अधिलेख के अधिलेख सं० 1393 साह, मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रकाश जाई, टी. एन. एच.,-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/192/84-85-अन, मुझे, जोगिन्द्र सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जुन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मान नं० 17 का 1/2 भाग है, तथा जो सेक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अस्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती हरमिन्द्र कौर पति स्व० पी० ए० नाथ,
निवासी मकान नं० 17 सेक्टर 21-ए, चण्डीगढ़
(अन्तरण)

2. श्री ईश्वर सिंह पुत्र श्री हरमान सिंह,
निवासी ऊना (हि० प्र०)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्रवाईयां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रभावस्थाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

सन्निहितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 17 सेक्टर 21-ए का 1/2 भाग, चण्डीगढ़ (अर्थात् वह जायदाद जो रजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख नं० 1403 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है) ।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985
मोहर .

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/193/84-85-अतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 545 है, तथा जो सेक्टर 36-बी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अक्षरिज की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में साम्बन्धिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों में अन्तर्गत :-

1. श्रीमति पवित्र कौर सिधू परिन श्री मनकीयत सिंह सिधू,
निवासी मकान नं० 545, सेक्टर 36-बी, चण्डी
(अन्तरक)

7. श्री हरीराम सिंह पुत्र श्री सन्त सिंह,
निवासी मकान नं० 5058/1, सन्त नगर, करोल बाग,
नई दिल्ली-5
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 545, सेक्टर 36-बी, चण्डीगढ़। (अर्थात् यह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 1412 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष बाध. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) व अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लधियाना

लधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/194/84-85---यतः मुक्त, जोगिन्द्र सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज, लधियाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन स.म. प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2007, सेक्टर 15-सी, चण्डीगढ़ है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और बंध 6 (अ. ए.सी.) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उ. के. से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से सीमित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० एस० संधू पुत्र श्री जगत सिंह संधू,
निवासी मकान नं० 2007, सेक्टर 15-सी, चण्डीगढ़
(अन्तरक)
2. सर्वश्री परमजीत सिंह बराड़, श्री कंवलजीत सिंह
बराड़ पुत्रान ड।० जसकरण सिंह बराड़,
निवासी मकान नं० 3262 सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़
(अन्तरिती)
3. (1) श्री एस० एस० लाल,
निवासी मकान नं० 2007, सेक्टर 15-सी,
चण्डीगढ़
(2) श्री साक्षी राम शर्मा
निवासी मकान नं० 2007 सेक्टर 15-सी,
चण्डीगढ़
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बा. करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहीमा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आपे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी बरविधि बाद में प्रकट होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ है जो उस अध्याय में दिया गया है।

चण्डीगढ़

मकान नं० 2007 सेक्टर 15-सी, चण्डीगढ़ । (अर्थात् वह आयदाय जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 1417 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लधियाना

तारीख : 8-11-1985

माहुर :

प्रकृष माह. टी. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

निदेश सं० चण्डीगढ़/195/84-85—यतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके त्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सजब प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1115 है तथा जो सैक्टर 36-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 26) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के हयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वक सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल के, ऐसे हयमान में फल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) व गोचर से अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल निम्नलिखित हयसे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम के धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम के धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को अर्जन :—

1. श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह
निवासी 10 भूपिन्द्र नगर रोड पटियाला
(अन्तरक)
2. श्रीमति हरेन्द्र कौर पत्नि श्री पृथपाल सिंह कोहली
श्री पृथपाल सिंह कोहली पुत्र श्री कौर सिंह
निवासी मकान नं० 252, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास मिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

रिहायशी मकान नं० 1115, सैक्टर 36-सी, चण्डीगढ़, (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के दलेख सं० 1423 माह माघ, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 31-10-1985

मोहर

प्रकृष जाह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० चण्डीगढ़/196/84-85—यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 121 है, तथा जो सेक्टर 21-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व प्रतिफल के लिए अंतरास की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कहे देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पूर्ण चन्व पुत्र श्री मतराम निगसी कनौडिया भवन, हस्पताल रोड़, बटिडा द्वारा उसकी अटार्नी श्री तीरथ राम निवासी मकान नं० 223, सेक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
2. श्रीमति सुरेश कुमारी परिन श्री मनी प्रकाश शर्मा, निवासी मकान नं० 223, सेक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 121 सेक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के बिलख सं० 1474 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985
मोहर :

प्रकृष बाध. टी. एन. एच. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

निदेश सं० चण्डीगढ़/198/84-85—यतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण) अर्जुन रेंज, लुधियाना जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 716 है, तथा जो सैक्टर 40-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्वान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायित्वान प्रतिफल से, ऐसे दायित्वान प्रतिफल का पक्ष प्रविष्टा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में तत्कालिक रूप से कबिष्ठ नहीं किया गया है १—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उभयों में से अधिक के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था निम्नलिखित में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

1. श्री रतन चन्द पुत्र श्री गंडा राम,
निवासी मकान नं० 584, सैक्टर 22-ए, चण्डीगढ़
(अन्तरक)
2. श्री चानन सिंह निजर पुत्र श्री मिलखा सिंह निजर,
निवासी गांव पंछोरी निजरा, जिला जालन्धर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 716, सैक्टर 40-ए, चण्डीगढ़।
(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 1505 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 31-10-1985
मोहर :

सक्षम बाबू.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० डेरा बस्ती 17/84-85—प्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चित्तवन उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 6 बीघा है तथा जो गाँव रामपुर कलाँ, सब तहसील डेरा बस्ती में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्ती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सममान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सममान प्रतिफल से, ऐसे सममान प्रतिफल के समान प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया/प्रतिफल, किन्हीं व्यक्ति विशेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाबू की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाबू या किसी धन या अन्य जास्तियों से, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. लिखित में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश मित्र पुत्र श्री हरी राम, निवासी मकान नं० 67, सेक्टर 28ए, चण्डीगढ़, अपने लिए तथा बतौर अर्थात् श्री विषयामित्र पुत्र श्री हरी राम, निवासी मकान नं० 67, सेक्टर 28ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. मैसर्स पंचशील कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी रजिस्टर्ड गाँव रामपुर कलाँ सब तहसील डेरा बस्ती, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रोक्त सम्पत्ति के बर्तन से लिए कार्यवाही कराई जाएगी।

उक्त संपत्ति के बर्तन से संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथवा अथवा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 6 बीघा जो कि गाँव रामपुर कलाँ सब तहसील डेरा बस्ती जिला पटियाला में स्थित है (अर्थात् वह आयदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बस्ती के विनोद संख्या 1504 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 4-11-1985

मोहर:

प्रकाश. भाग. टी. एन. एन. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० डेरा बस्सी/18/84-85—अतः मुझे जोगिन्दर
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भूमि 5 बीघा है तथा जो गाँव रामपुर कलाँ सब
तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाबा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के लक्ष्य के
हाथिप में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6 1—356GI/85

1. श्री जगदीश मित्र पुत्र श्री हरी राम निवासी मकान
नं० 67 सैक्टर 8ए, चण्डीगढ़ अपने लिए तथा बतौर
अटार्नी श्री विशव मित्र पुत्र श्री हरी राम निवासी
मकान नं० 67 सैक्टर 28ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. मैसर्स पंचशीथ कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी
रजिस्टर्ड, गाँव रामपुर कलाँ, सब तहसील डेरा बस्सी,
जिला पटियाला।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 5 बीघा जो कि गाँव रामपुर कलाँ सब तहसील
डेरा बस्सी जिला पटियाला में स्थित है (अर्थात् वह जायराद
जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के विवेक संख्या
1635 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० डेरा बस्सी/19/84-85—अतः मुझे जोगिन्दर सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 5 बीघा है तथा जो गाँव रामपुर कलाँ सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बस्सी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के शब्दोंवाची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाव में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश मित्र पुत्र श्री हरी राम, निवासी मकान नं० 67, मैक्टर 28 ए, चण्डीगढ़ अपने लिए तथा बतौर अटार्नी श्री विशवा मित्र श्री हरी राम निवासी मकान नं० 67 मैक्टर 28 ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. मैसर्स पंचशील कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी रजिस्टर्ड गाँव रामपुर कलाँ, सब तहसील डेरा बस्सी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 5 बीघा जो कि गाँव रामपुर कलाँ, सब तहसील डेरा बस्सी जिला पटियाला में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के विनोद संख्या 1567 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 4-11-1985 ।
मोहर :

प्रकृष आइ.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० चण्डी०/37ईई/84--85--अतः मुझे जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 50सी, है तथा जो फेम 3बी-
मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हकमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हकमान प्रतिफल में, ऐसे हकमान प्रतिफल का
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितीया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
शत निम्नलिखित अनुबन्ध से उक्त अंतरण विहित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. चौधरी रतन सिंह पुत्र श्री रुड़ा सिंह, मकान नं०
1252, सैक्टर 43 बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र सिंह सभरवाल पुत्र श्री करतार सिंह, निवासो
मकान नं० 48, सैक्टर 27 ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 50सी फेम 3 बी -I, मोहाली, तहसील
खरड़। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 5082 माह 25-3-1985 तथा
बेचने के लिए एकरारनामा दिनांक 15-3-1985 में पंजी-
कृत है)।

जोगिन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11-11-1985
मोहर :

संक्षेप भाई.टी.एन.एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

सारकृत प्रकाश

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० खरड़/112/84-85-अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 124 बीघा 18 बिस्वा है तथा जो गाँव कुराडी, तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यय से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री नन्दलाल पुत्र श्री परमानन्द, निवासी मकान नं० 1600 सेक्टर 7 सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री शील कोमपारेडि हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, गाँव कुराडी तहसील खरड़ द्वारा श्री लखवीर सिंह कैयूरमैन।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा आधुनिकताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 124 बीघा 18 बिस्वा जो कि गाँव कुराडी तहसील खरड़ में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या 4969 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक: 1-11-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० पटियाला/57/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी एरिया है तथा जो 881 ½ वर्ग गज, तारपड़ी निरहिन्द रोड पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुपूर्वों में और पूर्ण अर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विदेश कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश अपने लिए बतीर अटार्नी श्री चिन्मय कुमार श्री विमल कुमार, श्री जतेन्द्र कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश तथा श्रीमति भगवन्ती विधवा श्री ओम प्रकाश, निवासी बी टाउन, पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री जगमोहन सिंह पुत्र श्री हनूर सिंह, निवासी 22 यद्विन्द्रा कालोनी, पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी एरिया 881 ½ वर्ग गज जो कि तारपड़ी, निरहिन्द रोड पटियाला में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी, पटियाला के विलेख संख्या 4960 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है) ।

जोगिन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11-11-1985

मोहर

प्रमुख आह. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० पटियाला/56/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी एरिया 881 वर्ग गज है तथा जो
तरिपड़ी, मिरहिन्द रोड, पटियाला में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीता अधि-
कारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम चन्द पुत्र श्री सुलेख चन्द, निवासी देस राज
स्ट्रीट, पटियाला, ।

(अन्तरक)

2. श्री दयाल दपिन्द्र सिंह पुत्र श्री परशोत्तम सिंह, निवासी
22 यदविन्द्रा कालोनी, पटियाला ।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

प्रापटी एरिया 881— वर्ग गज जो कि तरिपड़ी सिरहिन्द
रोड, पटियाला में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांरी, पटियाला के विलेख संख्या 4959
माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है) ।

जोगिन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक 11-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० पटियाला/55/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र
सिंह,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी एरिया, है तथा जो 881 वर्ग गज,
तरिपड़ी, मिरहिनंद रोड, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के
कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरिती) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक को
वास्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6. श्री हरी चन्द पुत्र श्री सुलेख चन्द, निवासी देन राज
स्ट्रीट, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमति बर्ना चन्द्र बॉर पति श्री जगमोहन सिंह, 22,
यदविन्द्रा बालोनी, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी एरिया 881— वर्ग गज, जो कि तरिपड़ी सरहिनद
रोड पटियाला में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-
की अधिकारी, पटियाला के विलेख संख्या 4958 माह मार्च
1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधियारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 11-11-1985

मोहर:

प्रत्यक्ष ग्राहक टी.एन.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० पटियाला/60/84-85--अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 5591/1 का भाग है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और जो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्धु प्रशिक्षण से अधिक है और/अथवा (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिकरणों) के बीच ऐसे अंतर है जो लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को जो भी करने या उसके बचने में शुक्ति के लिए और/अथवा

(ख) ऐसी किसी जाय या निष्पत्ति धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट हुई किन्ना नया या न किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित में स्थिति के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति ज्ञान कौर पत्नि दीवान हरी कृष्ण खोसला,
निवासी नजदीक आर्य समाज, पटियाला।
(अन्तरक)

2. श्री रामेश्वर दास स्मारक समिति द्वारा श्री परशोत्तम दास,
निवासी सामने सत्या नारायण मन्दिर, आर्य समाज चौक,
पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा या अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहस्र

मकान नं० 5591/1 का भाग जो कि पटियाला में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के विलेख संख्या 4788 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 11-11-1985
मोहर :

अंक 100. टी. एन. ए. -----

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सुधियाना

सुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० पटियाला/59/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें एकमें

एकमें पचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अन्तर्गत सूचना प्राप्त की गई है कि स्वामी संवत्, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. है अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 5591/1 का भाग, है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यप्युक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
62-356 GI/85

1. श्री भवतार कृष्ण खोसला पुत्र स्व० श्री दीवान हरी कृष्ण खोसला, निवासी नजदीक आर्य समाज, पटियाला (अन्तरक)

2. श्री रामेश्वर दास स्मारक समिति द्वारा श्री परमोत्तम दास निवासी सामने सत्यानारायण मन्दिर, आर्य समाज चौक, पटियाला ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतगा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अन्तरिती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वास्थ्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 5591/1, का भाग जो कि पटियाला में स्थित है (जहाँ वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के विलेख संख्या 4787 माह मार्च 1985 के तहत पड़े है) ।

जोगिन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, सुधियाना,

दिनांक 11-11-1985

बोर्ड :

प्रत्यक्ष जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० खरड़/113/84-85-अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 459 है तथा जो फेज VI, मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोक्षार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति मूर्ति देवी पत्नि श्री आत्मा राम निवासी मकान नं० 459 फेज IV, मोहाली, तहसील खरड़। (अंतरक)
2. श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री मालक सिंह, निवासी मकान नं० 2641, सक्टर 19सी, चण्डीगढ़। अब हाउसिंग कमिशनर (सिविल सक्लरेट), चण्डीगढ़ का पी० ए० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन में निम्न कार्यवाहियां करनी हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 459 फेज VI मोहाली तहसील खरड़ (अर्थात् वह आयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के विवेक संख्या 4986 के माह मार्च 1985 के तहत वर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 8-11-1985

मोहर :

प्रकाशक: डी. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं. खरड़/104/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह सूचना देने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिसकीम० मकान नं० 508, है तथा जो फेज IV, मोहाली,
तहसील खरड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
खरड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एम्मे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री साधू राम शर्मा पुत्र श्री अमर नाथ शर्मा, निवासी
मकान नं० सैक्टर 22 बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री हरेन्द्र सिंह सिन्हा बन्धु श्री सतनाम सिंह बन्धु
निवासी मकान नं० 1041 सैक्टर 18 सी, चण्डी-
गढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 508 फेज IV मोहाली तहसील खरड़।
(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के
विलेख संख्या 4795 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रॉय, लुधियाना

दिनांक : 8-11-1985
मोहर :

सूचना क्र. 269-ग की प्रतः सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० खरड़/110/94-85—प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह सूचना करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० सी० प्रो० नं० 29 है तथा जो फेज

[मोहाली, तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के अन्वयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अन्वयान प्रतिफल, ऐसे अन्वयान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए इस नया गया प्रतिफल, सम्पत्तिगत उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी नया की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्वयान से कथित करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी नया या किसी धन या अन्तः-क्रिया के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 4 प्रवचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयान से, उक्त अधिनियम की धारा-269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति रंजीत कौर पत्नि श्री गुरदियाल सिंह, श्रीमति बलजीत कौर पत्नि श्री शमशेर सिंह, श्रीमति गुरप्रीत कौर पत्नि श्री परमजीत सिंह, तथा श्रीमति अमरजीत कौर पत्नि श्री सुरेन्द्रपाल सिंह, निवासी मकान नं० 1538, सेक्टर 34 डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री दलीप सिंह पुत्र श्री पिशोरी सिंह, श्रीमति तरिपत कौर पत्नि श्री दलीप सिंह, निवासी मकान नं० 936, फेज VII, मोहाली, तहसील खरड़।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एम० सी० प्रो० नं० 29, फेज V, मोहाली, तहसील खरड़ (अर्थात् यह आयदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के विलेज संख्या 4410 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 1-11-1985

राज्य बाजार, टी. एन. एस. -----

बाजार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साहायक, सहायक बाजार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं. खरड़/111/84-85-प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,
बाजार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ग के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,00-0
रु. से अधिक है

और जिसकी फं० मकान नं० 524 है तथा जो फेज 3 बी-1,
मोहाली, तहसील खरड़ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तर्गत के हुए किसी भी बात की जायत, उक्त
अधिनियम के अधीन उक्त अधिनियम के अन्तर्गत के अधिकार
के अधीन करने या उक्त अधिनियम में दृष्टि के लिए;
किसी/का

(ग) ऐसी किसी बात का किसी धन का अन्य वास्तविक
को, जिसमें भारतीय बाजार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया गया बाध्यता, जिसमें से दृष्टि के लिए;

1. श्री कुलवन्त सिंह पुत्र श्री तरलोक सिंह, श्रीमति
हरमिन्द्र कौर पत्नि श्री कुलवन्त सिंह निवासी मकान नं०
3142, सैक्टर 47 डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमति जीत कौर पत्नि श्री रतन सिंह तथा सर्वश्री अवतार
सिंह, तरचोलन सिंह, अमरजीत सिंह पुत्रान श्री रतन
सिंह, निवासी मकान नं० 514, फेज 3 बी-1,
मोहाली, तहसील खरड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धनसूची

मकान नं० 524 फेज 3 बी-1 मोहाली तहसील खरड़।

(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़
के विलेख संख्या 4951 मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक 8-11-1985

मोहर :

प्ररूप माइ. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश संख्या खरड/108/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 155, है तथा जो सेंक्टर 6, मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

जैसे पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलक्षित उद्देश्य के उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।

(क) कल्याण के हुए किसी बात की समझ, कमाल
परिचित्य के करीब का रहे के सम्बन्ध के
परिचित्य के करीब रहने या उच्चतम स्तर के परिचित्य
के लिए; और/वा

(१) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गृहीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विनोद चौधरी पुत्र श्री शाम लाल चौधरी निवासी
मकान नं० 1227 सैक्टर 34 सी, जण्डीगढ़ बत्तौर जी० पी०
ए० कैप्टन बीरेन्द्र लाल चौधरी पुत्र श्री एम० एस० चौधरी
तथा श्रीमति निर्मल चौधरी पत्नि कैप्टन बीरेन्द्र
लाल चौधरी निवासी मकान नं० 1671, सैक्टर
33 डी, जण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्री महेंद्र सिंह पुत्र स्व० हीरा सिंह, कुमारी बलजीत कौर पुत्री श्री मोहम्मद सिंह, निवासी बूथ नं० 92, लारैस रोड, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

कृष्ण सम्पत्ति को वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाधान:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही कार्य होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मकान नं० 155 फेज VII, मोहाली तहसील खरड़ (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के विलेख सं० 487, माह मार्च 1985 के तहत वर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

दिनांक : 8-11-1985

मोहर :

प्रकृत आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० खरड़/14/84-85—अतः मुझे जोगिन्दर
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 425 है तथा जो फेज II मोहाली
तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिक न
वास्तविक, अपन से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री हरचन्द सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह निवासी मकान
नं० 324 फेज I, मोहाली तहसील खरड़ । बतौर
जी० पी० ए० श्रीमती संत्या बती विधवा श्री लक्ष्मण
दास जगोता, द्वारा जागोता कमिश्नरियल कालेज, मेन
बाजार, रोपड़ ।

(अन्तरक)

2. श्री रूप चन्द पुत्र श्री लम्बू राम, निवासी मकान
नं० 23, सैक्टर 20 ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाई करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 426 फेज II मोहाली तहसील खरड़
(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़
के विलेख संख्या 5037 माह मार्च 1985 के तहत वर्ज है) ।

जोगिन्दर सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-11-1985

मोहर :

प्रकृ. बाई. टी. एन. एड. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० खरड/103/84-85—प्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवक्षित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी मकान नं० 2561 फेज III है तथा जो मोहाली तहसील खरड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवक्षित करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से, ऐसे अयमान प्रतिफल का इन्तहा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरांतरकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के दृष्टिकोण से वास्तव में नहीं करने या उचित वर्णन में सूचना के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत हूँ—

1 श्रीमति सुदेश कुमारी जौली पतिन श्री सतीश कुमार जौली निवासी मकान नं० 499 फेज II मोहाली द्वारा श्री प्रीतु राम पुत्र श्री कुहड़ राम निवासी माडल टाउन फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2 श्री इन्द्र पाल सिंह ग्राहलुवालिया पुत्र श्री ज्ञान सिंह ग्राहलुवालिया निवासी मकान नं० 2770 सैक्टर 37सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए

कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं ह—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों के सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अन्धाय में दिया गया है।

अनुमोदी

मकान नं० 2561 फेज 7 मोहाली तहसील खरड
(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड के विलेख संख्या 4775 माह मार्च 1985 के तहत वर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 8-11-1985

मोहर :

प्ररूप आर्द्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० खरड/107/84-85--अतः मुझे जोगिन्दर सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 14 है तथा जो फेज II मोहाली तहसील खरड में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना के बिना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के अनुसार मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राजेंद्र लाल चौधरी पुत्र श्री शाम लाल चौधरी,
[चौधरी फार्म, गांव डाकबाना राहों, जिला जालन्धर]
(अन्तरक)

2. श्री अर्जुन सिंह अरोड़ा पुत्र स्व० हीरा सिंह अरोड़ा
तथा श्री मनजीत सिंह अरोड़ा पुत्र श्री अर्जुन सिंह
अरोड़ा निवासी मकान नं० 1701, सेक्टर 23 बी,
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराता है।

उक्त संघर्ष के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 14, फेज 2, मोहाली तहसील खरड (अर्थात् वह आयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड के विलेख संख्या 4871 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है) ।

जोगिन्दर सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक : 8-11-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कर्मसिध, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० खरड़/109/84-85—अतः मुझे, जोगिन्दर
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 587, है तथा जो फेज I, मोहाली
तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
बाविर में कमी करने या उल्लेख करने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रंजीत सिंह पुत्र श्री बग्गा सिंह, निवासी मकान नं०
566 फेज 2, मोहाली, तहसील खरड़।

(अन्तरक)

2. श्री बलबीर सिंह पुत्र टिकका जगतार सिंह, श्रीमति
सरनजीत कौर पति टिकका जगतार सिंह, निवासी गांव
वाड तहसील खरड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान नं० 567 फेज II मोहाली तहसील खरड़ अर्थात्
यह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के संख्या
4897 माह मार्च 1985 के तहत वर्ज है।

जोगिन्दर सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11-11-1985
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 4th November 1985

No. A.12025(ii)/1/84-Admn.III.—Consequent on their having been nominated to the Union Public Service Commission as Section Officers on the basis of Combined Ltd. Departmental Competitive Examination 1984, *vide* Deptt. of Personnel and Training OM No. 5/2/85-CS(I), dated 18-10-1985, the President is pleased to appoint the following officers of the CSSS cadre of this office to officiate as Section Officers of the Central Secretariat Service Cadre of the Union Public Service Commission with effect from the date indicated against each until further orders :—

Sl. No.	Name	Rank	Date of appointment
1.	Shri T. V. Dinesh	06	30-10-1985
2.	Smt. T. V. Mahalakshmy	39	30-10-1985

2. The appointments shall be subject to the results and final decision of the C.W.P. No. 1194/78 pending in the Delhi High Court.

The 8th August 1985

No. A. 32014/1/85-Admn. III.—The President is pleased to appoint Shri Kailash Chandra a permanent Section officer of CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Desk officer in the office of the Union Public Service Commission on regular basis with effect from 1st August, 1985, until further orders.

2. Shri Kailash Chandra shall draw special pay @ Rs. 75/- p. m. in terms of Deptt. of Personnel and A. Rs. (now Deptt. of Per. and Training) O.M. No. 12/1/74-CS(I), dated 11-12-1975.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, A.R.
AND PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION,DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110 003, the 13th November 1985

No. P-3/70-Ad. V.—Sh. P. Suryanarayana Rao, Public Prosecutor Central Bureau of Investigation relinquished the charge of his office in the afternoon of 31-10-85, on superannuation.

No. 3/33/85-AD. V.—Shri B. N. Nigam, Hindi Officer/Central Bureau of Investigation, New Delhi expired on 2nd November, 1985.

No. 3/37/85-Ad. V.—The President is pleased to appoint Sh. G. C. Nanda IPS (Orissa-1974) as Superintendent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the Afternoon of 18th October 1985 until further orders.

The 15th November 1985

No. A/19036/9/83-Ad. V.—The service of Sh. S. N. Lal, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation were Placed at the disposal of Govt. of Bihar with effect from 31st October, 1985 afternoon on superannuation.

The 18th November 1985

No. 1/2/72-Ad. V.—Sh. I. Bapaniah, Dy. Supdt. of Police CBI/relinquished the charge of the office of the Dy. Supdt. of Police/CBI/ Visakhapatnam on the afternoon of 31-10-1985 on attaining the age of 58 years.

No. 3/32/85-Ad. V.—The President is pleased to appoint Sh. Amit Verma IPS (TN-1978) as Supt. of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 4th November, 1985 and until further orders.

No. 3/38/Ad. V.—Director/CBI & IGP/SPE is pleased to appoint Sh. Gian Chand, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation to officiate as Office Supdt. in CBI with effect from the afternoon of 1st November, 1985 and until further orders.

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (E) CBI.

LAL BHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF
ADMINISTRATION,

Mussoorie, the 14th November 1985

No. 2/6/85-EST.—Shri R. S. Bahti, Assistant Administrative Officer, LBS National Academy of Administration, Mussoorie, has assumed the charge of the office of the Administrative Officer (Accounts) in the forenoon of 14th October, 1985.

No. 2/6/85-EST.—Shri Shiv Sharan, Superintendent in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie has assumed the charge of the Office of the Assistant Administrative Officer in addition to his own duties as Superintendent in the afternoon of 18th October, 1985.

ANUPAM KULSHRESHTHA
Deputy Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRPF,

New Delhi-110 003, the 5th November 1985

No. O. II-1441/79-Estt (CRPF).—Shri T.G.L. Iyer, IPS has handed over the charge of Director General, CRPF on the forenoon of 1st November, 1985, on retirement on attaining the age of superannuation.

2. The President is pleased to appoint Shri S. D. Pandey, IPS (UP : 1953), Director, SSB in the Directorate General of Security, Cabinet Secretariat as Director General, C. R. P. F. Accordingly, Shri Pandey took over charge of Director General, CRPF on the forenoon of 1st November, 1985.

The 6th November 1985

No. O. II-1626/81-Estt.—Consequent upon his retirement from service under Rule 43 (c) (ii) of CRPF Rules, Shri Subha Chand his relinquished charge of the post of Dy. S. P., 27th Bn CRPF on 15-10-85 (FN).

The 8th November 1985

No. O. II-1942/84-Estt. (CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs) G. Ratna Kumari as Junior Medical Officer in the C. R. P. F. on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 16-10-85 for a period of three months or till regular recruitment is made to the post, whichever is earlier.

M. ASHOK RAJ
Assistant Director (Estt)

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 14th November 1985

No. E-32015 (4)/72/85-Pers.I.—President is pleased to T. M. Devasia (direct entry) is appointed to officiate as Assistant Commandant in CISF with effect from 7-10-85 (FN) and is posted to CISF Unit, DSP Durgapur with effect from the same date.

No. E-32015 (4)/72/85-Pers.—President is pleased to appoint Shri A. S. Cheladurai, Inspector (Exe), on Promotion

as Assistant Commandant in CISF GP HQrs. Calcutta with effect from 30th September 1985 (FN), on purely ad-hoc basis and temporary upto 18th August, 1986 or till such time regular appointment is made whichever is earlier.

The 15th November 1985

No. E-32015 (4)/64/85-Pers. I.—President is pleased to appoint Shri H S Sidhu, Inspector (Exe), on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BSL Bokaro with effect from 30-10-85 (FN) on purely ad-hoc basis and temporary upto 18th August, 1986 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

(Sd./) ILLEGIBLE
Director General/CISF

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 15th November 1985

No. 2188-CAI/214-69.—On his attaining the age of superannuation Shri P. K. Dutta Roy, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Accountant General (Audit), Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh and Mizoram, Shillong has retired from service with effect from 31-10-1985 (AN).

No. 2189-CA I/85-75.—On his attaining the age of superannuation Shri K. P. Paul, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit (P & O), Madras has retired from service with effect from 30-9-1985 (AN).

K. P. LAKSHMANA RAO
Asstt. Compt. & Ar. Genl. (Comm)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT-1,
CENTRAL REVENUES,

New Delhi-2, 15th November 1985

No. Admn. I/O.O. No. 290.—The Director of Audit, Central Revenues-I, hereby appoints the following permanent and officiating Section Officer (now Assistant Audit Officer) of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the afternoon 6-11-1985 until further orders.

S. No. & Name

1. Sh. M. L. Narula (Permanent S. O.)
2. Sh. Ram Swarup (Officiating S. O.)

(Sd./) ILLEGIBLE
Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR,

Patna, the 7th November 1985

No. Admn. I (Au) I-20-5-1291.—The Accountant General (Audit) I, Bihar, Patna has been pleased to promote the following Asstt. Audit Officers of this office to officiate, until further orders, as Audit Officer in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 7-11-85 (FN):—

S/Shri

1. Indradeo Prasad Sinha
2. Sheopujan Prasad No. I
3. Mudrika Prasad Singh
4. Dinesh Nand Bahadur.
5. Md. Bakhtiyar Ahmed.
6. Anil Chandra Hazari.

S. RAY
Sr. Deputy Accountant General (Admn)

MINISTRY OF DEFENCE
DGOF HQRS. CIVIL SERVICE
ORDNANCE FY. BOARD

Calcutta-700 001, the 11th October 1985

No. 11/85/A/E-1(NG).—The Director General, Ordnance Factories is pleased to appoint Shri K. Chandrasekaran, Pmt.

SO (A), Office of the Area Accounts Office, CDA, Fort St. George, Madras-9, as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 31-7-85 (FN) and posted at in the office of the Addl. DGOF/AV's Headquarters, C/o HVF Avadi, Madras-54.

S. DASGUPTA
Director/Admin
for Director General Ordnance Factories

Calcutta, the 5th November 1985

No. 45/G/85.—Shri D. K. Basu, Offg. Jt. General Manager (Subs. & Permt. Sr. DADG/Manager) voluntarily retired from service with effect from 5th Sept. 1985 (AN).

V. K. MEHTA
DDGOF/Estt.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS &
EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

New Delhi, the 11th November 1985

No. 1/16/83-Admn (G) 1522.—The President is pleased to appoint Shrimati P. Swaminathan, (CSS SG SL 19837) to officiate in the Selection Grade of the CSS and as Jt. Chief Controller of Imports & Exports, in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports Bombay on ad-hoc basis for a further period from 21-8-85 to 1-9-85 and from 2-9-85 until further orders.

The 18th November 1985

No. 1/16/83-Admn. (G) 1628.—The President is pleased to appoint Shri L. Prasad, (CSS SG SL 1983) to officiate of Selection Grade of the CSS and as Jt. Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi with effect from 2nd September, 1985 until further orders.

R. L. MISRA
Chief Controller of Imports & Exports

DEPARTMENT OF TEXTILES

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR
HANDLOOMS

New Delhi, the 1st November 1985

No. 19001/32/83-DCH/Admn. I.—Consequent on his appointment as Deputy Secretary in the Department of Textiles, Shri Brahm Dutt, IAS (KTK: 73) has relinquished the charge of the post of Joint Development Commissioner for Handlooms with effect from the forenoon of 18th September, 1985.

P. K. DATTA
Addl. Development Commissioner for Handlooms

New Delhi, the 11th November 1985

No. A-32013(3)/85-Admn. III.—The President is pleased to appoint with effect from 25-10-1985 and until further orders Shri B. K. Mehan, Assistant Director Grade-II (Technical) as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Delhi.

V. K. AGNIHOTRI
Addl. Development Commissioner, for Handlooms

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 4th November 1985

No. A-1/1(1219).—Shri K. Rajeswara Rao, Superintendent in the office of Director of Inspection, Madras is appointed to officiate as Assistant Director (Admin) (Grade II) on purely adhoc basis in the office of Director of Supplies & Disposals, Madras with effect from the forenoon of 16th October, 1985 vice Smt. C. M. Kasi Bai, AD (Admn) (Gr. II) retired from Government service.

RAJBIR SINGH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT, KHAN AUR KOILA MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 1st October 1985

No. 46931/A-19011(1-SSR)/84-19A.—The President is pleased to appoint Shri Siddhartha Sankar Rej to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-

1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1-8-1985 until further orders.

The 13th November 1985

No. 10281B/A-32013(6-Min. (Sr.)/85-19A.—The President is pleased to appoint Dr. S. Rai, Mineralogist (Junior), Geological Survey of India on promotion as Mineralogist (Senior) on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in the same Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12-9-85, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th November 1985

No. A-19011(382)/85-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission Shri M. S. Mankar has been appointed to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 8th October, 1985.

P. P. WADHL
Administrative Officer
for Controller General,
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 13th November, 1985

No. C—6277/707.—The undermentioned Officers who were appointed to officiate as Officer Surveyors *purely on aa-hoc provisional basis*, are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each :—

Sl. No	Name	No. & Date of Notification under which appointed on ad-hoc provisional basis	Unit/Office to which posted	Date of promotion
1	2	3	4	5
1.	Shri Prem Nath Kaul	C-5403/707 dated 17-8-78	No. 68 (Tidal) Party, (G & R B) Dehra Dun	29-1-1985
2.	Shri Mohanjit Singh	No. C-5420/707 dated 19-9-78	No. 64 (AHS) Party, Survey (Air) Dte. New Delhi.	29-1-1985
3.	Shri Vikram Singh Negi	No. C-5836/707 dated 12-7-82	No. 27 Party (NC), Mussoorie.	11-2-1985
4.	Shri Madan Lal Kumar	No. C-6099/707 dated 17-7-84	No. 42 Party (NWC), Ambala City.	11-2-1985
5.	Shri N. C. Ray	No. C-5428/707 dated 4-11-78	No. 63 Party (EC), Calcutta.	11-2-1985
6.	Shri Mahabir Singh Rawat	No. C-5447/707 dated 21-12-78	No. 10 D.O. (SEC), Bhubaneshwar.	21-6-1985
7.	Shri M. R. Bhide	No. C-5474/707 dated 19-3-79	No. 31 Party (SCC), Pune.	18-2-1985
8.	Shri Jai Chand Rekhi	No. C-5438/707 dated 28-11-78	No. 50 Party (PMPP), Hyderabad	3-7-1985
9.	Shri Prem Nath	No. C-5481/707 dated 19-4-79	No. 9 D.O. (NWC), Chandigarh.	11-2-1985
10.	Shri Kashmira Singh Garcha	No. C-5859/707 dated 3-9-82	No. 57 Party (NWC), Chandigarh.	6-5-1985
11.	Shri S. S. Panja	No. C-5992/707 dated 22-8-83	No. 76 (P) Party (SEC) Bhubaneshwar.	11-2-1985
12.	Shri A. Chandra Kesan (SC)	No. C-5992/707 dated 22-8-83	No. 4 D.O. (SC), Bangalore.	3-5-1985

No. C-6278/707—The undermentioned officers are appointed as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, on regular basis :—

Sl. No.	Name & Designation	Unit/Office	with effect from
1.	Shri Lalita Prasad Surveyor	No. 85 Part (SCC), Nagpur.	25-3-1985
2.	Shri M. S. Baner Surveyor	No. 13 Party (WC), Mussoorie	28-5-1985
3.	Shri G. Perma Kumar (SC)	No 17 Party (SC) Bangalore	7-5-1985

G. C. AGARWAL
Major General
Survey General of India
(Appointing Authority)

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL
PUBLICITY

New Delhi, the 13th November 1985

No. A-12034/16/85-Estt.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby accepts the resignation of Shri S. K. Bhardwaj from the post of Assistant Production Manager (Printed Publicity) held by him on ad-hoc basis, with effect from the afternoon of 7th November, 1985.

B. S. SANDHU
Dy. Director (Admn.)
for Director Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICE

New Delhi, the 8th November 1985

No. A-12026/1/83-M(F&S).—The President is pleased to appoint Shri B. V. Adkoli in the post of Assistant Professor of Educational Technology, at Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education & Research, Pondicherry with effect from the forenoon of 9th October, 1985 in a temporary capacity.

P. K. GHAI
Deputy Director Administration (C&B)

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES
DEPARTMENT OF FOOD

New Delhi-110001, the 15th November 1985

No. A-20012/183/73/Estt.—Shri R. K. Mittal, Technical Assistant (Sugar Technical) (Selection Grade) in the Directorate of Sugar has been appointed to officiate on regular basis to the post of Junior Technical Officer (Sugar Technical)

in the same Directorate in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the 17th October, 1985.

Shri R. K. Mittal has assumed charge of the post of Junior Technical Officer (Sugar Technical) in the Directorate of Sugar in the forenoon of 17th October, 1985.

No. A-19012/87/85-Estt.—Shri Kamal Singh Mehta a Senior Translator of the Central Secretariat Official Language Service has been appointed to the post of Hindi Officer in the Directorate of Sugar in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the 20th September, 1985 on ad-hoc basis till the post is filled up on regular basis by the Department of Official Language.

Shri Kamal Singh Mehta has assumed the charge of the post of Hindi Officer in the Directorate of Sugar with effect from 20th September, 1985 (forenoon).

V. LAKSHMI RATAN
Jt. Secy. (Sugar)

(DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES)

DIRECTORATE OF VANASPATHI, VEG. OILS AND FATS

New Delhi-110 003, the 17th November 1985

No. A-11013/1/79-Estt.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated 29th August, 1985, the appointment of Shri P. S. Rawat, Officiating Senior Hindi Translator in the Deptt. of Civil Supplies, as Assistant Director (Official Language) is further continued in the Directorate of Vanaspathi, Vegetable Oils & Fats in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on purely temporary and ad-hoc basis with effect from 1-9-1985 (FN) to 31-10-1985 (AN).

K. M. SAHNI
Chief Director

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Narora Atomic Power Project

Bulandshahr, the 11th November, 1985

No. NAPP/Rdett./29/Aug-85/S/121-Project Director, Narora Atomic Power Project, hereby appoints the under mentioned Scientific Assistants 'C' to officiate as Scientific Officer/Engineers Grade-SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in Narora Atomic Power Project, with effect from the forenoon of August 1, 1985 until further orders :

S. No.	Name	Present Grade	Grade to which appointed
1.	Shri Ravendra Pal	Scientific Assistant 'C'	Scientific Officer/Engineer Grade SB.
2.	Shri A. I. Siddiqui	Do.	Do.

DIRECORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 11th November 1985

No. REF : DPS/2/1(11)/83-Adm./7608.—In continuation of this Directorate notification of even number dated July 29, 1985, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri P. C. Sharma, a permanent Storekeeper, of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer on an ad-hoc basis in the same Directorate for a further period upto December 31, 1985 or until further orders whichever is earlier.

P. GOPALAN
Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 11th November 1985

No. AMD-2/3266/81-Adm./42468.—In terms of paragraph 1(i) of the offer of appointment No. AMD-1/18/80-Rectt. dated March 27, 1981, I. S. Padmanabhan, Senior Administrative and Accounts Officer, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, Hyderabad hereby give notice to Shri Mohd. Rahman Zaheer, Helper 'A' that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this Notification is published in the Gazette of India.

S. PADMANABHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 13th November 1985

No. Ref : HWP/Rectt-4/4278.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri T. S. Sivaramakrishnan, Junior Accounts Officer, Department of Telecommunications, Min. of Communications to officiate as Assistant Accounts Officer, in Heavy Water Plant (Tuticorin) w.e.f. Oct. 14, 1985 (FN) until further orders.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY,
Administrative Officer

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 18th November 1985

No. E(I) 05413.—The President is pleased to appoint Shri S. D. S. Abbi, Director, Indian Meteorological Service (Group A) as Deputy Director General of Meteorology (Administration & Stores) in the General Central Service, Group 'A' (Gazetted) in the India Meteorological Department with effect from the afternoon of 24th October 1985 for a period of two years.

S. K. DAS
Director General of Meteorology

New Delhi, the 18th November 1985

No. A-32013(Met.I)/7/83-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri G. S. Verma, Assistant Meteorologist, India Meteorological Department, to officiate as Meteorologist Grade I in the same Department with effect from the afternoon of 18-7-1985 and until further orders.

S. D. S. ABBI
Dy. Director General of Meteorology
(Administration & Stores)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th November 1985

No. A-3214/3/83-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri T. R. Kumar, Store Assistant to the post of Store Officer (Group 'B' post) in the scale of Rs. 650-1200 on ad-hoc basis in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi for a period of 6 months with effect from 17-10-1985 (AN) or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

VED PRAKASH
Deputy Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 15th November 1985

No. 16/207/72-Ests-I.—Consequent upon his attaining the age of superannuation Shri L. P. Chandola, Research Officer, Forest Economic Branch, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is retired from the Govt. Service with effect from the afternoon of 31-10-1985.

J. N. SAXENA
Registrar,
Forest Research Institute and Colleges

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 14th November 1985

No. 3-718/85-CH(Estt.).—Shri Hegde Shridhar Subray is appointed to the post of Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group-B, (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-40-1000-EB-40-1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 7-10-85 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA
Chief Hydrogeologist and Member

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

CENTRAL GROUND WATER BOARD

New Delhi, the 30th October 1985

No. 33/2/83-FC IX.—The President is pleased to appoint Shri Jay B. Kshirsagar a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 13-9-85 on the usual terms and conditions.

2. The pay of Shri Jay Kshirsagar will be fixed as Rs. 780/- as recommended by the Commission.

3. Shri Kshirsagar is placed on probation for a period of two years with effect from the date of his appointment.

The 4th November 1985

No. 33/2/83-FC IV.—The President is pleased to appoint the following nominees of the U.P.S.C. against the temporary posts of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with the dates shown against each on the usual terms and conditions.

1. Shri Amal Chandra Das—11-10-1985 (FN).

(2) Kumari Usha Rani—26-8-1985 (FN).

2. The pay of both these officers will be fixed at Rs. 780/- (Rupees Seven Hundred Eighty only) as recommended by the Commission.

3. They are placed on probation for a period of two years with effect from the date of their appointment.

M. M. DAS
Deputy Director (Training)

MINISTRY OF COMMERCE
DEPARTMENT OF SUPPLY
NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 7th November 1985

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Shri K. C. Majumder, Head Clerk (Level-II), National Test House, Alipore, Calcutta as Assistant Director (Administration) (Grade-II) on an adhoc basis in the same office w.e.f. 1-11-85 (F/N) until further orders.

The 8th November 1985

No. G-65/S.O.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Sri S. K. Mathur a Scientific Assistant (Electrical), National Test House, Calcutta as Scientific Officer (Electrical) in the National Test

House, Ghaziabad Branch Office, Ghaziabad with effect from 27-9-85 (F/N) on a temporary basis until further orders.

J. M. BHATTACHARJEE
Deputy Director (Administration)
for Director General
Calcutta.

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
(COMPANY LAW BOARD)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Goa Theatres Pvt. Ltd.

Bombay-2, the 5th November 1985

No. 665/18210/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Goa Theatres Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

RAM KRISHNAN
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE COMMISSINOR OF INCOME-TAX, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 31st October, 1985

ORDERS

C R No. 12/Estt 85/960—The undermentioned Income-tax Officers are confirmed as Income-Tax Officers, Group-B with effect from the date noted against each:-

Sl No	Name of the ITO Designation place at which working	Date from Which Confirmed	How the vacancy has arisen
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	G. Yagnanarayana, Income-tax Officer, I-Ward, Circle-II, Hyderabad.	1-9-1984	Due to Retirement of Sri P. V. Gopalakrishna, ITO.
2.	I. J. Naidu, Income-tax Officer, (Hqrs.) (Jd,II), O/o C.I.T., Hyderabad.	1-9-1984	Due to retirement of Sri Abdul Rauf Khan, ITO.
3.	G. Jaganmohan Rao, Income-tax Officer, A. Ward, Bhimavaram.	1-2-1984	Due to retirement of Sri Shaik Peran, ITO.
4.	S. Goverdhana Rao, Income-tax Officer, I-Ward, Circle-I, Hyderabad.	1-9-1984	Due to confirmation of Sri G. Subrahmanyam, ITO as Group-A
5.	S. K. Rahman, Income-tax Officer, A. Ward Nizamabad.	1-9-1984	Due to confirmation of Sri Bhojraj, ITO as Group-A
6.	V. Srirama Murthy, Income-tax Officer, A. Ward, Khammam	1-9-1984	Due to confirmation of Sri Ch. Subrahmanyam, ITO as Group-A
7.	B. Kailasnath, Jr. Authorised Representative, A-Bench, I.T.A.T., Hyderabad	1-11-1984	Due to retirement of Sri N. Radhakrishnamurthy, ITO.
8.	S. Chayapathy, Income-tax Officer, (Hqrs, I), O/o CIT., Hyderabad	1-11-1984	Due to retirement of Sri A. Tulsidas, ITO.
9.	P. Venkateswarlu, Income-tax Officer, C. Ward, Nellore.	1-2-1984	Due to retirement of Sri D. Venkata Sastry, ITO.
10.	V. Chinna Rao, Income-tax Officer, F. Ward, Circle-IV, Hyderabad.	1-12-1985	Due to retirement of Sri M. S. K. Nageswara Rao, ITO.
11.	E. Narasimha Rao, Income-tax Officer, B. Ward, Karimnagar.	1-5-1985	Due to retirement of Shri V. V. Ramana Rao, ITO.

1	2	3	4
12.	P. Subba Rao, Income-tax Officer, C. Ward, Circle-II, Kakinada.	1-8-1985	Due to retirement of Sri Syed Anwar Basha, ITO.
13.	V. P. Narasimhulu, Income-tax Officer, A. Ward, Circle-IV, Hyderabad.	1-9-1985	Due to retirement of Sri J. Sambasiva Rao, ITO.
14.	S. Venkataraman, Income-tax officer, B, ward, Circle-II, Kakinada	1-9-1985	Due to retirement of Shri G. Narasimha Murthy ITO
15.	T. Srinivas, Income-tax Officer, I-Ward, Circle-III, Hyderabad.	1-10-1985	Due to retirement of Sri K. Subba Rao, ITO.

The date of confirmation is subject to modification at a later date if necessary.

The 15th November, 1985

C.R.No. 12/Estt/85 No. 977—The undermentioned Income-tax Officers are confirmed as Income-tax Officers, Group B with effect from the dates noted against each.

Sl. No.	Name of the ITO & Place at which working	Date from which confirmed.	How the vacancy has arisen ?
1	2	3	4
S/Shri			
1. T. Chittiraju, Income-tax Officer, H-Ward, Circle II, Hyderabad.		1.11.1985	Due to retirement of Sri R.P.C. Sekhar Rao, ITO, Group-B.
2. B. Rama Rao, Income-tax Officer, H-Ward, Circle-III, Hyderabad.		1-11-1985	Due to retirement of Sri. Yagananarayana, ITO, Group-B.

The date of confirmation is subject to modification at a later date if necessary.

V. V. S. SASTRY
Commissioner of Income-tax,
Andhra Pradesh-I, Hyderabad

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 8th November 1985

Income-tax Appellate Tribunal, Calcutta Benches, Calcutta
retired from Government service with effect from the after-
noon of 31st October, 1985.

No. F-48-Ad (AT)/1985 (Pt. II).—On attaining the age
of superannuation, Shri C. P. Santhanam, Assistant Registrar,

T. D. SUGLA
President

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
196-BAPUJI NAGAR,
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq/85-86/943-44.—Whereas, I, R. C. SETHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5928 situated at Gopalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-3-1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Jardine Mills,
Agencies, 4-Clive Row,
Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Jardine Henderson Ltd.,
4-Clive Row,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with land of 48 Cent and 7 Cent known as 'Waverley House' at Gopalpur on Sea, Holding No. 30, Ward No. 1, Dist. Ganjam (Orissa).

R. C. SETHI,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhubaneswar.

Date : 4th November, 1985
Seal

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
196-BAPUJI NAGAR,
BHUBANESWAR-9**

Bhubaneswar-9, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq/BBSR-2/85-86/939-40.—Whereas, I, R. S. SETHI, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1-6598/85 situated at Old Town, Bhubaneswar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Mr. Indra Kumar Ghosh,
14/1, Mandeville Gardens,
Calcutta-700019.

(Transferor)

(2) Mr. Nityananda Mahapatra,
Village & Post Bira Harekrushnapur,
P.S. Puri Sadar, Dist. Puri,
(Orissa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building in Dist. Puri, PS Bhubaneswar, Old Town, Mouze Bhubaneswar, Khata No. 1002, Plot No. 1398 measuring 0.956 Decimals.

R. C. SETHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
196-Bapuji Nagar,
Bhubaneswar.

Date : 4th November, 1985
Seal :

FORM IT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC/Acq Bpl/5829.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 1st floor 'Ambar' 13/2, M.G. Road, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rukmani Tekchandani
W/o Dr. Kanayo alias Kanhailal,
22/7, New Palasia,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kedarmal Shyma Prasad (HUF),
35, Murlidhar Sharma Road,
Gauhati (Assam).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building (Flat No. 3, 1st floor) 'Ambar' is situated at 13/2, M.G. Road, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Aayakar Bhavan,
Hoshangabad Road,
Bhopal

Date : 12-8-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
"NARAYANI NILAYAM"
WARRIAM ROAD, ERNAKULAM
COCHIN-662016

Cochin-662016, the 28th October 1985

Ref. L.C. 772/85-86.—Whereas, I,
B. RAVIBALAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Sy. No. as per schedule situated at Thiruvangad
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Tellicherry on 30-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri T. P. Abdul Rasheed,
S/o Paralpadinharal Ussan Kutty,
Thiruvangad, Tellicherry,
(Now at Mascat). (Transferor)
- (2) Shri U. Mammootty Haji,
Ummalil House,
Dhardadam, Tellicherry. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

13 cents of land with building in Sy. No. 199-Part (A),
Ward No. 11, Block No. 5 of Tellicherry Municipal Area
(Thiruvangad Desam).

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ernakulam

Date : 28th October 1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
"NARAYANI NILAYAM"
WARRIAM ROAD, ERNAKULAM
COCHIN-662016

Cochin-662016, the 1st November 1985

Ref. L.C. 773/85-86.—Whereas, I, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 2-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Indian Express (Madurai) (P) Ltd.
Madras-600002. (Transferor)
- (2) M/s. Express Newspapers (P) Ltd.,
Express Estate, Mount Road,
Madras-600002. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

39.925 cents of land in Sy. Nos. 338/2, 338/5, 339/1 of Ernakulam Village, SRO, Ernakulam vide Document No. 753 dated 2-3-1985.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ernakulam

Date : 1-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
"NARAYANI NILAYAM"
WARRIAM ROAD, ERNAKULAM
COCHIN-662016

Cochin-662016, the 28th October 1985

Ref. L.C. 771/85-86.—Whereas, I, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Tellicherry Municipality (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Tellicherry on 25-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sivothi Beevi
Sivothi House, S.M. Road,
Tellicherry.
- (2) Smt. N.T.K. Sulekha,
Happy Villa, Seethi Sahib Road,
Chirakkara,
Tellicherry.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

25 cents of land with two storeyed building with Tellicherry Municipality, in re-survey No. 29, Ward No. 15, Block No. 3, by document No. 479 dt. 25-3-1985.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ernakulam

Date : 28-10-1985
Seal ;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 7th October 1985

No. IAC/ACQ/29/23/85-86.—Whereas, I,
M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 48, 1-53 Area of land Somal Wada, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Zahira Kabir Siddique,
Sadar Bazar,
Nagpur.

(Transferor)

(2) Ujjawal Co-operative Housing Society Ltd.,
Laxminagar,
Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.53 areas of land bearing S. No. 48 Somalwada, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Nagpur

Date : 7-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th August 1985

Ref. No. AR-12/Acqn.R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 163/141 situated at Khalisani Bosepara, P.S. Chandannagore, Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampore on 29-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

65—356 GI/85

- 1) Sri Satya Charan Mukherjee,
Khalisani Bosepara, P.O. & P.S.
Chandannagore,
Dist. Hooghly.

(Transferor)

- (2) Smt. Sujata Sanyal,
W/o Samir Kumar Sanyal,
Khalisani Bosepara, P.O. & P.S.
Chandannagore,
Dist. Hooghly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 3 Cottahs 14 chattaks 42 sq. ft. with building.
163/141, Khalisani Bosepara, P.O. & P.S. Chandannagore,
Dist. Hooghly. Deed No. 862 of 1985.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date : 30-8-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th August 1985

Ref. No. AR-72/Acqn.R-IV/Cal/84-85.—Whereas, 1, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. — situated at Kurseong, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Jamunalal Toshniwal Pvt. Ltd.,
89, N.S. Road,
Calcutta-1.

(Transferor)

- (2) M/s. Tinnu Tea Limited,
9, Lala Lajpat Rai Sarani,
Calcutta-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

489 acres of land with structures etc. Springside Tea Estate, P.O. Kurseong, Dt. Darjeeling Deed No. 37EE-18/R-IV/84-85.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date : 30-8-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA

Calcutta, the 27th August 1985

Ref. No. AC-49/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 36B situated at New Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1980 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 25-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Suresh Chandra Roy,
36A, New Road, Alipore,
Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Sri Prabhat Kumar Johri & Ots.
Suit No. 1, 57, Elliot Road,
Calcutta-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/25th share of land measuring area 21 Cottahs 40 Sft. situated at 36B, New Road, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. 14386 of S.R.A., Calcutta of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 27-8-1985

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA**

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-75/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15 situated at B.T. Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 29-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Kumar Jagadish Chandra Sinha,
of 64/D, Belgachia Road,
Calcutta-37.

(Transferor)

- (2) M/s Goel Roadways
of 155B, Mahatma Gandhi Road,
Calcutta-37.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

27 Cottahs, 12 Chittaks and 8 Sft. of land with structure at 15, B.T. Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. I 4897 of R.A., Calcutta of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-76/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 162 situated at Dakhindari Road, P. S. Lake Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R A., Calcutta on 23-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Durga Devi Daga,
135, Lake Town, Block-A,
Calcutta-89.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Panna Devi Dalmia,
2. Smt. Urmila Devi Dalmia,
9, Manmatha Dutta Road,
Calcutta- 37.

(Transferee)

(3) Mr. A. P. Dalmia

(Persons in Occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5959 Sit. land with one storied building situated at 162, Dakhindari Road, P.S. Lake Town. More particularly described in Deed No. I 4332 of S.R.A. Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 6/11/1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AR-77/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 107A situated at Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 4/3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sri Kalyan Kumar Roy,
1, Rammohan Roy Road,
Calcutta-9, (Transferor)
- (2) Sri Raj Kumar Chowdhury,
137, Cotton St.,
Calcutta-7. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share in three storied building with 3 cottah, 6 chittaks and 19 sft. of land situated at 107A, Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10. More particularly described in Deed No. 1, 4311 of R.A. Cal, of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 6/11/1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-78/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 107A situated at Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at R.A. Calcutta in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Kalyan Kumar Roy,
1, Rammohan Roy Road,
Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Sri Sanjoy Kumar Chowdhury,
8, Madan Chatterjee Lane,
Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6 share in three storied building with 3 cottah, 6 chittaks and 19 sft. of land situated at 107A, Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10. More particularly described in date No. I, 3411 of R.A. Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 6/11/1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-79/R-II/Cal, 85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 107A situated at Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at R.A. Calcutta in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Kalyan Kumar Roy,
of 1, Rammohan Roy Road,
Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Sri Sandeep Kumar Chowdhury
of 8, Madam Chatterjee Lane,
Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and the expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share in three storied building with 3 cottas, 6 chittaks and 19 sft. of land situated at 107A, Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10. More particularly described in Deed No. 1,3409 of R.A. Cal. 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 6/11/1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref No AC 80/R II Cal/85 86—Whereas I
SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs 100 000/- and bearing No
107A situated at Hem Chandra Naskar Road, Calcutta 10
(and more fully described in the scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at RA Calcutta in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income to any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
66—356 G1/85

(1) Sri Kalyan Kumar Roy,
of 1, Rammohan Roy Road
Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Smt. Sita Devi Chowdhury
of 8, Madan Chatterjee Lane,
Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share in three storied building with 3
cottahs, 6 chittaks and 19 sft bearing premises No 107A, Hem
Chandria Naskar Road, Calcutta-10 More particularly
described in Deed No 1 3408 of RA Cal. of 1985

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 6/11/1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-81/R-II, Cal, 85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 107A situated at Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Kalyan Kumar Roy,
of 1, Rammohan Roy Road,
Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Sri Bal Kishan Chowdhury
of 65, Cotton St.,
Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share in three storied building with 3 cottahs, 6 chittaks and 19 sft. of land being premises No. 107-A, Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10. More particularly described in Deed No. 13407 of R.A. Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 6/11/1985
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Sri Kalyan Kumar Roy,
of 1, Rammohan Roy Road,
Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Smt. Radha Devi Chowdhury
of 8, Madan Chatternee Lane,
Calcutta-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA**

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-82/R-II Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 107A situated at Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share in three storied building with 3 cottahs, 6 chittaks and 19 sft. bearing premises No. 107A, Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10. More particularly described in Deed No. I 3411 of R.A. Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 6/11/1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Amalendu Shekhar Naskar
of 72, Beliaghata Main Road,
Calcutta-10.

(Transferor)

(2) Smt. Saqarika Mazumder
of P-10, C.I.T. Road,
Calcutta-10.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-83/R-II/Cal-85-86.—Whereas, I,
SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 330/VIM situated at CIT Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at R.A. Cal. on 27/3/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A flat measuring area 1299 Sft. at 330/VIM, C.I.T. Road,
Calcutta. More particularly described in deed No. T 4604 of
R.A. Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 6/11 1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-84/R-II/Cal 85-86.—Whereas, I
SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 7 situated at Raj Rajeswari Road, Calcutta-30
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at R.A. Cal. on 6/3/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Sri N. Bhattacharjee & Ors.
of 93/1J, Baithakbana Road,
Calcutta-9. (Transferor)
- (2) Sri Arun Kumar Ghosh
of 116 East Sinthi Road,
Calcutta-30. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storied brick built building on a plot of land measur-
ing area 7 cottahs 2 chaitaks 8 sft. situated at 7, Raj Rajes-
wari Road, Calcutta-30. More particularly described in Deed
No. 1 3535 of R.A. Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 6/11/1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON, PUNE-1.**

Pune, the 22nd October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3538/1985-86.—Whereas, I,
ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
"Manik Moti Apartment" Flat No. 5A S No. 573, No. 1 to
5 A B C D, Plot No. 12, Parshawanagar, Bibwewadi, Pune,
situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn.
Range, Pune on Aug 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

- (1) M/s. K. Gomraj Manik & Co
321/5 Shantinagar Society,
Timber Market Road,
Pune-2.
(Transferor)
(2) Mr. Shivanand Tammama Patangi &
Mrs. Preetam S. Patangi,
Swami Vivekanand Society, Building No. 27,
Ubhale Building, Sahakar Nagar,
Pune-9.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
(b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Manik Moti Apartment Flat No. 5A S No. 573, No. 1
to 5 A, B, C, D Plot No. 12, Parshawanagar, Bibwewadi,
Pune-9

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune under
document No. 3538/1985-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asslt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Poona

Date : 22-10-1985

Seal :

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/107, KORTGAON, PUNE-1.

Pune, the 22nd October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/371E/3109/1985-86.—Whereas, I,
ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
Rs 100,000 - and bearing No
Flat No. 402 on 4th floor front side in Anup Apartment,
situated at Block No. A-56, Room No. 334, Ulhasnagar,
situated at Ulhasnagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn.
Range, Pune on Aug. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) Section 269D of the said Act, to the following
persons, Namely :—

- (1) Mr. Kumar U Ailani,
Aradhana Apartment,
Near Gol Maidan,
Ulhasnagar. (Transferor)
- (2) Mr. G. J. Chaudhary,
Barrack No. 844, Room No. 4, Sector 18,
Ulhasnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402 on 4th floor, Front side in Anup Apartment,
situated at Block No. A-56, Room No. 334, Ulhasnagar.
(Area 576 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under
document No. 3109/1985-86 in the month of Aug. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 22-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON, PUNE-1.

Pune, the 22nd October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3541/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Village Kothrud, adjoining Kirloskar Cummins Factory, Tal. Haveli, Dist. Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) V. T. Kharshikar (HUF)
1170/20B Shivajinagar,
Pune-5.

(Transferor)

- (2) Shri A. W. Gahngrekar,
Nirman Enterprises,
A-6 Rajawade Shahu Society,
Pune Satara Road, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Situated at Village Kothrud, adjoining Kirloskar Cummins Factory, Tal. Haveli, Dist. Pune.
(Area 35714 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 3511 1985-86 in the month of Aug. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 22.10.1985
Seal:

FORM NO. ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON, PUNE-1.

Pune, the 22nd October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-37EE/16603/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 306 on 3rd floor in Rohini Kunj, Umrals Village Tal. Vasai, Dist Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn Range Pune on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
67—356 GI/85

- (1) Raghunath Builders,
Pokar Kunj, Opp Railway Station,
Dahisar (W) Bombay (Transferor)
- (2) M. N. Jayaprakash,
C/o Precast Eng. Ltd Ashok Nagar,
Kharivli (F) Bombay (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306 on 3rd floor in Rohini Kunj, Umrals Village, Tal. Vasai, Dist Thane

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 16603 1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 22-10-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON, PUNE-1.

Pune, the 21st October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3277/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C. T. S. No. 814-B F. P. No. 152-B, T. P. Scheme No. 1 alongwith structures thereon, Shivajinagar, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range Pune on August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Suma Engineering Pvt. Ltd.,
Vidya 93/2A Brandwane,
Pune-4. (Transferor)
- (2) Deccan Mechanical & Chemical Industries,
Private Ltd. 78 Bhosari Industrial Estate,
Pune-26. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C. T. S. No. 814-B, F. P. No. 152-B T. P. Scheme No. 1 alongwith structures thereon Shivajinagar, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 3277/85-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 21-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON, PUNE-1.

Pune, the 21st October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12050/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, ground floor, Ganesh Kripa S. No. 128, Aundh, Pune, situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Shree Ganesh Construction,
11/4 Moti Vihar N. S. B. Road,
Mulund (W) Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Ajit S Sawant &
Smt. R. A. Sawant,
Matru Chhaya Building, Mahatma Phule Road,
Mulund (W) Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ganesh Kripa S. No. 128, Aundh, Pune.
(Area 955 sq. ft. Carpet Area).
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 12050/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 21-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 21st October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2885/1985-86. —Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Krishna Nagar Co-operative Housing Society, S. No. 1, Erandwana, Pune-4, situated at Pune-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Abhijeet Builders,
122/7-8 Prabhat Road, Gurukripa,
Pune.
(Transferor)
- (2) Laxman S. Joshi,
Krishna Nagar Co-operative Housing Society,
S. No. 1, Erandwana,
Pune-4.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna Nagar Co-operative Housing Society S. No. 1,
Erandwana, Pune-4.
(Area 780 sq. ft. Carpet).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2885/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 21-10-1985
Seal.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/107 KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 7th November 1985

Ref No IAC ACQ CA 5/37EE 14512/1984-85 —
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000 and bearing
Flat No 310 Geeta Apartment Plot No 5 & 6 Survey
No 44 (Part) Manorama Nagar, P O Vasai Road, Thane,
situated at Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn
Range Pune in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

(1) Rama Construction Co
Plot No 29 30 Anand Nagar,
Navgher Road, Vasai (W), Dist
Thane

(Transferor)

(2) Mr K N Sarangan,
401, I O B Apartment,
14th Road, Bandra (W),
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 310 Geeta Apartment Plot No 5 & 6 Survey No
44 (Part) Manorama Nagar, P O, Vasai Road Dist Thane
(Area 760 sq ft)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the IAC Acquisition Range Pune under
document No 14512/1984-85 in the month of March, 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 7-11-1985
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13426/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, Plot No. 17, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay, building known "Liberty Complex" situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Liberty Investments Pvt. Ltd.
302 Dalamal House, 206, Nariman Point,
Bombay.
(Transferor)
- (2) Gopal P. Parmar and
Nirmala G. Parmar,
Chawl No. A/57, Room No. 9, Sector 21,
New Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Plot No. 17, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay, building known "Liberty Complex".

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 13426/1984-85 in the month of March, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 7-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13422/1984-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 306, Plot No. 17, Sector 17 DBC Vashi, New
Bombay, Building known as "Liberty Complex",
situated at New Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn.
Range, Pune in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) Liberty Investments Pvt. Ltd.
302 Dalamal House,
206 Nariman Point,
Bombay. (Transferor)
- (2) Mr. Ignatius Manuel Fernandes,
Donald House, 1st floor,
J. A. Allana Marg, Opp. Electric Marg,
Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the nforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306, Plot No. 17, Sector 17, D.B.C. Vashi, New
Bombay, Building known as "Liberty Complex".

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under
document No. 13422/1984-85 in the month of March, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106/107, GOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/14335/1984-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 47, Hissa No. 3 (P) situated at Village Barampur Tal. Vasai, Dist. Thane, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sushilabai K. Khater,
Pitamber K. Khater,
Ashubai K. Khater,
711 Linking Road, Khat,
Bombay.

(Transferor)

- (2) Shree Krishna Construction Co.
2 Roshni, Opp. Ajit Glass Works,
S. V. Road, Jogeshwari West,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 47, Hissa No. 3 (P) situated at Village Barampur, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 14335/1984-85 in the month of Mar. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/CO/CA-5/371E/14334/1984-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing S. No. 47, Hissa No. 2, & S. No. 47, H. No. 1, situated at Village Barampur, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
68—356 GI/85

(1) Sushila K. Khater,
Pitamber K. Khater,
Ashabal K. Khater,
711 Linking Road, Khar,
Bombay.

(Transferor)

(2) Shree Krishna Construction Co.
2 Roshni, Opp. Ajit Glass Works,
S. V. Road, Jogeshwari West,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 47 H. No. 2 & S. No. 47, H. No. 1, situated at Village Barampur, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 14334/1984-85 in the month of Mar. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 7-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/14336/1984-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 47, Hissa No. 3 (P) situated at Village Barampur, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC., Acqn. Range, Pune in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sushilabai K. Khater,
Pitamber K. Khater,
Ashabai K. Khater,
711 Linking Road, Khar, Bombay. (Transferor)
- (2) Shree Krishna Construction Co.
2, Roshni, Opp. Ajit Glass Works, S. V. Road,
Jogeshwari, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 47, Hissa No. 3(P) situated at Village Barampur, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 14336/1984-85 in the month of Mar. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Punc, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/14334A/1984-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 47, Hissa No. 3(P) Village Barampur, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Mar. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. N. Khater, P. K. Khater, Ashabai K. Khater, Vasudeo N. Khater, B. V. Khater, M. V. Khater, B. V. Khater, 711 Linking Road, Khar, Bombay. (Transferor)
- (2) Shree Krishna Construction Co. 2, Roshni, Opp. Ajit Glass Works, S. V. Road, Jogeshwari West, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 47, Hissa No. 3(P) village Barampur, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 14334A/1984-85 in the month of Mar. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 8th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13354/1984-85.—
Whereas, J. ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop Nos. 21, 22 and 23 on ground floor in Vardhaman
Market at Plot No. 75, Sector No. 17, Vashi, New Bombay
situated at New Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
IAC, Acqn. Range, Pune in Mar. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) M/s. Vardhaman Constructions,
40-41, Vishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road, Andheri-Kurla Road,
Andheri (E), Bombay. (Transferor)
(1) Shri Shivram K. Shetty and Smt. P. S. Shetty,
Flat No. 5, Second Floor, Lake Site Co-operative
Housing Society Ltd. (Prop.), (Patel Apts).
Opp. IIT Main Gate, Powai, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 21, 22 and 23 on ground floor in Vardhaman
Market at Plot No. 75, Sector No. 17, Vashi, New Bombay.
(Area 1005 sq. ft.) (Super Built up).

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under
document No. 13354/1984-85 in the month of Mar. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 8-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 8th November 1985

Ref No IAC ACQ/CA 5/37FE 13902/1984-85 —

Whereas I ANIL KUMAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Plot No 18 & 19 S No 8A Navghar, Vasai (W) situated at Vasai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn Range, Pune in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Asara Builders,
B 1/9 Ground floor Khiranagar,
S V. Road, Santacruz (W), Bombay (Transferor)
- (2) Rama Shaekar Shivraj Yadav, Nana Chowk,
Tardev, Ramesh Bhuvan, Room No 2
Grant Road, Bombay (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 18 & 19 S No 8A, Navghar, Vasai (W)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune under document No 13902/1984-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date 8-11-1985

Seal :

FORM IT.N.S.-----

(1) Smt. Chandiabhabai S. Sangale,
Kumbhar Galli, Ahmednagar,
Dist. Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Shri Popatlal M. Bhandari,
at Mungusgaon, Tal. Shrigouda,
Dist. Ahmednagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 24th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/8/1985-86.—Whereas. 1.
ANIL KUMAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceedingRs. 1,00,000/- and bearing
C.T.S. No. 5812 A-4 House No. 38 at Ahmednagar, situated
at Ahmednagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Ahmednagar in April, 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);C.T.S. No. 5812/A-4, House No. 38, at Ahmednagar, Dist.
Ahmednagar.(Property as described in the sale deed registered in the
office of the Sub-Registrar, Ahmednagar, under document No.
8/85-86 in the month of April 1985).ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, PoonaNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act. to the following
persons, namely :—Date : 24-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 8th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/108/85-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing S. No. 692/1-13 Plot No. 13 situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Nasik in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vasudeo Vishwanath Saraf,
Chairman, Rajkumar Co-operative Housing
Society Ltd. Pumping Station, Nasik. (Transferor)
(2) Shri Daulat Pandurang Kawade, & Others,
Racca Colony, Nasik, Dist. Nasik. (Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 692/1-13 Plot No. 13.
(Area 5082 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik, under document No. 108/1985-85 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 8-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 14th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/1066/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Property at Valiv, Tal. Bassein, Dist. Thane, S. No. 89, H.

No. 2 situated at Tal Bassein, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Vasai on 22-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ezech Hormusji Marker,
Smt. Perin Minoo Mistry,
Smt. Tanaz D. Gazdar, Partners of
M/s. Atlas Industries, 29 Wadala Udyog Bhavan,
Wadala, Bombay. (Transferor)
- (2) 1. Nariman Jehangirji Palia,
2. Cyrus Fali Palia,
3. Rusi Jehangirji Palia, "Ciupa Trust".
82 Malcolm Jogeshwari, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Valiv, Tal. Bassein, Dist. Thane, S. No. 89, H. No. 2.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai, under document No. 1066/1984-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 14-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 25th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/185/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. 3707, M. No. 3998, Ahmednagar situated at Ahmednagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmednagar in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—
69—356 GI/85

- (1) Shri Satish C. Badve,
12 Hanckrishna Apartments,
Shivajinagar, Pune-16. (Transferor)
- (2) Shri Rasiklal D. Vora & Others
at Vasant Niwas, Ghumane Galli,
Ahmednagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at C.S. 3707, M. No. 3998, Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar, under document No. 185/1985-86 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 25-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 29th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/60/1985-86.—Whereas, I,
ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot bearing S. No. 635, Hissa No. 1B-A of Village Bibwe-wadi, Tal. Haveli, Dist. Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Haveli, Pune in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri D. G. Pavacha,
Plot No. K-29, Adinath Society, Pune-9.
(Transferor)
- (2) M/s. Karnavat Builders,
562/1 Shivaji Nagar, Pune-5.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing S. No. 635, Hissa No. 1B-A of Village Bibwe-wadi, Tal. Haveli, Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli, under document No. 60/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 8th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3167/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat bearing No. C-8 in New Apsara Apartments Co-operative Housing Society Ltd. First floor, Building No. C final plot No. 247 Sub Plot B Bund Garden Road, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Ashley D'Souza, S/o L. H. D'Souza,
No. 1, New Apsara Apartments, Bund Garden Road, Pune-1. (Transferor)
(2) 1. Mrs. Susan Usha Joseph, Gokul Mahal,
Dhole Patil Road, Pune.
2. Mrs. Dorothy Chandapilla,
Flat No. 4, 31 Kurunanak Nagar, Pune. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No. C-8 in New Apsara Apartments Co-operative Housing Society Ltd. First floor, Building No. C final plot No. 247, Sub Plot B Bund Garden Road, Pune-1. (Area 956 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 3167/1985-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 8-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 9th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11443/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing S No. 681/2 A1 Bibawewadi, Pune-37 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration No. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqn. Range, Pune in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Tarabai Nandiam Bibawe & Others,
431 Kasba Peth, Pune-11. (Transferor)
- (2) M/s. Unity Builders,
408/6 Gultekadi,
Shastri Chambers, Pune. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

S. No. 681/2 A1 Bibawewadi, Pune.
(Area 50,572 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 11443/1984-85 in the month of April 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 9-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. K. K. Vaswani,
1736 R. S. Kedari Road, Pune-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shaikh Mohammed Yusuf,
12, Wilson Garden, Opp. Railway Station,
Pune-1.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Pune, the 14th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3402/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing M/s. Vaswani Nagar, Building No. 1, Sub Plot No. 1, F.P. No. 292, Koregaon Park, Sangamwadi, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

M/s. Vaswani Nagar, Building No. 1, Sub Plot No. 1 F.P. No. 292, Koregaon Park Sangamwadi, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 3402/1985-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 18th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12032/1984-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing .
Flat No. 3 on 1st floor of Building No. A-3 F.P. No. 14,
Erandwana, Pune situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
IAC, Acqn., Range, Pune in April, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shri Ganesh Trust,
2 Shah Colony, Sane Guruji Road, Pune.
(Transferor)
(2) Shri N. D. Nimkar, 1145 Sadashiv Peth,
Near Perugate Police Station, Pune.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons:
whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, on 1st floor of Building No. A-3 F.P. No. 14,
Erandwana, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under
document No. 12032/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 18-10-1985
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1**

Pune, the 14th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3453/1985-86,—
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6 in Building "D" Mayfair Co-operative Hsg. Society, No. 4, Dhule Patil Road, Pune-1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in August, 1985 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Desai Electronics Pvt. Ltd.
12/3 Boat Club Road, Pune . (Transferor)
(2) M/s. Atlas Confectioners Pvt. Ltd.
96 T P S Sub-I, Shivajinagar, Pune-5 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 in Building "D" Mayfair Co-operative Housing Society, No. 4, Dhule Patil Road, Pune-1.
(Area 850 sq ft Carpet area)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune under document No. 3453/1985-86 in the month of August 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date . 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.
PUNE

Pune, the 25th October 1985

Ref. No. IAC ACQ. CA-5/37-EE/4104/1985-86.— Whereas,
I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 54, Vth floor, Wonderland Co-operative Housing Society, M. G. Road, Pune-1, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn., Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Saifuddin Kurbanhussain Partapurwala,
Flat No. 54, Wonderland Co-operative Housing
Society, M. G. Road, Pune.

(Transferor)

(2) Smt. Marina Francis Thanicatt,
Shrin Villa, Bombay Poona Road,
Lonavala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 54, V Floor, Wonderland Co-operative Housing
Society, M. G. Road, Pune-1.
(Area 598 sq. ft).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 4104/1985-86 in the month of Sept., 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date : 25-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.
PUNE

Pune, the 24th October 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5/37EE/791/1984-85.—Whereas,
I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Single storeyed bearing bungalow in Plot No. 5 of Manik
Nagar Co. operative Housing Society, Gangapur Road, Nasik.
situated at Nasik
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at IAC, Acqn. Range, Pune in September, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor, to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons named :—
70—356 GI/85

- (1) Smt. Bhagubai V Panse,
Plot No. 5, Manik Nagar Co-operative Housing
Society, Gangapur Road, Nasik.
(Transferor)
- (2) Shri Chimanlal Ishwarlal Patel,
C/o. Panchashil Kiarana,
Trimbak Road, Nasik.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed load bearing bungalow in plot No. 5 of
Manik Nagar Co-operative Housing Society, Gangapur Road,
Nasik.

Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 791/1984-85 in the month of May, 1985.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pooona

Date : 24-10-1985
Seal :

FORM ITNS.-----

- (1) Smide Enterprises, 336/2A Navi Path,
Near Ganjwe Chowk, Pune.
(Transferor)
- (2) Shri B. K. Paigude & Others,
42/2 Yerandwana, Opp. Yenpure Sadan, Pune-4.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.
PUNE

Pune, the 9th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-EE/11080/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 88/4-138-161 Plot No. 47 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqn. Range, Pune in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter I of the Income-tax Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

At Kothrud within Pune Municipal Corporation, Limit, S. No. 88/4-138-161 Plot No. 47.
(Area 12.116 sq. ft).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11080/1984-85 in the month of March 1985.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-10-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.
PUNE

Pune, the 9th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-EE/3250/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 304 on third floor in Narayan Chambers at 555/1, 24 Narayan Peth, Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Doshi Promoters (Narayandas Kevaldas HUF)
Karta P. N. Doshi, 555 Narayan Peth, Pune-30.
(Transferor)
- (2) Mr. Badrinath Uddhav Shevale,
C/o. Mr. T. U. Shewale, Tulsi Nagar,
At Chandan Nagar, Post Khadadi,
Tal. Haveli, Dist. Pune.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, on 3rd floor, in Narayan Chambers at 555/1, 2, 4 Narayan Peth, Pune-30.

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 3250/1985-86 in the month of August 1985.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pooona

Date : 9-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1

Pune, the 24th October 1985

Ref. No. IAC/CA-5/37EE/4470/1985-86.—
Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 19, out of S. No. 86/2-A & 87/1-A-2+1/B/2+1C Kothrud, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in September 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balwant B Mahajan,
Shri Annasaheb B Mahajan,
Laxmi Stores, 6th Lane,
Rajarampuri, Kolhapur. (Transferor)
- (2) M/s. Bhagyashree Associates,
"47/730 Lokmanya Nagar,
Pune. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19, out of S. No. 86/2-A & 87/1-A/2+1/B/2+1C Kothrud, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4470/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 24-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1

Pune, the 24th October 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5, 37 L, Def.2849/1985-86.—

Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 37/1/1C at Pashan situated at Pashan (and more fully described in the schedule below) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer IAC, Acqn. Range, Pune in September 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :—

- (1) Mr. Gururaj G Puranik,
85b Balkrishna Ashram Road,
Off. Bhandarkar Road, Pune-4.

(Transferor)

- (2) Smt. N. N. Patil,
Mansukh 100/3 Erandwane,
9th Lane, Prabhat Road, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 37/1/1C at Pashan.
(Area 3600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2849/1985-86 in the month of September, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 24-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE PUNE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE

Pune, the 16th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/551/1985-86.—

Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C. S. No. 187 Shukrawar Peth, Pune-2 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mukundrav Ganpatrav Bhame,
Shri M. G. Bhame and Shri S. G. Bhame,
187 Shukrawar Peth, Pune-2. (Transferor)
- (2) Shri P. S. Pethe & Shri D. T. Desai,
Partners Sidharth Promoters & Builders,
187 Shukrawar Peth, Pune-2. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.S. No. 187 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 551/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kamal Builders,
Sai Kunj, 569 Narayan Peth,
Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Shankar Dani,
Mohra Bungalow, Near Deep Bunglow,
Shivajinagar, Pune-16.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1

Pune, the 16th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11283/1984-85.—

Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301 of Sai Kunj, 569, Narayan Peth, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 of Sai Kunj, 569 Narayan Peth, Pune-30,
(Area 685 sq ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11283/1984-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE PUNE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1

Pune, the 4th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10783/19780/1984-85 —
Whereas I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. City Survey No. 430 Narayan Peth, Pune-30
situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
IAC, Acqn. Range, Pune in March 1985
which is less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty, and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) Shri Renuka Construction,
105 Ramamadnav, Narayan Peth,
Pune-30. (Transferor)
(2) Shri Gajanan Pandharinath Nasholkar,
884 Raviwar Peth,
Pune-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

City Survey No. 430 Narayan Peth, Pune.
(Area 590 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 10780/84-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1

Pune, the 3rd October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12/1985-86.—

Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One flat No. A-4, Ground floor in Tukaram Apartment at 134 Railway Lines, Solapur-1 situated at Solapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

71—356 GI/85

(1) M/s. Rahul Builders
134 Railway Lines,
Solapur

(Transferor)

(2) Mrs. Suman Jayvant Patil,
House No. 134, Tukaram Apartment,
Flat No. A-4, Ground floor,
Railway Lines,
Solapur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Flat No. A-4, Ground Floor, in TUKARAM APARTMENT at 134 Railway Lines, Solapur.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 3-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK
PUNE

Pune-1, the 3rd October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1572/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 208 on 2nd floor of K.T. Nagar, situated at Achole Road, Nallasopara East, Dist. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn Range, Pune in July 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) M/s K.K.T. Enterprises,
Khind Nagar Building No. D-3,
3rd floor, R. No. 34, Santacruz West, Bombay.
(Transferor)
- (2) Mohamed Alibhai Arab, Abhas Alibhai
Arab, R. No. 53, 3rd floor, Nazarali
Building, 25 Dharamshi Street, Bombay-3.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 208 on second floor of K.T. Nagar, situated at Achole Road, Nallasopara East, Dist. Thane.
(Area 700 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1572/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 3-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Shaikh Ishaque Shaikh Gafoor,
1005 Bhavani Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Fariduddin Allauddin Khan,
780 Guruwar Peth, Pune-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK
PUNE

Pune-1, the 18th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3698/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop, 1st floor at 408/6 Gultekadi Road, Pune-37 situated at Pune

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn Range, Pune in August 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop 1st floor at 408/6 Gultekadi Road, Pune-37.
(Area 800 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 3698/1985-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 18-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK
PUNE

Pune-1, the 29th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5 37EE/1344/1985-86,—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 7, Leela Apartments, C.T.S. No. 784, Bhavani Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn Range, Pune in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Balani Builders,
3 Leela Apartments,
Agarwal Colony, Pune-1.

(Transferor)

- (2) Jethanand Goumal Babani,
1989 onvent Street, C/2 Hermes House,
Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Leela Apartments, C.T.S. No. 784, Bhavani Peth, Pune.
(Area 585 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 1344/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1010/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Khata No. (old) 240, 237, 366, old plot No. 372, 377, 138, new plot No. 514, 513, Touzi No. 8/5, Thana No. 100/1 situated at Souza Abdulla Nagar, P.S. Sadar, Dist. Purnea (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 29-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chhagmal, S/o Late Rajmal of Gulababagh, P.S. Sadar, Dist. Purnea.
(Transferor)
- (2) Smt. Urmila Devi, W/o Sri Bishwanath Agarwal of Gulababagh, P.S. Sadar, Dist. Purnea.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 katha 16½ dhur bearing khata No. (old) 240, 237, 366, old plot No. 372, 377, 138, new plot No. 514, 513, Touzi No. 8/5, thana No. 100/1 situated at Mouza Abdulla Nagar, P.S. Sadar, Dist. Purnea and more fully described in Deed No. 3831 dated 29-3-1985 registered with D.S.R. Purnea.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Purnea, Bihar

Date: 8-11-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1005 / Acq. / 85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. 1, touzi No. 15/11, P.S. No. 94, holding No. 27 situated at mouza Bhandaridih at & P.O. Giridih. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Giridih on 25-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Pennamma, w/o Tenu Balis Thomas
Tungachhan of Bhandaridih, Dist. Giridih.
(Transferor)
- (2) Shrimati Bibi Jamila Khatoon, W/o Md. Jalil
Gaddi, near Taxi Stand, Deshbandhu Talkies,
Jharia, Dist. Dhanbad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2½ decimal bearing khata No. 1, touzi No. 15/11, P.S. No. 94, holding No. 27 situated at mouza Bhandaridih, at & P.O. Giridih and morefully described in deed No. 3596 dated 25-3-1985 registered with D.S.R. Giridih.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Aquisition Range, Patna, Bihar

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1014/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing khata No. 663 Touzi No. 5505, khasra No. 1511, P. S. No. 2 situated at Mouza Mainpura, P.S. Fulwari, Dist. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 29-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

(1) Shrimati Shantu Lal Choudhary W/o Kanhaiya Lal, Moh-D5, People's Coöperative Colony, Kankarbagh, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Prabin Ranjan Das S/o Shri Maha Krishna Das, Vill. Bangerhatta, P.S. Ghanshyampur, Dist. Darbhanga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring one katha ten dhur bearing khata No. 633, touzi No. 5505, Khasra No. 1511, P.S. No. 2 situated at Mouza Mainpura, P.S. Fulwari, Dist. Patna and morefully described in deed No. 2096 dated 29-3-1985 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Rtf. No. III-1009/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Old khata No. 240 MI, 237 MI, 366 MI, plot No. 327 MI, 377 MI, 138, new plot No. 514, 513, P.S. No. 1001, Touzi No. 8/5 situated at Mouza Abdulla Nagar, P.S.S. Sadar, Dist. Purnea (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 29-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chhogmal, S/o Tejmal of Gulababagh, P.S. Sadar, Dist. Purnea.
(Transferor)
- (2) Shri Ram Kishore Agarwal, S/o Sri Satya Narain Agarwal, of Gulababagh, P.S. Sadar, Dist. Purnea.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :—

THE SCHEDULE

Land measuring 9 katha $4\frac{1}{2}$ dhur bearing old khata No. 240MI, 237MI, 366MI Old Plot No. 327MI, 377MI, 138, new plot No. 514, 513, P.S. No. 100/1, Touzi No. 8/5 situated at Mouza Abdulla Nagar, P.S. Sadar, Dist. Purnea and more fully described in deed No. 3832 dated 29-3-1985 registered with D.S.R. Purnea.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM 1FNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1011/Acq/85-86.—Whereas, I, **DURGA PRASAD**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. (old) 240Mi, 237Mi, 366Mi, old plot No. 372, 377, 138, new plot No. 514, 513, P. S. No. 100/1, Touzi No. 8/5, Ward No. old 21, new 27, situated at Abdulla S/o Late Tejmal of Gulababagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chhogmal
S/o Late Tejmal of Gulababagh,
P. S. Sadar, Dist. Purnea. (Transferor)
- (2) Shri Bishwanath Agarwal,
S/o Shri Sa ya Narain Agarwal of Gulababagh,
P. S. Sadar, Dist. Purnea (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 katha 19 dhur bearing old khata No. 240Mi, 237Mi, 366Mi, old plot No. 372, 377, 138, New plot No. 514, 513, P. S. No. 100/1, Touzi No. 8/5, Ward No. old 21, new 27, situated at Mouza Abdulla Nagar, P. S. Sadar, Dist. Purnea and morefully described in Deed No. 3828 dated 29-3-1985 registered with D.S.R. Purnea.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1015/Acq/85-86.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Touzi No. 5755, thana No. 93, khata No. 106, plot No. 2
situated at Mouza Chibbili, P. S. Fulwari, Dist. Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Patna on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri Sheo Sunder Singh
S/o Late Mukha Singh,
at Ghilbili P. O. Bisarpura, P.S. Fulwari,
Dist. Patna.
(Transferor)

(2) M/s. Basant Bihar Co-operative Housing Society
Ltd.
through its Secretary
Shri Mata Pd. Sinha
S/o Late Jagdamba Pd.,
56, L.I.C. Colony, Kankarbagh,
Dist. Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 katha 10 dhur 4 durki bearing Touzi
No. 5755, thana No. 93, khata No. 106, plot No. 2 situated
at Chibbili, P.S. Fulwari, Dist. Patna and more fully de-
scribed in deed No. 1977 dated 25-3-1985 registered with
D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority—
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Patna, Bihar.

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1012/Acp/85-86.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. 83, Touzi No. 5519, Khasra No. 53 situated at Mouza Jalalpur, P. S. Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 25-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Subhash Kumar Singh
S/o Ramgulam Singh,
At Lohanipur, P. S. Kadamkuan,
Dist. Patna. (Transferor)
- (2) Shri Madan Kumar
S/o Laxmi Prasad,
At Mithapur, B Area, P. S. Jakkanpur,
Dist. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 katha bearing khata No. 83, Touzi No. 5519, Khasra No. 53 situated at Mouza Jalalpur, P. S. Danapur, Dist. Patna and more fully described in deed No. 1983 dated 25-3-1985 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Patna, Bihar.

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1016/Acq/85-86.—Whereas, **DURGA PRASAD**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 139, Khata No. 184, Khasra No. 178 situated at Mouza Naubatpur, Ashok Nagar, P. S. Kankarbagh, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 14-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Satishan Mahto,
Sri Sahdeo Mahto
sons of Prasadi Mahto,
Moh. Naubatpur, Ashok Nagar,
P. S. Kankarbagh,
Dist. Bhagalpur.

(Transferor)

(2) Shri Dhananjay Prasad
S/o Late Jagat Nandan Prasad,
Moh. Bhikhanpur, P. S. Kotwali,
Dist. Bhagalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 9 dhur 5 dhuki with double storied building bearing touzi No. 139, khata No. 184, khasra No. 178 situated at Mouza Naubatpur, Ashok Nagar, P.S. Kankarbagh, Dist. Patna and more fully described in deed No. 1575 dated 14-3-1985 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Patna, Bihar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1017/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 93, touzi No. 5755, khata No. 106, plot No. 2 situated at Chilibili, P. S. Fulwari, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 25-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sheodas Singh
S/o Mukha Singh,
At Chilibili, P. O. Bisarpura,
P. S. Fulwari, Dist. Patna.
(Transferor)
- (2) M/s. Basant Bihar Cooperative Housing Society Ltd.,
through its Secretary
Sri Mata Pd. Sinha
S/o Late Jagdamba Pd.,
56, L.I.C. Colony, Kankarbagh,
Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 katha 10 dhur bearing thana No. 93, touzi No. 5755, khata No. 106, plot No. 2, situated at Chilibili, P.S. Fulwari, Dist. Patna and more fully described in deed No. 1978 dated 25-3-1985 registered with D.S.R. Patna

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Patna, Bihar.

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-/1013/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing khata No. 633, Khasra No. 1511, Touzi No. 5505, thana No. 2, situate at Mouza Mainpur, P. S. Fulwari, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 29-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanhaiya Lal s/o Late Sri Hardas Mal, Moh-Sardar Patel Path, North Srikrishnapuri, P.S. Srikrishnapur, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Arbind Ranjan Das s/o Sri Mahakrishna Das, At Bangerhatta, P.S. Ghanshyampur, Dist. Darbhanga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 katha & 10 dhur bearing khata No. 633, Khasra No. 1511, Touzi No. 5505, thana No. 2 situated at Mouza Mainpura, P.S. Fulwari, Dist. Patna and more fully described in deed No. 2095 dated 29-3-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 8-11-85

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001
BIHAR

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1007/Acp/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. 488/664, plot No. 48, Type-E, block 3, Ward-12 situated at Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Patna on 23-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sr. Surjeet Singh s/o Sr. Mehar Singh, 2. Sr. Mahendra Pal Singh, (3) Sr. Kuldip Singh, 4. Sr. Pratipal Singh, (5), Sr. Popindra Singh sons of Sr. Surjit Singh, At—11F, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Dist. Patna.

(Transferor)

- (2) 1. Dr. Ram Krishna Modi s/o Bajrang Lal Modi, 2. Dr. Pramila Modi, s/o Dr. Ram Krishna Modi, Road No. 8B, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 760.75 sq. yard with building on holding No. 488/664, plot No. 48, Type-E, block No. 3, Ward No. 12 situated at Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Dist. Patna and more fully described in deed No. 1929 dated 23-3-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 8-11-85
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-994/Acp/85-86.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. 31 (Part) and New
Holding No. 38 (Part), Circle No. 6, Ward No. 2 (old) 10
(new) situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kot-
wali, Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Registering Officer at
Calcutta on 12-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been duly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

(1) Shri Tara Bhushan Mukherjee, OF—Sinha Library
Road, P.S. Kotwali, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Devi Agarwal, Rajendra Nagar,
P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as gives in
that Chapter

THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 2297 sq. ft.
situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna
and morefully described in Deed No. 1-3726 dated 12-3-85
registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 4-11-85
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Tara Bhushan Mukherjee, OF—Sinha Library Road, (OFF—Fraser Road), P.S. Kotwali, Patna.
- (2) Smt. Nirmala Devi Agarwal, OF—Arya Kumar (Transferor) Road, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Patna. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-995/Acp/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. 31, (Part) and New Holding No. 38 (Part), Circle No. 6, Ward No. 2 (old) 10 (new) situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

73—356 GI/85

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 1378 sq. ft. situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna and more fully described in Deed No. I-3733 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurance., Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 4-11-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-996/Acp/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Holding No. 31 (Part) and New Holding No. 38 (Part), Circle No. 6, Ward No. 2 (old) 10 (new) situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 12-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act; in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tara Bhushan Mukherjee, Off—Sinha Library Road, (Off—Fraser Road), P.S. Kotwali, Patna.
- (2) Smt. Subhadra Devi Agarwal, of—Arya Kumar, (Transferor) Road, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 2297 sq. ft. situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna and morefully described in Deed No I-3730 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 4-11-85
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Hanuman Pd. Bhagat, H.U.F.,
OF—Subjibagh, P.S. Pirbahore, Patna-4.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deepak Rungta, S/o Sri Deo Prakash Rungta,
OF/P.S./Dist. Begusarai.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-100/Acp/85-86.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act') have reason to believe that the immovable pro-
perty, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 924, Khata No. 13, Tauzi
No. 18224 Old 5453 situated at Vasant Vihar Colony, Boring
Road, Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 29-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of
1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with double storeyed building measuring 4521 sq. ft.
situated at Vasant Vihar Colony, Boring Road, Patna and
morefully described in Deed No. I-4858 dated 29-3-85 regis-
tered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commis. oner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 4-11-85
Seal :

FORM ITN—

(1) Shri Hanuman Pd. Bhagat, H.U.F.,
of Bubjibagh, P.S. Pirbakore, Patna-4. (Transferor)

(2) Shri Deo Prakash Rungta,
of P.S./Dist. Begusarai. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-1002/9cq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 924, Khata No. 13, Tauzi No. 18224 Old 5453, situated at Vasant Bihar Colony, Boring Road, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with double storeyed building measuring 4521 sq.ft. situated at Vasant Vihar Colony, Boring Road, Patna and more fully described in Deed No. I-4857 dated 29-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 4-11-85
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Amiya Bhushan Mokherjee, of Sinha Library Road, (OFF—Fraser Road), P.O. Kotwali, Patna.
(Transferor)
- (2) Smt. Nirmala Devi Agarwal, of Arya Kumar Road, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Patna.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-1000/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. 31, (part) and New Holding No. 38 (Part), Circle No. 6, Ward No. 2 (Old) 10 (new) situated at Mohalla Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 1378 sq.ft. situated at Mohalla Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna and more fully described in Deed No. I—3727 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 4-11-85
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chhagmal, S/o Late Tejmal of Gulababagh,
P.S. Sadar Dist. Purnea.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lakshman Kumar Agarwal, S/o Satya Narain
Agarwal, of Gulababagh, P.S. Sadar, Dist. Purnea.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1008/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Khata No. 240 mi, 237 mi, 366 mi, plot No. (old) 372 Mi, 377 Mi, 135 Mi (New plot No. 514, 513, P.S. No. 100/1 old Ward No. 21, new ward No. 27 situated at mouza Abdula Nagar, P.S. Sadar, Dist. Purnea (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 29-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 katha bearing khata Nos. 240 Mi, 237 Mi, 366 Mi, Plot No. Old 372 Mi, 377 Mi, 138 Mi New No. 514, 513, P.S. No. 100/1, Ward No. old 21, new 27 situated at Mouza Nagar, P.S. Sadar, Dist. Purnea & more fully described in deed No. 3833 dated 29-3-85 registered with D.S.R. Purnea.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 8-11-85
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Tara Bhushan Mukherjee, of Sinha Library Road, (OFF-Fraser Road), P.S. Kotwali, Patna.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmala Devi Agarwal, OF-Arya Kumar Road, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Patna.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-993/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Holding No. 31, (Part) and New Holding No. 38 (Part), Circle No. 6, Ward No. 2 (old) 10 (new) situated at Mohalla Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 2297 sq.ft. situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna and morefully described in Deed No. 1-3732 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 4-11-85
Seal :

FORM TYPE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna 800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-997/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Holding No. 31 (Part) and New Holding No. 38 (Part), Circle No. 6, Ward No. 2 (Old) 10 (new) situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amiya Bhushan Mukherjee, OF-Sinha Library Road, (OFF-Fraser Road), P.O. Kotwali, Patna.
(Transferor)

(2) Smt. Subhadra Devi Agarwal
OF-Arya Kumar Road, Rajendra Nagar,
P.S. Kadumkuan, Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 2297 Sq.ft. situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna and morefully described in Deed No. I-3722 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurance of Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 4-11-85
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-1003/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Ward No. 2, Cicle No. 9, Plot No. 722 (P), Holding No. 2134 (Part)/494 situated at Exhibition Road, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
74—356 GI/85

- (1) Shri Nirmal Chandra, Rukumpura,
Bailey Road, P.S. Danapur, Patna. (Transferor)
- (2) M/s. Om Carring Corpr.
through its partner—Shri Annaspurna Devi,
Gandhi Maidan, Patna. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 katha 15 dhur situated at Exhibition Road, Patna and morefully described in Deed No. I-3099 dated 9-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 4-11-85
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-998/Acq/85-86.—

Whereas I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. 31 (Part) and New Holding No. 38 (Part), Circle No. 6, Ward No. 2 (old) 10 (new) situated at Mohalla—Sinha Library Road, P. S. Kotwali, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :

(1) Shri Amiya Bhushan Mukherjee,
OF—Sinha Library Road,
(OFF—Fraser Road),
P. S. Kotwali, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Devi Agarwal,
OF—Arya Kumar Road, Rajendra Nagar,
P. S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 2297 Sq. ft. situated at Mohalla—Sinha Library Road, P. S. Kotwali, Patna and more fully described in Deed No. I-3734 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-999/Acq/85-86.—

Whereas I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Holding No. 31 (Part) and New Holding No. 38 (Part), Circle No. 6, Ward No. 2 (old) 10 (new) situated at Mohalla—Sinha Library Road, P. S. Kotwali, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 12-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amiya Bhushan Mukherjee,
OF—Sinha Library Road,
(OFF—Fraser Road),
P. S. Kotwali, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi Agarwal,
OF—Arya Kumar Road,
Rajendra Nagar,
P. S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 2297 Sq. ft situated at Mohalla—Sinha Library Road, P. S. Kotwali, Patna and more fully described in Deed No. 1-3724 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 491/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situated at Gollapudi village, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sri Chigurupati Venkateswara Rao
S/o Veerayya & 6 others,
Gollajudi, Vijayawada,
(Transferor)
- (2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex
Members Welfare Society,
Rep. by its President,
Sri J. Ramaswamy Gupta &
Gen. Secreary Sri A. R. Gopal Rao,
11-50-37, Sivalayam Lane, Vijayawada-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land 1.48-3/4 cents of Gollapudi Village, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1711/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 492/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situated at Gollapudi village, Vijayawada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Patiband Ramalingeswara Rao,
S/o late P. Apparao,
Governorpet, Vijayawada.

(Transferor)

- (2) M/s. Santosh Estates (P) Ltd.,
Rep. by Director
Sri T. Venkata Hanumanth Rao,
Rajagopalchhari Street,
Governorpet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 24-252, Prakasam Road, Governorpet, Vijayawada area 922 sq. yards, Asst. No. 20804/A to F, registered by the SRO., Vijayawada vide Document No. 1732/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 493/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Governorpet, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Patibanda Ramalingeswara Rao
S/o late Sri P. Apparao,
Governorpet, Vijayawada.
(Transferor)

(2) M/s. Santosh Estates (P) Ltd.,
Rep. by Director
Sri T. Venkata Hanumanth Rao,
Rajagopalchari Street,
Governorpet, Vijayawada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 24-252, Prakasam Road, Governorpet, Vijayawada area 922 sq. yards, Asst. No. 20804/A to F, registered by the SRO., Vijayawada vide Document No. 1732/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 494/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Suryaraopet, Kaleswarara Rao Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Korripati Seethadevi (alias : Vijayalaxmi),
W/o Raghunadh,
Kaleswara Rao Road,
Suryaraopet,
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Ajamullah Khan
S/o Bashir Khan & 3 others,
D. No. 29-13-87A,
Suryaraopet,
Kaleswara Rao Road,
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 29-13-87A, Suryaraopet, Kaleswarara Rao Road, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1426/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 495/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Ward No. 2, Pratap Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kakinada on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Valluri Satyavathi
W/o Ramakrishna Rao
Pratap Nagar, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri Chivukula Suryanarayana Murthy,
S/o Sri Venkata Subbaraidu,
63/19, Dwarakanagar, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-13A, Ward No. 2 Pratapnagar, Kakinada, area 295 sq. yards registered by the SRO, Kakinada vide Document No. 3270/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 496/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at 5-Ward Palacol, WG Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palacol on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
75—356 GU/85

- (1) Sri Palepu Venkata Lingam
S/o Vecranna,
Bank Employee,
17th Ward, Palacol, WG Dist. (Transferor)
- (2) Smt. Eeranki Udaya Bhaskaram
W/o Bhaskara Rao,
Gummalur Village Poduru Tq., WG Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House in 5-Ward, Palacol, WG Dist., area of land 169 sq. yards in Asst. No. 519A registered by the SRO, Palacol vide Document No. 910/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 497/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Santhapet, M.G. Road, Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Boddu Parvathi Devi,
W/o Ramayya,
D. No. 25-8-160, Main Road,
Vizianagaram.

(Transferee)

(2) Sri Shah Devichand
S/o Asraju & Others,
Door No. 8-1-84, M.G. Road,
Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 8-1-84, Santhapet, M.G. Road, Vizianagaram, in TS No. 742 & Asst. No. 5014, area 234 sq. yards registered by the SRO, Vizianagaram vide Document No. 2061/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 498/85-86. --Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land situated at Vallanki Village Bhimunipatnam Tq.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer
at Vizag in March, 1985
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sri Dodla Sai Prasad Rao
S/o late Rama Rao & 3 others,
GDA - Sri D. Venkata Bhaskara Rao,
Kirlampudi layout,
H. No. 10-50-57, Visakhapatnam,
Visakhapatnam.

(Transferor)

- (2) Kum. Duvvuri Vijayalaxmi Karuni Ramana,
D/o Dr. D. Venkata Ramana,
34, Sanjayya Nagar, Kirlampudi Lay-out,
Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land 3.66 cents at Vallanki, Bhimunipatnam Tq.,
Vizag Dist., Patta No. 463 registered by the SRO, Vizag
vide Document No. 2839/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 499/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at 23-Ward, Sajjapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Valluri Sathiraju
S/o Bapiraju
K. Yellendalaparru, Tanuku tq.,
WG Dist.

(Transferor)

- (2) Sri Pericherla Murali Krishna
S/o Ramaraju,
D. No. 23-41/2 in 23rd Ward,
Sajjapuram, Tanuku,
WG Dist.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Door No. 23-41/2 in Ward-23, RS No. 18/1B3, at Sajjapuram, Tanuku, WG Dist., registered by the SRO, Tanuku vide Document No. 681/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 500/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Narsipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsipatnam on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lanka Atchayamma W/o Satyam
9-Ward, Narsipatnam,
Vizag Dist.

(Transferor)

- (2) Sri Kota Appala Naidu (alias : Bulliabai),
Sarabhavaram P.O. Vaddi Sarabhavaram,
Narsipatnam Tq., Vizag Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Door No. 30-14 and 30-14 (2) at Narsipatnam, Vizag Dist. area 288 sq. yards registered by the SRO Narsipatnam vide Document No. 407/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Narayan Nagappa Majurkar, Thukrawar Peth
Tilakwadi, Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri N. J. Shivakumar, C/o. Wali Building, 11-
Cross, Opposit Maharashtra Bank, Gadashiv Nagar,
Belgaum.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 25th October 1985

Ref. C. R. No. 62/8-8/ACQ/B.—Whereas, I,
S. BALASUBRAMANIAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing
R.S. No. 1416 situated at Sadashiv Nagar, Belgaum
situated at Bombay (and more fully described in the Schedule
at Sadashiv Nagar, Belgaum
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Office
at Belgaum in April, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 66/1985-86 dated April, 1985]
Open Site, Part of R.S. No. 1416 situated at Sadashiv
Nagar, Belgaum.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 25-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th October 1985

Ref. C.R. No. 62/47138/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 85, to 91, OT Pet (Patnoolpet), situated at Gundopanth Street, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhinagar on 4-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

(1) Shri Janaki Chandra, No. 497, XIV Cross, Shastry Nagar, Banashankari II Stage, Bangalore-70, (Transferor)

(2) 1. Shri P. Chandrasekara Gupta,
2. Smt. P. Trilok,
3. Shri K. V. Narasimhan Setty &
4. Smt. K. Lakshminarasama,
No. 79, Appurayappagalli, Nagarathpet Cross, Bangalore-2. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 61/85-86 dated 4-4-85].
Property bearing No. 85 to 91, OT Pet (Patnoolpet), Gr. Street, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date : 4-10-85
Seal

FORM No. ITNS—

(1) C. G. Gopalkrishna,
No. 846/102, Sector-1,
C.G.S. Quarters, Antophill, Bombay-37.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) A. Narayana,
No. 17, Mariappanapalya,
Bangalore-21.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th October 1985

Ref. C. R. No. 62/46802/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 658 (658/23) situated at 21st Cross, II Block, Rajajinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar on 15-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Registered Document No. 5519/85-86 dated 15-3-85.
Property bearing No. 658 (658/23), at 21st Cross II Block, Rajajinagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-10-85
Seal :

FORM ITNS----

(1) Shri D. Satyanarayana,
No. 7, 36th Cross, 9th Block, Jayanagar,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Nagarathnamma, Smt. Uma Nagaraj,
No. 1070, 35 'D' Cross, IV T Block, Jayanagar,
Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C. R. No. 62/46646/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1070, situated at 35 'D' Cross, IV T Block, Jayanagar,
Bangalore
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer
at Jayanagar under document No. 5024/84-85 on 13-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 5024/84-85, dated 13-3-85.
All that property bearing No. 1070 situated at IV T Block,
Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

76—356GI/85

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C.R. No. 62/46687/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing ?

No. 18 situated at Whitefield Main Road, Whitefield, Bangalore South

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk under document No. 8044/84-85 in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Denzil Vincent D'Monte,
No. 21, Madavakkam Tank Road, Madras-12.
(Transferor)

(2) Smt. Jameela Abu Baker,
482, 100 ft. Road, Indiranagar,
Bangalore.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

registered Document No. 8044/84-85 dated March, 1985.
All that property bearing No. 18, situated at Whitefield Main Road, Whitefield, Bangalore South Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 28th October 1985

Ref. C. R. No. 62/46980/85-86/OCQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 706, situated at 8th Cross, Indiranagar II Stage, Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar under document No. 117/85-86 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. R. Viswanathan,
34, Doddakatappa Road,
Ulsoor, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri R. Lakshminarayana,
No. 706, 8th Cross, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 117/85-86, dated April, 85.
All that property bearing No. 706 situated at 8th Cross, 2nd Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date : 28-10-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(1) Smt. Bharathi Devi,
9, Jayamahar Road,

(Transferor)

(2) M/s. Bedi & Bedi Pvt. Ltd.,
12/7, Rajmahal Vilas Extension,
Bangalore-80.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001**

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C. R. No. 62/47160/85-86/ACQ/B. Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18-C situated at I Main Road, Jayamahar Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar under document No. 327/85-86 on 26-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 327/85-86 dated 26-4-1985.
All that property bearing No. 18-C situated at I Main Road, Jayamahar Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the mode of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001**

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. No. C.R. No. 62/47159/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18-B situated at I Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 320/85-86 on 26-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bharati Devi,
9, Jayamahal Road,
Bangalore-6.

(Transferor)

(2) Bedi & Bedi Pvt. Ltd.
12/7, RMV Extension, Bangalore-80.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 320/85-86 dated 26-4-85.

All that property bearing No. 18-B situated at I Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C.R. No. 46584/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18/A situated at I Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Gandhinagar under document No. 3931/84-85 on 23-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bharathi Devi,
No. 9, Jayamahal Road,
Jayamahal, Extn.,
Bangalore-560 006.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Anuradha B. Mangharam,
2. Sri Bhojraj Mangharam,
443, Rajmahal Vilas Extension,
Bangalore-560 080.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3931/84-85, dated 23-3-1985.
All that property bearing No. 18/A situated at I Main Road, Jayamahal Extension Jayamahal Road, Bangalore-560 006.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C. R. No. 62/465/83/84-85/ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18/A-1 situated at I Main Road, Jayamahal Road Jayamahal Extension Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Gandhinagar under document No. 3930/84-85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bharathi Devi,
No. 9, Jayamahal Road,
Jayamahal Extension, Bangalore-6.

(Transferor)

(2) 1. Shri Rajendra B. Mangharam,
2. Shri Bhojraj Mangharam,
443, Rajmahal Vilas Extension,
Bangalore-560 080.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3930/84-85 dated March, 85.
All that property bearing No. 18/A-1 situated at I Main Road, Jayamahal Road, Jayamahal Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri C. Srinivasa,
No. 33/2, Hospital Road, Bangalore. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pyari Kumari,
W/o. Hemanth Kumar,
Pandmashree Rajatha Complex, Chickpet,
Bangalore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C.R. No. 46570/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 33/2, situated at Hospital Road, Bangalore-53
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer
at Gandhinagar under document No. 3988/84-85 on 28-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3988/84-85, dated 28-3-85.
All that property bearing No. 33/2 situated at Hospital
Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-560 001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Punyamma,
W/o. Late Chandraiah,
No. 33/1, Hospital Road, Bangalore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Pyari Kumari,
W/o Hemantha Kumar,
Padmashri Rajatha Complex
Chickpet, Bangalore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C. R. No. 62/46571/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 33/1, situated at Hospital Road, Bangalore-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Gandhinagar under document No. 3989/84-85 on 28-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as above-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Registered Document No. 3989/84-85, dated 28-3-85.
All that property bearing No. 33/1 situated at Hospital Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,

77—356GI/85

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM-IT-70-

(1) M. Janardhan Rao,
No. 6, I A Cross Road,
Nagappa Block, Gangenahalli, Bangalore.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri K. Janakiraju,
No. 99/6, 16th Main, Vijayanagar,
Bangalore-560040.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. No. C. R. No. 62/46597/84-85/ACQ/B.—Whereas I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 6, situated at Cross Road, Behind Binny Mills,
Gangenehalli, Bangalore
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer
at Gandhinagar under document No. 3843/84-85 on 15-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter...

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3843/84-85, dated 15-3-85.

All that property bearing No. 6 situated at I A Cross Road,
behind Binny Mills Gangenahalli, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date: 30-10-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Shri M. Narayana Bhat,
Falnir, Mangalore-575002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001**

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C.R. No. 62/46808/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sy. No. 51-7 situated at Baikampady Village, Mangalore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore under document No. 2269/84-85 on 14-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. B. Jayasheela,
W/o. Mr. S. Balakrishnan,
No. 13, Najasimha Naidu Street,
Velur Road, Tiruchengode of Salem District,
Tamilnadu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2269/84-85, dated 14-3-85.

All that property bearing No. Sy. No. 51-7 situated at Baikampady Village, Mangalore Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-560 001

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001(1) Shri Andrew Antony Ronald Sequeira,
Matadakani I Cross Road,
Mangalore.

(Transferor)

(2) Shri B. Narayana Poojari
Matadakani I Cross Road,
Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

C.R. No. 62/46838/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 90A situated at Bolor Village, Bolor Ward, Mangalore, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore under document No. 1933/84-85 on 7-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1933/84-85 dated 7-3-85)

All that property bearing No. 90-A situated at Bolor village, Bolor ward Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Ref. No. C. R. No. 62/46825/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R. S. No. 318-A1, T. S. No. 161-A1, situated at Attawar village, Mangalore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore under document No. 1987/84-85 on 18-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Umer Attavar (Umer Maiyya),
Smt. Krishnavani R. Maiyya
W/o. Ramesh Maiyya both represented by their
GPA holder Sri K. Narasappaya
S/o Narayana Maiyya Pandeshwara
road Mangalore-1.

(Transferor)

(2) 1. Janab M. A. Mohammed
S/o A. Abdul Khader, Bangena
Ranjeshwara Village Kandola,
2. Janab M. Mohidee S/o. M. Usmani Mangalore,
3. Mrs. Mariamma W/o. M. Ahmed Kandola,
4. Mrs. Mariamma W/o. K. Hussain Kondola,
5. Mrs. Badrunnisa W/o. Abdul Hammed Kandola,
6. Sri Bharath Kumar R. Khokhani
S/o. Ramanilal Khokani
Pandeshwar Road Mangalore,
7. Mrs. Jameeb W/o. Abdul Rehman Kandola,
8. Mrs. U. Aisha W/o. K. Mohamed Bolar,
Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1987/84-85 dated 18-3-1985)

All that property bearing No. R. S. 318-A1 T.S. No. 161-A1 situated at Attawar Village Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

C.R. No. 62/46742/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDAWJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15, situated at 19th Cross, Malleswaram Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Rajajinagar under document No. 5290/84-85 on 8-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimathi Pushpa Jain W/o. L. P. Jain
2. Smt. Shree Jain W/o. A. Jain,
3. Smt. Ganapathi Devi Baid W/o. A. M. Baid
17/1, Ali Asker Road, Mangalore-32.
(Transferor)
- (2) Miss Sumathi Krishan,
3, 14th Main Road, Malleswaram,
Bangalore-55.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5290/84-85 dated 8-3-85)
All that property bearing No. 15, situated at 19th Cross, Malleswaram Bangalore-3.

R. BHARDAWJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shrimathi Pameela Sunawala,
No. 52, Stephens Road,
Frazer Town, Bangalore. (Transferor)
- (2) M/s Bhoruka Finance Corporation
128-B, Poona Street,
Bombay-9. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

C.R. No. 62/46787/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7, situated at H. A. L. III Stage, Indianagar Bangalore-38, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Shivajinagar under document No. 3941/84-85 on 15-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3941/84-85 dated 15-3-85)
All that property bearing No. 7 situated at HAL III Stage, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

C.R. No. 62/46712/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 485, T.S. No. 37 situated at Kasba Bazaar village, Market wood, Mangalore Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore under document No. 1891/84-85 on 1-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

- (1) 1. Shrimathi Sarasa,
2. Smt. Sumana,
3. Sri Vishwanatha Bhat,
Field Street, Mahamayi Temple,
Mangalore-575001. (Transferors)
- (2) Shri B. Vishnu Bhandarkar,
Venkataramana Temple Compound,
Car Street, Mangalore-575 001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1891/84-85 dated 1-3-85)
All that property bearing No. R.S. No. 485, T.S. No. 37 situated at Kasba Bazaar village, Market Ward, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

C.R. No. 62/46810/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 23/1 situated at Thiruvail Village, Mangalore Taluk,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore Taluk under document No. 2316/84-85 on 25-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s Genuine Plywoods,
Partners 1. Sri M. A. Mohammed,
2. Sri M. A. Abdul Azeez,
3. Sri M. A. Nazari Poyilil House,
Kodivathur Post Via Mukkam, Calicut. (Transferors)
(2) Smt. M. Shubha M. Kamath,
W/o. M. Madhav Kamath,
Ram Charan Mattadakani Road,
Mangalore (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2316/84-85 dated 25-3-1985)
All that property bearing No. R.S. No. 23/1 situated at Thiruvail Village, Mangalore Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

Ref. No. C. R. No. 62/46717/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 263/1 situated at M.G. Road, Lalbagh, Mangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore under document No. 1963/84-85 on 14-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of the income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimathi C. B. Mahalakshmi,
2. Sri C. B. Sriramulu Naidu,
3. Sri C. B. Chinnikrishna Naidu,
Lalbagh Mangalore-575 003, (Transferor)
- (2) M/s. Saibeen Complexe Pvt. Ltd.,
represented by its director,
Mrs. Bibi Razia A. Rehman,
W/o M. A. Rehman, 14, Jamila,
Street, Bhatkal-581320. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1963/84-85 dated 14-3-1985)
All that property bearing No. T. S. No. 263/1 situated at M.G. Road, Lalbagh, Mangalore Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM TINS — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

C. R. No. 62/46829/84-85 ACQ/B—Whereas, I, S BALASUBRAMANIAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No 90-B, situated at Boloor Village, Mangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mangalore on 21-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Angelina D'Conha Neelastado, wife of John D'Souza, aged about 56 years, householder, residing at Kampe House near Mangudi, Uva, Mangalore
2. Juliana Saldanha Neelastado, wife of Alphonsus Saldanha, aged about 50 years, householder, residing at Kampe House, Near Mangudi, Uva, Mangalore.
3. Joachim Michael Lasrado, aged about 48 years, service residing at Kodikal House, Ashoknagar, Mangalore.
4. Letitia Saldanha Neelastado wife of Fredrick Saldanha, aged about 44 years, residing at Kampe House near Mangudi Uva Mangalore.
5. Joseph Lasrado, aged about 42 years, Agriculturist, residing at Chevayoor, Kerala State.
6. Lawrence Lasrado, aged about 35 years, Agriculturist residing at Kodikal House, Ashoknagar, Mangalore, all are children of late Louis Lasrado and late Elizabeth Lasrado alias Monteiro, No. (3) for self and also as Power of Attorney Holder of No. (5) Joseph Lasrado, under a General Power of Attorney executed by him before and authenticated by the Sub Registrar at Chevayoor on 16-1-1985

(Transferor)

- (2) Shri Charles D'Souza, Devkripa, Kodikal Road, Ashoknagar, Mangalore as PA holder of Thomas D'Souza Bejar church compound Mangalore

(Trustee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2008/84/85 dated 21-3-1985)
Property No 90 B, at Boloor village, Mangalore

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
The Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 30-10-1985
Seal.

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

C.R. No. 62/46786/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 157 situated at Binnamangala II Stage Extension Bangalore-560 038 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Shivajinagar under document No. 3937/84-85 on 29-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri C. Siddalingappa
No. 819, 13th Cross, Jayanagar,
7th Block, Bangalore-560 082.

(Transferor)

(2) Shri P. A. Vijayakumar,
No. 197, Indiranagar II Stage,
Bangalore-560038.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3937/84-85 dated 29-3-1985)
All that property bearing No. 157 situated at Binnamangala II Stage Extension Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

C.R. No. 62/47418/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, S. Balasubramanian Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 193, situated at Sankey Road, Palace Upper Orchards, II Main, Bangalore, buy-66 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Gandhinagar on 8-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. N. Mandre,
No. 31, V Main Road,
Gandhinagar,
Bangalore-9.
- (2) Shri S. V. Ramani,
No. 501, Sashi Kiran,
18th Cross, Malleswaram,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 440/85-86 dated 8-5-1985)
Property No. 193, Sankey Road, Palace Upper Orchards,
II Main, Sadashivanagar, Bangalore.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-10-1985
Seal :

FORM ITNS- _____

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001 the 25th October 1985

C.R. No. 62/46826/84-85, ACQ/B.- Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- No. TS, 1485, R.S. 192, situated at Casba Bazar Village, and bearing No. Mangalore,

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore on 18-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shrimati Arsammei Pathawa,
Mulatpalna, Arla Post,
Bantwal Taluk,
S.K.

(Transferor)

- (2) 1. Shri M. Zakaria, Karkala Road,
Kudroli, Mangalore.
2. K. Chayabha, Karkala Road,
Kudroli, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1988/84-85 dated 18-3-1985)
Property No. TS, 1485, RS. No. 192, at casba Bazar Village Kudroli Ward, Mangalore.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 25th October 1985

C.R] No 62 46734, 84-85 ACQ B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. 82 Situated at Gangenahalli, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 14-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri N. Ranganna,
No. 356, VIII Cross, Main,
Milk Colony,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimathi Dilshad Begum,
No. 10, III Cross,
H. Siddaiah Road,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3837/84-85 dated 14-3-1985)
Property No. 82 (46A), at Gangenahalli, Bangalore

S BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

C.R. No. 62/46847/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
S. BALASUBRAMANIAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 144 situated at Kethamaranahalli, Bangalore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Doddanna,
No. 142, IV Cross Road,
Nagappa Block, Srirampuram,
Bangalore-21.

(Transferor)

(2) D. K. Ramesh,
No. 52, J. C. Extension,
Kanalapura Town,
Bangalore Distt

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(Registered Document No. 5221/84-85 dated 1-3-85)

Property No. 144 (Sy. No. 141/4) at Kethamaranahalli, Bangalore North Taluk.

S. BALASUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
BangaloreDate 25.10.1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No. 1134/85-86.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Shop No. 101 situated at Paji Ponda Margao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Salcete Goa on 26-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
9—356G1/85

(1) Sri Ignatius Fernandes &
Mrs. Maria Luisa N. D'Souza, Advocate,
C/o Sri Bernard F. D'Souza, Advocate,
Paji Ponda, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Sri Chennappa C. Patil,
Flat 1, 3rd floor Chritalina Building,
Near Gomantak Gas Co.
Paji Ponda—Margao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 593, dated 26-4-1985)

Shop No. 101 on the Ground floor at Paji Ponda measuring 22.28 sqms.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No. 1135/85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot Nos. 21 & 22 situated at Aquem Alto, Margao (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Salcete Goa on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mrs. Maria Melba de Gouveia Pinto Soares, R/o. Borda, Margao, Goa.
2. Mr. Antonio Orlando da Piedade Gouveia Pinto Soares, Alias, Antonio Orlando Pinto Soares, R/o Margao, Goa.
3. Mr. Luis Carlos da Gouveia Pinto Soares, R/o Margao, Goa.
4. Mrs. Maria Telma de Gouveia Pinto Soares C Correia Afonso, with her husband Mr. Jose Joaquim de Patrocinio Correia Afonso, R/o. Benaulim.
5. Mr. Pedro Silvestre Najario Donerico Soares, with his wife Mrs. Maria Ludovina Angela dos Remedios Valeriano Barreto Soares, Residents at present at Portugal.
6. Mrs. Maria Olsa Carlata Soares, Abranches with her husband Mr. Jose Lúcio Filomeu Abranches, R/o Panjim.
7. Mr. Joaquim Filipe de Piedade Soares and his wife Mrs. Maria Tutia Shirley Pacheco, R/o Margao, Goa.
8. Mr. Ruas Jose de Gouveia Pinto Soares and his wife Mrs. Maria Silvia de Santa Rita Vas, Residents at present in Brazil.
9. Mr. Ivo Oscar de Gouveia Pinto Soares, R/o Margao, Goa.
10. Mr. Rui Francisco Venancio de Gouveia Pinto Soares, Presently resident Brazil.

(Transferees)

- (2) Mr. Damodar Naracinva Naik, E-54, Abade Faria Road, Margao, Goa,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 352 dated 1-3-1985)

Plot Nos. 21 & 22 situated at "Marlon Hill" Aquem Alto, Margao, admeasuring 1616 sqms.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

- (1) 1. Smt. T. K. Janamma
W/o Sri Bheemasena Rao,
(Self & Minor guardian)
2. Sri T. K. Srinivasa Rao,
Kirkoskar Factory, Harihar. (Transferor)
- (2) Sri B. S. Bhamaramba
D/o Dr. B. S. Basavaraj,
Ward No. 14, Door No. 163, &
B Colony, Sandur, Distt. Bellary. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No. 1136/85-86.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Sy. No. 150/2 D. No. 163 situated at Sandur Town
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at
Sandur on 16-3-1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 743 dated 16-3-1985)

RCC House property at Sandur Town measuring plot area
2400 sq. ft. & plinth area of the RCC house at 1070 sqft.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date . 29 10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No. 1137/85-86.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
lot Nos. 32, 35, 36, 42 & 43 situated at Chandor Village,
Salcete, Goa
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
as been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at
Salcete, Goa on 7th March, 1985
or an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
foresaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Alvaro de Braganca
Pereira, Chandor, Goa.
(Transferor)
- (2) Smt. Sukanti Madhav Kamat
C/o M/s. V. M. Salgaocar & Bros,
Vasco-de-Gama.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 379 dated 7-3-1985)

Plots Lot No. 32, 35, 36, 42 & 43 (No. 399/7) situated at
Chandor Village, Salcete, Goa, measuring 8139.12 sqms.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No. 1138/85-86.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Matrij No. 2026 situated at Curtorim Village Tq. Salcete (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Salcete-Goa on 7-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sukanti Madhav Kamat,
C/o M/s. V. M. Salagaocar & Bros.
Vasco-de-Gama,

(Transferee)

- (2) Sri Alvaro de Braganza Pereira,
Chandor-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 379 dated 7-3-1985)

Agri. land at village Curtorim Tq. Salcete-Goa, measuring 125 sqms.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No. 1133/85-86.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 53 situated at Khanapal Road, Tilakawadi Belgaum
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at
Belgaum on 8-4-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Vithal M Saraf,
Raminiwas Khanapal Road
Tilakwadi, Belgaum.

(Transferor)

(2) Heerabai Dhondo Deshpande,
Ghondhali Galli,
Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 121 dated 8-4-1985)

Plot No. 53 of Khanapal Road, Tilakwadi, Belgaum RCC
House measuring 2400 sq. ft.

R. BHARDWAJ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No. 1132/85-86.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 52 situated at Khanapur Road Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Belgaum on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Keshav Mahadev Saraf,
Vithal Mahadev Saraf,
Smt. Jayashri Keshav Saraf,
Khanapur Road, Belgaum.

(Transferor)

(2) Miss Blanche D' Souza
C/o. Sri K. M. Saraf,
B. C. 58, Caump Belgaum,
Khanapur Road, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 109 dated 6-4-1985)

RCC house measuring 800 sq. ft. situated at CTS No. 219/2A/3, 219/1, 219/2a/ 4 Khanapur Road, Belgaum.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

C.R. No. 62/DR/352/37FE/85-86[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. T-2 at Margao-Goa situate at Flat No. T-2 at Margao-Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Dharwar under Registration No. 299/85-86 dt. 19-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the amount of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Santosh Constructions
10-11 Cruz Marrion
Margao-Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Francisco Jesus Fernandes
C/o J. V. Fernandes
Near Cosmos Damsil
Chapel P.O. Cononulim
Salcete-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-299/March-85 dated 19-3-85)

Flat No. T-2 situated at third floor in Building 'E'—Neolite Housing Complex, Fatorda, Margao, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001**

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

C.R. No. 62/DR-364/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G-4 Panjim situated at Flat No. G-4 at Panjim -Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Dharwar under Registration No. 298/84-85 dt. 22-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
80—356GI/85

(1) Panthouse Builders
9 Miranda House
Opp Canara Bank
Murgao Goa-403601.

(Transferor)

(2) Sri Dalip Mangnesh Naki &
Chandrakant Sitaram Naik
Near Head Post Office
Panjim-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D 298/85-86 dated 22-3-1985)

Flat No. G-4 measuring 685 sq mts, situated at palmar Monte Panjim

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 29.10.1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

C.R. No. 62/DR-454/85-86/ACQ/B/37EE.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P.T. Sheet No. 216, and chatta No. 21, 22 and 23 situated at "Aforamento" or "Tavarilem" Margao Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Margao-Goa under Doc. No. 454/85-86 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (17 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. S. S. Enterprises
Bella Vista Building,
Margao-Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Nutan B. Yogi
Voids Volanlica Road,
Margao-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 454/85-86 dated March 1985)

Building known as "Aforamento" or "Tavarilem" situated at Margao-Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 25-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

Ref. C.R. No. 62/DR-457/85-86/ACQ/B/37EE.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P.T. Sheet No. 216, and chatta No. 21, 22 and 23 situated at "Aforamento" or "Tavarilem" Margao Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Margao under Doc. No. DR-357/85-85 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) by any other person interested in the said immovables or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. S. S. Enterprises
Bella Vista Building,
Margao-Goa. (Transferor)
- (2) Antony Dias
Gulf Hotel Muscat, Ruwi-4455,
Sultanate of Oman. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 457/85-86 dated March, 1985)
Building known as "Aforamento" or "Tavarilem" situated at Margao-Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 25-10-1985
Seal:

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) M/s. S. S. Enterprisco, Bella Vista,
Margao-Goa.

(Transferor)

(2) Shrimati Leitao,
Bella Vista, Margao-Goa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore, the 25th October 1985

C.R. No. 62/DR-458/85-86/ACQ/37-EE.—Whereas, I,
S. BALASUBRAMANIAN,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Bangalore,being the Competent Authority under Section 269E of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No. P. T. Street No. 216 and
Chalga No. 21, 22 and 23 situated at Aforamento or Tavarilem
Margao-Goa(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Margao-Goa under Doc. No. 458/85-86 on March 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 458/85-85 Dated March 1985].

Building known as Aforamento or "Tavarilem" situated at
Margao-Goa.S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
BangaloreNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Date : 25-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. S. S. Enterprises,
Bella Vista Building,
Margao-Goa.

(Transferor)

(2) Benicia Gonsoloos,
P.O. Box 3217, Ruwi Muscat,
Margao-Goa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

C. R. NO. 62/DR-466/85-86/ACQ/B-37EE.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P. T. Sheet No. 216 and chalta No. 21, 22 and 23 situated at "Aforamento" or "Tavarilem" Margao-Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao-Goa under Doc No. DR-466/85-86 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 466/85-86 dated March, 1985.]
Building known as "Aforamento" or "Tavarilem" Shop No. B. 14 situated at Margao-Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date : 25-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

C. R. No. 62/DR-468/85-86-ACQ/B/37-EE.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P. T. Sheet No. 216 and chalta No. 21, 22 and 23 situated at "Aforamento" or "Tavarilem" Margao-Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Margao-Goa under Doc. No. DR-468/85-86 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M. S. S. Enterprises,
Bella Vista Building,
Margao-Goa.

(Transferor)

(2) Dr. Ignatius Cordezo,
P.O. Box No. 897, Muscat Sultanate,
of Oman, Margao-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 468/85-86 dated March, 1985.]
Building known as "Aforamento" or "Tavarilem" Flat No. G. 4 situated at Margao-Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 25-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) M/s. S. S. Enterprises,
Bulla Vista Building,
Margao-Goa.

(Transferor)

(2) C. A. F. Mozerello,
Vetum Salcete-Goa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

C. R. No. 62/DR-476/85-86-ACQ/B/37-EE.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P. T. Sheet No. 216 and chalta No. 21, 22 and 23 situated at "Aforamento" or "Tavarilem" Margao-Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Margao-Goa under Doc. No. DR-476/85-86 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 476/85-85 dated March, 1985.]

Building known as "Aforamento" or "Tavarilem" Shop No. 6 situated at Margao-Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 25-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

C. R. No. 62/DR-482/85-86/ACQ-B/37-EE.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing J.C. P. I. Sheet No. 216 and chalta No. 21, 22 and 23 situated at "Aforamento" or "Tavarilem" Margao-Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Margao-Goa under Doc. No. DR-482/85-86 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) M/s. G. G. Enterprises
Bella Vista Building,
Margao-Goa.

(Transferor)

- (2) Shri Peter Boretto,
P.O. Box 3258, Dubai, U.A.E.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 482/85-86 dated March, 1985.]
Building known as "Aforamento" or "Tavarilem" situated at Margao-Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 25-10-1985
Seal :

FORM FINS

- (1) 1. Shrimati Laxmibai Vasant Kare, 2. Vaikunth Vasant Kare, 3. Shrivallabh Vasant Kare, R/o Aquem-Alto, Margao-Goa.

(Transferor)

- (2) M/s. Alcon Real Estate Pvt. Ltd. Velho Building, Panaji, Goa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28 the October 1985

C. R. No. 62/DR-293/84-85/ACQ/B-37-EE.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 458 Folio 31 B-2 and 459 situated at "Azulianchi Tolloy" or Gogolla "Margao-Goa" and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Margao Goa under Doc. No. DR-293/84-85 on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
81—356GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 293/84-85 dated 26th April, 1985.]

Landed property known as "Azulianchi Gally" or Gogolla situated at Margao-Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 28-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

Ref. C.R. No. 62/R-1588/37-EE/84-85-ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-31 situated at 3/1, 13th Cross, Malleswaram, Bangalore-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1407/84-85 dated 8-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Sampat G. Shah,
A-9, Jai Moti, Hirachand D. Road,
Ghatkopar (W), Bombay-86. (Transferor)
- (2) Mr. R. S. Kalawar,
2023-A, 14th Main Road,
HAL-II Stage, Indiranagar,
Bangalore-38. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1407/84-85 dated 8-3-85.]

2 Bed Room flat No. B-31 located on 6th floor of Jayanthi Apartment Building, 3/1, 13th Cross Malleswaram, Bangalore-3.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE 560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

C R No 62/R-1590/37-EL/84-85-ACQ/B—Whereas, I, R BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No B-2 situated at Mallikatta, Kan Kanady, Mangalore-575002 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No 1394/84-85 dated 28-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Mr B Sadashiva Rai,
Kavitha Enterprises,
Balmatta,
Mangalore-575001
(Transferor)
- (2) Mr M Prabhakar Kamath & Smt M Jayashree,
Near Bendoor Well, Kankanady,
Mangalore-575002
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No 1394/84-85 dated 28-3-85]
Flat No B 2, Kavitha Apartments, Mallikatto, Kankanady, Mangalore-575002

R BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Dated 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

Ref. C.R. No. 62/R-1616/37-EE/84-85/ACQ-B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15741 situated at Cambridge Road, Bangalore (and more fully described in the scheduled annex hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1405/84-85 dated 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Venkateshwara Enterprises,
Leo Shopping Complex,
44/45, Residency Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Dr. Vijay Anand,
C/o D. R. Ramachandran,
18/10, Cambridge Road,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1405/84-85 dated 13-3-1985.]
1065/15488 undivided share in Premises 15/41, Cambridge Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

- (1) M/s. Manish Enterprises,
1/2, Shrungar Shopping Centre,
80, M. G. Road, Bangalore-560001. (Transferor)
- (2) M/s. Mectronics,
13/85, J. C. Road,
Bangalore-560002 (Transferee)

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

Ref. C.R. No. 62/R-1619/37EE/84-85/ACQ-B.—Whereas, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. E-2 situated at J. C. Road, Bangalore-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1401/84-85 dated 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1401/84-85 dated 13-3-1985.]

Office No. E-2 on 4th floor in Manish Tower at No. 84, J. C. Road, Bangalore-2.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
52—346GI/85

Date : 25-10-1985
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

C. R. No. 62/R-1620/37-EE/84-85/ACQ-B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. E-1 situated at 84, J. C. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1400/84-85 dated on 13-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Manish Enterprise,
1/2, Shrungai Shopping Centre,
80, M. G. Road,
Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mr. N. V. Srinivara Murthy,
13/85, J. C. Road,
Bangalore-560002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1400/84-85 dated 13-3-1985.]

Office No. E-1 on 4th floor in Manish Tower at 84, J. C. Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 30-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th October 1985

C. R. No. 62/R-1621/37-EE/84-85/ACQ-B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502 situated at 18, M. G. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1402/84-85 dated 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Shabana R. Khub Chandani,
Flat No. 502,
Somerset Apartments, 'A' Block,
18, M. G. Road,
Bangalore. (Transferor)
- (2) Mrs. Chaitali Bagchi and
Master Aranya Bagchi,
Flat No. 203,
Somerset Apartments 'A' Block,
18, M. G. Road, Bangalore-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1402/84-85 dated 13-3-1985.]

Flat No. 502 on 5th floor, Somerset Apartments 'A' Block
18, M. G. Road, Bangalore-1.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 28-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

C.R. No. 62/R-1624/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 42 situated at 21 Museum Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bangalore under Registration No. 1394-A/84-85 on 12-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Mr. R. Barton Wright,
No. 16 North Lake Road,
Dotacumund-I.

(Transferor)

(2) Mrs. Indira R. Hegde,
11/6, Nandidurg Road,
Benson Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1394A/84-85 Dated 12-3-85)

Flat No. 42 in the 4th floor of Mohini Apartments with covered parking space on the Ground floor and 1/20th undivided share in the land comprised in No. 21 Museum Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th October 1985

C. R. No. 62/R-1633/37EE/84-85[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1 situated at 18 M. G. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1395/84-85 on 12-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
82—356GI85

- (1) Mr. Vijay Chowdhry,
10A, Sagar Apartment,
6, Tilak Marg, New Delhi-110001.

(Transferor)

- (2) Ms/. Apogee Investments (P) Ltd.,
E-2/16, Darya Ganj,
New Delhi-10002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1395/84-85 dated 12-3-1985)

Flat No. 1, Somarset Apartments, C Block, 18 M. G. Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1635/37EE/84-85/ACQ/B.—
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. E situated at No. 28 Sankey Road, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Bangalore under Registration No. 1397/84-85 on 13-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) M/s. Sterling Enterprises,
No. 1, Sterling Road,
Nungambakkam,
Madras-600034. (Transferor)
- (2) Mr. Abdul Matin Ismail and
Mr. Abdul Majed Ismail and Bibi Fatima Ismail,
Seemal Mahal,
Sagar Road, Bhatkal-581320,
North Kanara. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1397/84-85 dated 13-3-1985.)
Flat No. 7 on 4th floor at Golfink Apartments No. 28,
Sankey Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-10-1985
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Ref. Notice No. 1120/85-86.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing CTS No. 163/50-A, situated at Deshpande Nagar, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hubli under document No. 516 on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Surojini Muttappa Antin,
Mahantesh Nagar, Belgeum, (Transferor)
- (2) 1. Shibalingappa,
2. Mallikarjun alia Mallappa,
3. Basavaraj,
4. Mallikarjun,
Sons of Muristppa Vantomus,
Cotton Commission Agents,
Deshpande Nagar, Hubli. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 516 dated 10-5-1985.)
Land and building situated at Ward No. III, Deshpande Nagar, Hubli, measuring plot 39'×601/2' and admeasures area 219.2 mtr.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-10-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Ref. Notice No. 1121/85-86.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Metriz No. 791 and Shop Chulta No. 47 situated at 18th June Road, Panaji Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at under document No. 234/dated 11-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Miss Pushpavathi alias Babibai Laljee,
(1) Opp. Cafe Real, Atonso Abuquarqul Road,
Panaji Goa. (Transferor)
- (2) Shankur Ramachandra Wagale,
Sadanand Durga Boadkar,
Ravindra Shantaram Gayatonde,
C/o Cafe Central, Panaje Goa. (Transferee)
- (3) 1. S. R. Wagale,
2. S. D. Baadkar,
3. R. S. Gayatonde,
C/o Cafe Central,
Panaji Goa. (Persons in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 234 dated 11-3-1985.)
This is shop property situated at 18th June Road, Panaji Goa measuring 49 Sq. Mts.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 22nd October 1985

Ref Notice No 1122/85 86 —Whereas, I, S BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Sy No 145 situated at Onda, Satali Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satali Goa under document No 21 on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ramesh Vithal Fal Desai and his wife
Mrs Smta Ramesh Fal Desai,
R/o Gaundongrem, Canacona (Goa) (Transferor)
- (2) Mashavathi Eknath Mandrekar,
C/o Kannaik Vada Mogrim,
R/o Ambegal, Pale Bicholim, Goa (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 21 dated 1-3-85)
This is a house property situated at Onda (Goa) village measuring 115 Sq mts on a plot area of 600 Sq mts

S BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 22 10 1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October, 1985

Notice No. 1123/85-86.—Whereas, I,

S. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4 situated at Highway Apartments, Nuvem Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Salcete Goa in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Pedro Damiao Wazario Casiro,
Batika, Cairo Nugar, Navelim,
Salcete Goa.

(Transferor)

- 2) Pedrinha Antionette Pereira,
C/o Maxy Dennis, Falveddo Velsao,
Post Cansaulim, Salcete, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 360 dated March, 1985.)
Flat No. 4 in Highway Apartments, Nuvem, Goa, measuring 75 Sq. mts.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Notice No. 1124/85-86.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 3497/5-A3 situated at Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum under document No. 453 on 29-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Frappa Maharudrappa Uppin,
Sidram M. Uppin,
Sasidas Madivalappa Uppin,
Shivakumar M. Uppin,
R/o Risaldar Galli, H. No. 3536, Belgaum,
(Transferor)
(2) Channabasappa Virupaxappa Sansogolli,
R/o Nurvekar Galli, H. No. 3497/5A-3, Belgaum,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 453 dated 29-4-1985.)
This property being old house situated at Nurvekar Galli, Belgaum measuring Plot 1120 Sq. ft. building area 800 Sq. ft.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Notice No. 1125/85-86.—Whereas, I,
S. BALASUBRAMANIAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Plot No. A situated at Village Carambolim, Tiswadi Goa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ilhas under document No. 189 on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Girish A. Keni,
Dada Vaidya Road, Panaji Goa. (Transferor)
- (2) Benjamin Martin Rodrigues,
GPA holder Eastern Filozordade Assuncao,
Godinho, Hillside Apartments,
B.O.-4, Fontanhas Panaji Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 189 dated 1-3-1985.)
This is a house measuring 120 Sq. mts. on a plot area
Sq. mts. situated at Village Caranbolim, Tiswadi Taluka
(Goa).

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Notice No. 1126/85-86.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. CTS No 2917 situated at Kuade Bazar, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Belgaum under document No. 110 on 6-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
83—356GI/85

- (1) Suhas Samudravijaya Ekhande Ekhande,
C/o D. A. Patil,
R/o B.C. 43, Camp, Belgaum. (Transferor)
- (2) Deepak Appasaheb Patil,
R/o B.C. 43 Camp, Belgaum. (Transferee)
- (3) M/s. A.B. & Co., Khadi Basal Belgaum.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 110 dated 6-4-1985.)
It is shop building at Khade Bazar, Belgaum, measuring 1483 Sq. ft.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Notice No. 1127/85-86.—Whereas, I,
S. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 10 919/1 situated at Brahmapur, Gulbarga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gulbarga under document No. 2943 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shankar Govindarao Deshpande,
Rtd. Railway Employees,
Brahmapur, Gulbarga. (Transferor)
- (2) A. B. Malipatil,
R/o Kudalgi Village,
Tal. Jeevargi, District Gulbarga. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2943 dated March, 1985.)
This is a house property situated at Brahmapur, Gulbarga measuring 1325 Sq. ft.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-10-1985
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Notice No. 1128/85-86.—Whereas, I,
S. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101 situated at Lake View Colony, Panaji Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ilhas under document No. 191 on 5-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Olimpio Fernandes,
2. Smt. Ida Maria Fernandes,
both R/o Lake View Apartments,
Panaji, Goa. (Transferor)
- (2) 1. Sri Raul Da Silva Viegas,
2. Smt. Blanche De Silva Viegas,
both R/o "Elco Arcade" Hill Road, Bandra,
Bombay-400 050. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 191 dated 5-3-1985.)
Flat measuring 58 Sq. mts. at Lake View Apartments at Miraman Panaji, Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 22nd October 1985

Ref. No. C.R. No. 62/Notice No. 1129/85-86/ACQ/8.—
Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Site No. 66 situated at V Ward MCC B Block Davanagere (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Davanagere under document No 7603/dt. 15-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Devecamma
W/o L B Nudisa Advocate,
P.J. Extension,
3rd Main Road, Davanagere,
Door No. 215/1, (Transferor)
- (1) Shri L. Prakash alias L. V. Prakash
S/o Laxman Ekabhol,
II ward, Chitr Nagar Galli,
Door No. 447ff2 Davanagere. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 7603 Dated 15-3-85]

Vacant land at MCC 'B' Block, Davanagere measuring 40'×126

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bankatolal Gopi Kisaan,
Kirana Bazar Gulbarga

(Transferor)

(2) The President
The Vishwardhya House Building Co-op Society Ltd.,
Marwadi Galli,
Gulbarga

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 22nd October 1985

Ref. No. Notice No. 1130/85-85/ACQ/8.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy No. 1/1, situated at Brahmapur Gulbarga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Gulbarga under document No. 3006/Dt 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3006 Dated 27-3-85]
Open Land measuring 5 Acre in Brahmapur Gulbarga being Sy. No. 1/1

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-10-1985

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

C. R. No. 62/DR-344/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 4/F1 situated at Flat No. 4/F1 Admeasures 110-00 sq. mts. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panjim-Goa on 9-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smita Associates
F/2 Indira Apartments
Albuquerque Road
Panjim-Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Monica Mendes
Nita Apartments 1st Floor
33/A Juhu Road Santa-cruz (West)
Bombay-400 054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-292/37EE Dated 9-3-1985)

Flat No. 4/F1 Admeasures 110 Sq mts Panjim Dona paula.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-8-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

C.R. No. 62/OR-359/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Flat No. 3/51 at Tonca (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Panjim-Goa on 25-3-85 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smita Associates
F/2 Indira Apartments
Albuquerque Road Panjim Goa.
(Transferor)
- (2) Mr. Peroorparaenpil J. Koshy
P. B. 1244 Measure 100 Lestho (via)
South Africa
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-293/37EE dated 25-3-1985)
Flat No. 3/51 110 sq Mts at Tonca Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-8-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

C.R. No. 62/DR/349/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11/F2 situated at Flat No. 11/F2 at Tonca-Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panaji-Goa on 25-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smita Associates
F/2 Indira Apartments
Albuquerque Road Panjim Goa, (Transferor)
- (2) Mr. Waltaire J. J. V. Rodrigues
C/o Mr. Vihas M. Khalker
Syndicate Bank Panjim-Goa, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-No. 294/37EE Dated 25-3-85)

Flat No. 11/F2/102 Sq. Mts. at Tonca-Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 21st October 1985

C.R. No. DR-357/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
S. BALASUBRAMANIAN,
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition
Range, Bangalore
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
4/51 situated at Ilhas-Goa Flat No. 4/51 110 sq. Mts.
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Office
at Panaji-Goa on 18-3-1985
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for said transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of .

- (1) Anjali Associates
F/2 Indira Apartments
Albuquerque Road Panaji Goa. (Transferor)
- (2) Dr. Shyam Kumar Parashar
E-8 Altinho Panaji-Goa. (Transferee).

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-295/37EE Dated 18-3-1985)
Flat No. 4/SI. No. 110 Sq. Mts at Ilhas-Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the Said Act to the following persons,
namely :—
B4—356GI/85

Date : 21-10-1985
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

C. R. No. 62/DR-365/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Flat No. 4-A-7 At Sakardande Apartments (and, more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panaji-Goa on 16-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mrs Maria Leonilda Angela Cardozo
Santa-Iner Panaji-Goa (Transferor)
- (2) Mr. Vasco Filomeno Fernando
Pinho Panaji-Goa (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D285/37EE Dated 3-1-85)
Flat No. Y-A-7 in Sakhardanda Apartment Admeasuring 77 Sq. mts.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RANGE, Bangalore

Date : 7-8-1985
Seal :

FROM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001**

Bangalore, the 7th August 1985

C. R. No. 62/DR-355/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Chalta No. 6, 7, & 8 situated at Ilhas Goa Chalta No. 6, 7, & 8 Sheet No. 121, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Panaji-Goa on 18-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) AVC Investments & TRD Pvt. Ltd.
F/2 Indira Apartments
Albuquerque Road,
Panaji-Goa

(Transferor)

(2) Mrs. Parvati D. Naik & Others,
St. Inez Tonca Alphonso
Albuquerque Road,
Panaji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-296/37EE Dated 18-3-85)

Chalta No. 6, 7, & 8 sheet No. 121 at Ilhas-Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-8-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

Ref. C.R. No. 62/DR/41/37EE/84-85/ACQ]B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. F-4 situated at Gharse Town Don Bosco-High School Panaji (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Panaji on 14-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Jhaly Constructions,
Susheela Building,
Panaji-Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Newton Almeida
Suraj Bahar Flat No. 30,
Sh. N. A. Savant Building
Bombay-405555.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D 288/Marele/85 Dated 14-3-85)

Flat No. F-4 in Gharse Town Near Don Bosco High School Panaji measuring 93-27 Sq. mtrs.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-8-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

C. R. No. DR-339/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3th Altinho Apartment situated at Altinho Mapusa-Goa, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panaji on 16-3-1985 on an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Super Builders
Hill Crown Apartment
Near St. Mary's
High School Post Mapusa
Industrial Estate Mapusa-403525 Goa. (Transferor)
- (2) Arthur Custodio Rodrigues
Altinho, Mapusa-Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-287/Mareli/85 Dated 16-3-85)
Flat measuring 92 Sq. metre situated in Altinho a part locality of Mapusa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-8-1985.
Seal :

FORM I.T.N.3.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

C. R. No. 62/DR-350/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 403 Sun Flower Lurdes Colony orlem situated at Miramar Panaji (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panaji Goa, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) J. R. Construction,
Opposite Bank of India,
Miramar, Panaji Goa,
(Transferor)

(2) Miss Indalia Lvey D'Costa
C/o Mr. Max Pio Anacleto D'Costa,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D.286/March/85 Dated 25-3-85)
Flat in Albamar Colony Miramar Panaji measuring 64 Sq. metres.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 7-8-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 17th October 1985

C. R. No. 62/DR-358/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Chalta No. 6, 7, and 8 of P. T. Shtee No. 121 situated at Tonca within Panaji Municipal Limit (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ilhas on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Anjali Associates
F/1 Indira Apts, Caetano Albuquerque Racial,
Panaji-Goa (Transferor)
- (2) Mr. Albert C. Alphonso, 4,
Mrs. Lalita Alphonso,
17 Bharati Apts Ceasur Road,
Amboli, Andheri West
Bombay-400058 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-297/March/85 Dated 16-3-1985
Flat measuring 110.00 Sq. metres in Sitanded at Kamert
Estates, Tonca Caranzalem.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RANGE, Bangalore

Date : 17-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Ref. No. C R. No. 62/DR-323/37EE/84-85.—Whereas, I
S. BALASUBRAMANIANbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and
bearing No.

No. S. No. 67/2x2

situated at Snata Cruz, Tiswadi Taluka, Sub-Dist. of Ilhas
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of
1908) in the Office of the Registering Office at Ilhas/with
the competent authority under Section 269AB, in his office
at Ilhas on 5-3-1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. Progressive Farmers Builders
Gate Deolteero, Panaji Goa. (Transferor)
- (2) Mr. Shridhar A. Nadkarni,
Lotlikar Nivas, Opposite Kosambe Building
Vasco-da-Gama. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-289/March/85 dated 5-3-85)
Flat No. B-4 on the first floor in the property known as
"FIEGUENCHEMXETTE" under No. 1401 of Book B-16
old and Regd. in Taluka Revenue Office under No. 87
situated at Santa Crooz within the panchayat limit of Santa
Cruz, Area of Flat 81 sq. metres of Built up area.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-10-85
Seal :

FORM INS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Anjali Associates, F/2, Indira Apartments, Caetano Albuquerque Road, Panaji—Goa.

(Transferor)

(2) Dr. Sham Kumar Parashar, F/8, Altinho, Panaji—Goa

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Ref. No. C.R. No. 62/DR-356/37FF-84-85.—Whereas, I S. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Chalta No. 6, 7 and 8 of P.T. Sheet No. 121 of city Survey of Panaji situated at Tona within Panaji Municipal Limit (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ilhas/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Ilhas on 18-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-290/Marrh/85 dated 18-3-85)
Flat No. U/52 measuring 110 sq. metres situated in Tona Caranzalem—Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

85—356GI/85

Date : 22-10-85

Seal :

FORM ITNS

(1) Kamat eRal Estate Developers
F/1, Indira Apts. Cactano Albuquerque Road,
Panaji—Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vishwasrao Chawgule
Foundation for Research & Studies, Vasco-da-gama,
Goa.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. C.R. No. 62/DR-360/37EE-84-85.—Whereas, I S. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Chalta No. 8 h, & P.T. Sheet No. 90 city Survey Vasco-da-gama, situated at Vasco-da-gama Municipal Limit (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Salcete Goa /with the competent authority under Section 269AB, in his office at Salcete-Goa on 25-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-291/aMrch/85 datde 25-3-85)
Flat No. FF/2 in Gabmar Apartment situated at Vasco-da-gama under construction, measuring 113 sq. metres.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-10-1985
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/3-85/SRI/860.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 Portion of P. No. 3/65 Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Padma Wati Talwar, w/o Shri Hari Pal Singh 28, Garden Colony, R/o Dhuni hCand oRad, Amritsar. (Transferor)
(2) Smt. Indra Rani w/o Shri Ram oGpal 3/65 Roop Nagar Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/2 Portion of P. No. 3/65 Roop Nagar Delhi, measuring 193.79 sq.yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 16-10-85
Seal :

FORM ITNS—(1) Smt. Sunita Likha w/o Sh. Ramesh Likha,
B-272, Majlish Park, Delhi-33.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) Smt. Mohinder Kaur, W/o Sh. Bhupinder Singh,
BR-28A, Shalimar Bagh, Delhi-52.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37FE/3-85/609.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. BR-28A, Shalimar Bagh, Delhi-52 situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No BR-28A, Shalimar Bagh Delhi
DDA Flats (IIG) measuring 45 sq.yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 16-10-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/3-85/37EE/610.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. XV/1416, Paharganj, N. Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vidya Devi w/o Kasturilal
10 R-749, New Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Miss Alka Arora d/o Late Sh. Kasturi Lal
through her mother and Natural Guardian Smt.
Vidya Devi Naresh Chadha s/o Yaspaul r/o
CV/1416 Sanghatrasha Paharganj New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

XV/1416 area 88 Sq. Yds. Sanghatrasha Paharganj New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 16-10-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/3-85[37EE]611.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Barsati Floor Lal Kothi situated at 3830 Pataudi House, Daryaganj Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered under the I.T. Act 1961 Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rani Vidya Mehra & Smt. Rani Vijay Mehra
D-9/18, Model Town New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Jai Chand Jain & Shri Sumat Prakash Jain,
1615/12, Jain Mandir Road Navin Shahadra
Delhi-32.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Barsati Floor, Lal Kothi 3830, Pataudi House, Daryaganj, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/3-85/37EE/612.—

Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Space No. G-28 on Ground floor in building Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s. S. B. Sales Private Limited Builders and Promoters, UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturiba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Kapil Rajpal, son of Shri Swadesh Kr. Rajpal, 6/29, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial space No. G-28 on ground floor in building (Proposed) Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, New Delhi having a super built up area of 235 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/3-35/37EF/613.—

Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 712 on Plot No. A2, Shivlok House-1, Najafgarh situated at Road Complex, Opp Milan Cinema, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sushil Nirula S/o Sh. K. R. Nirula,
84, Basti Harphool Singh,
Sadra Bazar
Delhi-110 006

(Transferor)

(2) 1. Sh. Inderjit Thukral S/o Sh. Hans Raj Thikral,
8/42 Moti Nagar,
New Delhi.

2. Sh. Kishan Chand S/o Sh. Khushi Ram,
F-260, Sudarshan Park,
New Delhi-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1112 on Plot No. A2, Shivlok House-1 Najafgarh Road Complex, Opp. Milan Cinema New Delhi-110 015.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS---

(1) M/s. Viswa Properties (P) Ltd.
4th Floor, Sheetla House,
73-74, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri. Ram Prakash Aggarwal and
Mts. Pushpa Devi,
23/145, Jeoni Mandi,
Agra.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/3-85/37EF/614.—

Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Booked Flat No. 304 in multistoreyed Building, A-5 & A-6 Community Centre, Ranjit Nagar, New Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I. T. Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 304 in multistoreyed Building A-5 & A-6, Community Centre, Ranjit Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

86—356GI/85

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/3-85/37EE/615.—

Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. B-8 in Building at 7 Rajpur Road situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered under the I. T. Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan,
16, K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Hem Chand Maheshwari,
AD/82B Shalimar Bagh,
Delhi-33. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Space No. B-8 in Building at 7 Rajpur Road, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Allied Construction Co.,
G-5, 92, Deepali, Nehru Place,
New Delhi-110 019.

(Transferor)

(2) Sh. J. R. Chawla,
6A/34, WEA Karol Bagh,
New Delhi- 110 005.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/3-85/37EE/616.—

Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement Storage Space No. B₁ of in Allied House, Plot No. 2 Old Rohtak Road Opposite Shahzada Bagh, Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered under the I. T. Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement Storage Space No. B₁ of 295 Sq. ft. in Allied House, Plot No.2, Old Rohtak Road, Opposite Shahzada Bagh, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC[Acq-II]3-85[37EE]617.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Duplex flat No. LB/172, Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Viendra Kumar Singhal,
C-14, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi.
(Transferee)
- (2) Mr. Predhiman Kishan Khushu,
H-64, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Self Financing Duplex flat No EB/172, Rajouri Garden, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM 111B**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/3-85/37EF/618.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. G-15, 3, Old Rohtak Road, Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. S. B. Sales Private Limited
Builders & Promoters UB-1,
Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Roshan Lal Khem Chand (HUF) and
Sh. Rakesh Kumar Gupta C/o
M. S. Rattan Lal Jagdish Chand
AAC Cement Stockists, NUH, Distt. Gurgaon.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Space No. G-15 on Ground floor in our proposed building 'Syndicate House' 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super buildup area of 88 ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE,
4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI
New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/3-85/37EE/619.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 F-17, Syndicate House, on plot No. 3, Old Rohtak Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. S. B. Sides Private Limited
Builders & Promoters UB-1,
Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Rakesh Arora son of Sh. B. S. Arora,
C/o Comet Electronic Industries,
A-78, G.T. Karnal Road, Industrial Area,
Delhi-110033.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial space No. FF-17, on first floor in our proposed building, 'Syndicate House' on plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 320 ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/3-85/37EE/620.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 307 'Syndicate House' on plot No. 3, situated at Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. S. B. Sales Private Limited
Builders & Promoters UB-1,
Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi-110001. (Transferor)
- (2) Smt. Rani Malhotra and Master Atul Molhotra,
C/o 320, Competent House, Connaught Place,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial flat No. 307 in our proposed building 'Syndicate House' on plot No. 3 Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 335 ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985

Seal :

FORM ITNS(1) M s Beckay Marketing,
C 12, Friends Colony, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M s Patwant Singh & Sons (HUF),
35/71, Punjabi Bagh, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE,
4/14 A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref No IAC/Acq-II/3-85/37EE 623.—Whereas, I, K VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000/- and bearing No Flat No CFF-4 Dilkhush Industrial Estate situated at G T Karnal Road, Azadpur Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No CFF-4, in Dilkhush Industrial Estate, G T Karnal Road, Azadpur Delhi

K VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM INS

(1) M/s. Vishva Properties (P) Ltd.,
4th Floor, Sheela House 73-74, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Dhillon & M/s J. C. Dhillon HUF,
R 523, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE,
41-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC Acq II/3-85 371-F/622. --Whereas I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Flat No. 103, A-5 & A-6 Community Centre, Ranjit Nagar
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been registered under the Income-tax Act 1961 in the
Office of the Registering Officer
at New Delhi on March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 103 in Multistoreyed Building A-5 & A-6, Com-
munity Centre, Ranjit Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
87—356GI/85

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Allied Construction Company,
5/92, Deepali, Nehru Place, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mr. K. L. Sarin & Mrs. Pushp Lata,
Tajpat Nagar, Jalandhar City, Punjab.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE,
4-14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/3-85/37EE/623. —Whereas I,
K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Industrial Flat No. G-30 in Allied House, situated at 2, Old Rohtak Road, Opp. Shahzada Bagh Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Industrial Flat No. G-30 of 278 Sq. ft. in Allied House, 2 Old Rohtak Road, Opp. Shahzada Bagh Delhi (Under Construction).

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE,
4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. JAC Acq II/3-85/37EE/624.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 167A DDA Flats (MIG), Rajouri Garden, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer the Competent Authority at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri H. L. Gupta, 2A, A.C.C.R. Enclave,
U.P. Extn., Delhi. (Transferor)
(2) Smt. Veena Dhuper,
164, LIG Mayapuri, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

167A, DDA Flats. (MIG), Rajouri Garden, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date - 16-10-1985
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No IAC/Acq. II-3-85/37EE/625.—Whereas I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act', have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. BGI-5, Ansal's Dilkhush Ind. Estate G.T. Karnal Road,
situated at Delhi-110032
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the Competent Authority at
New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the result of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. M. L. Kapoor, Sh. S. P. Oberoi,
24-Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)
(2) M/s. Anutex Electronics,
37-D.S.I.D.C. New Wazirpur Industrial Complex,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

BGI-5, Ansal's Dilkhush Ind. Estate, G.T. Karnal Road,
Delhi-110032.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM NO. ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/3-85/37EF/626.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 118, 'Syndicate House' Plot No. 3, Old Rohtak Road situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. S B Sales Private Limited,
Builders & Promoters UB-1, Ansal Bhawan,
16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferor)
(2) Smt. Kusum Surana W/o Sh. Chandra Singh Surana
2, North Avenue III Complex,
Hauz khas, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial flat No. 118 on first floor in our proposed building 'Syndicate House' on plot No. 3, old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 320 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Sd/-

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE,
4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/3-85/37EE/627.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No 202 in A-37 38/39 Community Central Dr situated at Mukherji Nagar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanwaljit Singh Bagga,
43, Race Course Road, Dehradun-248001.
(Transferee)

(2) Mr Viney Kumar Aggarwal :
Master Sachin Aggarwal
(S/o Mr Viney Kumar Aggarwal) :
Miss Sakshi Aggarwal,
(S/o Mr. Viney Kumar Aggarwal) :
Miss Stuti Aggarwal,
(S/o Mr. Yogi Raj Aggarwal) :
Master Rahar Aggarwal,
(S/o Mr. Yogi Raj Aggarwal) :
7/18 Roop Nagar Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 202 in A-37 38/39, Community Centre Dr, Mukherji Nagar Delhi.

K VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE,
4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref No IAC/Acq-II-SR-I/3-85/847 —Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H No 496A (Old & 917 New Gali Tallam situated at Katra Neel Kucha Kabil Aktaar Chandni Chowk Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Devicharan Dass Seth S/o
Shri Ram Charandass Seth
R/o Katra Neel Gali Krishna,
Chandni Chowk.

(Transferor)

- (2) Shri Sham Lal S/o Shri Ganesh Dass R/o
7/4, Ashok Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up House No. 496A (Old) 917 New Three storeyed,
Gali Tallam Katra Neel Kucha Kabil Aktaar Chandni Chowk,
Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-10-1985

Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. Nanak Chand S/o. Shri Dewan Chand,
of 1-252 New Rajinder Nagar, New Delhi
(Transferor)
- (2) Mrs. Noorun M. Narais,
W/o. Parkash Chand Malik,
of 229 Kalyan Vihar Delhi-7.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II-SR-I/85/848.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 5, Nanak Enclave, Village Dhirpur situated at Delhi No. 10/37 Hudbast No. 19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 of 301 Sq. Mts at Nanak Enclave, area of Village Dhirpur, Delhi out of Khasra No. 490/68, 400/70 and 401/71 Khata No. 10/37 Hudbast No. 19.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Aggarwal House, 4/14-A,
Asaf Ali,
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/849.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having fair market value exceeding Rs 1,00,000/-
and bearing No.No. 3601 to 3603 Chawari Bazar Delhi-6
situated at(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) as has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) at New Delhi on March, 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent. of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Built up property No. 3601 to 3603, Chawari Bazar Delhi
No. 6, measuring 175 Sq. yds Land.K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House, 4/14-A,
Asaf Ali,
Delhi/New DelhiNow, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

88—356GI/85

- (1) Sh. Anil Kumar Jain (2) Shri Ravi Kumar Jain,
both sons of Sh. Mehtali Rai Jain,
1223, Mandir Bhawan, Chailart Delhi.
(Transferee)
(2) S. Ram Singh Kohli & Sardim Harnam Kaur,
Trust 11, Ananti Sher Gill marg New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of the notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.Date : 16-10-1985
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-85/850.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. D/63 (B), Rajouri Garden situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lt.Col. B. K. Kohli,
S/o. Sh. Des Raj Kohli R/o. Q 63, Rajouri Garden,
New Delhi (Transferor)
- (2) Sunita Harnal,
W/o. Shri J. N. Harnal,
R/o C-9, Tagore Garden,
New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. Q/63 (B), mg. 83.73 sq. yds situated in the Colony known as Rajouri Garden, Area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

K. VASUDIVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House 4 14-A,
Asaf Ali,
Delhi New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-1/3-85/851.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House S. S. Plot No. C-139, Kirti Nagar, New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Pritam Kaur,
W/o. Late Shri Rajinder Singh
through her attorney Sh. Ajit Singh Madan
R/o. C-139-Kirti Nagar New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Harish Kumar Sadana,
S/o. Sh. Madan Gopal Sadana,
R/o. 29/101, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House S. S. on plot No C-139, mg. 300 sq. yds situated at Kirti Nagar, area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A,
Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-85/852.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. S. House, Plot No. 150-A Block J, Rajouri Garden New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sh. Gurbachan Singh,
(2) Shri Harcharan Singh,
(3) SH. Gurdin Singh Sons of Sh. Thakur Singh
R/o. J/150-A Rajouri Garden New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. H. Preet Singh,
W/o. Dr. Preet Singh Chawla,
R/o. F-25, Rajouri Garden New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. S. House, built on Plot No. 150-A Block J, measuring 300 sq. yds. Rajouri Garden, area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Acquisition Range-II
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House, 4/14-A,
Asaf Ali Road
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-85/854.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C-316, Majlis Park village Bhanolla Delhi, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, moreover, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntala Devi,
W/o. Shri Rishi Parkash Gupta,
R/o. Village & P. O. Palla, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Voone Dhall,
W/o. Sh. Roop Kamal Dall,
R/o. 4/16 A, Vijay Nagar Delhi-110 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. C-316 Majlis Park measuring 111 sq. yds. area of Village Bharolla out of Khasra No. 262/258/217/4 Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A,
Asaf Ali Road
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-85/855.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 26, Block 21, Chakti Nagar Delhi
situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer
at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269C of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Smt. Puspā Kapoor,
D/o. Puran Chand Mehra,
W/o. Man Mohan Kapoor,
R/o. 21/26, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Suresh Kumar Gupta,
S/o. Late Sh. Pohkar Mal Gupta,
R/o. 13-13, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meanings as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. area, 1493.24 Sq. ft. Block No. 21 situated in the
Colony Shakti Nagar Roshanara Extension, Scheme Subzi
Mandi De'hi.

K. VASUDEVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A,
Asaf Ali Road

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
Bombay, the 14th October 1985
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC Acq-II-SR-1-3/85/856.—Whereas, I, K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 20, Block No. 21, Shakti Nagar situated at Roshanara Exten, Scheme Subzi Mandi Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushpa Kapoor,
D/o. Poran Chand Mehra,
W/o. Man Mohan Kapoor,
R/o. 21/26, Shakti Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Rajender Prakash Aggarwal,
S/o. Late Pinkar Mal Gupta,
R/o. B-3/59-C Lawrance Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 26, area 746.76 sq. ft, Block No. 21, situated in the colony Shakti Nagar Roshnara Exten, Scheme Subzi Mandi Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House, 4/14-A,
Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-85/857.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4596/7, 11-Daryaganj situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the I.T. Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sh. Jadesh Prashad Agarwal,
S/o. Late Shri Mahavir Prashad Agarwal 4596/7,
11, Daryaganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) M. Ami Motre, Ltd.
4830/21 Anand Road Daryaganj New Delhi,
through Director Shri B. N. Passari. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Second floor Property No. 4596/7, 11-Daryaganj, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House, 4/14-A,
Asaf Ali Road
Delhi New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. II-SB-I/3-85/859.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H. No. 18, Block E, Khas, No. 262/258/217/4 Guru Nanak Road Adarash Nagar Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

89-356GI/85

- (1) Sh. Sushil Kumar Malhotra,
S/o. Sh. Nathu Ram Malhotra,
R/o. E-18, Guru Nanak Road, Adarsh Nagar,
Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Pritam Singh,
S/o. Sh. Bawa Singh and Surjit Singh,
S/o. S. Pritam Singh,
R/o. D-48 Lord Krishna Road Adarsh Nagar
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 18, Block E, meas. 120 Sq. yds. out of Khas No. 262/258/217/4 Guru Nanak Road, Adarsh Nagar, Delhi-33 Vill. Bharela Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House, 4/14-A,
Asaf Ali Road
Delhi/New Delhi

Date ; 16-10-1985
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I-3/85/860A.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 3/65 Roop Nagar Delhi, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985 for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) WB Cdr Ashok Kumar Talwar, Retd S/o. Late Shri Amar Nath Talwar, R/o 12/11, Double Storey, Ramesh Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Dharminder Kumar (ii) Pradeep Kumar and (iii) Sanjay Kumar Sons of Shri Ram Gopal Local address 3/65, Roop Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Property No. 3/65 Roop Nagar, Delhi (Municipal Corporation No 11119) measuring 193.79 Sq. yds. 62' 3-1/2" in length and 28' in breadth.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House, 4/14-A,
Asaf Ali Road
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/860B.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 3/65 Roop Nagar Delhi situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Savitri Devi,
W/o. Late Shri Amar Nath,
R/o. 12/11 Ramesh Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Svs Dharmender Kumar (ii) Pradeep Kumar and
Sanjay Kumar, 3/65 Roop Nagar Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Property Plot No. 3/65 Roop Nagar, Delhi (Municipal Corporation No. 11119) measuring 193.79 sq.yds. 62' 3-1/2 in length and 28' in breadth.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House, 4/14-A,
Asaf Ali Road
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/860C.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3/65 Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surinder Kumar Talwar, through Wg. Cdr. Sh. Ashok Kumar (retd) S/o Late Shri Amar Nath Talwar, R o 12/11 Double Storey Ramesh Nagar, New Delhi, (Transferor)
- (2) Svs. Dharminder Kumar (ii) Pradeen Kumar and Sanjay Kumar son of Shri Ram Gopal, 3/65 Roop Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Property No. 3/65 Roop Nagar, Delhi (Municipal Corporation No. 11119) measuring 193.79 Sq. yds., 62' 3½" in length and 28' breadth.

K. VASUDEVAN
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/862.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Property No. 483 (New) and 287 (Old) Gali Zeenat Bari Kashmiri Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Milavi Bai
Wife of Sh. Gela Ram (Late)
R/o 483, Gali Zeenat Bari,
Kashmiri Gate,
Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Anil Kumar
s/o Shri Sham Lal,
R/o 1250 Chhota Bazar,
Kashmere Gate,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given by that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed property No. 483 (New) and 287 (Old) in Ward No. I, built on a piece of land measuring 85 sq. yds. approx. situated at Gali Zeenat Bari Kashmiri Gate, Delhi.

K. VASUDEVAN
Acquisition Range-II
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II, SR-I/3-85/863.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Qr. No. 30/37-A West Patel Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Registering Officer
at New Delhi in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to following
persons, namely :—

(1) Sh. Guran Diwan Mal,
30/37-A, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Neelam Bhalla,
30/37-A, West Patel Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act.
shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Qr. No. 30/37-A, West Patel Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16/10/1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/864.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16/19, Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) S Shri S. Amarjit Singh,
Surjit Singh and
S. Narinder Singh
Sons of Late Shri Swaran Singh all
R/O No. 16/19, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Baldev Raj Gulati
S o Late Shri Chuni Lal Gulati and
Smt. Sujata Gulati
W/o Shri Inderjeet Gulati
both R/os. No. 16/19, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 16/19, Punjabi Bagh Village Bassai Darapur, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/866.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. S-10(Shivaji Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kanwal Bhandari
W/o Shri Ashok Kumar Bhandari,
R/o H-93/3, & 3-10, Shivaji Park,
New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Kasu Goel
W/o Shri Niranjan Kumar Goel,
R/o H-94-B, Shivaji Park,
New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. S-10, measuring 45 sq. yds. at Shivaji Park, New Delhi-26.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 16-10-1985
Seal:

FORM JINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85 '867.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. XII/8428-32, Roshanara Road situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

90—356GI/85

(1) Sh. Santokh Singh
son of S. Ganda Singh,
R/o 12, Jaima Bldg.,
Roshanara Road,
Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Panna Singh
2. Smt. Basant Kaur
3. Sh. Janak Singh and
Sh. Man Preet Singh
4. Smt. Mohinder Kaur
5. Shri Jasbir Singh
6. Smt. Santosh Kaur
7. Amarjit Singh
as Guardian of his minor son
Sh. Sovir Singh
8. Sh. Baldev Singh
9. Sh. Sushil Kaur
10. Sh. Rajender Singh
11. Smt. Dipan Kaur
12. Sh. Jagvinder Singh all
R/o 7/14, Roop Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property No. XII/8428-32 (New) Mg. 379, 5 yds. situated at Roshanara Road, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal Hou
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16 10 1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/868.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 70, Gokhla Market Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) Sh. Gurbux Singh
through General Attorney
Shri Baldev Raj Raheja,
S/o Sh. Sant Ram,
C/o Shop No. 3617, Mori Gate,
Raheja Tailors,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Rani
W/o Sh. P. L. Batra,
R/o C-2/13, Ashok Vihar Phase II,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. Built Shop No. 70, Gokhla Market, Delhi. Area measuring 508 Sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16/10/1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Yash Pal Batra
S/o Sh. Kundan Lal Bara,
R/o N-20, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kailash Chander Chadha
S/o Sh. Malan Lal Chadha and
Smt. Santosh Chadha
W/o Sh. Kailash Chander Chadha,
T/o 331, Press Street,
Jadar Bazar,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/669.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. F-213, Mansrover Garden situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer of the Competent Authority at New Delhi in March, 1985

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 213, in Block F, mg. 369 Sq. yds. situated at Mansrover Garden, are of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16/10/1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/3-85/871.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 4633 Plot No. 19-A, Ansari Road situated at Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s S. Chand & Co. Ltd.,
Ram Nagar,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s Vinendra Pesticides,
Prop. M & Om Prakash Gupta & Sons (HUF)
through Katar Om Parkash Gupta
of X-54, Green Park New Delhi,
Mr. Narendra Kumar
Master Suman Kumar,
Master Surendra Kumar Gupta,
Master Vinendra Kumar,
Master Neeraj Kumar
all sons of Sh. Om Parkash Gupta Minors,
R/o A-54, Green Park,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor Portion of H. No. 4633, Plot No. 19-A, Ansari Road, Darya Janj, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16/10/1985
Seal :

FORM TINS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1 B-85/872.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Prop. No. 4633, Plot No. 19-A, Ansari Road situated at Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s S. Chand & Co. Ltd.,
Ram Nagar,
New Delhi
through Director Rajendra Kumar Gupta
S o Sh. Shyam Lal Gupta,
(Transferor)
- (2) M/s. Eurasia Chooie International Ltd.,
32, Netaji Subhash Marg,
New Delhi
through Director J. C. Pathak
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of prop. No. 4633, Plot No. 19-A, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16/10/1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/873.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6173/A, Jawahar Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Swaran Rani
2. Smt. Nirmal Sethi,
3. Smt. Krishna Rani and
4. Sh. Kartar Singh.

(Transferor)

- (2) Smt. Kamla Rani
W/o Sh. Bhim Sain,
2. Smt. Saroj Bansal
W/o Sh. Ram Kumar,
3. Smt. Madhu Bansal
W/o Sh. Sushil Bansal,
4. Smt. Aruna Bansal
W/o Sh. Vijay Bansal and
5. Sh. Balbir Bansal,
S/o Sh. Bhim Sain,
R/o 36-UA, Jawahar Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property No. 16, Mpl. No. 6174/A, Jawahar Nagar, measuring 170.7 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16/10/1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/874.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 188, Block-3, Rajouri Garden situated at Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Harbhajan Singh
Son of Sh. S. Ishar Singh,
R/o 1-188, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. S. Paramjit Singh
S/o Sh. S. Gurbax Singh,
R/o F-156, Naraina Vihar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 188, in Block J, mg. 228½ sq. yds.,
Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/875.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. F-53, Bali Nagar, New Delhi situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Sushma Bali
W/o Late Sh. S. C. Bali,
27B/11, New Rohtak Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kakar
S/o Sh. L. Manohar Lal Kakar,
F-54, Bali Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the official Gazette or a period of
30 days from the service of notice, on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-53, Bali Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bhagwanti Bai,
30/30A, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Anja Verma,
30/30A, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/876.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 30/30 A West Patel Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

30/30A, West Patel Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
91—356GI/85

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/877.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. C-108, Kirti Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Mela Ram Kochar,
S/o Late Sh. Sita Ram Kochar,
R/o C-15, Ashok Vihar Phase-I,
Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Bhagwanti Devi
W/o Sh. Ram Chand,
R/o 232 Phatak Karor,
Ajmeri Gate,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-108, measuring 300 Sq. Yds. situated at Kirti Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I, 3-85/878.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. J-58, Rajouri Garden, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Satish Kumar Gupta
S/o Sh. Jawahar Lal Gupta and
Smt. Meena Kumar Gupta
W/o Shri Vijay Kumar Gupta,
R/o N-16, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Tilak Raj Ghai
S/o Shri Chuni Lal Ghai,
R/o A-1/224, Janakpuri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. J-58, mg. 240 Sq. yds. at Rajouri Garden area of Village Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/879.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-5/5, Model Town, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sh. Mahabir Prasad Tantia and
2. Smt. Sarla Devi Tantia both
R/o 427 Lajpat Rai Market,
Ch. Chowk,
Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Raj Rani and
2. Smt. Venna Rani, both
R/o C-6/3, Model Town,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-5/5, Model Town, Delhi measuring 254.66 Sq. ds. in area.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I 3-85/880.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. G-27, Kirti Nagar Vill. Bassai situated at Darapur Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, in the Office at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jai Dev Kapoor,
Son of Shri Sobh Raj Kapoor,
R/o G-27, Kirti Nagar,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Bhim Sain Gogia
S/o Late Sh. Thakur Dass Gogia,
R/o 11/3593-A, Rehgarpara Karol Bagh,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-27, built up on land mg. 200 sq. yds. situated at Kirti Nagar, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM INS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/GR-1/9-85/881.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 948, Faras Khana, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---|--------------|
| (1) Shri Vinod Kumar Malhotra
S/o Ishwar Dutta &
Sanjoy Malik
S/o Shri Ram Lal Malhotra, | (Transferor) |
| (2) Smt. Safder Sultana
W/o Firoj Ahmed
948, Faras Khana,
Delhi. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storey Building, 948, Faras Khana Delhi, 180 Sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITN

(1) M/s. S. Chand & Co. Ltd.
Ramnagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajan Bansal
S/o Mr. P. D. Bansal,
R/o 5-F, Vishwa Apartment
3 Metcalf Road,
Civil Lines,
Delhi and Master Amit Bansal
S/o Mr. A. K. Bansal,
R/o D-33, Kamla Nagar,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/882.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rajendra Mansion, 19-A, Ansari Road, Daryaganj situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, in the Office of the Registering Officer at New Delhi, in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section, (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

692 Sq. ft. on second floor, Rajendra Mansion, 19-A, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 0/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/GR-I/3-85/883.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. property No. 26, Block Q, Rajouri Garden situated at Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, in the Office of the Registering Officer at New Delhi, in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dwarka Nath Sareen,
S/o Shri Amar Nath Sareen,
R/o Q-26, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kulvinder Kaur,
W/o S. Rajinder Singh,
R/o 4500, Shora Kothi,
Paharganj,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 26, in Block Q, mg. 200 sq. yds. situated at the Colony known as Rajouri Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi,

K. VASUDEVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/884.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 669B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/123, Kirti Nagar on Najafgarh Road Vill. Bassai situated at Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
92—356G1/85

(1) Shri S. Kalyan Singh,
S/o S. Kartar Singh,
R/o I-84, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Abnash Rani Anand
W/o Arjan Lal Anand
R/o E-69, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/123 at Kirti Nagar on Najafgarh Road area of Vill. Bassai Darapur, Delhi. (200 sq. yds.)

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985

Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/3-85/885.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 19, Block C, out of Khasra No. 86, 88, 89, 92-99-100, 101 to 107 situated at Colony Satyawati Nagar, Vill. Sadhorakalan, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi, March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagdish Chander
S/o Ram Dass Suri
3/27-A, Vijay Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushal Gupta
W/o Sh. Sri Ram Gupta
33-B, Satyawati Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 200 sq. yds. bearing plot No. 19, Block C, out of Khasra No. 86, 88, 89, 92-99, 100, 101 to 107 in colony Satyawati Nagar area of Vill. Sadhora Kalan, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/886.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 4, Shopping Centre No. 1, Block-F situated at Mansrover Garden, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi, March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dharam Pal Batra,
S/o Shri Kundan Lal Batra
R/o No. 20, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Swarn Pawah,
S/o Shri S. P. Pawah
R/o R-50, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Shopping Centre No. 1, Block F, mg. 166.7 yds. at Mansrover Garden, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/3-85/888.—Whereas, I K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 3, Block No. 10, Najafgarh situated at Industrial Area, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi, March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mehta Construction & Industrial Corporation Pvt. Ltd.
R-718, New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Pure Drinks (New Delhi) Ltd.
Saidar Mohan Singh Building,
Connaught Circus,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Block No. 10, Najafgarh, Industrial Area, New Delhi measuring 20444 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No IAC/Acq-II/SR-1/3 85/889.—Whereas, I K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No 107, First floor, Prop No E 38 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh
S/o Sardar Jodh Singh
R/o L 18, New Delhi South Extension,
Part-II, New Delhi as General Attorney
and on behalf of
1 Smt Bimal Kumari
W/o Shri Ganga Bishan
2 Smt Nirmala Devi
W/o Shri Sri Kishan
3 Sh Mahabir Prasad
S/o Shri Kali Ram
4 Sh Rattan Lal
S/o Shri Kali Ram
5 Sh Sushil Kumar
S/o Kali Ram
6 Sh Bajrang Lal
S/o Shri Kali Ram and
7 Sh Ganga Bishan
S/o Shri Kali Ram as partner of
M/s Ganga Bishan & Co
all R/o E-38, Rajouri Garden,
New Delhi and
M/s. Time Builders,
Rajouri Garden, New Delhi

(Transferor)

- (2) M/s Time Hotels Pvt Ltd,
A-3, Green Park,
New Delhi
through its Director Shri Hardip Singh

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No 107 on first floor of property No E-38 Rajouri Garden, New Delhi having a covered area of 1012 sq ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 16-10 1985
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/890.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 108, first floor, E-38, Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh
S/o Sardar Jodh Singh
R/o L-18, New Delhi South Extension Part-II,
New Delhi General Attorney and on behalf of
 1. Smt. Bimal Kumari
W/o Shri Ganga Bishan
 2. Smt. Nirmla Devi
W/o Shri Siri Kishan
 3. Shri Mahabir Prashad
S/o Shri Kali Ram
 4. Shri Rattan Lal
S/o Shri Kali Ram
 5. Shri Sushil Kumar
Shri Kali Ram
 6. Shri Bajrang Lal
Shri Kali Ram
 7. Shri Ganga Bishan
S/o Shri Kali Ram as partner of
M/s. Ganga Bishan & Co.
all R/o E-38, Rajouri Garden
New Delhi and
M/s. Time Builders,
Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferors)

- (2) M/s. Time Hotels Pvt. Ltd.
A-3, Green Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No. 108 on first floor of property No. E-38, Rajouri Garden, New Delhi having a covered area of 1065 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/891.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the "said Act") have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 104, First Floor, Prop No. E-38 situated at Rajouri
Garden, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi on March, 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957):Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh
S/o S. Jodh Singh
R/o L-18, New Delhi South Extension Part-II,
New Delhi as General Attorney and on behalf of
 1. Smt. Bimla Devi,
W/o Shri Ganga Bishan
 2. Smt. Nirmla Devi
W/o Shri Siri Kishan
 3. Shri Mahabir Prashad
S/o Shri Kali Ram
 4. Shri Rattan Lal
S/o Shri Kali Ram
 5. Shri Sushil Kumar S/o
Shri Kali Ram
 6. Shri Bajrang Lal S/o
Shri Kali Ram
 7. Shri Ganga Bishan S/o
Shri Kali Ram as partner of
M/s. Ganga Bishan & Co.
all R/o E-38, Rajouri Garden
New Delhi and
M/s. Time Builders,
Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Time Hotels Pvt. Ltd.,
A-3, Green Park,
New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, measuring 1040 sq. ft. in property bearing
Municipal No. E-38, built on land measuring 2400 sq. yds.
situated at Rajouri Garden, New Delhi in the area and re-
venue estate of Village Basai Darapur, Delhi.K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New DelhiDate : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/892.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 207, E-38, Rajouri Garden, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi on March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or:

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shri Raghubir Singh
S/o Sardar Jodh Singh
R/o L-18, New Delhi South Extension Part-II,
New Delhi General Attorney and on behalf of
 1. Smt. Bimal Kumari
W/o Shri Ganga Bisan
 2. Smt. Nirmla Devi
W/o Shri Siri Kishan
 3. Shri Mahabir Prashad
S/o Shri Kali Ram
 4. Shri Rattan Lal
S/o Shri Kali Ram
 5. Shri Sushil Kumar S/o
Shri Kali Ram
 6. Shri Bajran Lal, S/o
Shri Kali Ram
 7. Shri Ganga Bishan S/o
Shri Kali Ram as partner of
M/s. Ganga Bishan & Co,
all R/o E-38, Rajouri Garden
New Delhi and
M/s. Time Builders,
Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Time Hotels Pvt. Ltd.
A-3, Green Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, measuring 1012 sq. ft. in property bearing
Municipal No. E-38 built on land measuring 2400 sq. yds.
situated at Rajouri Garden, New Delhi in the area and re-
venue estate of Village Basai Darapur.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ANAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/893.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7 on Ground Floor, E-38, Rajouri Garden situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (77 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

93—356GI/85

- (1) Shri Raghbir Singh
S/o Sardar Jodh Singh
R/o L-18, New Delhi South Extension Part-II,
New Delhi as General Attorney and on behalf of
 1. Smt. Bimal Kumari
W/o Shri Banga Bisan
 2. Smt. Nirmala Devi
W/o Shri Siri Kishan
 3. Shri Mahabir Prasad
S/o Shri Kali Ram
 4. Shri Rattan Lal
S/o Shri Kali Ram
 5. Shri Sushil Kumar S/o
Shri Kali Ram
 6. Shri Bajran Lal S/o
Shri Kali Ram
 7. Shri Ganga Bishan S/o
Shri Kali Ram as partner of
M/s. Ganga Bishan & Co.
all R/o E-38, Rajouri Garden
New Delhi and
M/s. Time Builders,
Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Time Hotels Pvt. Ltd.
A-3, Green Park,
New Delhi.
through its Director
Shri Hardip Singh
S/o late Shri Karam Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 on ground floor of property No. E-38, Rajouri Garden, New Delhi having a covered area of 1012 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/894.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 204, Second Floor E-38 Rajouri Garden situated at
New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Raghubir Singh S/o Sardar Jodh Singh,
r/o L-18, New Delhi South Extn., Part II New
Delhi as General Attorney and on behalf of
(1) Smt. Bimla Kumari w/o Shri Ganga Bishan
(2) Smt. Nirmal Devi w/o Shri Siri Kishan
(3) Mahabir Prasad S/o Shri Kali Ram
(4) Shri Rattan Lal S/o Shri Kali Ram
(5) Shri Sushil Kumar s/o Kali Ram
(6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Ram and
(7) Sri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram
as partners of M/s. Ganga Bishan & Co.
all r/o E-38, Rajouri Garden, New Delhi and
M/s. Time Builders, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Time Hotel Pvt. Ltd., A-3 Green Park
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of the notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, measuring 1040 Sft. in Property bearing Mpl.
No. E-38, built on land measuring 2400 sq. yds., situated at
Rajouri Garden, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road.

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/895.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103, E-38, Rajouri Garden New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raghbir Singh S/o Sardar Jodh Singh, r/o L-18, New Delhi South Extn., Part II New Delhi as General Attorney and on behalf of
 (1) Smt. Bimla, W/o Shri Ganga Bihan,
 (2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Siri Kishan
 (3) Mahabir Prasad S/o Shri Kali Ram
 (4) Shri Rattan Lal S/o Shri Kali Ram
 (5) Shri Sushil Kumar s/o Kali Ram
 (6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Ram and
 (7) Sri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram as partners of M/s. Ganga Bishan & Co. all r/o E-38, Rajouri Garden, New Delhi and M/s. Time Builders, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)
 (2) M/s. Time Hotels Pvt. Ltd., A-3, Green Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103 measuring 1140 sq. ft. the property bearing Municipal No. E-38 built on land measuring 2400 sq. yds. situated at Rajouri Garden, New Delhi in the area and revenue estate of Village Basai Darapur, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date: 16-10-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/3-85/896.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 208 situated at E-38 Rajouri Garden New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh S/o Sardar Jodh Singh, 1/o L-18, New Delhi South Extn., Part II New Delhi as General Attorney and on behalf of
 - (1) Smt. Himla Kumari w/o Shri Ganga Bishan
 - (2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Siri Krishan
 - (3) Mahabir Prasad S/o Shri Kali Ram
 - (4) Shri Rattan Lal S/o Shri Kali Ram
 - (5) Shri Sushil Kumar s/o Kali Ram
 - (6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Ram and
 - (1) Shri Ganga Bishan S/o Shri Kali Ram as partner of M/s. Ganga Bishan & Co. all r/o E-38, Rajouri Garden, New Delhi and M/s. Time Builders, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Veena Bhasin w/o Shri S. P. Bhasin C/o 100-M, Middle Circus, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Residential Flat bearing No. 208 on the second floor E-38 Rajouri Garden New Delhi. Having covered area of 1065 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Agarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II-SR-I/3-85/897.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 102 on first floor of measuring 1155 sq. ft. situated at Property No. F-38 Rajouri Garden New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred for the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh S/o Sudar Jodh Singh
10/1-18, New Delhi South Extn., Part II New Delhi as General Attorney and on behalf of
(1) Smt. Bimla Kumari w/o Shri Ganga Bishan
(2) Smt. Nimai Devi w/o Shri Sri Kishan
(3) Mahabir Prasad S/o Shri Kali Ram
(4) Shri Ratan Lal S/o Shri Kali Ram
(5) Shri Sushil Kumar s/o Kali Ram
(6) Shri Rajendra Lal S/o Shri Kali Ram and
(7) Sri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram
as partner of M/s. Ganga Bishan as partners
all 1/o F-38, Rajouri Garden, New Delhi and
M/s. Time Bunders, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Shyam Lal Jain, S/o Sh. Mehtob Rai Jain,
and Shri Suresh Chand Jain S/o Shri Chhabil
Dass Jain R/o 7360-B Prem Nagar Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 on first floor measuring 1155 sq. ft. property No. F-38, Rajouri Garden New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Agarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/898.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat bearing No. 202 on second floor of property situated at No. E-38 Rajouri Garden New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghubir Singh S/o Sardar Singh
r/o L-18, New Delhi South Extn., Part II New Delhi as General Attorney and on behalf of
(1) Smt. Bimla Kumari w/o Shri Ganga Bishan
(2) Smt. Nirmal Devi w/o Shri Sini Kishan
(3) Mahabub Prasad S/o Shri Kali Ram
(4) Shri Rattan Lal S/o Shri Kali Ram
(5) Shri Sushil Kumar s/o Kali Ram
(6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Raf and
(7) Shri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram
as partner of M/s. Ganga Bishan & Co.
r/o E-38, Rajouri Garden, New Delhi and
M/s. Time Builders, Gajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Dalip Malik S/o Shri M. M. Malik
r/o flat No. B-54 Opp. Mount Fort School,
Ashok Vihar-I Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, on second floor Area 1155 sq. ft. property bearing Municipal No. E-38 Rajouri Garden, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Agarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
Acquisition Range-II
New Delhi.

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II-SR-I/3-85/899.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 301 on 3rd floor Property No. E-38 situated at
Rajouri Garden New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh S/o Sardar Singh
r/o L-18, New Delhi South Extn., Part II New
Delhi as General Attorney and on behalf of
(1) Smt. Bimla Kumari w/o Shri Ganga Bishan
(2) Smt. Nirmal Devi w/o Shri Siri Kishan
(3) Mahabir Prasad S/o Shri Kali Ram
(4) Shri Rattan Lal S/o Shri Kali Ram
(5) Shri Sushil Kumar s/o Kali Ram
(6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Ram and
(7) Sri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram
as partner of M/s. Ganga Bishan & Co.
all r/o E-38, Rajouri Garden, New Delhi and
M/s. Time Builders, Gajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Comfort Living Hotels (P) Ltd
Director S. Hardeep Singh Green Park
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, on third floor measuring 1207 sq. ft. Property
No. E-38 Rajouri Garden New Delhi.
Date : 16-10-1985

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Agarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-85/900.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 106, Plot No. E-38 Rajouri Garden New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghbin Singh s/o Sendar Jodh Singh, R/o L-18, New Delhi South Extn., Part-II, New Delhi as General attorney and on behalf of
 - (1) Smt. Bimla Kumari W/o Shri Ganga Bishan
 - (2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Kishan
 - (3) Shri Mahabir Prasad s/o Shri Kali Ram
 - (4) Shri Rattan Lal s/o Shri Kali Ram
 - (5) Shri Sushil Kumar s/o Shri Kali Ram
 - (6) Shri Bijrang Lal s/o Shri Kali Ram and
 - (7) Shri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram, as partners of M/s. Ganga Bishan & Co., all r/o E-38 Rajouri Garden New Delhi and M/s. Time Builders Rajouri Garden New Delhi.
- (2) Shri K. M. Panicker S/o Shri N. N. Petty, r/o 604, Gagan Deep, Rajendra Palace, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No. 106, on first floor of property No. E-38 Rajouri Garden New Delhi having a covered area of 1400 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date. 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-85/901.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Residential flat No. 6 on ground floor of property E-38 Rajouri Garden situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

94—356 GI/85

- (1) Shri Raghubir Singh S/o Sardar Jodh Singh, R/o L-18, New Delhi South Extn., Part-II, New Delhi as General Attorney and on behalf of
(1) Smt. Bimla Devi W/o Shri Ganga Bishan
(2) Smt. Nirmal Devi w/o Shri Kishan
(3) Shri Mahabir Prasad s/o Shri Kali Ram
(4) Shri Rattan Lal s/o Shri Kali Ram
(5) Shri Sushil Kumar s/o Shri Kali Ram
(6) Bajra Lal s/o Shri Kali Ram and
(7) Shri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram, as partners of M/s. Ganga Bishan & Co., all r/o E-38 Rajouri Garden New Delhi and M/s. Time Builders Rajouri Garden New Delhi.
(Transferor)
(2) Mrs. Sushila Maini w/o L. Sh. C. P. Maini and
(2) Sh. S. K. Maini S/o L. Sh. C. P. Maini, both r/o 25/2 West Patel Nagar New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat bearing No. 6 on ground floor of property No. E-38, Rajouri Garden New Delhi having a covered area of 1400 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II-SR-I/3-85/902.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Prop. No. E-38, Rajouri Garden New Delhi (1/4th Share
of Basement)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the force of this notice under sub-
section (1) of Section 26A of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh s/o Sardar Jodh Singh, R/o
L-18, New Delhi South Extn. Part II, New Delhi as
General Attorney and on behalf of—
(1) Smt. Bimla Kumari W/o Shri Ganga Bishan
(2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Kushan
(3) Shri Mahabir Prasad s/o Shri Kali Ram
(4) Shri Rattan Lal s/o Shri Kali Ram
(5) Shri Sushil Kumar s/o Shri Kali Ram
(6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Ram and
(7) Shri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram,
as partners of M/s. Ganga Bishan & Co.,
all r/o E-38 Rajouri Garden New Delhi
and M/s. Time Builders Rajouri Garden
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Trindarjit Kaur W/o Sh. Hardeep Singh
R/o 22 Hemkunt Colony New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in Basement of Prop. No. E-38 Rajouri Garden
New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date. 16-10-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-85/903.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-38, Rajouri Garden New Delhi (one fourth Share in Basement) situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh S/o Sardar Jodh Singh, General Attorney and on behalf of
 (1) Smt. Bimla Kumari W/o Shri Ganga Bishan
 (2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Siri Kishan
 (3) Shri Mahabir Prasad s/o Shri Kali Ram
 (4) Shri Rattan Lal s/o Shri Kali Ram
 (5) Shri Sushil Kumar s/o Shri Kali Ram
 (6) Shri Gajrang Lal s/o Shri Kali Ram and as partners of M/s. Ganga Bishan & Co., all r/o E-38 Rajouri Garden New Delhi and M/s. Time Builders Rajouri Garden New Delhi.
 (Transferor)
 (2) Miss Pammi d/o Shri Surinder Singh Bindra r/o E-4 Greater Kailash-I, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in Basement of property No. E-38, Rajouri Garden New Delhi.

K. VASUDEVAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
 New Delhi.

Date . 16-10-1985
 Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/904.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
E-38 Rajouri Garden New Delhi (1/4th share in Basement)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officer at
New Delhi in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh S/o Shri Jodh Singh,
R/o L-18, New Delhi South Extn., Part-II, New
Delhi as General attorney and on behalf of
(1) Smt. Bimla Kumari W/o Shri Ganga B' shan
(2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Kishan
(3) Shri Mahabir Prasad s/o Shri Kali Ram
(4) Shri Rattan Lal s/o Shri Kali Ram
(5) Shri Sushil Kumar s/o Shri Kali Ram
(6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Ram and
(7) Shri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram,
as partners of M/s. Ganga Bishan & Co., all r/o
E-38 Rajouri Garden New Delhi and M/s.
Time Builders, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Bhagwant Kaur w/o Shri Raghbir Singh
L-18, NDSE Part II, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in Basement of Prop. No. E-38
Rajouri Garden New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref No. IAC/Acq-II/SR-I/E-85/904.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-38 Rajouri Garden New Delhi (1/4th share in Basement) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh s/o Sardar Joan Singh R/o L-18, New Delhi South Extn., Part-II, New Delhi as General attorney and on behalf of
 - (1) Smt. Bimla Kumari W/o Shri Ganga Bishan
 - (2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Siri Kishan
 - (3) Shri Mahabir Prasad s/o Shri Kali Ram
 - (4) Shri Rattan Lal s/o Shri Kali Ram
 - (5) Shri Sushil Kumar s/o Shri Kali Ram
 - (6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Ram and
 - (7) Shri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram, as partners of M/s. Ganga Bishan & Co., all r/o E-38 Rajouri Garden New Delhi and M/s. Time Builders Rajouri Garden New Delhi.

(Transferor)
- (2) Shri Raghbir Singh, (HUF)
L-18, NDSE Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in Basement of Prof. No. E-38 Rajouri Garden New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/3-85/906.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3188 (New) and 290 (Old) in Gali Suiwali Mori Gate Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Inderjit S/o
Shri Ladda Lal
R/o 3188—Gali Suiwalan, Mori Gate Delhi.
- (2) Shri Jagdish Lal
S/o Shri Lek Raj
R/o 2838 Mori Gate, Delhi and
- (3) Shri Kharaiti Lal
S/o Shri Darai Lal
R/o 3188 Mori Gate,
Delhi.

(transferor)

- (2) Shri Sunil Kumar
Shri Desh Raj
R/o B-2/3, Ashok Vihar Phase-II,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd un-divided share of property bearing No. 3188 (new) and 290 (Old), situated in Gali Suiwali, Mori Gate, Delhi measuring about 170 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM FIVE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/907.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 3188 (New) and 290 (Old) in Gali Suiwali Mori Gate Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Inderjit S/o
Shri Laddha Lal
R/o 3188—Gali Suiwalan, Mori Gate Delhi.
(2) Shri Jagdish Lal
S/o Shri Lek Raj
R/o 2838 Mori Gate, Delhi and
(3) Shri Kharaiti Lal
S/o Shri Davai Lal
R/o 3188 Mori gate,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Sunil Kumar
Shri Desh Raj
R/o 3188 Mori Gate,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in Property No. 3188 (New) and 290 (Old) situated in Gali Suiwali, Mori Gate Delhi, measuring about 170 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/908.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No
3188 (New) and 290 (Old) in Gali Suiwali situated at Mori
Gate Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the Registration Act, 1908) (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Inderjit S/o
Shri Laddha Mal
R/o 3188—Gali Suiwalan, Mori Gate Delhi
(2) Shri Jagdish Lal
S/o Shri Lek Raj
R/o 2838 Mori Gate, Delhi and
(3) Shri Kharaiti Lal
S/o Shri Daria Lal
R/o 3188 Mori gate,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Sunil Kumar
Shri Desh Raj
R/o B-2/3, Ashok Vihar Phase-II,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days
from the date of publications of this notice in the
Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share undivided Property No. 3188 (New) & 290
(Old), Situated in Gali Suiwali, Mori Gate Delhi, measuring
about 170 sq. yds.

K. VASUDEVAN[†]
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/909.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property donated by Municipal No. 686, Zone 14, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

95—356 GT/85

- (1) M/s. Indo Foreign Commercial Agency (Produce) Pvt. Ltd., 22 Hanuman Road, New Delhi through its Managing Director, Sardar Iqbal Singh, S/o Sardar Arjun Singh, (Transferor)
- (2) M/s. Inder Mal Bishambar Sahai, Partners (1) Shri Bishambhar Sahai S/o Shri Inder Mal (2) Shri Ramesh Chand Gupta S/o Shri Inder Mal (3) Shri Dhuru Parshad S/o Shri Inder Mal (4) Shri Ram Lal Gupta S/o Shri Bishambar Sahai, 685, I. B. House, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First, second and third floor of the property denoted by Municipal No. 686, Zone 14, Chowk Bara Tooti Sadar Bazar, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/910.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property donated by Municipal No. 687, Zone 14, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Indo Foreign Commercial Agency (Produce) Pvt. Ltd., 22 Hanuman Road, New Delhi through its Managing Director, Sardar Iqbal Singh S/o Sardar Atjun Singh.

(Transferor)

(2) M/s. Inder Mal Bishambar Sahai, Partners (1) Shri Bishambhar Sahai S/o Shri Inder Mal (2) Shri Ramesh Chand Gupta S/o Shri Inder Mal (3) Shri Dhuru Parshad S/o Shri Inder Mal (4) Shri Ram Lal Gupta S/o Shri Bishambar Sahai, 685, I. B. House, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First, second and third floor of the property denoted by Municipal No. 687, Zone 14, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-85/911.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Municipal No. 688, Zone, 14, Chow Bara Tooti Sadar Bazar Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been registered under the Registration Act, 1961 (16 of 1961) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferor as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Indo Foreign Commercial (Produce) Pvt. Through its Managing Director,
Sardar Iqbal Singh
S/o Sardar Arjun Singh,
22-Hanuman Road,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Inder Mal Bishambar Sahai partnership firm
(1) Shri Bishambhar Sahai
S/o Inder Mal
(2) Shri Shri Ramesh Chand Gupta
S/o Inder Mal
(3) Shri Dhuru Parshad
S/o Inder Mal
(4) Shri Ram Lal Gupta
S/o Shri Bishambhar Sahai
685, 1. B. House, Chowk Bara Tooti,
Sadar Bazar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property denoted by Municipal No. 688, Zone, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/912.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property donated by Municipal No. 689 Zone 14, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Indo Foreign Commercial Agency (Produce) Pvt. Ltd., 32, Hanuman Road, New Delhi through its Managing Director, Sardar Iqbal Singh
Sardar Iqbal Singh
Sardar Arjun Singh.

(Transferor)

(2) M/s. Inder Mal Bishambar Sahai, Partners (1) Shri Bishambar Sahai
S/o Inder Mal
(2) Shri Ramesh Chand Gupta
S/o Shri Inder Mal
(3) Shri Dhuru Parshad
S/o Shri Inder Mal
(4) Shri Ram Lal Gupta
S/o Shri Bishambar Sahai,
685, I. B. House, Chowk Bara Tooti,
Sadar Bazar,
Delhi.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First, Second and Third Floors of the property denoted by Municipal No. 689, Zone 14, Chowk Bara Tooti Sadar Bazar Delhi.

K. VASUDEVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date : 16-10 1985
Sd/- :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/913.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the (Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property donated by Municipal No. 690 Zone 14, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Indo Foreign Commercial Agency (Produce) Pvt. Ltd, 32, Hanuman Road, New Delhi through its Managing Director, Sardar Iqbal Singh, Sardar Arjun Singh. (Transferor)
- (2) M/s. Inder Mal Bishambar Sahai Partners (1) Shri Bishambar Sahai S/o Inder Mal (2) Shri Ramesh Chand Gupta S/o Shri Inder Mal (3) Shri Dhuru Parshad S/o Shri Inder Mal (4) Shri Ram Lal Gupta S/o Shri Bishambar Sahai, 685, I. B. House, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First, Second and Third Floors of the property denoted by Municipal No. 690, Zone 14, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date : 16-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5839/85-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece or Parcel of Govt. Leasehold land Wadala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) J. K. Chemicals Ltd., (Transferor)
(2) Kalpak Development Corporation. (Transferee)
(4) Lien of vendor for unpaid price.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Piece or Parcel of Govt. Leasehold land Ravli Hill Agar, Salt Pan Division, Sheikh Misri Road, Wadala, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Sr. No. AR-I/37EE/6445/84-85 dt. 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM IINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6034/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 112, Somerset House B. D. Road, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 26A of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vayachandria U. Shah. (Transferor)
(2) 1. Shri Ashok Kumar Dugar
2. Smt. Bimla Dugar
3. Shri Vipinkumar Dugar
4. Shri Vinod Kumar Jain. (Transferee)
(3) Shri Ashok Kumar Jain & Others. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 112, 11th floor, Somerset House 61-C, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Sr No. AR-I/5721/84-85 dt. 20-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Lady Frainy Dhunibhoy Bomanji. (Transferor)

(2) Dr. Frainy E. Paha. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5997/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. E/2, Palacimo Bombay-26. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E/PLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E/2, Palacimo, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Sr. No. AR-I/37EE/6361/84-85 dt. 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Mary Banerjee.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushitra Chakrabarti.

(3) Transferee.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EF/5859-84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 53, Vaibhav Apts., Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 12/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 53, 5th floor, Vaibhav Apts., Opp. Agar Bazar Municipal Market Dadar, Bombay-28.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Sl. No. AR-I/37EF/5566/84-85 dt. 12-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
96—356 GI/85

Date : 7-17-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Kamal H Kothari

(Transferor)

(2) 1 Nirmala S Pherwani

2 Shanu S Pherwani

3 Suvida Investment Company Pvt Ltd

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Britannia Industries Limited

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.Ref No AR-1/37EF/6031/84 85 —Whereas, I
P N DUBFY,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs 100,000/- and bearing No
Flat No 24A, Meher Apts situated at Bombay-26
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredand the Agreement is registered under section 269 AB of the
Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority
at Bombay on 4-3-1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 24A, 2nd floor, Meher Building situated at Anotey
Road opp Altamount Road, Bombay-26The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Sl No AR-
1/37EF/6362/84 85 dt 4-3-1985P N DUBFY
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

Date : 7-11 1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Rel. No. AR-I/37EE/5807/84-85.—Whereas, I
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3, Rockdale situated at Malbar Hill
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the Agreement is registered under section 269 AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
at Bombay on 4-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely —

- (1) Sh. Minockheer Firozsha Leteen (Transferor)
(2) Hindustan Liver Ltd (Transferee)
(3) Transferees (Person in occupation of the property)
(4) Transferees (Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Roackdale, 16, LD Ruparel Marg, Malbar Hill
Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Sl. No. AR-
I/5601/84-85 dt 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6040/84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, Manhar Oak situated at Malhar Hill (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Kamal Kumar Kapur and
Mr. Narinder Kapur HUF (Transferor)
- (2) Mr. Vijay Kapur (Transferee)
- (3) The members of the Transferee family have been in occupation of the property.
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri Vijay Kapur (Ind.) is one third owner of the premises.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/31ds undivided interest in Flat No. 5, Manhar Oak, Little Gibbs Road, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Sr. No. AR-1/37EE/6040/84-85. dated 20-3-1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Seal
Date : 11-11-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5951/84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Bldg. No. 54-56A Tank Street situated at Bombay-8 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Competent Authority and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Latifa Bibi Alias Rabia Bibi D/o Gulam Hohiuddin W/o and Ebrahim Mohammed Kaskar (Transferor)
- (2) Shri Usman A. Shaikhmag (Transferee)
- (3) Tenants (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Usman A. Shaikhmag (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bldg. No. 54-56A, Tank Street, Bombay-8.
The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Sr. No. 5627/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-11-1985.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mrs. Ratnabai Gopal Karandikar (Transferor)
 (2) Sion Vijayananda Co-op Hsg. Society Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I 37E1/5212/84-85.--Whereas, I
 P. N. DUBEY,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the in-
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 267, Sion (E), Building standing & Garage
 situated at Sion

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering Officer at
 Bombay on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 267, Sion (E), schedule as mentioned in the Regis-
 tered Deed No. Bombay 681/77 and Registered with the Sub-
 Registered, Bombay 16-3-1985

P. N. DUBEY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 person namely :—

Date : 7-11-1985
 Seal :

FORM ITNS-----

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1985

- (1) 1. Saifuddin Alibhai Lokhandwala
2. Shabbir Alibhai Lokhandwala
3. Zaitunbai Alibhai Lokhandwala
4. Shirinbai A. Lokhandwala
5. Tarabai Alibhai Lokhandwala
6. Nafisbai Alibhai Lokhandwala

(Transferor)

- (2) Manish Exports Pvt. Ltd.

(Transferee)

- (3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-1/37TF/5213 84-85.--Whereas, I
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. All that piece or parcel of Foras I and, Old Survey No. 597 & New Survey No. 3443, situated at lying and being Delisle Road, C S No. 2028 of Byculla Division situated at Byculla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom 2264/82, and registered on 19-3-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th November 1985

Ref. No. 1/March/85.—Whereas, I
 MRS. M. SAMUEL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. 89, Venkatesa Perumal Koil St., situated at Palanipet,
 Arakonam Town
 (and more fully described in the scheduled annexed hereto)
 has been transferred
 under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
 of the Registering Officer at
 J.S.R. II, Arakonam (Doct. No. 459/85) in March, 1985
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have reason
 to believe that the fair market value of the property
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer
 as agreed to between the parties has not been truly stated in
 the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
 any moneys or other assets which have not
 been or which ought to be disclosed by the
 transferee for the purposes of the Indian Income-tax
 Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
 Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons; namely :—

- (1) Smt. R. Sundarammal & Others,
 Door No. 33, Venkatesa Perumal Koil Street,
 Palanipet, Arakonam
 (Transferor)
- (2) Sri D. Kannappa Chetty,
 S/o Luraiswamy Chetty,
 Door No. 13, Venu Naidu St.,
 Arakonam Town, Palanipet.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
 immovable property within 45 days from the date
 of the publication of this notice in the Official
 Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 89, Venkatesa Perumal Koil
 St., Palanipet, Arakonam Town.

S.R.O., Arakonam. Doct. No. 459/85.

MRS. M. SAMEUL
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range II, Madras-600 006

Date : 6.11.85
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th November 1985

- (1) Kivjee Devjee Patel,
6, Sakthi Saw Mills,
Gandhi Road, Arakonam. (Transferor)
- (2) 1. Rathanki D. Patel,
Kivjee D. Patel,
Sons of Devki Patel
No. 7, Jeeva St., West Mambalam,
Madras.
2. Mavjee D. Patel and Mohanlal M. Patel,
Sons of Metiji Patel,
No. 11, Kalathiyappar St., Choolai, Madras.
3. Rathanki V. Patel and Kivjee V. Patel,
Sons of Leerjee Patel,
13, Venugopala Pillai St., Chidambaram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—Ref. No. 2/March '85.—Whereas, I
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 19/1, Perumoochi Village situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. Arakonam (Doct. 257/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
97—356 GI/85

THE SCHEDULE

Vacant land at R.S. No. 19/1, Perumoochi Village.
J.S.R.J., Arakonam. Doct. No. 257/85.

MRS. M. SAMEUL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-11-85
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sulochanambal & Others,
Muchiri, Trichi Dist. (Transferor)
- (2) Smt. Dhanapagayammal and
Sri T. Arunachalam,
Vadugam Village,
Rasipuram Taluk,
Salem Distt. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 6th November 1985

Ref. No. 14/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 263/2, Namagiripettai Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Namagiripettai (Doct. No. 309/85 and 311/85) on March 85) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural lands in Survey No. 263/2, 271/1A, 272/3 at Namagiripettai, Salem Dist
S. R. O. Namagiripettai Doct. No. 309/85 and 311/85.

MRS. M. SAMUEL,*
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 6th November 1985

Ref. No. 15/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 212/1, Karkoodalpatty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Namagripettai (Doct. No. 316/85) on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M. P. Kasichetty & Other,
S/o Padmanabha Chettiar,
Atturu Taluk and Town,
Salem

(Transferor)

(2) P. Nalla Muthu and Other,
Son of Periyasamy Gounder,
Garkoodalpatty Village,
Rasipuram Taluk,
Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 212/1 at Karkoodalpatty Village, Rasipuram Taluk, Salem Dist.
S.A.O. Namagripettai Doct. No. 316/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 6th November 1985

Ref. No. 16/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R. S. No. 314/1, 314/3, 315/1, 315/2, 313/1, Omalur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Omalur (Doct. No. 324/85) on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid has not been truly stated in the said instrument of sale exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :—

(1) Shri P. Chinnappan & Others
S/o Pavadai Gounder,
Omalar Village,
Omalar Taluk and Town.

(Transferor)

(2) Smt. M. Palaniammal,
W/o V. R. Marappa Gounder,
Tiruchengode Taluk and Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural lands in Survey Nos. 314/1, 314/3, 315/1, 315/2 313/1 at Omalar Village.

S. R. O., Omalar Doct No. 324/85

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1985

Seal :

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 24/March/85.—Whereas, I, **MRS. M. SAMUEL**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 94/6B1, 95/1C/95/2C, situated at Annathanapatty, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tadagapatty (Doct. No. 736/85 and 975/85) on March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. Natarajan and Other,
S/o Manickam Pillai,
No. 21, Main Road, Annathanapatty,
Salem Town. (Transferor)
- (2) Smt. A. Swayam,
273, Chinna Kadai Street,
Salem-1. (Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Survey Nos. 94/6B1, 95/1C and 95/2C, Annathanapatty Village, Salem Taluk and Dist. S.R.O. Tadagapatty Doct. No. 736/85 and 975/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 31/March/85.—Whertas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. situated at Manivizhunthan Village,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Thalaivasan (Doct. No. 224/85) in March 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been for
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sri M. P. Sengodaiyan & Others,
S/o Periyasamy Gounder,
Modakurichi Village,
Erode Taluk,
Periyar Dist. (Transferor)
- (2) Sri V. K. Palanisamy & Other,
S/o Karuppanna Gounder,
Ramanujapuram, Mani Vizhunthan Village,
Attur Taluk, Salem Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Manivizhunthan Village, Attur Taluk,
Salem Dist.

S.R.O. Thalaivasal Doct. No. 224/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-11-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 40/March/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. S. No. 267/1, 269/2 and 454/3 situated at Vazhavandhi-
kombai Village,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
Sendamangalam (Doct. No. 315/85) in March 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income (or
moneys or other assets which have not been disclosed
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sri Balasubramani Udaiyar,
S/o Subbaraya Udaiyar,
Jungalapuram West Street,
Sendamangalam Post,
Salem Dist. Pincode : 637409. (Transferor)
- (2) Sri S. Iyyamperumal,
S/o Sellamuthu Udaiyar,
Jungalapuram,
Sendamangalam Post,
Salem Dist Pincode : 637409. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No 267/1, 269/2 and 454/3
at Vazhavandhikombai Village, Salem Dist.

S.R.O. Sendamangalam Doct. No. 315/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-11-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 43/March/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Survey No. 60/1, 61/3, situated at Amani Thottiapatti Village,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Rasipuram (Doct. No. 392/85) in March 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Sri . Athiyappa Gounder & Others,
S/o alanivel Gounder,
Singalandapuram Village,
Rasipuram Taluk, Salem Dist.*

(Transferor)

(2) Sri K. Rajagopala and Other,
S/o Karuppa Vannan,
Vaiguntham Village,
Kalleri, Sankagiri Taluk,
Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey Nos. 60/1, 61/3 at Molapala-
yam Village, Salem Dist.

S.R.O. Rasipuram Doct. No. 392/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 45/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 38/2B situated at Anaikattipalayam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rasipuram (Doct. 397/85) in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely :—
98—356 GI/85

- (1) Sri K. Athiyappa Gounder & Other,
S/o Komaravel Gounder,
Gurukkapuram Village,
Kalarangadu, Rasipuram Taluk,
Salem Dist.
(Transferor)
- (2) 1. Sri M. Subramaniam, S/o Marimuthu Gounder,
Marapara, Vayuppalamalai Pudur,
Tiruchengode Taluk, Salem Dist.
2. Sri K. Subramaniam, S/o Kandasamy Gounder,
Nadupalayam, Nagalalayam,
Tiruchengode Taluk, Salem Dist.
3. Sri R. Balasubramaniam, S/o Late Ramasamy
Gounder, Pallangadu, Vayuppalamalai,
Tiruchengode Taluk, Salem Dist.
4. Sri A. K. Raman, S/o A. P. Kulandaivel Gounder,
Avanasipatti, Tiruchengode Taluk, Salem Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey No. 38/2B at Anaikattipalayam Village, Salem.
S.R.O., Rasipuram Doct. No. 397/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 47/March/85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 4/2 situated at Amani Thottiapatti Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc. No. 404/85) in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri R. Chinnu Gounder and Others,
S/o Ramasamy Gounder,
Amani Thottiapatti Village,
Rasipuram Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri K. Kandasamy,
S/o Karuppanna Gounder,
Orayekadu, Thottiapatti,
Rasipuram Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands with Farm House in Survey No. 4/2 at Amani Thottiapatti Village, Salem.

S.R.O., Rasipuram Doc. No. 404/85.

*(Strike off where not applicable).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-11-1985

Seal :

FORM LT.N.S.-----

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 00

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 57/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 205/2, 205/1 and 139/2 situated at Thammampatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thammampatti (Doct. No. 169/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. M. Kokila and Others,
Thammampatti Post,
Attur Taluk, Salem District. (Transferor)
- (2) Minors T. M. Anandan and T. M. Manohar,
S/o A. Muthu,
By guardian : A. Muthu,
S/o Alagappan, Thammampatti,
Attur Taluk, Salem District. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey No. 205/2, 205/1 and 139/2 at Thammampatti Village, Attur Taluk, Salem Dist.

S.R.O., Thammampatti, Doct. No. 169/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 00

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 59/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 293/2A situated at Mohanur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohanur (Doct. No. 149/85) in March, 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Abdul Kader Sahib,
S/o Razul Sahib,
Mohanur, Salem District. (Transferor)
- (2) Sri Babu (alias) Dowlath Basha,
113, Subramaniapuram,
Mohanur Post,
Namakkal Taluk,
Salem District. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in Survey No. 293/2A at Mohanur Village, Namakkal Taluk, Salem District.

S.R.O., Mohanur, Doct. No. 149/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-11-1985

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 63/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey Nos. 207/1K, 207/1B, 207/Q, 207/Y/, 206/1, 207/1M, 207/1N situated at Gajakombai Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erumaipatti (Doct. No. 248/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri Muthu Gounder,
S/o Athiyappa Gounder,
Gajakombai Village,
Pottireddipatti Post,
Namakkal Taluk, Salem District. (Transferor)
- (2) Sri P. Komaresan,
S/o Periana Gounder,
Gajakombai Village,
Pottireddipatti Post,
Namakkal Taluk, Salem District. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land with Farm House in Survey No. 207/1K, 207/1B, 207/1Q, 207/Y, 206/10, 206/6, 207/1M, 207/N at Erumaipatti Village, Namakkal Taluk, Salem District. S.R.O., Erumaipatti, Doct. No. 248/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 71/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 153/2A situated at Yercaud Village, Yercaud Taluk Salem (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doct. No. 65/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. S. O. Chockkalingam & Other,
S/o. M. S. Udaiyappa Chettiar,
No. 14, Sahadevapuram, Salem-7. (Transferor)
- (2) Sri P. R. C. Govindarajan & Other,
S/o P. Ranganatham Chettiar,
No. 41A, Surnambigai Street,
Salem Town. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in R.S. No. 153/2A at Yercaud Village, Yercaud Taluk, Salem District.
S.R.O. Yercaud, Doct. No. 65/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 75/March/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
S. No. 40/1, 40/2, 41/1, 53/4, 53/2 situated at
Periyaseeragapadi Village, Salem
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Veerapandi (Doct. No. 350/85) in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Sri S. Subramani and Others,
S/o Sengoda Gounder,
Periyaseeragapadi Village,
Salem Taluk and District.

(Transferor)

(2) Smt. D. Perumayee,
W/o Duraisamy,
Periyaseeragapadi Village,
Salem Taluk and District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 40/1, 40/2, 41/1, 53/4, 53/5,
53/2 at Periyaseeragapadi Village, Salem Taluk and District.
S.R.O., Veerapandi, Doct. No. 350/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 172/Merch/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 127/2B3, 127/2B4, 127/2B2 situated at Aavalnaickenpatti Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sendamangalam (Doct. No. 421/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Karuppa Gounder and Other,
S/o Karuppa Gounder,
Komaragoundampatti,
Aavalnaickenpatti Village,
Sendamangalam, Salem District. (Transferor)
- (2) Smt. P. Subbulakshmi,
W/o late Palanandi Gounder,
Komaragoundampatti,
Aavalnaickenpatti Village,
Sendamangalam, Salem District. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in S. No. 127/2B3, 127/2B4 and 127/2B2 at Aavalnaickenpatti Village, Salem.

S.R.O. Sendamangalam, Doct. No. 421/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 173/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 29/3 situated at Chidamparampatti Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sendamangalam (Doct. No. 354/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Seal :

(1) Sri A. Jagannathan
S/o Sh. Arumugan Chettiar,
Managing Partner in Rajamurugan Finance,
23, Tiruchengode Main Road,
Namakkal Town,

(Transferor)

(2) Smt. D. Saraswathy,
W/o Sh. Dharmalingam Chettiar,
18D2, Karungattu Palanichany St.,
Adhiseshaiahnagar Pettai,
Namakkal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building in Survey No. 29/3 at Chidamparampatti Village, Salem.

S.R.O., Sendamangalam Doct. No. 354/85.
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15250/84-85 on 1-2-1985.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

99—356 GI/85

Date : 6/11/1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 177/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T. S. No. 1/14, Ward C, Block 1 situated at Alagapuram, Salem Taluk and Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam (Doct No. 618/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri S. Sundararajan,
S/o Sh. S. S. hanmugam,
Ramakrishna Road,
Salem-7.

(Transferor)

(2) Sri Mohan Rajes,
S/o S. h. M. S. P. Rajes,
Moganad Peak Estate,
Mangala Village,
Yercaud,
Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in T.S. No. 1/14, Block 1, Ward C at Alagapuram Village, Salem Taluk and Dist.
S.R.O., Suramangalam Doct. No. 618/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 6/11/1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 175/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 1/21C, 1/25, 1/27, Block 2, Ward C situated at Alagampuram Pudur Village, Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam (Doct. No. 610 and 611/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri M. Thangavel & Others,
S/o Marimuthu Mudaliar,
Manickavasagar Street,
Salem Town.

(Transferor)

(2) Smt. K. Deivanai Achi & Other
W/o Sh. A. M. A. MR. PL. Kulandaivelu Chetiar,
Lakshmi Estate, Puthur Village,
Keeraikadu Post, Yercaud Taluk,
Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in T. S. No. 1/21C, 1/25, 1/27, Block 2, Ward "C" at Alagapuram Pudur Village, Salem Town.

S.R.O., Suramangalam Doct. Nos. 610 and 611/85.

MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 6/11/1985
Seal :

FORM 1111

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 34/March/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Old Ward No. 12, New Ward No. 15, Plot No. 2 No. 56, 57
situated at Rajaannamalai Chettiar Road, Sanganoor Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Gandhipuram/Doc. No. 1425/85 in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Sri K. Vaidyanathan
S/o Sh. O. S. Krishansamy Iyer,
15/0, C/15-Side No. 1,
Raja Annamalai chettiar Road,
Saibaba Mission,
Coimabtores-11.

(Transferor)

(2) Smt. R. M. Adaikammal
W/o Sh. G. Ramasamy,
57, Meenakshipuram Road,
Arimalam,
Pudukkottai District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : No. 56, 57, Rajaannamalaichettiar
Road, Sanganoor village.

Gandhipuram/Doc. 1425/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 4th November 1985

Ref. No. 43/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 1014 Door No. 11/409 situated at Mettupalayam, Coimbatore Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 933/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri. P. Subbiah,
S/o Sh. Palaniappa Chr.,
27/409, Mettupalayam Road,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri SP. N. Nagappa chettiar,
S/o Sh. Subbiah chettiar,
2. Smt. SP. N. Saraswathi Achi,
W/o Sh. Nagappa chettiar,
3. Sh. Sundaram,
4. N. Ramanathan,
both sons of No. 1, 60, East Logamanya St.,
R. S. Puram,
Coimbatore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : Mettupalayam Road, T. S. No. 1014 Door No. 11/409, Coimbatore.

Coimbatore/Doc. No. 933/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM FIVE**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS**

Mardas-600-006, the 29th October 1985

Ref. No. 47/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Anupparpalayam Village : T.S. No. 1/919/1 part situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 1079/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Vinayak Constructions Pvt. Ltd.,
Kanhayal Savaldas Director,
250, Subbiah Mudaliar St.,
Coimbatore. (Transferor)
- (2) M/s. Suguna Automobiles Partners,
S. Pennuswamy
1. R. Sivakumar,
2. 77 Nehru Stadium VOC Park,
Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : T. S. No. 1/919/1 part, Anupparpalayam Village, Coimbatore Town.
Coimbatore/Doc. No. 1079/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 29/10/1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 61/March 85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 39 to 54, Block No. 30, R. S. Nos. 344 and 358 situated at Melur III Village, Coonoor taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at COONNOOR/Doc. No. 346/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri P. C. Joshua, Rep. by Power Agent, Mr. T. J. Cherian, Toppil House, Muppainad, Wynad district, Kerala state. (Transferor)
- (2) M/s. Shriram Coffee and Tea Plantations, (P) Ltd., Rep. by its Promotor-Director, Mr. A. V. S. Raja, No. 123, Angappa Naichen St., Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with Buildings:—

Door Nos. 39 to 54, Block No. 30, R. S. Nos. 344 and 358, Melur III village, Coonoor taluk, Coonoor village/Doc. No. 346/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

- (1) Sri J. Kishorilal Parakh,
son of late Jograj Parekh,
'Gyan Villa', Mount Pleasant Road,
Coonoor-2. (Transferor)
- (2) Dr. George Mathees and another,
'Woodcote Cottage', Mount Pleasant Road,
Coonoor-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
--- be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 62/March 85.—Whereas I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
R. S. No. 2271/1A 2C 3A and R. S. No. 2270/4
(and more fully described in the scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
COONOOR/Doc. No. 415/85
in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land :
R. S. No. 2271/1A 2C 3A and R. S. No. 2270/4;
Coonoor/Doc. No./415/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :

Date : 29-10-1985

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 63/March 85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. "Town View", Nilgiris (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor/Doc. No. 480/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

100—356GI/85

- (1) Lucy Kochuvareed,
W/o. Late T. V. Kochu Vareed,
Erincheri Bazaar, Trichur,
Trichur Dt.
Kerala.

(Transferor)

- (2) E. J. VARICHAN alias VARGHESE,
S/o. E. M. Joseph,
"Town view", Coonoor, the Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'TOWN VIEW'

Land and Building : The Nilgiris : Coonoor,
Coonoor./Doc. No. 480/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th October 1985

Ref. No. 67/March 85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property as specified in schedule to Doc. No. 503 and 505/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Darapuram/Doc. No. 503 and 505/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Ramdoss and others,
S/o. Sri Venkatarama Reddiar, Dalavaipattinam,
Gaspas—Dharapuram Taluk.
(Transferor)
- (2) 1. Sri R. Kumpusamygonuder,
S/o. Ramasamygounder,
2. Sri Arumugam, Minor, by guardian and
mother, Smt. Velathal,
Undarapatti, Kongur,
Kongur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 503, 505/85.
Darapuram/Doc. No. 503, 505/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 4-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 70/March 85.—Whereas I,

MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ward No. 5, T. S. No. 36/2, Gaspa Pollachi Thiruppur, situated at Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi [Doc. No. 620/652/85] in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. M. Rasheeda Begum,
W/o. Dr. A. Sheik Dawood,
81, Vallalar St., Venkatesa Colony,
Pollachi. (Transferor)
- (2) Sri A. Krishnaraj,
S/o. Arumugakkounder,
6, Sarojini St., Mahalingapuram,
Pollachi.
Smt Valarmathi,
W/o. A. Krishnaraj,
6, Sarojini St.,
Mahalingapuram, Pollachi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building:—
Ward No. 5, T. S. No. 36/3, Gaspa Pollachi. Pollachi, Thiruppur.
Pollachi.
Doc. No. 620, 652/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 29-10-1985
Seal

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 72/March 85.—Whereas I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property as specified in schedule to Doc. No. 854/85
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Dharapuram/Doc.No. 854/85
in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Sri A. S. Badulhak,
S/o. Sarulhameed,
Alangayam.

(Transferor)

(2) Sri S. Sarulhameed,
S/o. Abdul Salam,
R. S. Thangammapuripattanam,
Mettur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

Land : Property as specified in schedule to Doc. No.
854/85.
Dharapuram/Doc. No. 854/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No 79/March 85.—Whereas I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
R. S. No 479/17, Ootacamund village
situated at Uthagamandalam/Doc. No. 218/85
and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ootacamund/Doc. No. 218/85
on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
foresaid property by the issue of the notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. Lifu Thomas Trust,
Wood stock Palace,
Ootacamund.
(Transferor)
(2) M/s. Hotel Orunate (Nilgiris) P. Ltd.,
310, Veer Savarkar Marg,
Bombay-28.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : R. S. No 479/17, Ootacamund Rural
Village.
Ootacamund/Doc. No. 218/85

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 81/March 85/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Agri. dry lands, Kondayampalayam village situated at Perianaickenpalayam, Coimbatore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam, Coimbatore, Doc. No. 509 & 510/85 SF. No. 123/3, in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Thiru A. Venkataswamy Naidu,
Vaiyampalayam, Kondayampalayam.
2. Thirumathi V. Sasikala,
No. 1, G. D. Naidu St., Race Course,
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) M/s. Maharashtra Hybrid Seeds Co. Ltd.,
19, Rajmahal, 84, Veer Nariman Road,
Bombay-400 020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands : SF No. 123/3, Kondayampalayam, Perianaickenpalayam, Coimbatore.
Perianaickenpalayam, Doc. No. 509 and 510/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 82/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 'Clifton House', Udthagamandalam, situated at Nilgiris (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ooty, Doc. No. 264/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. N. B. Nanjappa,
Smt. T. Jayammal,
W/o Dr. N. B. Nanjappa,
"Sakthi Clinic", Chennarayapattana,
Hassan District, Karnataka State. (Transferor)
- (2) P. Karunakaran, Smt. C. V. Kamalakshi,
P. K. Balakrishnan and K. Malathi,
All at 'Narayani Nivas',
Upper Kandal Road, Ooty,
The Nilgiris. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : R. S. No. 4188/2, 0.41 acre—with building 'Clifton House' with building at Dos. 51 and 51B, Ward No. II, Ooty, Nilgiris.

Ooty, Doc. No. 264/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madrass-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 83/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R. S. No. 6/3/8/3, 9/1, 227/1, 273/1, 465 Jakanarai Village, Kotagiri (Konavakorai, Nilgiris) situated at 273/1, 465 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ooty, Doc. No. 267, 268, 269 and 296/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri J. Raman s/o Sri T. K. Joghee Gowder, 'Elkhill House', Springfield, Coonoor.
2. The Vice Province of the Congregation of the Carmelites of Mary Immaculate and Indegenous Religious Body now known as The Malabar Province of the Congregations of Carmelites of Mary Immaculate St. Thomas Province, Provincial House, Amalapur, Calicut. (Transferor)
- (2) Sri J. Ravi,
Sri J. Suresh,
Ss/o T. K. Joghee Gowder,
Jakanarai Road, Aravenu,
Kotagiri, Nilgiris. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : R.S. No. 6/3, 8/3, 6/3, 9/1, 273/1 and 465 Agr. land, Jakanarai village, Kotagiri, Konavakorai village, Nilgiris.
Ooty, Doc. No. 267, 268, 269 and 296/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 84/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 273/3, Konnavakorai village situated at Nilgiris (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ooty, Doc. No. 297/85 and 298/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

101—356G1/85

- (1) The Vice Province of the Congregation of the Carmelites of Mary Immaculate and Indegenous Religious, Boly now known as the Malabar Province of the congregations of Carmelites of Mary Immaculate, St. Thomas Province, Provincial House, Amalapuram, Calicut, Kerala.

(Transferor)

- (2) Mrs. J. Kannammal w/o M. Dharuman, Korbetta, Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : R.S. No. 273/3, 16.14 acres, Konnavakorai village, Nilgiris.

Ooty, Doc. No. 297/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 87/March 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
G.S. No. 686/3, Kallappatti Village situated at Gandhipuram,
Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer
at Gandhipuram, Doc. No. 943/85 in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sri R. Seivaraj s/o Ramasamy Nadar,
7/42, Rangasamy Goundenpudur,
Kalappati, Coimbatore. (Transferor)
- (2) Sri Chinnasamy,
s/o Govindasamy Naicken,
7/66, Rangasamy Goundenpudur,
Kalappati, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : G. S. No. 686/3, Kallappati Village, Gandhipuram,
Coimbatore.

Gandhipuram, Doc. No. 943/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM LT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 29th October 1985

Ref No 130/March 85—Whereas, I, MRS. M SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Venkatapuram village (Little mount) situated at comprised in T S No 2 part of Block No 4, Venkatapuram village situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Adayar, Doc No 660 and 661/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Mrs Theresa Woodman,
No 5, Velacheri Road Saidapet, Madras.
2 Sri Louisa Mary Royan and Shanti
(Transferee)
- (2) M/s V.shwashanthi Builders,
rep by its Managing partner A S. Owaragan,
12, 18th Avenue, Ashok nagar, Madras-83
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land Venkatapuram village, (Little mount) T S No 2,
Block No 4, Venkatapuram village
Adayar Doc No 660/661/85

MRS M SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date 29 10-1985
Seal .

FORM ITNS

(1) Sri C. Sivasankaran,
37/2, Vijayaraghavachari Road,
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri V. Sengottian,
Lakkapuram Village, Perai District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref No. 19/Mai. 85.—Whereas, I,
MRS M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 908, P. H. Road and 9A situated at Alagappa Chettiar
Road, Puraswalkam, Madras.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Office
at Puraswalkam Doc. No. 508/85 in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette..

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 908 P. H. Road and 9A Dr. Alagappa
Chettiar Road, Puraswalkam, Madras

Puraswalkam, Doc. No 508/85.

MRS M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 225/March 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Ward No. 6, No. 114, Vilot Vattam Kumbakonam situated at
Srinagar Colony Extension, T.E. No. 2284, 2279/1 and 2283
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer
at Tanjore, Doc. No. 479/85 in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sri V. R. Swaminathan,
s/o. V. Ramasamy Pillai,
85, Gandhi Adigal Salai, Kumbakonam.
(Transferor)
- (2) Sri M. Kannan,
s/o. R. Murugesan Pillai,
Mathura Refinery, Mathura, U.P.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building : T.S. No. 2284, 2279/1 and 2283,
Municipal Ward No. 6, No. 114, Vilot, Vattam, Srinagar
Colony Kumbakonam, Thanjavur.

Thanjavur, Doc. No. 479/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 103/Mar. 85/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing New No. 6 old No. 15 Pycrafts Garden situated at Road Nungambakkam, Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Thousandlights, Doc. No. 85/1985 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shabir Ahmed Hashim,
9, Jawahar Hussain Khan Street,
5th lane Royapettah,
Madras-14.

(Transferor)

(2) Mrs. S. M. A. Rabila and Another,
14, Commander-in-Chief Road,
Egmore, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : Old No. 15, New No. 6, Pycrafts Garden Road, Nungambakkam, Madras.
(Thousandlights, Doc. No. 85/1985.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 126/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T. S. No. 108, Patta No. 65, 121 situated at Ekkattuthangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Madras South, Doc. No. 636/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri E. Sundaresan and Others,
No. 1, Chetty Street,
Saidapet, Madras-15. (Transferor)
- (2) Sri S. Sanjivi and Others,
No. 2, Sanjivi Ravan Koil Street,
Cuddalore, S. A. District. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 121, Ekkattuthangal R.S. No. 951, T.S. No. 108,
Patta No. 65.
Madras South, Doc. No. 636/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 127/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 338, Anna Salai, Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Madras South/Doc No. 655/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri A. M. Dastagir Baig,
No. 1, Peter's Road Madras-14.
(Transferor)
- (2) Sri P. Sathyanaayanan and
P. Mani Kantan, minors,
rep. by B. P. Jmanabhan,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : T.S. No. 88, Block No. 10, Door No. 338, Anna Salai, Madras

Madras South, Doc. No. 655/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Gajalakshmi and Gopikambal,
8 Rakiappa Mudali St., Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Tamil Nadu Central Excise and Customs
Employees Coop. House Bldg. Society,
Madras-34.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 131/March/85.—Whereas I,
MRS. M. SAMUEL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value of Rs. 1,00,000/-
and bearing

Land situated at Adyar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Office
at Adyar, Doc. No. 712/85 in March, 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—Objection, if any, to the acquisition of the said property may
be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land at Adayar (1.37 acres).
Adyar, Doc. No. 712/85.MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

102--356GI/85

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 137/Mar. 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 4, Crescent Park Street situated at T. Nagar, Madras-17
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Office
at T. Nagar, Doc. No. 364/85 in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sri P. K. Nandagopal and Others,
2, Besant Road, Chokkikulam,
Madurai-1. (Transferor)
(2) Sri Shanthilal M. Mehta and another,
3, Rajamannar Street,
T. Nagar, Madras-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 4, Crescent Park Street, T. Nagar,
MADRAS-17.
(T. Nagar, Doc. No. 364/85.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Vinaykumar C. Parekh,
12, Jagadambal Street,
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 138/Mar. 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. 7, (Old No. 14) Arulammal Street, situated at T. Nagar,
Madras-17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at T. Nagar, Doc. No. 370/85 in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration thereof by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) Mr. Chandrakant M. Tolia and another,
28, Vijayaraghava Road, T. Nagar,
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein in
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building No. 7, (Old No. 14) Arulammal Street,
T. Nagar, Madras-17.

(T. Nagar, Doc. No. 370/85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-11-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madrass-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 139/Mar. 85.—Whereas, I, and bearing No. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 6120/2 situated at 57, Venkatanarayana Road, MRS. M. SAMUEL, (an dmore fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Doc. No. 375/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. V. Ramani Bai and 4 others,
57, Venkatanarayana Road, T. Nagar,
Madrass-17. (Transferor)

(2) Smt. N. Savithri,
4, Sriram Nagar North Street,
Madrass-18. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 6120/2, 57, Venkatanarayana Road, T. Nagar, Madras-17.

(T. Nagar, Doc. No. 375/85.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 140/Mar. 85/R. II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
T. S. No. 6120/2 situated at 57, Venkatanarayana Road, T.
Nagar Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at T. Nagar Doc. No. 376/85 on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. V. Ramani Bai & 40 thers,
57, Venkatanarayana Road,
T. Nagar Madras-17.
(Transferor)
(2) Sri R. Narayanaswamy,
No. 4, Sriram Nagar North Street,
Madras-18.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at T. Nagar Madras No. 57, Venkata-
narayana Road, Madras.
(T. Nagar Doc. No. 376/85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 141/Mar. 85/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, Venkataswamy Street, situated at T. Nagar Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 384/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri S. Natarajan and five others
Ramaswamy Road, Madras-4. (Transferor)
- (2) Sri A. V. R. Jambulingam,
127, Ceral Merchant Street,
Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 6, Venkatesan Street, T. Nagar Madras-17.
(T. Nagar Doc. No. 384/85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 144/Mar. 85/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 13 (Old No. 46) Rasool Omra Bahadur situated at Sixth Street, Madras-14 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane Doc. No. 229/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Sri V. V. John,
25, Thandavarayan Street,
Royapettah, Madras-14.

(Transferor)

(2) Mrs. Lilly Thomas,
13, R. O. B. 6th Street,
Rayapettah Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 13 Rasool Omra Bahadur Sixth Street, Rayapettah Madras-14.

(Triplicane Doc. 229/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal ;

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 162/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11, 8th St. Dr. Radhakrishnan Road, situated at Mylapore Madras-4. R. S. No. 1092/10 and 11. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 259/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri R. K. Lingam Paul Raj and Smt. K. Muthammal, No. 11, 8th St., Dr. Radhakrishnan Road, Madras-4. (Transferor)
- (2) Sri J. V. Govinda Rao, and Smt. Jeeri Bai, 46, Iyah Mudali St., Chintadripet, Madras-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 11, 8th st., Dr. Radhakrishnan Road, Mylapore, Madras. 4. (R. S. No. 1092/10 and 11. Mylapore/Doc. 259/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri N. Venkata Subramaniam,
194, St. Mary's Road, Alwarpet,
Madras-18.

(Transferor)

(2) Sri K. Subramaniam,
34, Second Main Road,
Raja Annamalaiapuram, Madras-28.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 164/March 85 —Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 193, St. Mary's Road, Alwarpet situated at Madras-13 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 267/85 on Mar. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Land and building D. No. 193, St. Mary's Road, Alwarpet, Madras-18.

(Mylapore Doc. No. 267/85)

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

103—356GI/85

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 165/Mar 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
17, Jeth Nagar III Street, situated at R. A. Puram, Madras-28,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Mylapore Doc. No. 274/85 on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

(1) Sri K. Mani,
21, Lazarus Church Road,
Madras-28.

(Transferor)

(2) Sri M. Mani and Others,
6, Muthu Gramani Street,
Sinthome Madras-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein at
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 17 (Old No. 10) Jeth Nagar, III
Street, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

Mylapore Doc. No. 274/85.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras 600 006

Date: 5-11-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 178/Mu. 85—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.
Flat No. C-2 Sumanth Apartments situated at 2, Bheemanna
Mudali street, Madras-18
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Mylapore Doc. No. 276/85 in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
persons namely

- (1) Mrs. A. Meenakshi sundari,
173, Big Street, Triplicane
Madras-5.

(Transferor)

- (2) Shri B. R. Sivaraj,
72, First Main Road
Raja Annamalaiapuram, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Flat at Madras-18 No. C-2, Sumanth Apartments, No. 2,
Bheemanna Mudali street, Madras.

(Mylapore Doc. No. 276/85.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5.11.1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 179/Mar. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 21, Lazerus Church Road, situated at Mandavellipakkam Madras-28 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 277/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri K. Lawrence,
21, Lazerus Church Road,
Mandavellipakkam Madras-28.

(Transferor)

- (2) Sri V. R. Gurusathan,
53, II Main Road,
Gandhi Nagar, Madras-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building 21, Lazerus Church Road, Mandavellipakkam Madras-28.

(Mylapore Doc. No. 277/85.)

MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM TINS- ———

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 184/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 81, Luz Church Road, Mylapore, situated at Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 298/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri S. Ganapathy Subramaniam,
F. 3, Jawahar Flats, Karanceswaran Koil St.,
Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri Steven Chen,
A-12, Palaniappa ownership flats,
No. 81, Luz Church Road,
Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat : 1/16 undivided share in 4161 sq. ft. and flat bearing door No. 81, Luz Church Road, Mylapore, Madras-64.
Mylapore/Doc. No. 298/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM TINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006**

MADRAS-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 185/Mar. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000¹ and bearing No. R. S. No. 1692/30B Block No. 35 situated at 18, Baliah Avenue Luz Church Road, Mylapore Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 299/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Jagan Suri,
18, Baliah Avenue,
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri A. Aboobucker,
16, Edward Elliotts Road, Mylapore,
Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant Land at 18, Baliah Avenue, Luz Church Road Mylapore Madras-4.

(Mylapore Doc. No. 299/85.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006**

MADRAS-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 157/85 Mar. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, III Main Road, Telepost situated at Colony, West Mambalam Madras-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 315/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri S. Parthasarathy,
187, Abusali Road,
Baskar Colony Sahigramam,
Madras-92.

(Transferor)

(2) Sri R. Viswanathan,
42, Mount Road,
Guindy, Madras-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 6, III Main Road, Telepost colony West Mambalam Madras-33.

(Madras Central Doc. No. 315/85.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 192/Mar. 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1 00,000/- and bearing No.
Flat No. C/201, Ushanagar C.H.S. Ltd., Village Road
19, Narasimhapuram Mylapore situated at Madras-4
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Mylapore Doc. No. 327/85 on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration of such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

- (1) Sri N. Srinivasa Iyer and Others,
19, Narasimhapuram Mylapore,
Madras-4.

(Transferor)

- (2) Smt. A. Meena Rao,
4, Kennedy Second Street,
Mylapore Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Mylapore D. No. 19, Narasimhapuram
Madras-4.

(Mylapore Doc. No. 327/85.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 198/Mar. 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 46, Sir C. P. Ramaswamy Iyer Road, situated at Abirampuram Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 359/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
104—356GI/85

- (1) Sri K. A. Sellamuthu,
67, Second Main Road,
Raja Annamalaiapuram, Madras-28. (Transferor)
- (2) Sri P.L. Chidambaram,
B5, 21, Abirampuram 1st Street,
Madras-18. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Mylapore village D. No. 46, Sir C. P. Ramaswamy Iyer Road, Abirampuram.
(Mylapore Doc. No. 359/85.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM LT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS 600 006

MADRAS-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 205/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. Nos 174/1 part, 173/3 part, situated at 173/5, Ennore village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc No 729 to 732/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Mrs. D. Nagabbushnam and others, Sri D. Lakshmana Reddy and others, Sri Janakirama Reddy, Mr. D. Subbaraghava Reddy,
(2) Sudhir Navin, Guru, all sons of D. Hemachandra Reddy, Bylather and natural guardian D. Hemachandra Reddy, Ramareddypalayam, Minjur Post Ponneri Taluk, Chengalpattu Dist. (Transferor)
(2) M/s. V. G. P. Housing Pvt. Ltd., VGP Square, Sordanet, Madras-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Dry Lands : At S Nos 174/1, Part, 173/3 part 173/5, Ennore village, 729 to 732/85/Mds. South.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 209/Mar. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 52 Justice Ramaswamy Road, situated at Kamaraj Avenue, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South I No. 887/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri S. M. Bose,
52, Justice Ramaswamy Road,
Kamaraj Avenue, Madras-29.

(Transferor)

(2) Sri S. Balu Naidu,
37, Dharmalakshmi Avenue,
Adyar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 52, Justice Ramaswamy Road,
Kamaraj Avenue, Madras-20.
Madras South Doc. No. 887/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 214/Mur.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Aiyappanthemgal Village situated at Sriperumbudur Taluk Chinglepet District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South Doc. No. 944/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ling persons, namely :—

(1) Sri K. V. Gajapathy,
2/87, Main Road,
Kattipakkam Village.

(Transferor)

(2) Sri C. Sathyanarayana and others
19, Ranghabasbhamchetty Street,
Saidapet, Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Aiyappanthemgal Village Sriperumbudur Taluk Chinglepet Dt.
(Madras South Doc. No. 944/85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref No. 217/Mar.85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason
to believe that the immovable property having a fair market
value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 114, Venkatarangam Street, situated at Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Triplicane Doc. No. 176/85 in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Sri Parthasarathy,
114, Venkatarangam Street,
Triplicane Madras. (Transferor)

(2) Sri A. D. Kesavan,
1, Rani Annadurai Street,
Raja Annamalaipuram, Madras-28. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 114, Venkatarangam Street,
Madras.

(Triplicane Doc. No. 176/85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 219 March 85.—Whereas, I, **MRS. M. SAMUEL**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thirukkarugavoor, situated at Seergali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirkali/Doc. No. 217/85 (3 Nos.) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid is more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument, the object of :—

(1) Mrs. P. L. A. Alamelu Achi,
W/o Sri A. Annamalai Chettiar
Thirukkarugavoor, Sirkali.

(Transferor)

(2) Sri T. V. Manoharan,
S/o H. Venugopal Pillai,
Srinivasa Swamy Koil,
North Street, Cheranadu,
Mayiladuthurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building : Thirukkarigavoor, Seerkali.
Sirkali/Doc. No. 217/85 (3 Nos.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 220/March 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 5/58, 5/59A, Kilakadai Veedhi, situated at
Satyamangalam,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Doc. No. 816/85 in March, 1985
consideration which is less than the fair
the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Sri S. K. Rathinavelu,
S/o Sri S. V. Krishnachettiar,
Varadampalayam. (Transferor)
- (2) Sri T. K. Rangasamy,
S/o Sri Karuppasamy,
Bharanisagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 5/58, 5/59A, Kilakadai
Veedhi, Satyamangalam.

Satyamangalam/Doc. No. 816/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Mudras-600 006, dt. 5th November 1985

Ref. No. 226/March 85.—Whereas, I,
MRS M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R. S. No. 408/5 situated at Sirkali Vattam (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirkali, Doc. No. 176/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely,—

(1) Smt. Thirupurasundari Ammal
W/o Sri Jagadeesaiyer, and another,
Vadakkumadavilagam, Sirkali.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Sherif,
S/o Janab Abdul Hameed,
Eranallur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : Sirkali (R.S. No. 408/5)
(Sirkali/Doc. No. 176/85.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 227/March 85—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No 61, Iswaradoss Lala Street, situated at
Triplicane, Madras-5
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Triplicane/Doc. No 182/85 in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely:—

105—356GI/85

- (1) 1. Sri C. P. Tarabai
2. Sri C. P. Srinivasan,
3. Sri C. P. Satagopan,
4. Sri Kotainayaki
5. Smt. Padmavathi,
61, Iswaradoss Lala Street,
Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

- (2) Smt. K. Shenbagavalli and K. Kannan,
49, Venkatarangam Pillai Street,
Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 61, Iswaradoss Lala Street, Triplicane, Madras-5.
182/85 Triplicane.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 5-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 1/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 2 (part) Dhandayuthapani Nagar, situated at Adyar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at North Madras in March, 1985/Doc. No. 705 & 706/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri D. R. S. Chari and others,
Madras.
(Transferor)
- (2) Mrs. M. Kala Reddy, and another,
18, Satyanarayana Avenue,
Madras-28.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: T.S. No. 2 (part) Dhandayuthapani Nagar, Adyar
Madras.
Madras North/Doc. No. 705 & 706/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 5-11-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 76/March 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Kumarapalayam Village, situated at Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore/Doc. No. 1104, 1103/85 in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of transfer
in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- | | |
|--|--------------|
| (1) Sri K. Vijayakumar
S/o Sri Kalagarathinagounder,
177, Bharathiar Road,
Papanasickenpalayam, Coimbatore. | (Transferor) |
| (2) Sri Kantilal and others,
S/o Sri Devilal
182, Rangagounder Street,
Coimbatore. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : Kumarapalayam Village, Coimbatore Taluk.
Coimbatore/Doc. No. 1103, 1104/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 128/March 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Agrl. lands in S. Nos. 193/2, 258, 174/1, 195, 194/3, 173/2,
173/7 and 173/5 situated at Ennore Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Madras South/Doc. No. 668 to 670/85 in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) 1. Sri V. N. Nagabhusanam and others,
Ramareddipalayam, Palem Minjur,
Chengalpet, (Ponneri),
2. Mrs. Sarojini Ammal
W/o Mr. Muralidhara Reddy,
Ramareddipalayam, Palem Minjur,
Chengalpet, (Ponneri)
3. Smt. D. Sumathi,
Ramareddipalayam, Palem Minjur,
Chengalpet, (Ponneri) (Transferor)
- (2) M/s. VGP Housing P. Ltd.,
VGP square, Madras-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands : S. No. 193/2, 258, 174/1, Ennore
Village.
Madras South/Doc. No. 668, 669, 670/85.

MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st November 1985

Ref. No. 152/March 85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/5th share of undivided land in R.S. No. 2/17 & 2/41 (Nos. 7, 7A & 7B, Kodambakkam High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 251, 252 and 253/85 in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mr. A. V. M. Jaffardeen,
No. 6-D, S. S. Iyengar Road,
Madras-18.
2. Miss Shafik Banoo Jaffardeen
and Master Cassim Fareed, Jaffardeen,
rep. by guardian A. V. M. Jaffardeen,
No. 6-D, S. S. Iyengar Road,
Madras-18.

(Transferor)

- (2) 1. Miss Shafika Banoo Jaffardeen,
No. 6-D, S. S. Iyengar Road,
Madras-18.
2. Miss Shafika Banoo Jaffardeen
rep. by guardian A. V. M. Jaffardeen,
No. 6-D, S. S. Iyengar Road, Teynampet,
Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1/5th share of undivided land in R.S. No. 2/17 and 2/41 (Nos. 7, 7A and 7B, Kodambakkam High Road, Madras.

Madras Central/Doc. No. 251, 252 and 253/85.

MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 1-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 158/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 174, Eldams Road, Teynampet, Madras-18 situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 329/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lalitha Kumari and
K. Yamuna Devi,
Bd 17, II Main Road, City Colony,
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Haji and Abubacker Haji,
87, Luz Church Road,
Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : No. 174, Eldama Road, Teynampet, Madras-18.

Madras Central/Doc. No. 329/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 187/March 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. 146, Injambakkam Village, Saidapet Taluk,
situated at Chingleput Distt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Adyar/Doc. No. 521/85 in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
person, namely :—

- (1) Mrs Shirin Ashraf Hussain,
W/o Mr. Ashraf Hussain
R/o. 'Dilshad', Pattom, Trivandrum,
Represented by Power Agent,
Mrs Zubaida Mankar.
(Transferor)
- (2) Mrs. Jayanthi, Jothi,
W/o Dr. N. Jothi,
54, Nichols, 900, Davidson St.,
New Jersey, USA.
Address : at Pudur, Keniambadi, N. A. Dist.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said period of
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Field No. 43, 146, Injambakkam Village,
Chingleput.
Adayar/Doc. No. 521/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd
Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Hargopal Mohatta,
85, Netaji Subhash Road,
Calcutta-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1985

Ref No. P.R. No. 3823 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I'
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Three Tier Bldg No. U Basement No. 10, Shop No. 10,
Office No. 10, at India Textile Market, Ring Road, Surat
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned
on 26-2-1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Form No. 37EE is submitted in the office of the under-
signed in February, 1985.G. K. PANDYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad-380 009Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Date : 9-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.
Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Mrs. Bimla Bagari
31B, Atlas Aptt. Harkness,
Bombay-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3824 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as
the 'said Act', have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Three Tier Bldg No. 4 Basement No. 5 Shop No. 5 Office
No. 5 India Textile Market, Ring Road, Surat
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned
on 28-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-
signed in February, 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
person, namely :—
106—356GI/85

Date : 9-10-1985
Seal ;

FORM I.T.N.S.—

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.
Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nirmala Bhattar,
31B, Atlas Aptt. Harkness Road,
Bombay-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3825 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 4 Three Tier Bldg. No. U Basement No 4 Office No. 4 at India Textile Market Ring Road, Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 28-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in February, 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3826 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Three Tier Bldg. No. 4 Basement No. 3 Shop No. 3 Office No. 3 1st Floor India Textile Market, Ring Road, Surat. Form No. 37 is submitted in the office of the undersigned on 26-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.
Nr. Kinnery Cinema,
Ring Road, Surat.

(Transferor)

- (2) Mrs. Urmila Daga
31B, Atlas Aptt. Markness Road,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in February, 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad-380 009

Date : 9-10-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3827 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Three Tier Bldg Basement No. 20 Shop No. 20 Office No. 20 Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 18-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.
Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Mr. Shivkumar Lachiram Bagla
Vinod L. Bagla
Satyanagaray Bhuvan,
5th Floor, Worli,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in February, 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad-380 009

Date : 9-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3828 Acq-23/II/85-86.—Whereas, J. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- value exceeding

Three Tier Bldg. No. 4 Basement No. 9 Shop No. 9, Office No. 9

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 26/2/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.,
Ring Road,
Surat.

(Transferor) (s)

- (2) Mr. Krishnakumar Bagari,
31B- Atlas Aptt.,
Harkness Road,
Bombay.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 9-10-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3829 Acq-23 II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Three Tier Bldg. No. U 6, 7, 8 in Basement Shop and Offices at India Textile Market Ring Road Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 26/2/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.
Ring Road,
Surat.

(Transferor) (s)

(2) Mrs. Manju Bagari,
31-B, Atlas Aptt.,
Harkness Road,
Bombay.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 9-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Sanjeev Premises Co. op. Socy. Ltd.,
Ring Road,
Surat.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

(2) Hemangini Hirubhai Patel,
E. F. First Floor Geeta Aptt.,
Polia Street,
Nanpura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3830 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. J. 102, India Textile Market, Ring Road, Surat
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned
on 4/2/1985

or an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-
signed in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3831 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing J. 707 & J 708 on 7th Floor India Textile Market Ring Road, Surat

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 23-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Sanjeev Premises Co. op. Hsg. Socy Ltd.,
Ring Road,
Surat,

(Transferor)

(2) M/s J. K. Synthetics Ltd.,
Sarnath, 10th Floor,
Bhulabhai Desai Road,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3832 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J. 104 at India Textile Market, Ring Road, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 4/2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

107—356GI/85

(1) M/s. Sanjeev Premises Co. op. Hsg. Socy Ltd.,
Ring Road,
Surat.

(Transferor)

(2) Patel Kankuben Ambala,
5 551, B. Haripura Main Road,
Bhavani Wad,
Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3833 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat J. 605 6th Floor, India Textile Market, Ring Road, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 4/2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Sanjeev Premises Co. op. Hsg. Socy Ltd.,
Surat,
(Transferor)
- (2) M/s Sureka Textile,
63/71, Dadi Sheth Agiyari Lane,
3rd Floor, Bhuvneshwar,
Bombay-400 002,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref No P.R. No 3834 Acq-23 'II/85-86—Whereas, I, G K. PANDYA,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. J. 103 India Textile Marget, Ring Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No 37EE is submitted in the office of the undersigned on 8/2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Sanjeev Premises Co. op. Socy. Ltd.,
Ring Road,
Surat.
(Transferor) (s)
- (2) Kamladevi. J. Agarwal 'Sakat',
Agrawal Nagar,
Dhola,
Maharashtra.
(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHERAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3835 Acq-23/11/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Proposed Flat No. 5-C in Ravi Chhaya Aptt.—Athwa Lines,
Surat(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned
on 26/2/1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the effect of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Ravi Enterprise,
-
- Nanpura,
-
- Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Manekchand Motilal,
-
- Shop No. L. 1064, Surat Textile Market,
-
- Ring Road,
-
- Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;
-
- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-
signed in Feb., 1985.G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
AhmedabadDate : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3836 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing

Proposed Flat No. 4-A in Ravi Tej Aptt. Opp : Loudes Con-
vent School, Athwa Lines, SuratForm No. 37EE is submitted in the office of the undersigned
on 26/2/1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(1) M/s Ravi Enterprise,
Nanpura,
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Sitarambhai
Ramkunvar Goyal & Others, Surat,
302, Radhika Terrace Nanpura,
Dhobi Sheri,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of the notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the health
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been of
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Form No. 37EE is submitted in the office of the under-
signed in Feb., 1985.G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
AhmedabadNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3837 Acq-23 II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Proposed Flat No. 6B in Ravi Chhaya Aptt., Athwa Lines, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 26/2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Ravi Enterprise,
Nanpura,
Athuyar Street,
Surat.
(Transferor)
- (2) Shri Shashikantbhai Chhotalal Patel & Others,
C/o Bhanubhai Patel,
9th Floor Triveni Aptt. Nanpura,
Timaliavad,
Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3838 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Proposed Flat No. 6C, in Ravi Tej Aptt. Athwa Lines, Surat the Competent Authority Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 26/2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Ravi Enterprise,
Nanpura,
Surat. (Transferor)
(2) Smt. Savitaben Ravindra Arya & Others,
Vrandavan Aptt. God-Dod Road,
Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 11-10-1985
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref No P R No 3839 Acq-23/II/85 86 —Whereas, I, G K PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No

H-9 Industrial Shed of B.I.D.C. Gorva Baroda S No 1178, 1179, 1180 1190/1 of Gorva (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R Baroda in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Rameshbhai Nathabhai Patel & Others
Hari Krupe,
Alkapuri,
Baroda

(Transferor)

(2) Dahyabhai Kashibhai Patel & Ors.,
H 9, Industrial Shed,
B.I.D.C. Gorva,
Baroda

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S R Baroda during March, 1985 for A C Rs 1,55,000/-

G K PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range II
AhmedabadDate 24-10-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3840 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land & Bldg. S. No. 479 2-3 paiki plot No. 6 & 12 sit No. 40/56 C. S. No. 4197 Deep Sharan Socy. Old Padra Road, Behind Dinesh Mill, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Baroda in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

108—356GI/85

(1) Yashvantrao Nanasaheb Shinde,
Aasha Vila,
Juna Padra Road,
Behind Dinesh Mill,
Vadodara.

(Transferor)

(2) Deep Saharan Socy.,
Old Padra Road,
Behind Dinesh Mill,
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda on 19-3-1985 for A. C. Rs. 10,50,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 24-10-1985
Seal :

FORM FINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3841 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land and Bldg. at 20, Anand Nagar Socy. Productivity Road, Nr. New India Industries, Baroda C. J. No. 1141 sit No. 36 R. S. No. 105 at Jetalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Baroda in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Maniben
Wd/o Meghaji Raja Chauhan,
Anand Nagar Socy. Race Course,
Baroda.
(Transferor)
- (2) Manibhai Asharam Shah,
58, Sampatrao Colony,
Alkapuri,
Baroda.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda during March 1985 for A. C. Rs. 5,00,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 24-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3842 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17-A, Shastrinagar Socy., Nizampura Baroda bearing S. No. 46, 47, 48-1, 48-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Baroda in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maniben Chhaganlal Patel,
17-A, Shastrinagar Socy.,
Nizampura,
Baroda, (Transferor)
- (2) Smt. Damyanti Navinchandra,
17-A, Shastrinagar Socy.,
Nizampura,
Baroda. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda during March 1985 for A. C. Rs. 2,25,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 24-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3843 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. bearing S. No. 77, 78B V. T. No. 813 adm area of 547.31 sq. mtr. of Raopura, Baroda (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Baroda in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kamlaben Kamlakar Pagodar,
76, Matru Chhaya,
Bombay. (Transferor)
- (2) Girija Real Estate Developers,
Tarsali, ..
Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda during March, 1985 for A.C. Rs. 5,21,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 24-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd.,
Umarwada,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Ram Textile,
Prop : R. A. Makkar,
7, Krishna Cloth Market,
Chandni Chowk,
Delhi-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 14th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3844 Acq-23/II 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pedhi No. 905 at Bombay Market, Umarwada, Surat Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned (and more fully described in the Schedule annexed hereto) on 2/2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3845 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pedhi No. 1003 at Bombay Market, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 2/2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd.,
Umarwada,
Surat.

(Transferor)

(2) Lilavati Ramanlal & Others,
7/3618, Rampura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3846 Acq-23 II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Pedhi 508 at Bombay Market, Umarwada, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 2/2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Bombay Market Art Silk Co. op. Sozy. L.d., Umarwada, Surat. (Transferor) (s)
(2) M/s Shreekant Sitaram Sarda, Chandra Chowk, 7th Lane, M. J. Market, Bombay. (Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24/10/1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3847 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat J. 505 India Textile Market, Ring Road, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 4/2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s Sanjeev Premises Co. op. Hsg. Socy. Ltd.,
Nr. Kinnery Cinema,
Ring Road,
Surat. (Transferor) (s)
- (2) Mr. Sandeep Kumar Lohia,
1/7, Nrityagopal Chhaterji Lane,
Calcutta-700 037. (Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM 111S—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th October 1985.

Ref. No. P.R. No. 3848 Acq.23/11/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. T 2115 at Bombay Market Ring Road—Surat. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Surat on 11-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
109—356GI/85

(1) Sarswatiben Mohanlal Modi,
56—Krishnakunj Athwa Lines—
Surat.

Transferor)

(2) Vasantilal Roshanlal
Salabatpura—
Sidhi Sheri Naka—
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2176 Dated 11-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd floor, Handloom House, Ashram Road
Ahmedabad-380009.

Date: 14-10-1985
Seal.

FORM ITNS—

(1) Narendrakumar Lallubhai Dube & Ors.,
Kalol Darwaja—Godhra Dist: Panchamahals.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohmadhussein Kurbanhusseln Mithiborwala,
Amli Falia—Vorwad—Godhra
Dist: Panchamahals.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3849.Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and being
Bldg. at Chitra Cinema Road—
Godhra bearing City file No. 333/2/1 TPS. 1 FP No. 33/1
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
Godhra bearing City file No. 3 33/2/1 TPS. 1 FP No. 33/1
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering office
at S. R. Godhra on 13-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section 1) of Section 269D of the said Act to the following
person namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Godhra on 13-1-1985 for
A.C. Rs. 2,50,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd floor, Handloom House, Ashram Road
Ahmedabad-380009.

Date : 15-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Parikh Kuberdas Prabhudas—
Kapad Bazar, Kapadwanj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Girish Madhukar Gupta,
440/2 Sector 22,
Gandhinagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3850/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ground Floor in sector 29—Plot No. 419/24 at Gandhinagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Gandhinagar on 28-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Gandhinagar on 28-3-85 for A.C. Rs. 2,15,000/-

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd floor, Handloom House, Ashram Road
Ahmedabad-380009.

Date : 15-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shah Mohanlal Eanmal,
at Madhi Dist. Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Ushaben Prannath Gaega,
Sahyog Co-op. Society, Dahy,
Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3851/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No. .
Shop No. L. 19 at Bombay Market—situated at Umarwada—
Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering office
at Surat on 22-3-1985

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration and
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXX of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the deflection or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2562 dated
22-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
2nd floor, Handloom House, Ashram Road
Ahmedabad-380009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Harihar Silk Traders—
Rampura Main Road—Surat.

(Transferor)

(2) Khamanibai Sohanlalji,
fl. 20—Bombay Market—
Umarwada—Surat

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 14th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3852./Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

SEsp No. II, 20 at Bombay Market Umarwada Surat
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer
at Surat on 22-3-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration thereto by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the Object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within period of
forty five days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of thirty
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within forty five days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2593 dated
22-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd floor, Handloom House, Ashram Road
Ahmedabad-380009.

Date.: 14-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3853/Acq.-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 93 of the village Jamalpor Tal. Navsari Plot of land adm. 14104 sq. mtr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Navsari on 28-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ahmad Ishak Jogi & Ors.
Navsari.

(Transferor)

(2) Shivparvatikurpa Co-op. Hsg. Socy.
President,
Ramanlal Dahyalal Pandya,
Giriraj Aptt. Behind Giriraj Socy.,
Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Navsari on 28-3-1985 bearing reg. No. 136/5 for the A.C. Rs. 2,60,001/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 14-10-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Mumtaz Sultan Pradhan,
Zampa Bazar, Nani Daman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shah Jada Haji Mohmad Vapi wala,
Bazar Road,
Vapi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. P. R. No. 3854/Acq.-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bljg. at Vapi Tal. Pardi Nr. Bus Station bearing S. No. 482 Ward No. 2 House No. 18 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Pardi on 26-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

A sale deed was regd. by S. R. Pardi on 7-2-1985 for A.C. Rs. 2,45,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3855/Acq.-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land and bldg. Nr. Kanyashala at Vapi C. S. No. 2344, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pardi on 15-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or when ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shah Shankarlal Velaji,
At Vapi,
Tal. Pardi.

(Transferor)

(2) Shah Bhurchand Mishrimal,
Nr. Kanyashala At. Vapi,
Tal. Pardi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Pardi on 15-3-1985 for A. C. Rs. 1,25,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 14-10-1985

Seal :

FORM No. ITNS—

(1) Dhansukhlal Atmaram Jariwala,
Navapura Ranavad, Kanbi Sheri,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Textile Traders Association,
Devilal Shah,
O/3269, Surat Textile Market,
Ring Road, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3856/Acq.-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Umarwada Ring Road TPS No. 8 FP No. 138 Paiki Plot No. 12, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2825 dated 29-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

110—356GI/85

Date : 24-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3857/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. TPS No. 8 F. P. No. 138 Paiki Plot No. 10, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office Surat on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kirti Dayaram Jariwala,
Galemandi Khumbhar Sheri,
Surat.

(Transferor)

(2) Textile Traders Association,
C/o Shop No. O/3269,
Surat Textile Market, Ring Road,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2829 dated 29-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 24-10-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3858/Acq.-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. at Chitra Cinema Road Godhra bearing Tika No. 3 Lat No. 33/2/1 TPS No. 1 F. P. No. 33/1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Godhra on 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shyamlataben Lallubhai Dube,
Kalol Darwaja, Godhra.
(Transferor)
- (2) Mohmedhussain Kurbanhussain Mithiborwala,
Amli Falia, Vorwad,
Godhra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Godhra on 13-3-1985 for A. C. Rs. 1,60,000 in respect of a bldg.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 15-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3859 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. T. 3126 at Surat Textile Market—Ring Road, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Dipak Textiles,
Rameshbhai Jariwala
Kharadi Sheri—Zampa Bazar Surat. (Transferor)
- (2) Juneja Textiles,
Mohanlal Totabhai Juneja
Ramnagar Rander Road, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2137 Dt. 8-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II
Ahmedabad

Dt. : 24-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3860 Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/-and bearing No.
Shop No. N.3086 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
Surat on 18-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Chimanbhai Bayanbhai Jariwala & Ors.
Moti Sheri, Lal Darwaja, Surat. Transferor(s)

(2) M/s L. K. Silk,
Kiritnath Lalchand & Ors. Transferee(s)
Begampura, Bombay vad, Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2426 Dt.
18-3-1985.

G. K. PANDYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dt. : 24-10-1985
Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3861 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing No. Plot No. B. Ind. 210 at Udhana Udyognagar, Udhana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 22-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Palvrise Metals,
Partner, Bhuvendra Gunvantbhai Patel & Ors.
Udhana Udyognagar Road No. 8
Udhana Dist : Surat.

(Transferor)

- (2) Rameshchandra Umiya Shankar Pandya & Others,
Udhana Udyognagar Road No. 3
Udhana Dist : Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vice No. 1664 in March, 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II
Ahmedabad

Dt. : 24-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3862 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bunglow No. 39 at Shanti Niketan Coop. Hsg. Socy. Sumul Dairy Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on -3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Maniben Haribhai,
39, Shanti Niketan Socy. Sumul Dairy Road,
Surat. (Transferor)
- (2) Chhotubhai Ranchhodji Vashi
39, Shantiniketan Socy.
Sumul Dairy Road, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2134 Dtd 8-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II
Ahmedabad

Dt. : 24-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Kokilaben Dalpatram Kuberdas,
Vadi Falia—Pagathia Sheri—
Surat. (Transferor)
- (2) Ishabibi Abdulrehman Majid & Others—
Saripura—Surat. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3863 Acq.-23/II/85-86,—
Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ward No. 5, Nondh No. 384/A, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 18-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice to or sub-persons namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The documents regd. at S. R. Surat vide No. 2420
Dt : 18-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 24-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3864 Acq.-23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Umarwada Ring Road, TPS No. 8, FP No. 138 paiki Plot No. 11—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

111—356GI/85

(1) Shri Ratul Vallabhbbhai Jariwala,
Sukawalani Sheri Vadi Falia—
Surat.

(Transferor)

(2) Textile Traders Association
Devilal Shah—
Shop No. 0/3269—
Surat Textile Market,
Ring Road—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2827
Dt : 29-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 24-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ajay Maneklal Reshmwala,
Kot Safil Road—
Surat.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Textile Traders Association
Devilal Shah—
C/o Shop No. 0/3269—
Surat Textile Market,
Ring Road—Surat.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3865 Acq.-23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

TP No. 8, FP No. 138 paiki Plot No. 13, Ring Road—Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
Surat on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of payment of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Ac., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2828
Dt : 29-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 24-10-1985
Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3866 Acq.-23/II/85-86,—

Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing TP S. No. 8, FP No. 138, paiki Plot No. 15, Umarwada—Ring Road—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 29-3-1985

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pravin Ratilal Jariwala,
Kot Safil Road—
Surat.

(Transferor)

- (2) Textile Traders Association
Devilal G. Shah
0/3269—2nd Floor—
Surat Textile Market,
Ring Road—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2824
Dt : 29-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 24-10-1985
Seal :

FORM ITNS— ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3867 Acq.-23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Umarwada Ring Road—TP No. 8, FP No. 138 paiki No. 14—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bharatkumar Ratilal Jariwala,
Kot Safil Road—
Surat.

(Transferor)

(2) Textile Traders Association
Devilal Shah—
0/3269
Surat Textile Market,
Ring Road—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2826
Dt : 29-3-1985.

G. K. PANDYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 24-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3868 Acq.-23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and

Ward No. 2, Nondh No. 4614, Bldg at Sagrapura—Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Surat on 5-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (1) Smt. Taraben Dayalji Desai & Ors.
3-2-A, Shrijibag Socy.,
Navrangpura—Ahmedabad, (Transferor)
- (2) Shri Kimatbai Jethanand Lalvani,
9-A, Kokulnagar Sindhi Socy.,
Makarapura—Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
at that Chapter.

section (1) of Section 269D of the said Act to the following

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2334
Dt : 15-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
persons, namely:—

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3869 Acq.-23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3218 at Surat Textile Market—Ring Road—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahendra Shantilal & Co.,
Surat.
A-259, Juni Post Office,
Lane Mangaldas Market,
Bombay.

(Transferor)

- (2) Shri Rameshkumar Omprakash Bhatia—
C/o U-3228—Surat Textile Market,
Ring Road—Surat.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

-) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2112
Dt : 8-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3870 Acq.-23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. C. 3022 at Surat Textile Market—Ring Road—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Narendra Udyog Pvt.—
Director—Shrimati Ansuya devi Tapadia,
Power of Attorney Shri R. C. Jain—
1402-3, Raheja Centre Nariman Point—
Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Rajeshwar K. Gupta
C/o Shobha Traders,
Shop No. P-2097,
Surat Textile Market—
Surat. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2132
dt : 8-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3871 Acq.-23/II/85-86.—
Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ward No. 1, Nondh No. 864/A/1, Athugar Mohillo Nanpura—Alak Nanda Aptt., Flat No. 601—Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer at Surat on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Girish Trading Co.,
60—Keloskar Road—
Bombay-400 028.

(Transferor)

- (2) The United India Insurance,
Supreme Chambers—Ring Road—
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2320
Dt : 14-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shrimati Kanchanben Motilal Doshi,
Doshi Vado—
Vijapur. (Transferor)
- (2) Nirma Pvt. Ltd.,
701—Popular House—
Ashram Road—Navrangpura—
Ahmedabad-9. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3872 Acq.-23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land adm. 151399 sq. mtr., bearing block No. 16B of the village Mandali Dist : Mehsana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer at Mehsana on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

112—356GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Mahesana on 29-3-1985 for A.C. Rs. 3,60,479/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3873 Acq.-23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land adm. area of 46460 sq. mtr, bearing block No. 16.6 of the village Mandali, Dist : Mehsana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer at Mehsana on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lilavatiben Jayantilal Shah—
Doshi wado,
Vijapur.

(Transferor)

- (2) Nirma Pvt. Ltd.,
701—Popular House—
Ashram Road—A'bad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was ret'd. by S. R. Mehsana on 29-3-1985 for A.C. Rs. 1,12,750/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3874 Acq.-23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land adm 95142 sq.mtr. (23A, 22G) bearing Block No. 16 of Mandali Dist : Mehsena (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mehsana on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Kumarpal Motilal Doshi,
Doshivado,
Vijapur.

(Transferor)

- (2) Nirma Chemicals Works P. Ltd.,
701—Popular House—
Ashram Road—
Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Mehesana on 29-3-1985 for A.C. Rs. 2,26,879/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3875 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land adm. 5211 sq. mtr. bearing No. R.S. 615-2 of Dahegam Dist: A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dahegam on 22-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shastrinagar Co.op. Hsg. Socy.
Kantibhai Balabhai—Dahegam
Dist: A'bad.

(Transferor)

- (2) Jitendrakumar Purshottamdas Joshi
At Mahial Tal. Bayal
Dist: S.K.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Dahegam on 22-3-85 for A.C. Rs. 1,87,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Ahmedabad

Date: 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3876 Acq23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA
being the Competent Authority authorised by the Central
Government in this behalf under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
S. No. 774 784 C.S. No. 1332 1333—Baroda.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Baroda on March 85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the transferor(s)
and transferee(s) has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :

- (1) Sanjay Corporation—
Palaviben Bhupendra Patel
Fatehpura—Baroda.
(2) Rajnikant Manubhai Patel
6—Krishnakunj—Jetalpura—
Baroda.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
which ought to be disclosed by the transferee for
moneys or other assets which have not been or
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed was regd. by S.R. Baroda during March, 85
for A.C. Rs. 3,00,001.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date: 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sunilkumar Indulal Shah—
Irma Norve 74—Amarkunj Extension,
Race Course—Baroda.

(Transferor)

(2) Bharat Amantlal Dixit
10-C Shanaz 90—Napensee Road—
Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3877 Acq23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing FP No. 200 Land and Bldg. C.S. No. 619—situated at Subhanpura—Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda during March, 85 for A.C. Rs. 6,00,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Ahmedabad

Date: 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3878 Acq23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
bearing C.S. No. 2066 and 2067
Tika No. 49 R.S. No. 632 & 636 at Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Navsari on 8-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Hiralal Chhotalal Shah & O/s.
M/s H. C. Shah & Co.
Nr. Ayurvedic Hospital—
Opp: Station—Surat.
(Transferor)
- (2) M/s Sapana Builders—
6/232—M.G. Road—
Navsari.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Navsari on 8-3-85 for /
Rs. 3,74,321/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Ahmedabad

Date: 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Balvantrai Naranji Desai & Ors.
Ashanagar
Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Narayan Aptt. Co.op. Hsg. Socy.
President—
Shri Pratapray Dinkarray Desai
Subhash B. Desai—Nagarwad—
Navsari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3879 Acq23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land adm. 518 sq. mtrs. at Ashanagar bearing T. No. 69 situated at C.S. No. 3106 at Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Navsari on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 29-3-85 for A.C. Rs. 2,36,721/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 30-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No P.R. No. 3880 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269AB of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and
bearing Muni No. 6/714 C.S. No. 3104
situated at Tika No. 60 Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Navsari on 26-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—
113—356 GI/85

- (1) Gunvatrai Naranji Desai & Ors.
Ashanagar—Navsari,

(Transferor)

- (2) Anuradha Aptt. Co.op. Hsg. Socy.—
Promotor—
Sureshchandra, B. Desai
Subhash B. Desai—
Nagarwad—Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 26-3-1985 for
A.C. Rs. 5,15,879/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Ahmedabad

Date: 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3881 Acq23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
bearing No. Plot No. 21 A of the Charotar
Co.op. Hsg. Socy.
situated at Old Parda Road—Baroda,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Baroda on 19-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferees for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Chhotubhai Gopalji
P.A. Holder—
Makanbhai Tulshibhai Bhakt
At Asundar—Tal, Navsari.
(Transferor)
- (2) Bakulaben Manubhai Patel—
21-A Charotar Co.op. Hsg. Socy.
Old Padra Road—
Baroda.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda, on 19-3-1985 for
A. C. Rs. 5,67,782/-

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Ahmedabad

Dated : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Kashibhai Govindbhai Patel
P.O. Jambhva Tal. Baroda.

(Transferor)

(2) Yusufbhai Chandbhai Malaiwala
President: Unity Vahan Vahevar Sahkari
Mandali Ltd. P.O. Dabhoi
Dist: Baroda.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3882 Acq23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
bearing No. R.S. No. 615 C.S. No. 1097 paiki 1387
Sq. mtr. adm. 428 sq. mtr. at Jambua Tal.
Jambua Tal. Dabhoi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Baroda on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the ob/ of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been for
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 26-3-1985 for
A.C. Rs. 2,25,000-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Xavier's Kelvani Mandal
V.K. Father Anton D Souza,
Navrangpura—Ahmed.

(Transferor)

(2) National Trading Co.
V.K. Amratlal Keshavlal
Patel—Station Road—
Kalol.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3883 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
bearing No. R.S. No. 1156 adm. area of 7570 sq. mtr.
with two cold Storage with built up area of 250 sq. mtr.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Mehsena on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Mehseha during March, 85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Ahmedabad

Dated: 30-10-1985
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shah Enterprise—
Ambica Sadan Popat Mohillo
Nanpura—Surat,

(Transferor)

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Bank of Baroda—
Saiyadpura—
Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 30th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P.R. No. 3884 Acq23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
bearing No. Umara S. No. 45 Plot No. 3 paiki
Land & Bldg.—Surat,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Surat on 28-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide Na. 2728 Dt :
28-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Dated : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3885 Acq23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
bearing No. Plot No. 9 Masat Govt. Ind.
Estate—Silvasa
Form No. 37EE is submitted
in the office of the
undersigned on 19-1-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferees for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Sabbudin Habib Syani
C/o Sayanji Watch Service Center
78—Narayan Dhuru, Street—
Bombay-400 003.

(Transferor)

(2) Mercury Textiles Pvt. Ltd.
4, Sadhana Navroji Gamadia Road,
Bombay-400 026.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-
signed in Jan. 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Ahmedabad

Dated : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3886 Acq23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing bearing No. Bunglow in Sangama Co.op. Hsg. Socy. Rander Road—R.S. No. 475 Hissa No. 1 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 22-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ramklaben Navinchandra Desai—
Sangama Co.op. Hsg. Socy.
Rander Road—Surat.

(Transferor)

(2) Babubhai Vithaldas Suratwala & Ors.
12—Darpan Socy. Rander Road
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1751 dated 22-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Navin Virmanishakar Dave—
10/741—Ambaji Road—
Tavadia Chakala—Surat.

(Transferor)

(2) State Bank of Saurashtra—
Head Office—
Darbargadh—Bhavnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3887 Acq23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. One flat towards Direction 'East' the first floor and one flat towards Direction 'West' in the bldg. located Narmadnagar—Athwalines—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2037 dated 2-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Hasmukhbhai Laxmanbai—
V. K. Gordhanbhai Laxmanbhai
Surat.

(Transferor)

(2) Thakorbhaji Prabhubhai Patel & Ors.
Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3888 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Bungalow at Sultanabad (Dumas) S. No. 209 Dist. Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 2-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2058 dated 2-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

114—356 GI/85

Date: 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961))

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3889 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and
bearing No. Land & Bldg. at Ward No. 5
Nondh No. 242 Haripura—Sukhadia Sheri
situated at Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Surat on 11-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been of
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Bachubhai W/o
Babhuhaj Maganlal Dalal—
Haripura—Sukhadia Sheri—
Surat.

(Transferor)

- (2) Champaklal Ghelabhai
Rani Talav—Dabgharwada,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2171 dated
11-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Rajendra Vadilal Gandhi
202—Lal Bahadur Sastri—
Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3890 Acq 23/II.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 11 Block No. 11 Udhana Udyog Sahkari Sangh Ltd. C-Type—Udhana—Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 26-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2274 dated 26-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3891 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Shop No. K.1289 at Surat Textile Market,
Ring Road—Surat,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
Surat on 18-3-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Sakarlal M.—Partners—
Sakarlal Manilal & Others—
Manoharpura Kolsavad—Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Chand Meghraj Keshwani
2. Omprakash Meghraj Keshwani
602—Ashwini Aptt.—Athwa Lines—
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2419 dated
18-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3892 Acq 23/11/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land adm. area of 19627 sq. mt. bearing S. No 750/1 of Indrad Tal. Kadi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kadi on 14-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Zaverbhai Hirabhai Desai—
Indrad
Tal. Kadi.

(Transferor)

- (2) Patel Metal Industries—
Partner—
Rameshbhai Joitaram Patel
Naranpura Char Rasta—Bharat Milap Socy.
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Kad on 14-3-1985 for A.C. Rs. 1,24,801.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date : 31-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 31st October 1985

Ref. No. P.R. No. 3893 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 770 adm. area of 15578 sq. mtr. at Indrad Tal. Kadi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kadi on 14-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ganeshbhai Hirabhai Desai—
Indrad Tal. Kadi.

(Transferor)

(2) Patel Rolling Mill—
Partner—
Amrutlal Joitaram Patel—
Kalol.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Kadi on 14-3-1985 for A.C. Rs. 99,099/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 31-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Rameshchandra Panachand Zaveri & Others—
Vimal Aptt. Gopipura—Kazimmedan—Surat.
(Transferor)

(2) Khatija W/o of Salebhai Mulla,
B, 403—Badri Mahal Aptt.
Athwa Lines—Surat.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 31st October 1985

Ref. No. P.R. No. 3894 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. Flat No. B 403 at Badri Mahal Aptt. Athwa Lines—
Surat,
Form No. 37EE is submitted
in the office of the
undersigned on 1-1-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or:

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-
signed in January 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 31-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Sh. Iqbal Husen Husenmiyu—
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Gala & Co.,
Ibrahim Haji Ismil Volvu
Nanji Narsinhji Chali Fateganj—
Vadodara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st October 1985

Ref. No. P.R. No. 3895 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land at Maktampura—Bharuch S. No. 35,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bharuch on 14-3-1985,
of 1908) in the office of registering officer at
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Bharuch vide No. 419
March 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 31-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Adamji Musaji Patel—
At Olpad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Suyognagar Co.op. Hsg. Socy.
2954—Hiramodi ni Sheri,
Ring Road—Surat,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st October 1985

Ref. No. P.R. No. 3896 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Olpad Block No. 210, Oldad Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Olpad on 23-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
115—356 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at Sr. Surat dated vide No. 3774 dated 23-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 31-10-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3897 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I,
G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 2—2nd floor—Puspanjali Aptt.
Athwa Lines—Surat,
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned
on 10-1-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Mrs. Meher Soly Bhesania & Others—
Manek Mansion—Dr. Laskani Lane
Machipith—Surat 395 003.

(Transferor)

(2) Lohia Machines Ltd.—
714—Rajaja Chambers—
Nariman Point—Bombay-400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(u) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXX of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37EE is submitted in the Office of the under-
signed in January, 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 31-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3898 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. at Anand TPS No. 2 FP 550 Anand, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 14-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Babubhai Purshottambhai—
Anand Gamadi near
Anand. (Transferor)
- (2) Ramnarayan Ramditamal Arora
Sardarganj—Tal. Anand. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Anand vide No. 1073 dated 14-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 31-10-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/797/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1/3rd share of House No. 387C,
situated at Phase-I, Urban Estate, Dhandari Kalan, Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
Ludhiana in March 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

- (1) Shri Bharat Bhushan S/o Shri Vir Bhan Gupta,
R/o 1157/1, Opposite Dera Kalisian,
Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S. Balbir Singh S/o S. Sohan Singh,
B.22, Focal Point, Dhandari Kalan,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of House No. 387C, Phase-I, Urban Estate,
Dhandari Kalan, Ludhiana (The property as mentioned in the
sale deed No 13304 of March 1985 of the Registering Autho-
rity, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDH/713/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share of H. No. B-XX-1166/3 situated at Kartar Singh Sarbha Nagar Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ludhiana in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Brg. Inder Pal Singh Brar S/o S. Gurbakhs Singh Brar r/o O. No. 1884/4 Peeli Sarak, Raghu Majra Patiala through GPA, Shri Mukhtiar Singh Sodhi S/o Shri Ram Singh, r/o Kothi No. 96, North Vijay Nagar Colony, Agra.
(Transferor)

- (2) Shri Sukhdev Singh S/o Shri Mukhtiar Singh r/o Vill. Sekha Sub. Teh. Malaud Distt. Ludhiana Now r/o Kothi No. 96, North Vijay Nagar Colony Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of H. No. B-XX-1166/3, Kartar Singh Sarbha Nagar Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12488 of March 1985, of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDH/780/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F. No. B-XIX/174, situated at Major Gurdial Singh Road, Ludhiana, and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sanjiv Aggarwal S/o Shri Kishore Lal Aggarwal Varjana Aggarwal D/o Shri Kishore Lal Aggarwal r/o 124, The Mall, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Panna Devi W/o Shri Bhagwani Dutt, Smt. Aruna Goel W/o Shri Hardwari Lal, R/o Mandi Kesar Ganj, Ludhiana.
(Transferee)
- (3) Shri Makhan Lal r/o H. No. BXIX/174, Major Gurdial Singh Road, Ludhiana.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. B-XIX/174, Major Gurdial Singh Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13239 of March 1985, of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jaswant Kaur w/o Sh. Vir Singh
Sh. Vir Singh s/o Sh. Ram Singh
Smt. Paramjit Kaur w/o S. Kulwant Singh
S. Desa Singh s/o Sh. Ganpat Rai
r/o. B-VIII-219, Mochpura Bazar, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Sh. Ram Narain, Sita Ram, Ashok Kumar ss/o
Sh. Nand Lal r/o 1835, Basti Abdullapur, Ludhiana.
S/Sh. Parkash Chand, Kesho Ram ss/o
Sh. Hans Rajand S/Sh. Geja Ram,
Banarsi Dass ss/o Sh. Ram Gopal
r/o 494/9, Harpal Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 1st November 1985

Ref. No. LDH/683A/84-85.—Whereas I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of H. No. B-VIII-219, situated at Mochpura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-VIII-219, Mochpura Bazar, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 12147 of March 85 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) S. Taranjit Singh s/o S. Darshan Singh
r/o 124-C, Model House Ludhiana.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Mohinder Kaur w/o Sh. Tejinder Singh,
R/o 41-A, Sarbha Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985.

Ref. No. LDH/827/84-85.—Whereas I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1/2 share SCF No. 33, situated at Sarbha Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of SCF No. 33, Sarbha Nagar Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 13564 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/683/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Booth No. 28 & 39, situated at Bhadaur House, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
116—356 GI/85

- (1) M/s. Navyug Land Development Corporation Regd. Bhadaur House, Ludhiana, through S. Amarjit Singh s/o Sh. Dhian Singh
r/o Slam Tawari Ludhiana and GPA, of
S. Mohinder Singh s/o Dhian Singh
S. Daya Singh s/o S. Jamal Singh and
Sh. Balbir Singh s/o S. Teja Singh and
Smt. Richpal kaur w/o S. Balbir Singh and
Smt. Mohinder Kaur w/o S. Amarjit Singh
r/o Slam Tawari Ludhiana and
Sh. Balwant Singh s/o S. Arjan Singh
r/o Moti Nagar Ludhiana and
S. Balbir Singh s/o S. Amar Singh
r/o Khud Muhalla Ludhiana and
S. Uttamjit Singh s/o S. Santokh Singh
r/o Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) S. Harbhajan Singh Sohal s/o S. Pritam Singh,
r/o 164-A, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booth No. 38 & 39, Bhadaur House, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12135 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No LDH/759/84-85.—Whereas I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property having a fair market
value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land measuring 4, Kanal, situated at Vill. Phagla Teh. & Distt.
Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Krishna Rani w/o Raj Kumar
r/o Guru Nanak Pura Civil Lines,
Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S. Bikramjit Singh s/o S. Avtar Singh
r/o 10/28, Pb. Agricultural University, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXV of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4, Kanal at Vill. Phagla, Teh. & Distt.
Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 13021 of
March 1985, of the Registering Authority Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. SOL/12/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Four storeyed building known as "Anji Mushroom Farm" situated at Anji, Teh. & Distt. Solan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solan in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ashwani Kumar Prashar s/o
Shri Gian Chand Prashar
R/o Saproon, Distt. Solan (HP). (Transferor)
- (2) Sh. Jagjiwan Lal Sood (Individual)
Sh. Jagjiwan Lal Sood (H.U.F.)
Sh. Jatinder Kumar Sood (Individual)
Sh. Jatinder Kumar Sood (H.U.F.)
Smt. Balbir Sood &
Smt. Ranjan Sood C/o.
M/s. Deep Tractors,
G.T. Road, Taran Taran, Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) M/s. Raghav Electronics Pvt Ltd.,
Solan-173 211 (H.P.).
(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four storeyed building known as "Anji Mushroom Farm" at Anji, Tehsil & Distt. Solan.

(The property as mentioned in the sale deed No. 102 of March, 1985 of the Registering Authority, Solan).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDH/689/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 464, situated at Model Town Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Tripta Nayar w/o Sh. Iqbal Nayar
464, Model Town, Ludhiana. (Transferor)
- (2) S. Gurdial Singh s/o Sh. Prem Singh
Smt. Amrit Kaur w/o Sh. Gurdial Singh
S. Kulwant Singh s/o Sh. Gurdial Singh
Smt. Bimpander Kaur w/o Sh. Daljit Singh
r/o 4/49, W.E.A. Katol Bagh, New Delhi.
S. Harbans Singh s/o Sh. Inder Singh
Smt. Balwant Kaur w/o Sh. Harbans Singh
S. Srinder Pal Singh s/o Sh. Harbans Singh
Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Srinder Pal Singh
r/o 15/A-39, W.E.A. Katol Bagh, New Delhi. (Transferee)
- (3) 1. Sh. Mohan Singh s/o Kartar Singh
2. Smt. Mohinder Kaur w/o Iqbal Singh
both r/o H. No. 464, Model Town Ludhiana.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 464, Model Town Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12293 of March 1985, of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal

FORM I.T.N.S.

- (1) Smt. Champa Rani D/o Sh. Vir Bhan
R/o V. Shahed Bopa Rai, Tehsil Patti,
Distt. Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Gurjit Kaur w/o S. Jaswant Singh,
215, New Model Town, Ludhiana.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/736/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of House No. B. XX.3260 situated at Gurdev Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B. XX. 3260, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12635 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

- (1) Smt. Champa Rani D/o Sh. Veer Bhan
R/o V. Shaheet Bopa Rai, Tehsil Patti,
Distt. Amritsar.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

- (2) Smt. Gurjit Kaur W/o Sh. Jaswant Singh,
215, New Model Town, Ludhiana. (Transferor)
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/728/84-85.—Whereas I
JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Portion of House No. B.XX.3260 situated at Gurdev Nagar,
Ludhiana
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House No. B.XX.3260, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12608 of
March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 11-11-1985
Signature :

FORM 118

- (1) Smt. Champa Rani D/o Sh. Veer Bhan
R/o V. Shaheed Bopa Rai, Tehsil Patti,
Distt. Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Gurjit Kaur W/o S. Jaswant Singh,
215, New Model Town, Ludhiana.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/741/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of House No. B.XX.3260 situated at Gurdev Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B. XX. 3260, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12775 of March, 85 of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/738/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of House No. B.XX.3260 situated at Gurdev Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Champa Rani D/o Sh. Veer Bhan
R/o V. Shaheet Bopa Rai, Tehsil Patti,
Distt. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Gurjit Kaur w/o. S. Jaswant Singh,
215, New Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. ~~B.XX~~ 3260, Gurdev Nagar, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 12700 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDH/707/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Share of H. No. B-XX-1195/21, situated at Sarbha Nagar Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
117—356 GI/85

- (1) Sh. God Bahadur Parshad s/o Sh. J. B. Parshad
r/o 21-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Manjit Singh
Sh. Manjit Singh s/o Sh. Bachan Singh
7-E, Sarbha Nagar Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share of H. No. B-XX-1195/21, Sarbha Nagar Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12455 of

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. God Bahadur Parshad s/o Sh. J. B. Parshad
r/o 21-I, Sarbha Nagar Ludhiana
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Manjit Singh
Sh. Manjit Singh s/o Sh. Bachan Singh
r/o 7-E, Sarbha Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDII/818/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Share of H. No. B-XX-1195/21, situated at Sarbha Nagar Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Share of H. No. B-XX-1195/21, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 13521 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985

Seal :

FORM LT.N.B.

- (1) Sh. God Bahadur Parshad s/o Sh. J. B. Parshad
r/o 21-I, Sarbha Nagar Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Manjit Singh
Sh. Manjit Singh s/o Sh. Bachan Singh r/o
7-E, Sarbha Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 8th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. LDH/720/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Share of No. B-XX-1195/21 situated at Sarbha Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Share of H. No. B-XX-1195/21, Sarbha Nagar Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 12560 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDH/740/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share of H. No. B-XX-3387, situated at Gurdev Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Tarsem Kumari D/o. Sh. Baldev Krishan r/o H. No. B-XX-3387, Gurdev Nagar Ludhiana. (Transferor)
- (2) Sh. Narinder Kumar Pathak s/o Sh. Baldev Krishan r/o. H. No. B-XX-3387, Gurdev Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of H. No. B-XX-3387, Gurdev Nagar Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 12738 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDH/747A/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share of H. No. B-XX-3387, situated at Gurdev Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Tarsem Kumari D/o Sh. Baldev Krishan
r/o H. No. B-XX-3387, Gurdev Nagar Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Rama Pathak w/o Sh. Narinder Kumar
r/o. H. No. B-XX-3387 Gurdev Nagar,
Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of H. No. B-XX-3387, Gurdev Nagar, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 12828 of March 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/737/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. $\frac{1}{4}$ share in S.C.F. No. 7, situated at Jawahar Nagar Camp, Model Town Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985.

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ajay Singh s/o Sh. Yashpal,
Beri Bhawan, College Road, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) S. Amar Singh S/o S. Inder Singh,
142, New Model Town, Ludhiana.
(Transferee)
- (3) Smt. Gurpreet Kaur w/o Dr. Manbir Singh
R/o Ludhiana Road, Raikot,
Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana.
(person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

IE SCHEDULE

$\frac{1}{4}$ share in S.C.F. No. 7, Jawahar Nagar Camp, Model Town Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12681 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/717A//84-85.—Whereas, I JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. ½ share in S.C.F. No. 7 situated at Jawahar Nagar Camp Model Town Road Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sh. Raj Bir Singh s/o Sh. Yash Pal R/o Beri Bhawan, College Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Gurjit Kaur D/o S. Waryam Singh, House No. 1007, Islam Ganj, Ludhiana. (Transferee)
- (4) Smt. Harnam Kaur w/o S. Khazan Singh, 516-L, Model Town, Ludhiana. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in S.C.F. No. 7, Jawahar Nagar Camp, Model Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the said deed No. 12541 of March, 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITIONER RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/742/84-85.—Whereas, I JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. ½ share of S.C.F. No. 7, situated at Jawahar Nagar Camp, Model Town Road Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) S. Amar Singh s/o S. Sunder Singh
R/o 142, New Model Town, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Gurpreet Kaur W/o Dr. Manbir Singh
R/o Ludhiana Road, Raikot, Teh. Jagraon,
Distt. Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in S.C.F. No. 7, Jawahar Nagar Camp, Model Town Road Ludhiana (The property as mentioned the sale deed No. 12778 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985

Seal:

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITIONER RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/732/84-85.—Whereas, I, JOGINDER
SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. ‡ share of S.C.F. No. 7

situated at Jawahar Nagar Camp, Model Town Road
Ludhiana(and more fully described in the schedule annexed hereto,
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in
March, 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income to any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Gurjit Kaur D/o S. Waryam Singh,
R/o H. No. 1007, Islam Ganj, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Harnam Kaur W/o S. Khazan Singh,
516-L, Model Town, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

‡ share in S.C.F. No. 7, Jawahar Nagar Camp, Model
Town Road, Ludhiana (The property as mentioned in the
sale deed No. 12628 of March, 1985 of the Registering
Authority, Ludhiana).JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, LudhianaNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

118—356GI/85

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIONER RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/753/84 85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. ½ share in H. No. B 18.339 (641-R) situated at Model Town, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pushpinder Kumar S/o Sh. Harbans Lal
R/o 641-R, Model Town, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Balbir Singh Anand S/o Sh. Anand Singh,
158-R, Model Town, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ portion of House No. B.18.339 (641-R) Model Town, Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 12923 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Pushpinder Kumar
S/o Sh. Harbans Lal,
R/o 641-R, Model Town, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Kulbir Kaur w/o S. Balbir Singh,
158-R, Model Town, Ludhiana. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/754/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. ‡ portion of House No. B-18.339 (641-R) situated at Model Town, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

‡ portion of House No. B.18.339 (641-R) Model Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12951 of March, 85 of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/776/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of H. No. B.I.1216, situated at Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Gurdass Ram Gupta
S/o Rai Bahadur Labhu Ram
R/o B.I.1216, Chowk Kailash Cinema, Ludhiana
now at 2-W, Apsara Co-op. Housing Society,
61B, Palli-hill Road, Bandra, Bombay-50.
(Transferor)
- (2) Shri Manish Gupta
S/o Sh. Purn Chand Gupta,
70-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B.I.1216, Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No 13197 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/792/84-85.—Whereas, I JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of H. No. B.I.1216, situated at Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gundass Ram Gupta
S/o Rai Bahadur Labhu Ram
R/o B.I.1216, Chowk Kailash Cinema, Ludhiana
now at W. Apsara Co-operative Housing Society,
61B, Palli-Hill Road, Bandra, Bombay-50.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Atbind Jain, Rajesh Jain, Rajnish Jain
s/o Sh. Mohan Jain
r/o 124D Kichlew Nagar Ludhiana and
Sh. Manish Gupta s/o Sh. Puran Chand Gupta,
r/o 70-I, Sarabha Nagar Ludhiana and
Sh. Vijay Gupta s/o Sh. Dayal Chand Gupta
r/o 81-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-1-1216, Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13307 of March, 1985, of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/805/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Portion of H. No. B. I. 1216, situated at Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurdass Ram Gupta
S/o Rai Bahadur Labhu Ram
R/o B.I.1216, Chowk Kailash Cinema Ludhiana
now at 2-W, Apsara Co-op. Housing Society,
61B, Palli-hill Road, Bandra, Bombay-50.
(Transferor)
- (2) S/Shri Arbind Jain, Rajesh Jain & Rajnish Jain
ss/o Sh. Mohan Jain
R/o 124-D, Kichlew Nagar, Ludhiana
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and the expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion of House No. N.I.1216, Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13422 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/799/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1000/- and bearing Portion of H. No. B.I. 1216, situated at Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Gurdass Ram Gupta
S/o Rai Bahadur Labhu Ram
R/o B.I.1216, Chowk Kaulash Cinema Ludhiana
now at W. Apsara Co-op. Housing Society,
61B, Palli hill Road, Bandra, Bombay-50.
(Transferor)
- (2) Shri Marish Gupta S/o Sh. Puran Chand Gupta,
70-J, Sarabha Nagar, Ludhiana
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/20th share in H. No. B.I.1216, Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13389 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (22 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1985.
Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/785/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. situated at Bindraban Road & 1/20 share of H. No. B-1-1216, Bank Road, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurdass Ram Gupta
S/o Rai Bahadur Labhu Ram
R/o B.I.1216, Chowk Kailash Cinema, Ludhiana
now at 2-W, Apsara Co-op Housing Society,
61B, Palli-hill Road, Bandra, Bombay-50.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Arbind Jain, Rajesh Jain, Rajnish Jain
ss/o Sh. Mohan Jain
r/o 124 Dr. Kichlew Nagar, Ludhiana.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/20th share in H. No. B-1-1216, Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13272 of March 1985, of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985.
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

- (1) J. Smt. Teela Wanti wif w & Sh. Subhash Chander S/o Sh. Gian Chand. for self & G.P.A. of Sh. Ramesh Chander, Satish Kpmar, Smt. Kailash Rani & Smt. Parmila Rani
r/o H. No. 579/1, Kesar Ganj Road, Ludhiana.
- (2) Shri Mantosh Kumar S/o Sh. Sunder Dass
R/o 974/1, Rajpura Road, Civil Lines,
Ludhiana.
(Transferee)
- (3) M/s Ganesh Tea Company.
Kesar Ganj Road, Ludhiana.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. LDH/794/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of shop No. B.VII.579/1, situated at Kesar Ganj Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ludhiana in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—
119—356GI/85

THE SCHEDULE

Portion of a shop No. B.VII.579/1, Kesar Ganj Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13349 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985.
Seal

FORM TINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/779/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Portion of shop No. B-VII 579/1, situated at Kesar Ganj Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Smt. Leela Wanti widow & Sh. Subhash Chander S/o Sh. Gian Chand, for self & G.P.A. of Sh. Ramesh Chander, Satish Kumar, Smt. Kadash Rani & Smt. Parmila Rani
r/o H. No. 579/1, Kesar Ganj Road, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Mantosh Kumar S/o Sh. Sunder Dass
R/o 974/1, Rajpura Road, Civil Lines,
Ludhiana.
(Transferee)
- (3) M/s Ganesh Tea Company,
Kesar Ganj Road, Ludhiana.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of shop No. B-VII 579/1, Kesar Ganj Road, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 13228 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. JGN/2/Comp/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 5K, 16M situated at Vill. Agwar Lopo Kalan Teh. Jagraon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Chand Singh s/o Sh. Kapoor Singh
r/o Vill. Agwar Lopo Kalan Teh. Jagraon,
Distt. Ludhiana.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Harbhajan Singh, Baldev Singh, Amarjit Singh
s/o Sh. Phagan Singh
r/o Vill. Agwar Lopo Kalan Teh. Jagraon,
Distt. Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6K, 16M at Vill. Agwar Lopo Kalan Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5061 of March, 1985, of the Registering Authority, Jagraon.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. JGN/3/Comp/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 6K, 16M, situated at Village Agwar Lopon Kalan, Teh. Jagraon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagraon in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chand Singh s/o Shri Kapoor Singh,
r/o Vill. Anwar Lopon Kalan, Teh. Jagraon,
District Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Kamal Singh s/o Shri Arjan Singh,
r/o Agwar Lopon Kalan, Teh. Jagraon,
District Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 6K, 16M at Village Lopon Kalan, Teh. Jagraon, District Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5062 of March 1985, of the Registering Authority, Jagraon.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11.11.1985
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

(1) Shri Harvinder Pal Singh,
s/o S. Santokh Singh,
r/o 185, Green Field, Model Gram,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur w/o S. Tarlok Singh,
r/o H. No. B-18-3652/5H/3, Green Field,
Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. 1DH/690A/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
1, Portion of H. No. B-18-3652/5H/3 situated at Green
Field, Model Gram, Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Ludhiana, in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1 Portion of H. No. B-18-3652/5H/3, Green Field,
Model Gram, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12328 of
March 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
persons, namely :—

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/704/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 4 Portion of H. No. B-18-3652/5H/3 situated at Green Field, Model Gram, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harvinder Pal Singh,
s/o S. Santokh Singh,
r/o 185, Green Field, Model Gram,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur w/o S. Tarlok Singh,
r/o H. No. B-18-3652/5H/3, Green Field,
Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4, portion of H. No. B-18-3652/5H/3, Green Field, Model Gram, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12438 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/694/84-85.—Whereas, I,

JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

1/4 Portion of H. No. B-18-3652/5H/3 situated at Green Field, Model Gram, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Shri Harvinder Pal Singh,
s/o S. S. Atok Singh
r/o 185, Green Field, Model Gram,
Ludhiana

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur w/o S. Tarlok Singh,
r/o H. No. B-18-3652/5H/3, Green Field,
Model Gram, Ludhiana

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-18-3652/5H/3, Green Field, Model Gram, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12363 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985

Seal

FORM No. ITNS—

(1) Shri Uttam Singh & /s/ Shri Sunder Singh,
r/o Patap House Patap Nagar, Ludhiana
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s. Mapco Industries, 61-B, Industrial Area,
A. Faten, Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/760/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of H. No. B-VX/959 situated at Industrial Area, B, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-XV/959, Industrial Area, B, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 13031 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1985
Seal:

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Uttam Singh s/o Shri Sunder Singh,
r/o Partap House, Partap Nagar, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) M/s. Mapco Industries, 61-B, Industrial Area,
A, Exten., Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/798/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Portion of H. No. B-VX/959 situated at Industrial Area, B,
Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income on any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

20—356GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-XV/959, Industrial Area, B,
Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 13367 of
March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

-GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/758/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing $\frac{1}{2}$ share of SCF No. 40, situated at Bhadaur House, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Lubhaya Joshi
s/o Shri Rikhy Ram Joshi,
r/o 49/70, Harpal Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Mrs. Mohini Kulwant w/o S. Kuldeep Singh Ghai,
S. Inderjit Singh s/o S. Harnam Singh,
Mrs. Bhupinder Kaur w/o S. Rajinder Singh,
r/o 290, Aggar Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$ share of SCF No. 40, Bhadur House, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 12990 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/758A/84-85 —Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/2 share of SCF No. 40, situated at Bhadaur House, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sh. Ram Lubhaya Joshi s/o Sh. Rikhy Ram Joshi
r/o 49/70, Harpal Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Mrs. Mohini Kulwant w/o S. Kuldip Singh Ghai
S. Inderjit Singh S/o S. Harnam Singh
Mrs. Bhupinder Kaur w/o S. Rajinder Singh
R/o 290, Aggar Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/2 share of SCF No. 40, Bhadaur House Ludhiana
(The property as mentioned in the sale deed No. 13009 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/807/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/4 share in House No. B. 19-327C, situated at Dr. Sham Singh Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Kumar S/o Sh. Panna Lal
R/o 327C, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Raj Bala w/o Sh. Sat Pal
R/o 757, Mochpura, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/4 share in House No. B. 19-327C, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 13425 of March 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohinder Kumar S/o Sh. Panna Lal
R/o 327C, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Pawan Jain w/o Sh. Satinder Jain
r/o H. No. 757, Mochpura, Ludhiana.
(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/797/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/4 share in House No. B. 19-327C, situated at Dr. Sham Singh Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

1/4 share in House No. B. 19-327C, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 13360 of March 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/786/84-85—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/4 share of House No. B. 19-327C, situated at Dr. Sham Singh Road, Ludhiana (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mohinder Kumar S/o Sh. Panna Lal
R/o H. No. 327C, Dr. Sham Singh Road,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Jain w/o Sh. Pushap Jain
r/o H. No. 757, Mochpura, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in House No. B. 19-327C, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 13278 of March 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/777/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/4 share of House No. B. 19-327C, situated at Dr. Sham Singh Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Kumar S/o Sh. Panna Lal
R/o 327C, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Parvesh Jain W/o Sh. Shobhan Lal
r/o H. No. 757, Mochpura, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in House No. B. 19-327C, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 13213 of March 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th November 1985

Ref. No. LDH/712/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B, situated at Muradpura, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Amar Kaur w/o Sh. Ram Singh
r/o 96, New Janta Nagar, Gali No. 6, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) M/s. Active Cycle Industries (Regd.)
1042C, Muradpura Kalsian Street, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B, Muradpura Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 12479 of March 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-11-1985
Seal.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Amal Kaur W/o Shri Ram Singh
1/0 96, New Janta Nagar, Gali No. 6,
Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s Active Cycle Industries Regd.)
1042C, Muradpura, Kalsian Gali, Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ludhiana, the 7th November 1985

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respect persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. LDH/698/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B,
situated at Muradpura Ludhiana,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana, in March 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B, Muradpura,
Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No 12397 of
March 1985, of the Registering Authority, Ludhiana)

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—
121—356GI/85

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th November 1985

Ref. No. LDH/721/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B, situated at Muradpura, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Amar Kaur W/o Shri Ram Singh
r/o 96, New Janta Nagar, Gali No. 6,
Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s Active Cycle Industries (Regd.)
1042C, Muradpura, Kalsian Gali, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B, Muradpura Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 12585 of March 1985, of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-11-1985

Seal,

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th November 1985

Ref. No. LDH/735/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B,
situated at Muradpura, Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Chandigarh March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Amar Kaur W/o Shri Ram Singh
r/o 96, New Janta Nagar, Gali No. 6,
Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s Active Cycle Industries (Regd.)
1042C, Muradpura, Kalsian Gali, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B, Muradpura, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 12653 of
March 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Nand Kishore Sethi S/o Shri Hari Chand Sethi
r/o H. No. 548, Sector 20-A, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) S. Sadh Parkash Singh and S. Har Parkash Singh
ss/o Sant Gurmukh Singh Ji. C/o 154,
Sector 40A, Chandigarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 31st October 1985

Ref. No. CHD/183/84-85.—he/cas, I,
JOGINDER SINGH,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana,
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. House No. 156, situated at Sector 40-A, Chandigarh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officer at
Chandigarh in March 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

House No. 156, Sector 40A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1346 of
March 1985 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 31-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 31st October 1985

Ref. No. CHD/185/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 1229, situated at Sector 33-C, Chandigarh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in March 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) Shri S. R. Duggal s/o Shri Mehar Chand Duggal
r/o H. No. 10161, Ukari Nagar, Factory area,
Patiala. (Transferor)
(2) Shri R. S. Bhutani S/o Late F. Sunder Singh,
r/o H. No. D-72, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later; .

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1229, Sector 33C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1349 of
March 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 31-10-1985
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1985

Ret. No. CHD/170, 84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. CF No. 9-10, situated at Sector 22-C, Chandigarh,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in March 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1947 (27 of 1947);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Harcharan Kaur wd/o Shri Santa Singh
r/o Kurali Distt. Ropar (Punjab). (Transferor)
- (2) Shri Guimail Singh s/o Shri Balwinder Singh
r/o Vill. Kheri Garna, Teh. Rajpura Dist. Patiala. (Transferee)
- (3) Central Bank of India
SCF No. 9-10, Sector 22C, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 9-10, Sector 22C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1393 of
March 1985, of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. CHD/191/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
bearing No. House No. 1872, Sector 22-B,
situated at Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

(1) Sh. Vishwa Mittar Sarma S/o Sh. Lok Nath Sarma
R/o H. No. 3907, Sector 22D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Tarsem Singh S/o Sh. Maya Dhari
Smt. Kamlesh Rani W/o Sh. Tarsem Singh
R/o H. No. 1880, Sector 22B,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1872, Sector 22B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1396
of March 1985, of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. CHD/192/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share of H. No. 17, situated at Sector 21A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sarinder Kaur W/o Late P. S. Nath,
R/o H. No. 17, Sector 21A, Chandigarh. (Transferor)
(2) Sh. Ishar Singh S/o Harnam Singh
R/o Una (H.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of H. No. 17 Sector 21A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1403 of March 1985, of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated: 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. CHD/193/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Land bearing S. No. 47, Hissa No. 2, & S. No. 47, H. No. bearing No. House No. 545, Sector 36B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
122—356GI/85

- (1) Smt. Pavinder Kaur Sidhu W/o Sh. Malkiat Singh Sidhu, R/o H. No. 545, Sector 36B, Chandigarh. (Transferor)
(2) Sh. Harnam Singh S/o Sh. Sant Singh R/o H. No. 5058/1, Sant Nagar, Karol Bagh, New Delhi-5. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 545, Sector 36B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1412 of March 1985, of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. CHD/194/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 2007, situated at Sector 15-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. A. S. Sandhu S/o Sh. Jagat Singh Sandhu
R/o H. No. 2007, Sector 15 C, Chandigarh
(Transferor)
- (2) S/Sh. Paramjit Singh Brar S. Kanwaljit Singh
Brar Ss/o Dr. Jaskaran Singh Brar,
R/o H. No. 3262 Sector 35D, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) 1. Sh. S. S. Lall
R/o H. No. 2007 Sector 15C, Chandigarh.
2. Sh. Sanjhi Ram Sharma R/o H. No. 2007
Sector 15C, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2007 Sector 15C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1417 of March 1985 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 31st October 1985

Ref. No. CHD/195/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Residential Plot No. 1115, situated at Sector 36-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sh. Harjit Singh S/o Sh. Inderjit Singh
R/o 10, Bhupinder Nagar Road Patiala.
(Transferor)
- (2) Smt. Harinder Kaur W/o Sh. Prithpal Singh Kohli
Sh. Prithpal Singh Kohli S/o Sh. Kaur Singh
R/o H. No. 252, Sector 35A, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1115, Sector 36-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1423 of March 1985 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 31-10-1985
Seal.

FORM 111A

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. CHD/196/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. House No. 121, situated at Sector 21A, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Puran Chand S/o Sh. Mat Ram
R/o Kanodia Bhawan, Hospital Road,
Bhatinda through his attorney
Sh. Tirath Ram R/o H. No. 233,
Sector 11A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Suresh Kumari W/o Sh. Mani Parkash
Sharma, House No. 233, Sector 11A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 121, Sector 21A, Chandigarh
(The property as mentioned in the sale deed No. 1474 of March, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 31st October 1985

Ref. No. CHD/198/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Residential Plot No. 716 situated at Sector 40-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1962 (11 of 1962) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Rattan Chand
S/o Sh. Ganda Ram,
R o H. No. 584, Sector 22A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. S. Chanan Singh Nijjar
S/o S. Milkha Singh Nijjar.
R/o Vill. Pandori Nijjaran,
Distt. Jalandhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 716, Sector 40-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1505 of March, 85 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 31/10/1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 4th November 1985

Ref. No. DBS 17/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land measuring 6 Bighas situated at Vill. Rampur Kalan,
Sub. Teh. Dera Bassi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Dera Bassi in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

(1) Shri Jagdish Mitter
S/o Sh. Hari Ram,
R/o House No. 67, Sector 28A,
Chandigarh for self & attorney of
S/Sh. Vishwa Mitter
S/o Sh. Hari Ram,
R/o H. No. 67, Sector 28A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) M/s Panchsheel Cooperative House Building
Society Registered, Vill. Rampura Kalan,
Sub. Teh. Dera Bassi,
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas at Vill. Rampur Kalan, Sub.
Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 177,
March, 1985 of the Registering Authority Dera Bassi.).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 4/11/1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 4th November 1985

Ref. No. DBS/18/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 5 Bighas, situated at Vill. Rampur Kalan, Sub. Teh. Dera Bassi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act and Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagdish Mitter
S/o Sh. Hari Ram,
R o H. No. 67, Sector 28A,
Chandigarh for self & attorney of
Sh. Vishwa Mitter
S/o Sh. Hari Ram,
R o H. No. 67, Sector 28A,
Chandigarh. (Transferor)
- (2) M/s Panchsheel Cooperative House
Building Society Registered,
Vill. Rampur Kalan,
Sub. Teh. Dera Bassi,
Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas at Vill. Rampur Kalan, Teh. Dera Bassi Distt. Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1535 of March, 1985 of the Registering Authority Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 4/11/1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 4th November 1985

Ref. No. DBS/19/84-85.—Whereas, I,

JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 5 Bighas, situated at Vill. Rampur Kalan, Sub. Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagdish Mitter
S/o Sh. Hari Ram,
R/o H. No. 67, Sector 28A,
Chandigarh for self & attorney of
Sh. Vishwa Mitter
S/o Sh. Hari Ram,
R/o H. No. 67, Sector 28A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) M/s Panchsheel Cooperative House
Building Society Registered,
Vill. Rampur Kalan,
Sub. Teh. Dera Bassi,
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas at Vill. Rampur Kalan. Sub Teh. Dera Bassi Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1535 of March, 1985 of the Registering Authority Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 4/11/1985

Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA**

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. CHD/37EE/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House No. 50C, situated at Phase-III-B-I,
Mohali, Teh. Kharar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

123—356GI/85

(1) Chaudhary Rattan Singh
S/o Shri Roora Singh
H. No. 1252, Sector 43B,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh Sabharwal
S/o Shri Kartar Singh
R/o House No. 48, Sector 27A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 50C, Phase III-B-I, Mohali, Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the agreement to sell dated 15-3-1985 registered with the Sub Registrar, Chandigarh at Sr. No. 5082 on 25-3-1985).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. KHR/112/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land measuring 124B, 18B, situated at
Village Kurrhi Teh. Kharar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kharar in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the terms of this notice under sub-
section (1) of Section 269C of the said Act, to the following
persons, namely:—

(1) Shri Nand Lal
S/o Shri Perma Nand
R/o H. No. 1600 Sector 7C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) The Panchsheel Co Op. House Bldg. Society Ltd.
Vill. Kurrhi Teh. Kharar,
through Jakhbir Singh Chairman.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 124B, 18B at Vill. Kurrhi Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4969 of
March 1985 of the Registering Authority Kharar)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. PHA/57/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property Area, 881 1/3 Sq. Yds. situated at Tripri Sirhind Road, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Videsh Kumar
S/o Shri Om Parkash
Self and Attorney Shri Vinod Kumar,
Shri Vimal Kumar & Shri Jatinder Kumar
Ss/o Shri Om Parkash
R/o B Town, Patiala and
Smt. Bhagwanti
Wd/o Shri Om Parkash
R/o B-Town, Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Jagmohan Singh
S/o Shri Hazur Singh
R/o 22, Yad Vindra Colony,
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property Area 881 1/3 Sq. Yds. situated at Tripri Sirhind Road, Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4960 of March, 1985 of the Registering Authority, Patiala.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 11-11-1985
-al :

FORM I.T.N.S.**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA**

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. PTA/56/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property Area 881 1/3 Sq. Yds. situated at Tripri Sirhind Road, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Chand
S/o Shri Sulekh Chand
R/o Des Raj Street,
Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Dayal Depinder Singh
S/o Shri Parshotam Singh
R/o 22, Yadvindra Colony,
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Area 881 1/3 Sq. Yds. situated at Tripri Sirhind Road, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4959 of March, 1985 of the Registering Authority, Patiala.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. PTA/55/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property, Area 881 1/3 Sq. Yds. situated at Tripri Sirhind Road, Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hari Chand
S/o Shri Sulekh Chand
R/o Des Raj Street,
Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Baljinder Kaur
W/o Shri Jagmohan Singh
R/o 22, Yadindra Colony,
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property, Area 881 1/3 Sq. Yds. situated at Tripri Sirhind Road, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4958 of March, 1985 of the Registering Authority Patiala.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTL. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. PTA/60/84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Portion of H. No. 5591/1
situated at Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Patiala in March 1985
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Gian Kaur
w/o. Dewan Hari Krishan Khosla,
r/o. Near Arya Samaj,
Patiala. (Transferor)
(2) Rameshwar Dass Smarak Samiti, through
Sh. Parshotam Dass,
r/o. Opp. Satya Narain Mandir Arya Samaj Chowk,
Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 5591/1, Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4788 of
March 1985, of the Registering Authority Patiala.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. PTA/59/84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Portion of H. No. 5591/1, situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Patiala in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Avtar Krishan Khosla,
s/o. Late Sh. Diwan Hari Krishan Khosla,
r/o. Near Arya Samaj,
Patiala. (Transferor)
- (2) Rameshwari Dass Smarak Samiti, through
Sh. Parshotam Dass,
r/o. Opp. Satya Narain Mandir Arya Samaj Chowk,
Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 5591/1, Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4787 of March 1985, of the Registering Authority Patiala).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/113/84-85.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 459, situated at Phase, VI, Mohali, Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kharar in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Murti Devi,
w/o. Sh. Atma Ram,
r/o. H. No. 459, Phase VI, Mohali
Teh. Kharar.

(Transferor)

- (2) S. Pritam Singh,
S/o S. Malak Singh
r/o. H. No. 2641, Sector 19-C, Chandigarh,
Now P. A. to Housing Commissioner (Civil
Secretariat) Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 459 Phase VI, Mohali Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4986 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/104/84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. 508, situated at Phase IV, Mohali Teh. Kharar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Kharar in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
124—356GI/85

(1) Sh. Sadhu Ram Sharma,
s/o. Sh. Amar Nath Sharma,
r/o. 1882 Sector 22B,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) S. Harinder Bir Singh Batra,
s/o. S. Satnam Singh Batra,
r/o. H. No. 1041 Sector 18-C,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 508 Phase IV, Mohali Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4795 of
March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 1st November 1985

Ref. No. KHR/110/84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. SCO No. 29, situated at Phase V, Mohali Teh. Kharar (and more fully described in the scheduled annex hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ranjit Kaur w/o. S. Guridial Singh,
Smt. Baljit Kaur w/o. S. Shansher Singh,
Smt. Gurpreet Kaur w/o. S. Paramjit Singh and
Smt. Amarjit Kaur w/o. S. Surinder Pal Singh,
r/o. H. No. 1538 Sector 34D,
Chandigarh. (Transferor)
- (2) S. Dalip Singh s/o. S. Pishora Singh,
Smt. Taripat Kaur w/o. S. Dalip Singh,
r/o. H. No. 936 Phase 7, Mohali.
Teh. Kharar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO No. 29, Phase V, Mohali Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4410 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/111/84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 524, situated at Phase, 3-B-1-Mohali, Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12 —356GI/85

- (1) Sh. Kulwant Singh,
s/o. Sh. Tarlok Singh,
Smt. Harminder Kaur,
w/o. Sh. Kulwant Singh,
R/o. H. No. 3142, Sector 47D,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Jeet Kaur,
w/o. Sh. Rattan Singh and
S/Sh. Avtar Singh, Tarlochan Singh, Amarjit Singh,
s/o. Sh. Rattan Singh,
R/o. H. No. 514 Phase, 3B-1-Mohali
Teh. Kharar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 524 Phase, 3B-1, Mohali Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4951 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/108/84-85.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 155, situated at Phase VII, Mohali Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Vinod Chaudhary,
s/o. Sh. Shyam Lal Chaudhry,
r/o. H. No. 1277, Sector 34-C, Chandigarh.
G. P.A. of Capt. Vrinder Lal Chaudhry,
s/o. Sh. M. L. Chaudhry and
Smt. Nirmal Chaudhry,
w/o. Capt. Vrinder Lal Chaudhry,
r/o. H. No. 1671 Sector 33D,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) S. Mohinder Singh
s/o. Late Sh. Hira Singh,
Miss Daljit aur,
d/o. Late Sh. Mehar Singh,
r/o. Booth No. 92, Lawrance Road,
Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 155 Phase VII, Mohali, Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4872 of March 1985, of the Registering Authority Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner or Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/114/84-85.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing House No. 426, situated at Phase 2, Mohali Teh. Kharar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Kharar in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harbars Singh,
s/o. Sh. Gopal Singh,
r/o. H. No. 324, Phase 1, Mohali Teh. Kharar,
G. P. A. of Smt. Satya Wati,
w/o. Sh. Lachman Dass Jagota,
C/o. Jagota Commercial College Main Bazar,
Ropar, (Transferor)
- (2) Sh. Roop Chand,
s/o. Sh. Labhu Ram,
r/o. H. No. 23, Sector 20A,
Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 426 Phase 2, Mohali Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 5037 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/103/84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. 2561, situated at Phase VII, Mohali, Teh. Kharar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Kharar in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer.
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

- (1) Smt. Sudesh Kumari Jolly,
w/o. Sh. Satish Kumar Jolly,
r/o. H. No. 499 Phase 2, Mohali, G. P. A. of
Sh. Preetu Ram, s/o. Sh. Chura Ram,
r/o. Model Town,
Phagwara. (Transferor)
- (2) Sh. Inder Pal Singh Ahluwalia,
s/o. Sh. Gian Singh Ahluwalia,
r/o. H. No. 2770 Sector 37C,
Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2561, Phase VII, Mohali Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4775 of
March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/107/84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 14, situated at Phase 2, Mohali Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Rajinder Lal Chaudhary
s/o. Sh. Shyam Lal Chaudhary,
r/o. Chaudhary Farms,
Vill. & P. O. Rahon
Distt. Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Sh. Arjan Singh Arora,
S/o Late Sh. Hira Singh Arora and
Sh. Manjit Singh Arora,
s/o. Sh. Arjan Singh Arora
r/o. H. No. 1701 Sector 23B,
Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 14 Phase 2, Mohali Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4871 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. KHR/109/84-85.—

Whereas J. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 567, situated at Phase 2, Mohali Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ranjit Singh,
s/o. Sh. Bagga Singh,
r/o. H. No. 566, Phase 2, Mohali,
Teh. Kharar.

(Transferor)

- (2) S. Balbir Singh,
s/o. Tikka Jagtar Singh,
Smt. Saranjit Kaur,
w/o. Tikka Jagtar Singh,
r/o. Vill. Dau,
Teh. Kharar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 567, Phase 2, Mohali Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4897 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
196-BAPUJI NAGAR,
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, 5th November 1985

Ref No IAC ACQ/BBSR 3/85-86/952-53 —Whereas, I,
R. C. SETHI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing
No 2020 situated at Chandrasekharpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bhubaneswar on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby intimate proceeding for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely —

(1) Shri Nityananda Beja
S/o Ananda Beja,
Village Cachhipur P.O. Telengapentha,
Thana Cuttack Sadar,
Dist. Cuttack

(Transferor)

- (2) M/s Ingineer Constructions
Through its partners—
1 Smt Niharini Mohanty
W/o Shri Tapan Kumar Mohanty
2 Shri Pradeep Kumar Das
S/o Late Umakanta Das
3 Smt Pranati Mohanty
W/o Shri Prabhat Kumar Mohanty
4 Dr Pranaballax Das
S/o Late Janki Ballav Das
5 Dr Smt Nishebita Das
W/o Shri Pranaballav Das
All residence of Guruprabha Raya Bagicha
P.O. Telanga Bazar, P.S. Purighat,
Dist. Cuttack
6 Smt Manasi Pattanaik
W/o Shri Prasanta Kumar Pattanaik,
Dist. Cuttack
Village Hajipur Thana-Arasama,
7 Smt Surojini Pattanaik
As above
W/o Shri Prakash Chander Pattanaik
Village Hajipur Thana Arasama
Dist. Cuttack
8 Smt Sunanda Satapathy
W/o Shri Khiraj Chander Satpathy
Village/P.O. Madhusasan, Thana Patakure,
Dist. Cuttack

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold vacant land in District Puri, P.S. No 23 Sahu-
nagar under Bhubaneswar Sub-Registrar, Mouza Chandra-
sekharpur Khata No 412/7, Plot No 329/1729 Area 3.52
Dec Rent Rs 1760 P bounded by Government land from
all sides

R. C. SETHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
196 Bapuji Nagar,
Bhubaneswar

Date 5-11-1985

Seal

